वार्षिक प्रतिवेदन
2014-15

राग्राविपंरासं
NIRDPR

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030
भारत

मिशन

- अनुसंधान, कार्य अनुसंधान, परामर्शी और प्रलेखन प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण निर्धन और अन्य पिछडे समूहों पर प्रकाश डालने, लोगों के आर्थिक और सामाजिक कल्याण के विकास को बढ़ावा देने वाले तत्वों का विश्लेषण और परीक्षण करना ।
- प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन कर ग्रामीण विकास से जुडे सरकारी और गैर सरकारी अधिकारियों के ज्ञान, हुनर और प्रवृत्ति के विकास द्वारा ग्रामीण गरीब पर विशेष जोर देते हुए ग्रामीण विकास प्रयासों को सरलीकृत करना ।

एन आई आर डी एवं पी आर
वार्षिक प्रतिवेदन
2014 - 15

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030
भारत

फोटोग्राफ : पी. सुब्रमण्यम्

कवर डिजाईन : वी. जी. भट्ट

मुदण : मेसर्स वैष्णवी लेजर ग्राफिक्स, हैदराबाद, फोन. नं. 040-2755218

विषयक्रम

क्रम संख्या	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	विहंगावलोकन	1
2.	प्रशिक्षण	10
3.	अनुसंधान	28
4.	कार्य अनुसंधान एवं ग्राम अभिग्रहण	36
5.	परामर्शी अध्ययन	43
6.	एस आई आर डी एवं ई टी सी के साथ नेटवर्किंग	47
7.	प्रलेखन	53
8.	सूचना का प्रचार - प्रसार	56
9.	ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क	58
10.	शैक्षणिक कार्यक्रम	72
11.	एन आई आर डी एवं पी आर उत्तर - पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी	81
12.	प्रशासन	109
13.	एन आई आर डी एवं पी आर का पुनर्गठन	132
14.	वित्त और लेखा	137
15.	सूचना का अधिकार (आर टी आई) अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन	140
	परिशिष्ट	

अध्याय 1

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एन आई आर डी एवं पी आर) ग्रामीण विकास मंत्रालय का स्वायत्त संस्थान होने के नाते ग्रामीण विकास और पंचायजी राज के क्षेत्र में एक मुख्य राष्ट्रीय उत्कृष्ट केन्द्र है । एन आई आर डी एवं पी आर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं, चयनित प्रतिनिधियों तथा अन्य स्टेकहोल्डरों का अनुसंधान और परामर्शी जैसे अंतर संबंधित क्रियाकलापों द्वारा क्षमता निर्माण करता है । सर्वप्रथम वर्ष 1958 में मसूरी में राष्ट्रीय समुदाय विकास संस्थान के रुप में स्थापित इस संस्थान को 1965 में हैदराबाद परिसर में स्थानांतरित कर वर्ष 1977 में इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान रखा गया । पंचायती राज प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा पंचायती राज कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर अधिक बल देते हुए संस्थान की महापरिषद के निर्णयानुसार एन आई आर डी का नाम बदलकर 4 दिसम्बर 2013 को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एन आई आर डी एवं पी आर) रखा गया । संस्थान ऐतिहासिक शहर हैदराबाद से 15 कि.मी. की दूरी पर राजेन्द्रनगर के ग्रामीण वातावरण में स्थित है । एन आई आर डी एवं पी आर ने वर्ष 2008 में अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती मनाई । इसका उदेश्य:

i वरिष्ठ स्तर के विकास प्रबंधकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, बैंकरों, एन जी ओ और अन्य स्टेकहोल्डरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करना ।

ii अनुसंधान को प्रारंभ, सहायता, समन्वयन और बढ़ावा देना ।

iii विभिन्न राज्यों में पंचायती राज संस्थानों और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली का अध्ययन करना।

iv ग्रामीण विकास हेतु कार्यक्रमों के नियोजन और कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण और समाधान का प्रस्ताव करना; और

v आवधिक पत्रिकाओं, प्रतिवेदनों ई, मॉड्यूल व अन्य प्रकाशनों के माध्यम से सूचना का प्रचार-प्रसार और विषयों का विकास करना हैं।

संस्थान के अधिदेश में ग्रामीण निर्धनों का विकास और उनकी जीवन शैली में सुधार करना शामिल है। राष्ट्र में ग्रामीण निर्धन के विकास में सरकार की अधिक और भिन्न प्रकार की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान के रुप में एन आई आर डी एवं पी आर अधिक संख्या में ग्राहक समूह की प्रशिक्षण और क्षमता विकास आवश्यकताओं को पूरा करता है । ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सफलता तथा नीति प्रतिपादन और कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं तथा चयनित प्रतिनिधियों का क्षमता निर्माण एक पूर्वपेक्षा है । संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय के ''विचार भंडार'' के रुप में कार्य करता है तथा मंत्रालय के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर कार्य अनुसंधान सहित प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य करता है । संस्थान की सेवाएँ केन्द्र और राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालय/ विभागों, बैकिंग संस्थान, लोक तथा अन्य निजी क्षेत्र के संगठन, सिविल सोसायटी, पंचायती राज संस्थान तथा अन्य राष्ट्रीय एक अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों के लिए भी उपलब्ध है । अपने अस्तित्व के 50 वर्ष से अधिक समय में एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण, अनुसंधान , कार्य अनुसंधान, परामर्शी, सूचना का प्रचार-प्रसार तथा सूचना प्रक्रिया द्वारा कार्यक्रम प्रबंध में गुणात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है । इससे ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के क्षेत्र में संस्थान राष्ट्रीय शीर्ष संस्थान के रुप में उभर कर आया है । एन आई आर डी एवं पी आर के उत्तर पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र की स्थापना 1983 में गुवाहाटी में की गई जिसकी पहचान क्षेत्र के विकास कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करते हुए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में शीर्ष संस्थान के रुप में की गई । इसके 30 वर्ष के अस्तित्व में केन्द्र ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने में विशेषज्ञता और अनुभव प्राप्त किया है ।

संस्थान के क्रियाकलाप

प्रशिक्षण

संस्थान, ग्रामीण विकास और पंचायती राज से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, सेमिनार आदि का आयोजन कर रहा है । एन आई आर डी एवं पी आर में नीति प्रतिपादन, प्रबंध और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से संबंधित वरिष्ठ तथा मध्य स्तरीय विकास कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए विशेषज्ञता और बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध है ।

इन कार्यक्रमों का बल प्रक्रिया पहलूओं के विशेष संदर्भ सहित कार्यक्रम प्रबंध की कार्यविधि और क्रियाविधि पर है जो विकासात्मक व्यावसायिको को कार्य के अपेक्षित लक्ष्य और उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करेगा । प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य ज्ञान आधार का सृजन, कौशल विकास और सही दृष्टिकोण एवं मूल्यों को समाविष्ट करना है ।

संस्थान, प्रत्येक वर्ष सतत आधार पर प्रशिक्षण क्रियाकलापों को बढा रहा है तथा उन्हें अधिक-आवश्यकता आधारित और केन्द्रित बनाने में सफल रहा है । संस्थान ने निरंतरता के आधार पर नई प्रशिक्षण पद्धतियों एवं तकनीको को विकसित कर उन्हें अपनाते हुए प्रतिभागियों की उच्च स्तर की संतुष्टि हासिल की है । इसके अलावा, अनुसंधान अध्ययनों तथा कार्यानुसंधान के निष्कर्षो का प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण निवेश के रुप उपयोग किया जा रहा है ।

संस्थान कुछ वर्षो से निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि करने में समर्थ रहा है । सम्पर्क कार्यक्रमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पाई गई । इसके अतिरिक्त संस्थान सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए विकासशील राष्ट्रों के व्यावसायियो के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा सुविज्ञता और अनुभव शेयर करने का प्रयास कर रहा है ।

पिछले पांच वर्षो के आंकडे निम्नानुसार है :

क्र. सं.	वर्ष	आयोजित कार्यक्रमों की संख्या
1	2010-11	975
2	2011-12	980
3	2012-13	998
4	2013-14	1130
5	2014-15	1286

पिछले वर्ष की आलोच्य अवधि के दौरान 1130 कार्यक्रमों में प्रशिक्षित 31640 की तुलना में 2014-15 में 1286 कार्यक्रमों में कुल 34722 प्रतिभागियो को प्रशिक्षित किया गया । वर्ष 2014-15 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर ने अनेक कार्यशालाएँ, सेमिनार, संगोष्ठियां तथा राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया और इन विचार विमर्श को रिपोर्ट और पुस्तको के रुप में प्रकाशित किया । इसमें फ्लैगाशिप कार्यक्रम : प्रभाव और चुनौतियाँ, दलित सीमान्तीकरण को कम करना, समग्र वृद्धि - भविष्य नीतियां, भारत में ग्रामीण मजदूर बाजारों में रोजगार संबंध, मजदूर बाजार तथा भारत में आदिवासी मुद्दे तथा ग्रमीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग शामिल है ।

भारत में मजदूर बाजार और आदिवासी मुद्दों पर राष्ट्रीय सेमिनार

संस्थान के अधिदेश में अपने संपर्क संस्थाओं अर्थात् राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र (ई टी सी) के प्रशिक्षण क्षमता के निर्माण में सहायता प्रदान करना शामिल है । वर्ष के दौरान इन संस्थानों में 1025 ऑफ कैम्पस तथा क्षेत्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इन कार्यक्रमों ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर अधिक बल दिया है । संस्थान, ग्रामीण विकास से जुडे बैंक सहित अनेक संस्थानों के अधिकारियों और गैर अधिकारियों को प्रशिक्षण कौशल सीखा रहा है । ग्रामीण ऋण प्रबंध के विभिन्न पहलूओं पर यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक,कार्पोरेशन बैंक आदि के 700 बैंक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया । भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालय तथा विभागों से प्राप्त अनुरोध के आधार पर एन आई आर डी एवं पी आर ने उनके द्वारा अपेक्षित विषयो पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया । वर्ष के दौरान संस्थान ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं अन्य के लिए अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया । एन आई आर डी एवं पी आर अंतर्राष्ट्रीय

संगठन जैसे आर्डो, सिर्डाप, यू एन वुमेन इत्यादि के संयोजन से कार्य करता है ।

प्रदर्शन दौरा

यह उल्लेखनीय है कि वर्ष के दौरान अंतर संस्थानिक सहयोग में वृद्धि हुई । संदर्भ अवधि के दौरान भारत में ग्रामीण विकास कार्यो के अध्ययन और प्रदर्शन दौरे के भाग के रुप में एन आई आर डी एवं पी आर में यूनिवर्सिटी ऑफ एलबर्टा, नेपाल, बंग्लादेश तथा फिजी के शिष्टमंडल ने दौरा किया । इसके अलावा, पंचायती राज तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, तेलंगाना सरकार और ग्रा वि तथा पंचायती राज मंत्री, मणिपुर सरकार ने संस्थान का दौरा किया और ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलूओं पर महानिदेशक के साथ चर्चा की ।

एन आई आर डी एवं पी आर में अफगानिस्तान शिष्टमंडल का दौरा

अनुसंधान

अनुसंधान, एन आई आर डी एवं पी आर के परिप्रेक्ष्य का एक महत्वपूर्ण घटक है । इसके भाग के रुप में संस्थान अनुसंधान, कार्यानुसंधान तथा परामर्श द्वारा ग्रामीण निर्धन तथा अन्य लाभवंचित समूहों पर बल देते हुए ग्रामीणों के सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए जरुरी कारकों की जांच तथा विश्लेषण करता है । संस्थान द्वारा आयोजित अनुसंधान कार्य, क्षेत्र आधारित प्रकृति के होते है तथा वर्तमान ग्रामीण विकास मुद्दो पर बल देते हैं । ये ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न निम्न स्तरीय मुद्दों को समझने में सहायता करते है । यह ग्रामीण विकास के लिए नीति प्रतिपादन में सहायता करता है तथा संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण घटक होता है ।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रभाविता में सुधार हेतु वैकल्पिक नीतियों के सुझाव के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन से संबंधित समकालीन समस्याओं और मुद्दों की शिनाख्त के लिए अनेक अनुसंधान अध्ययनों का आयोजन किया । ग्रामीण निर्धनों की जीवन गुणवत्ता से संबंधित विकास मुद्दों का सीधा समाधान करना अनुसंधान का मुख्य क्षेत्र रहा है । मंत्रालय ने संस्थान द्वारा किए गए अनुसंधान अध्ययनों के फीडबैक को अधिक महत्व दिया ।

अवधि के दौरान एन आई आर डी ने 30 अनुसंधान अध्ययन (अनुसंधान, कार्य अनुसंधान तथा ग्राम अभिग्रहण) आरंभ किए । अनुसंधान अध्ययन निहितार्थ पर चर्चा करने तथा अनुसंधान रिपोर्ट तैयार करने के लिए नियमित स्टडी फोरम बैठकों के आयोजन पर अधिक जोर दिया गया ।

संस्थान, स्थान विशिष्ट कार्य अनुसंधान करता है जिसमें परियोजना के वास्तविक क्रियान्वयन के दौरान चरणबद्ध रुप में विषय या मॉडल का क्षेत्र परीक्षण किया जाता है । इस संबंध में क्षेत्र में प्रचलित स्थिति के अनुसार दैंनदिन परिवर्तनों में सुधार किया जाता है । इस कार्य अनुसंधान परियोजनाओं

में स्थानीय निर्णय लेने और सहभागी मूल्यांकन के साथ योजना और कार्यान्वयन में जन केन्द्रित दृष्टिकोण को सम्मिलित करने पर बल दिया गया है । यह कार्य करते समय सीखने की प्रक्रिया है । सूक्ष्म स्तर पर संस्थान में कार्य अनुसंधान कार्यों को और सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण विकास एवं निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संकाय सदस्यों के क्षमता विकास के लिए राष्ट्र के विभिन्न भागों से सुदूर और पिछडे क्षेत्रों के ग्राम अभिग्रहण अध्ययन पर बल दिया गया। यह एन आई आर डी एवं पी आर संकाय सदस्यों को जमीनी हकीकत तथा विकास चुनौतियों से अवगत होने में समर्थ बनाता है। विभिन्न विकास मुद्दों पर एन आई आर डी एवं पी आर अपनी परामर्शी सेवाएँ अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों को उपलब्ध कराता है । उसी प्रकार संस्थान, एम ओ आर डी और अन्य केन्द्रीय मंत्रालयों एवं राज्य सरकारों के अनुरोध पर भी अध्ययन आरंभ करता है । इसके अलावा राज्य ग्रामीण विकास संस्थान तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से अध्ययन आरंभ किए गए ।

विशेष परियोजनाएँ और स्त्रोत सेल

ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सीगार्ड)

विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भू संसूचना के बढते अनुपयोग को ध्यान में रखते हुए संस्थान के ग्रामीण विकास भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सी-गार्ड) अद्यतन भू संसूचना प्रौद्योगिकी और टूल्स पर कौशल और जानकारी बढाने के लिए विशिष्ट कार्यक्रम तैयार करता है । भारत सरकार को मंजूरी के आधार पर पांच अफ्रीकी राष्ट्र जैसे किनिया अल्जेरिया, नाइजर, इक्वोटोरियल गुआन, और मैडागास्कर में सी गार्ड केन्द्रों की स्थापना की जा रही है । इसके अलावा, एस आई आर डी में भी ऐसे केन्द्रो के स्थापना की प्रक्रिया चल रही है।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर टी पी)

संस्थान ने वर्ष 1999 में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर टी पी) की स्थापना की जो ग्रामीण निर्धन के लिए उचित और समर्थ प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार को बढाना है इसका उद्देश्य उनके जीवन गुणवत्ता में सुधार के लिए आजीविका बढाते हुए सतत विकास की ओर अग्रसर होना है । आर टी पी में 40 विभिन्न प्रौद्योगिकी सहित ग्रामीण आवास के लागत प्रभावी मॉडल दर्शाने वाले राष्ट्रीय ग्रामीण भवन केन्द्र मौजूद है । ये प्रौद्योगिकी ग्रामीण भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है । इसके अलावा, ग्रामीण लोगो के लिए स्वच्छ शौचालयो की अधिक संख्या में मॉडल सहित स्वच्छता पार्क की स्थापना की गई । आर टी पी को ISO 9001-2008 भी प्राप्त है, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के भारत अफ्रीका फोरम सम्मेलन-II के तहत चरण बद्ध आधार पर एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा मलावी, जिम्बब्वे, कांगो, कोटे-डी-आइवोरे तथा दक्षिण सूडान जैसे पांच अफ्रीकी राष्ट्रो में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है ।

स्त्रोत सेल

ग्रामीण विकास मंत्रालय के विशेष कार्य को पूरा करने के उद्देश्य से एन आई आर डी एवं पी आर में स्त्रोत सेल की स्थापना की गई । इसमें ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों की परियोजना सेल (आरसेटी) राष्ट्रीय आजीविका मिशन

(एन आर एल एम) स्त्रोत सेल तथा दीन दयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी डी यू-जी के वाई) सेल, शामिल है ।

आरसेटी स्कीम, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आरंभ की गई है जिसका उद्देश्य कौशल विकास और ऋण सुविधा द्वारा ग्रामीण युवा के लिए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना करना है, संस्थान की आरसेटी परियोजना सेल, बैकिंग संगठनों के सहयोग से राज्यों में आर सेटी के लिए आधारभूत संरचना सृजन हेतु नोडल एजेंसी है । इसके भाग के रुप में, एन आई आर डी एवं पी आर को भवन आधारभूत संरचना के लिए ग्रा वि मंत्रालय द्वारा दी गई निधि की रिलीज के लिए विभिन्न प्रायोजित बैंको के प्रस्तावो की प्रक्रिया संबंधी जिम्मेदारी दी गई है ।

एन आर एल एम के स्त्रोत सेल की स्थापना एन आई आर डी एवं पी आर में की गई जिसका उद्देश्य ग्रामीण आजीविका को बढाने के लिए क्षमता निर्माण और अनुसंधान क्रियाकलापो को सुकर बनाना था । जिला, खंड और उप खंड स्तर पर अधिकारियों की जानकारी बढाने के उद्देश्य से एन आई आर डी एवं पी आर ने विभिन्न राज्यों, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) तथा विभिन्न संस्थानों में एन आर एल एम संकल्पना, उद्देश्य , नीति, ढॉचा तथा प्रचालन पर कार्यशाला सेमिनार और सत्रों का आयोजन किया।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी डी यू-जी के वाई) ग्रामीण निर्धन युवा पर बल देते हुए यह ग्रामीण विकास मंत्रालय कौशल्य प्रशिक्षण और पद स्थापना पहल है। इसका उद्देश्य पदस्थापना के पश्चात ट्रैकिंग, इसे बनाए रखने तथा कैरियर प्रगति द्वारा सतत रोजगार उपलब्ध कराना है। एन आई आर डी एवं पी आर एक राष्ट्र स्तरीय समन्वय समिति है जो परियोजनाओं का मूल्यांकन और मानिटरिंग करती है । राज्यों के डी डी यू-जी के वाई तथा परियोजना कार्यान्वयन एजेन्सियां जो कौशल्य प्रशिक्षण तथा पदस्थापना परियोजनाओं द्वारा कार्यक्रम के कार्यान्वयन में निधिपोषण और कार्यान्वयन समर्थन देने में मुख्य भूमिका अदा करते है । वर्तमान में एन आई आर डी एवं पी आर 92 परियोजनाओं की मानिटरिंग कर रहा है जिसे भारत के 16 राज्यों के 56 पी आई ए में कार्यान्वित किया जा रहा है ।

शैक्षिक कार्यक्रम

ग्रामीण विकास के चल रहे मुख्य कार्यो ने व्यावसायियों की मांग सृजित की है । इसे ध्यान में रखते हुए एन आई आर डी एवं पी आर ने ग्रामीण विकास के विचार भंडार के रुप में स्नातकोत्तर ग्रामीण विकास प्रबंध डिप्लोमा के रुप में 2008 में एक वर्ष की अवधि के प्रबंध शिक्षा कार्यक्रम आरंभ किया जिसका उद्देश्य अधिक संख्या में व्यावसायिक कार्यक्रम प्रबंधक तैयार करना था, जिनका समावेश ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सफलता के लिए आवश्यक है । अभी तक पी जी डी आर डी एम बैच सम्पूरित करने वाले सभी विद्यार्थियों को विभिन्न संगठनो में पदस्थापित किया गया । पी जी डी आर डी एम के आठवें बैच में 51 विद्यार्थियों में अगस्त 2014 से सिर्डाप तथा आर्डो जैसे सदस्य राष्ट्र अर्थात श्रीलंका, इंडोनेशिया, फिजी, घाना, बंग्लादेश तथा वियतनाम के 6 सेवाकालीन अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी भी शामिल थे । जनवरी 2015 से कार्यक्रम का नौंवा बैच आरंभ हुआ ।

संस्थान के कार्यो के व्यापक प्रचार हेतु दूरस्थ शिक्षा सेल (डी ई सी) की स्थापना वर्ष 2010 में की गई तथा एक वर्षीय स्नातकोत्तर सतत ग्रामीण विकास डिप्लोमा आरंभ किया गया । इसका छठा बैच जनवरी 2014 से आरंभ हुआ जिसमें 140 छात्रों को प्रवेश दिया गया । सुप्रशिक्षित विशिष्ट

आदिवासी विकास व्यावसायियों के विकास के लिए संस्थान ने जनवरी 2013 में दूरस्थ मोड में एक वर्षीय स्नातकोत्तर आदिवासी विकास डिप्लोमा कार्यक्रम आरंभ किया । कार्यक्रम का तीसरा बैच जनवरी 2014 में आरंभ हुआ जिसमें 33 छात्रों को प्रवेश दिया गया ।

विशेष कार्य

सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई)

संस्थान ने सांसद आदर्श ग्राम योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आरम्भ करने की बात पर जोर दिया है जो कि ग्रामीण विकास के चल रहे कार्यो की प्राथमिकता है । इसके भाग के रुप में , एन आई आर डी एवं पी आर को वरिष्ठ अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन तथा अन्य कौशल विकास कार्याक्रमों का आयोजन तथा प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना है । इसके अलावा ग्रामीण विकास और पंचायती राज के शीर्ष संस्थान होने के नाते इसे राज्य ग्रामीण विकास संस्थान तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों के क्षमता और स्त्रोत वर्ष के दौरान, एन आई आर डी एवं पी आर के प्रमुखो के साथ एस ए जी वाई पर वीडियो कांफ्रेंसिंग तथा राज्य नोडल अधिकारियों, स्त्रोत व्यक्तियों तथा एस आई आर डी के प्रशिक्षको के लिए दो ओरिएंटेशन कार्यशालाएँ आयोजित की गई ।

एस ए जी वाई पर ओरिएंटेशन कार्यशाला

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम)

स्वच्छ भारत मिशन के संदर्भ में एन आई आर डी एवं पी आर ने अपने प्रशिक्षण और अनुसंधान परिप्रेक्ष्य मिशन से संबंधित कार्य और समन्वित क्रियाकलाप आरंभ किए । एन आई आर डी एवं पी आर में स्वच्छ भारत मिशन को महानिदेशक द्वारा स्टॉफ सदस्यो, छात्रों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियो के समक्ष झंडी दिखाई गई । 2 अक्तूबर, 2014 को महानिदेशक द्वारा सभी कर्मचारियो, छात्रो, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों द्वारा शपथ दिलवाई गई इसके पश्चात सभी कर्मचारियों तथा परिसर में स्थित एन आई आर डी एवं पी आर स्कूल के बच्चों द्वारा परिसर की सफाई का कार्य किया गया ।

एन आई आर डी एवं पी आर में स्वच्छ भारत

संस्थान के परिप्रेक्ष्य में स्वच्छ भारत मिशन को समन्वित करने के प्रयास के भाग के रुप में सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण बेहतर पद्धतियां तथा अनुभव शेयरिंग पर बल सहित ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए गए । इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान स्वच्छ भारत से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

प्रलेखन और सूचना का प्रचार -प्रसार

एन आई आर डी एवं पी आर के अधिदेश में ग्रामीण विकास के सूचना का प्रचार प्रसार करना है । वर्ष के दौरान संस्थान ने ग्रामीण विकास के मुद्दों पर साहित्य प्रकाशन के अपने प्रयास जारी रखे। भारत में ग्रामीण विकास साहित्य के अग्रणी प्रकाशक के रुप में एन आई आर डी एवं पी आर अपने नियमित प्रकाशन, आवधिक प्रपत्र आदि के माध्यम से नीति निर्माता, शिक्षाविद् और अन्य के साथ वर्तमान महत्वपूर्ण मुद्दों पर क्षेत्र वास्तविकताएँ और अनुसंधान निहितार्थ बांटने का प्रयास करता है । संस्थान द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक जर्नल आफ रुरल डेवलेपमेन्ट ग्रामीण विकास तथा विकेन्द्रीकृत अभिशासन में अग्रणी शैक्षणिक पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण स्थान है । एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र प्रगति को अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में प्रकाशित किया जाता है ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार हो सके । यह संस्थान द्वारा नियमित आधार पर किए जाने वाले विभिन्न क्रियाकलापों पर भी प्रकाश डालता है । संस्थान, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के त्रैमासिक समाचार पत्र ' एंटरप्राईज ' का भी प्रकाशन कर रहा है जो आरसेटी के कार्य और युवा के कौशल विकास से संबंधित मुद्दों तथा सम्पूर्ण राष्ट्र के विभिन्न आरसेटी की खबरों को कवर करता है । इसके अतिरिक्त संस्थान अनुसंधान रिपोर्ट शृंखला, मामला अध्ययन शृंखला और कार्य अनुसंधान शृंखला के प्रकाशन निकालता है । इसमें कुल 1,16,277 पुस्तकों का स्टॉक है तथा यह अनेक सूचना उत्पाद एवं सेवाएँ उपलब्ध कराता है । पुस्तकालय, ग्रामीण विकास और संबंद्ध पहलूओं से संबंधित विभिन्न ऑनलाईन डाटाबेस का ग्राहक बना है । पुस्तकालय में ग्रामीण विकास डाटाबेस में दो लाख से अधिक संदर्भ उपलब्ध है ।

प्रशासन और वित्त

संस्थान के प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्शी क्रियाकलापों को सम्पूरित करने में एन आई आर डी एवं पी आर का प्रशासन और वित्तविंग, संकाय सदस्यों को सहायता प्रदान करता है । संस्थान की नीति और कार्यनीति का निर्धारण महापरिषद करती है । माननीय केन्दीय ग्रामीण विकास मंत्री महापरिषद के अध्यक्ष होते है । कार्यकारी परिषद, संस्थान के प्रबधन और प्रशासन का उत्तरदायी होता है जिसके अध्यक्ष सचिव, ग्रामीण विकास होते है । महानिदेशक सी ई ओ होने के नाते संस्थान के प्रबंधन के लिए जिम्मेवार होते हैं ।

शैक्षणिक और अनुसंधान सलाहकार समिति प्रशिक्षण , कार्य अनुसंधान, परामर्श तथा शैक्षणिक क्रियाकलापो को तैयार करने में सहायता करती है । संस्थान के वित्त और लेखा प्रभाग के कार्यो में संस्थान के प्रबंधन द्वारा निर्णय लेने के लिए प्रशासन / प्रशिक्षण परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मामलों में वित्तीय सलाह देने के अलावा मंत्रालय को परीक्षित वार्षिक लेखा प्रस्तुत करने के साथ-साथ बजटिंग, निधि का आहरण , लेखाकरण प्राप्ति एवं भुगतान वर्गीकरण, वार्षिक लेखा तैयार और संकलित करना शामिल है ।

उपलब्धियाँ

- भूमि संसाधन विभाग, ग्रा. वि. मं. से अभिनव अविष्कार एवार्ड
- डी एन ए तथा स्टार्स इडस्टी ग्रुप से बी स्कूल लीडरशीप एवार्ड
- देवांग मेहता शिक्षा लीडरशीप एवार्ड

अध्याय 2

प्रशिक्षण

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के लिए क्षमता निर्माण में प्रशिक्षण अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है । ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के नीति नियमन, प्रबंध एवं कार्यान्वयन से जुडे वरिष्ठ और मध्य स्तरीय विकास कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने हेतु एन आई आर डी एवं पी आर में सुविज्ञता और उत्कृष्ट आधारभूत संरचना उपलब्ध है । प्रशिक्षण और अध्ययन कार्यक्रमों का उद्देश्य ज्ञान आधार का सृजन, कौशल विकास एवं सही दृष्टिकोण एवं मूल्यों को समाविष्ट करना है ग्रामीण विकास की प्रभाविता और दक्षता के लिए प्रचलित कार्यो के प्रबंधन हेतु विकास व्यावसायिकों की आवश्यकता पर बल दिया गया है। संस्थान ने नियमित आधार पर नित-नूतन प्रशिक्षण पद्धतियों एवं तकनीकों को विकसित कर उन्हें अपनाते हुए उच्च स्तर की संतुष्टि हासिल की है । संस्थान ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक आवश्यकता आधारित एवं फोकस डालते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया है । इसके अलावा, अनुसंधान अध्ययनों एवं कार्यानुसंधान के निष्कर्षों का उपयोग अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण निवेश के रुप में किया जा रहा है । इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विश्व से अधिक संख्या में विशेषकर एशिया एवं अफ्रीका के विकासशील देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी आकर्षित हुए । इस प्रयास के भाग के रुप में निर्धनता उन्मूलन तथा ग्रामीण विकास के संदर्भ में विभिन्न क्षमता निर्माण मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । संस्थान के अधिदेश में अपने संपर्क संस्थान जैसे राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) एवं विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) की सहायता करना और प्रशिक्षण क्षमता का निर्माण करना शामिल है ।

वर्ष 2013-14 के दौरान संस्थान ने निर्धारित 1270 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की तुलना में 1286 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए । इस वर्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्रतिभागियों की संख्या (34,722) अब तक की सबसे अधिक संख्या रही । प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभाविता का औसत 85 प्रतिशत रहा है । मुख्यालय तथा तीन क्षेत्रीय केन्द्रों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्रतिभागियों की श्रेणियों के विवरण परिशिष्ट - I से V में दर्शाए गए हैं ।

उद्देश्य

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ तैयार किए गए :

- प्रभावी कार्यक्रम योजना और कार्यान्वयन हेतु विकास कार्यकर्ताओं की जानकारी बढाना, कौशलों में सुधार एवं जागरुकता बढाना ।
- कार्यशालाओं, सेमिनारों तथा परामर्श द्वारा ग्रामीण जनसंख्या की उभरती आवश्यकताओं पर नीतियॉ तैयार करना ।
- विकास कार्मिकों में व्यावहारिक परिवर्तन लाना ।
- विकास कार्यकर्ताओं को विकास कार्यक्रमों के प्रबंध में बेहतर पद्धति/सफल कहानियों की जानकारी देना।

ग्राहक समूह

एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा ग्रामीण विकास से जुडे विभिन्न ग्राहक समूहों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है । इसमें शामिल है :

- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन एवं विभागों से जुडे पदाधिकारी
- पंचायती राज संस्थाओं (पी आर आई) के निर्वाचित सदस्य
- गैर - सरकारी संगठन (एन जी ओ)
- वित्तीय संस्थायें
- सरकारी क्षेत्र के उपक्रम (पी एस यु)
- शिक्षाविद्
- अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागीगण

प्रशिक्षण के विषय

कार्यक्रमों का सम्पूर्ण उद्देश्य ग्रामीण लोगों के सशक्तिकरण द्वारा सतत ग्रामीण विकास समन्वित आर्थिक पर्यावरणात्मक आयाम को सुकर बनाना है । उभरते ग्रामीण परिवेश के संदर्भ में विकास व्यावसायियों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी योजना बनाई गई । चल रहे ग्रामीण विकास फ्लैगशिप कार्यक्रमों की प्रभावी योजना और प्रबंधन पर बल दिया गया ।

मुख्य विषयों में शामिल है एम जी नरेगा का अभिसरण, ग्रामीण आजीविका को बढाना तथा सूक्ष्म उद्यम सामाजिक लेखा परीक्षा, विकेन्द्रीकृत योजना, पंचायती राज संस्थाओं (पी आर आई)द्वारा सुशासन ग्रामीण ऋण प्रबंध, पेयजल और स्वच्छता, एन आर एम, जेन्डर बजटिंग, ग्रामीण विकास के लिए जी आई एस अनुप्रयोग एवं आई सी टी प्रौद्योगिकी आदि । इसके अलावा, नए कार्यो में अभिमुखीकरण और अन्य कार्यकमों की योजना बनाई गई है - सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई) एवं स्वच्छ भारत मिशन (एस बी एम) आदि ।

प्रशिक्षण पद्धतियाँ

विभिन्न स्वरुप का प्रशिक्षण तथा कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले प्रतिभागियों की रुपरेखा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशिक्षण पद्धतियाँ प्रयोग में लाई जाती है । कुछ पद्धतियाँ निम्नलिखित है :

- व्याख्यान - सह - परिचर्चा
- मामला अध्ययन प्रस्तुतीकरण
- समूह परिचर्चा
- पैनल परिचर्चा
- अभ्यास और अनुभव सत्र
- प्रेरक गेम्स

प्रशिक्षण क्रियाविधि के भाग के रुप में स्रोत व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुतीकरण जिसमें आंतरिक और बाहरी अनुभवों को शेयर करना एवं प्रतिभागियों के मध्य चर्चा की सुविधा मुहैय्या कराई गई । इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण पद्धतियों के भाग स्वरुप प्रचलित विकासात्मक कार्यकमों में क्षेत्र परिचय सह-अध्ययन दौरे का आयोजन भी किया गया । इससे प्रतिभागियों को श्रेष्ठ पद्धतियों और सफल कहानियों को जानने का मौका मिलेगा एवं वापस अपने गांव पहुँचकर इसे दोहराने हेतु विचार करेंगे ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2014-15 के दौरान आयोजित कुछ महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और सेमिनार नीचे दिए गए है :

पंचायती राज

- ग्रामीण आधारभूत संरचना एवं पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका
- अधिसूचित क्षेत्र को पंचायत विस्तार (पेसा) अधिनियम का कार्यान्वयन
- पंचायती राज संस्थाओं में वित्तीय प्रबंधन
- पंचायती राज संस्थाओं के द्वारा सु-शासन को बढावा देना
- पंचायती राज वित्त पोषण

ग्रामीण रोजगार

- एम जी एन आर ई जी एस में सामाजिक लेखा परीक्षा
- निर्धनता एवं असमानता प्राक्कलन
- एम जी एन आर ई जी एस में अभिसरण हेतु सहभागी योजना
- एम जी एन आर ई जी एस परिचलनात्मक दिशा निर्देशों पर अभिमुखीकरण - 2013 (संशोधित अनुसूचियों सहित)
- एम जी एन आर ई जी एस के अंतर्गत वित्तीय प्रबंधन

ग्रामीण आजीविका

- ग्रामीण आजीविकाओं की शिनाख्त और उन्नयन
- सूक्ष्म उद्यमों को बढावा देना
- एन आर एल एम का कार्यान्वयन
- स्व-रोजगार परियोजनाओं की योजना एवं कार्यान्वयन
- सूक्ष्म उद्यमों की योजना, कार्यान्वयन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन

- सततयोग्य आजीविकाओं के लिए परियोजनाओं का प्रतिपादन एवं मूल्यांकन
- एस आर एल एम डी आर एल एम के लिए प्रवेश कार्यक्रम

ग्रामीण ऋण

- ग्रामीण ऋण की प्रभावी सुपुर्दगी
- कृषि और संबद्ध क्रियाकलापों में निवेश ऋण एवं परियोजना वित्तपोषण
- एग्रि-बिजिनेस प्रबंधन
- ऋण सुपुर्दगी एवं वसूली प्रबंधन

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

- आई डब्ल्यू एम पी में आजीविकाओं को बढ़ावा देने के लिए नीतियां
- आई डब्ल्यू एम पी में जल संसाधन प्रबंधन के लिए तकनोलॉजी एवं संस्थागत व्यवस्था
- सततयोग्य आय को बढाने हेतु सहभागी जलागम प्रबंधन
- सिंचाई प्रबंधन के लिए सहभागी दृष्टिकोण
- सततयोग्य विकास के लिए एकीकृत कृषि को बढावा देना
- वर्षाजल के सततयोग्य प्रबंधन हेतु रणनीतियां

सामाजिक विकास

- विशेष रुप से कमजोर आदिवासी समूहों का विकास (पी वी टी जी)
- सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन - प्रभावी अनुश्रवण हेतु साधन एवं तकनीक
- ग्रामीण निर्धन के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रप्त करना
- निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व गुणों को सुदुढ करना
- ग्रामीण विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण
- विकासात्मक कार्यक्रमों में जेंडर बजटिंग
- ग्रामीण महिला विकास के लिए कृषि नीतियां

प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग

- एम जी एन आर ई जी एस की योजना एवं प्रबंधन में भू-आई सी टी अनुप्रयोग
- आई सी टी अनुप्रयोग एवं ई-शासन

अन्य

- आई ई सी पर फोकस देते हुए ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता कार्यक्रम का प्रबंधन
- स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता विशेषज्ञों के लिए अभिव्यवहार परिवर्तन संचार
- ग्रामीण आवास
- ग्रामीण विकास में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
- समुदाय आधारित संकट प्रबंधन
- अनुसंधान क्रियाविधि

कार्यशालाएं एवं सेमिनार

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज का शीर्ष संस्थान होने के नाते, एन आई आर डी एवं पी आर ने क्षेत्र समस्याओं और परिचलनात्मक मुद्दों का विश्लेषण और प्रस्तावित समाधान की समीक्षा एवं नीति प्रतिपादनों के उपयोग को ध्यान मे रखते हुए राष्ट्रीय स्तर कार्यशालाओं एवं सेमिनारों को आयोजित किया तथा सरलीकरण पर बल दिया है । संबंधित क्षेत्र में देश में प्रख्यात स्रोत व्यक्तियों द्वारा विशेषज्ञ प्रदान करने के अलावा अनुसंधान अध्ययनों से निष्कर्ष, कार्यानुसंधान एवं ग्राम अभिग्रहण हस्तक्षेप ये भी परिचर्चा के आधार बनते हैं। समीक्षा अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाओं एवं सेमिनारों को आयोजित किया गया ।

- राष्ट्रीय स्तर मॉनिटरों (एन एल एम) के लिए परिचर्चा कार्यशाला
- ग्रामीण विकास के लिए जेंडर बजटिंग
- सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई) पर अभिमुखीकरण
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम)
- राष्ट्रीय क्षमता निर्माण ढांचा (एन सी बी एफ)
- आई डब्ल्यू एम पी में एकीकृत कृषि व्यवस्था को बढावा देना
- संभावित पी आई ए हेतु अभिमुखीकरण
- हस्त निर्मित पेपर उद्योग के लिए मूल्य चैन दृष्टिकोण
- ग्रामीण विकास सूचना के माध्यम के रुप में समुदाय रेडियो की भूमिका : अवसर एवं चुनौतियां
- दलित सीमान्तीकरण से निपटना : समग्र विकास - भावी नीतियों
- प्लैगशिप कार्यक्रम : प्रभाव एवं चुनौतियां
- भारत में ग्रामीण श्रमिक विपणन में रोजगार संबंधों का बदलता परिवेश
- श्रमिक बाजार एवं भारत में आदिवासी मुद्दे
- ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग

फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर राष्ट्रीय सेमिनार के प्रतिभागीगण : प्रभाव, समस्याएं एवं भावी चुनौतियां

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

विकासशील देशों के लाभ हेतु भारतीय अनुभव शेयर करने के प्रयास के भाग स्वरुप संस्थान ग्रामीण विकास के विभिन्न विषयों पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है । संस्थान का क्षमता निर्माण कार्यक्रम, भारत सरकार की नीति के अनुसरण में है जो उक्त कार्यो जैसे-भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित विशेष राष्ट्रमंडल अफ्रीकन सहायता कार्यक्रम (स्कैप) भारत सरकार द्वारा विकासशील देशों के विकास में सहयोग प्रदान कर रहा है । क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को एशिया एवं पैसिफिक हेतु एकीकृत ग्रामीण विकास केन्द्र (सिर्डाप) एन आई आर डी एवं पी आर तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित अफ्रीकन, एशिया गामीण विकास संगठन (आरडो) सहयोगी कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रस्तावित किया जा रहा है । एशिया, अफ्रीका एवं अन्य क्षेत्र के देशों में इन कार्यो के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा है ।

विश्व के उभरते ग्रामीण परिदृश्य तथा देशों के विशेषज्ञों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम की योजना बनाई जाती है । ये विषय दृष्टिकोण और रणनीतियों से ही नही बल्कि विकास, प्रशासन और प्रबंधन के क्रियाविधिपरक पहलुओं से संबंधित है । इसके अंतर्गत सततयोग्य ग्रामीण विकास के लिए नीतियां, योजना एवं प्रबंधकीय पहलू, सहभागी विकास, संकट प्रबंध, ग्रामीण महिला सशक्तिकरण, मानव संसाधन विकास, ग्रामीण

आधारभूत संरचना विकास, सुशासन, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास के लिए आई सी टी एवं जी आई एस अनुप्रयोग इत्यादि सम्मिलित है । कार्यक्रम के उद्देश्य में जानकारी देना और प्रशिक्षण में कवर किए गए विषयों से संबंधित कौशल विकास करना है । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों को ग्रामीण विकास में भारतीय अनुभवों से परिचित कराना था ।अत: कार्यक्रम का फोकस ग्रामीण प्रबंधन के प्रायोगिक और अनुप्रयोग पहलुओं पर रहा । राष्ट्र में चयनित परियोजनाओं को अध्ययन दौरे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्वपूर्ण घटक है जिससे उन्हें भारतीय कार्यों पर जानकारी दी जा सके । प्रशिक्षण पाठ्यचर्या के भाग के रुप में परियोजना कार्य एवं कार्यो की योजना बनाई जाती है जिसका उद्देश्य क्षेत्र अनुभवों एवं परीक्षणों के अभिलेखन हेतु प्रशिक्षार्थियों की मदद करना हैं तथा उनके संबंधित देशों में लागू करने की योजना बनाना है ।

वर्ष 2014-15 के दौरान 20 अंतरर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं विकासशील देशों से 328 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया । प्रतिभागी एशिया, अफ्रीकन एवं लैटिन अमेरिका देशों जैसे - बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मॉरीशस, मलेशिया, म्यांमार, ईजिप्त, यमन, अफगानिस्तान, ईरान, ईराक, लावोस, इथियोपिया,जिम्बाबवे, घाना, दक्षिण अफ्रिका, सुडान, तंजानिया, नाईजिरिया, वेनेज्युअला, फिलिपाईन्स, चीली इत्यादि देशों से सम्मिलित हुए । कार्यक्रमों और प्रतिभागियों की विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है :

एन आई आरडी एवं पी आर : आयोजित कार्यक्रम एवं उपस्थित प्रतिभागीगण : 2014-15

राष्ट्र	कार्यक्रम	प्रतिभागीगण
आई टी ई सी एवं स्कैप	14	254
सिर्डाप	05	58
आरडो	01	16
कुल	**20**	**328**

क. विदेश मंत्रालय , भारत सरकार का आई टी ई सी एवं स्कैप अधिसदस्यता कार्यक्रम

- ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता परियोजनाओं का प्रबंधन
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की योजना एवं प्रबंधन
- निर्धनता उन्मूलन हेतु ग्रामीण रोजगार परियोजनाओं का प्रबंधन
- समुदाय आधारित संकट प्रबंध
- प्रशिक्षण क्रियाविधि
- ग्रामीण आवास एवं आवास परियोजनाओं का प्रबंधन
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का सुशासन एवं प्रबंधन
- नवोन्मेषी श्रेष्ठ पद्धतियों को शेयर करने के लिए ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग
- समुदाय उन्मुख ग्रामीण विकास
- सहभागी ग्रामीण विकास

- ग्रामीण विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण
- ग्रामीण विकास के लिए सततयोग्य कृषि नीतियां
- निर्धनता घटाव एवं सततयोग्य विकास के लिए सहभागी योजना
- निर्धनता उन्मूलन हेतु ग्रामीण ऋण का प्रबंधन

ग्रामीण विकास हेतु सततयोग्य कृषि नीतियो पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागीगण

ख. एम ओ आर डी - एन आई आर डी एवं पी आर -सिर्डाप सहयोगी कार्यक्रम

- इंडोनेशिया में आयोजित नवोन्मेषी और श्रेष्ठ पद्धतियों को शेयर करने के लिए ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग
- परिणामोन्मुख प्रबंधन : कार्य निष्पादन संकेतक, निर्धनता उन्मूलन के लिए अनुश्रवण एवं मूल्यांकन
- सततयोग्य ग्रामीण आजीविका
- ग्रामीण विकास के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग

ग. एन आई आर डी एवं पी आर -आरडो सहयोगी कार्यक्रम

- सततयोग्य ग्रामीण विकास के लिए जल संसाधन प्रबंधन

घ. एन आई आर डी एवं पी आर - सिर्डाप - टेरी सहयोगी कार्यक्रम

- खाद्य एवं पौषणिक सुरक्षा : प्रभावी संसाधन एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन द्वारा आश्वासन

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विश्लेषण

वर्ष 2014-15 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर ने 1286 कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें 1167 कार्यक्रम एन आई आर डी एवं पी आर , हैदराबाद, 86 कार्यक्रम एन ई आर सी, गुवाहाटी, 8 कार्यक्रम ई आर सी, पटना तथा 25 कार्यक्रम जयपुर केन्द्र द्वारा आयोजित किए गए ।

क्षेत्रीय एवं ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के क्षेत्र में राज्य विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने तथा एस आई आर डी, ई टी सी एवं अन्य ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थाओं के संकाय सदस्यों के क्षमता निर्माण के उद्देश्य से एन आई आर डी एवं पी आर और इनके क्षेत्रीय केन्द्रों (3) द्वारा 1025 क्षेत्रीय और ऑफ कैम्पस कार्यक्रम आयोजित किए गए । इन कार्यक्रमों में 1008 एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद, 10 कार्यक्रम एन ई आर सी गुवाहाटी तथा 7 कार्यक्रम जयपुर केन्द्र द्वारा आयोजित किए गए ।

संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का श्रेणी वार वर्गीकरण सारणी - 1 में दिया गया है :

सारणी 1 : वर्ष 2014-2015 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर में आयोजित कार्यक्रमों का प्रकार

क्रम संख्या	प्रकार	एनआईआरडी एवं पी आर	एनईआरसी	ईआरसी	जेसी	कुल
1	प्रशिक्षण कार्यक्रम	131	74	8	18	231
2	कार्यशाला / सेमिनार और सम्मेलन	28	2	-	-	30
3	क्षेत्रीय एवं ऑफ कैम्पस कार्यक्रम	1008	10	-	7	1025
	कुल	**1167**	**86**	**8**	**25**	**1286**

प्रतिभागियों की रुपरेखा

सारणी 2 से स्पष्ट है कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकतर प्रतिभागी सरकारी अधिकारी थे । अधिक संख्या में प्रतिभागी एन जी ओ, सी बी ओ, जेड पी सी और पी आर आई के थे। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिभागियो की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई ।

सारणी - 2 : प्रतिभागियों की रुपरेखा

क्रम सं	श्रेणी	एनआईआरडी एवं पी आर	एनईआरसी	ईआरसी	जेसी	कुल	%
1	सरकारी अधिकारी	18611	1464	-	367	20442	58.92
2	वित्तीय संस्थान	641	-	-	70	711	2.05
3	जेड पी सी एवं पी आर आई	3266	107	-	1	3374	9.62
4	एन जी ओ एवं सी बी ओ,	2330	149	399	93	2971	8.56
5	राष्ट्रीय और राज्य अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	894	35	-	5	934	2.69
6	विश्वविद्यालय और कॉलेज	133	24	-	84	241	0.69
7	अंतर्राष्ट्रीय	395	-	-	0	395	1.19
8	अन्य स्टेकहोल्डर	5221	433	-.	0	5654	16.28
	कुल	31491	2212	399	641	34722	100.00
	महिलाएँ	5559	476		97	6132	17.66

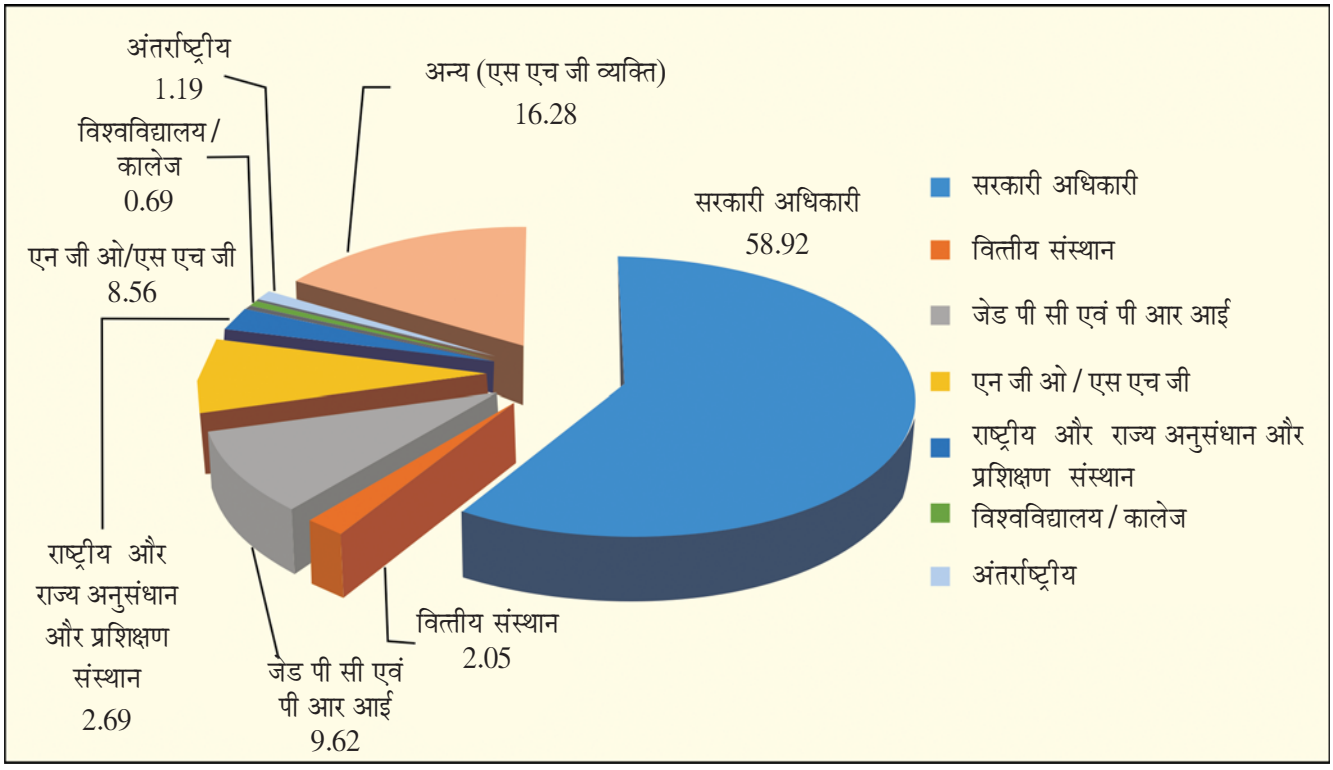

आई ए वाई पर कार्यक्रम

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के ग्रामीण आवास प्रभाग एवं एन आई आर डी एवं पी आर के वर्ष 2013-15 में इंदिरा आवास योजना (आई ए वाई) पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की । योजना और प्रबंध पहलुओं पर फोकस सहित 120 कार्यक्रम आयोजित किए गए । विभिन्न राज्यों जैसे आन्ध्र प्रदेश, असम, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, तमिलनाडू, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में एस आई आर डी और ई टी सी की सहित नेटवर्किंग मोड से आयोजित किया गया ।

विशेष परियोजनायें एवं संसाधन सेल

ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सी-गार्ड)

ग्रामीण विकास योजना, अनुश्रवण एवं मॉडलिंग से संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण एवं विकास संभावनाओं के संदर्भ में भू-संसूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक निहितार्थ है। संस्थान का ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सी-गार्ड) भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के विकास एवं डिजाईन हेतु कार्य करता है जैसे-जी आई एस, रिमोट सेन्सिंग विथ हाई रिजोल्युशन इमैजरी इंटरप्रिटेशन एण्ड एनालाइसिस, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जी पी एस) फोटोग्रामेटरी, वर्च्युअल 3 डी विजुवलाईजेशन तकनीक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में अनुप्रयोग हेतु वेब आधारित भू-संसूचना सिस्टम्स आदि । यह केन्द्र योजना, अनुश्रवण, मॉडलिंग एवं जलागम पर निर्णय समर्थन व्यवस्था, एम जी एन आर ई जी एस, कृषि विकास, पर्यावरणात्मक मूल्यांकन, संरक्षण पद्धतियों, संसाधन योजना, आधारभूत संरचना विकास एवं ग्राम योजना इत्यादि से संबंधित क्षेत्रों में भू-संसूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में विशिष्ट पारंपरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तैयार करता है । चार जी आई एस सुविधा केन्द्रों को स्थापित किया गया है वे है : असम, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा राज्य इसका उद्देश्य ग्रामीण कार्यक्रमों में उपग्रहों, जी पी एस एवं जी आई एस प्रौद्योगिकी से उत्पन्न वैज्ञानिक सूचना के उपयोग को बढावा देना है । उसी प्रकार जलागम विकास को बढावा देने के लिए तथा एन जी ओ सेक्टर में भू-संसूचना को बढावा देने के लिए महाराष्ट्र में रालेगांव सिद्धी में एक जी आई एस सुविधा केन्द्र की स्थापना की गई । इसके अलावा शैक्षणिक इंटर्नशिप के लिए भू-संसूचना में एम एस सी, एम टेक. अंतिम वर्ष के छात्रों के विशेषज्ञ मार्गदर्शन भी दिया जा रहा हैं । एम टेक छात्रों को लिए एक वर्षीय इंटर्नशिप भी दिया जा रहा हैं । इसी प्रकार से भू-संसूचना में पी एच डी करने वाले अनुसंधान छात्रों को भी स्वीकृत करने के प्रयास भी किए गए हैं ।

अफ्रीका के साथ भारतीय साझेदारी को सुदृढ करने के प्रयास में भारत सरकार ने अफ्रीका के पांच देशों जैसे - किनिया, अल्जीरिया, नाईजर, ईक्विटोरियल गिनिया एवं मडगॉस्कर में चरणबद्ध तरीके से सी-गार्ड केन्द्रों की स्थापना करने की अनुमति दी । भारत सरकार की अनुमति के आधार पर इन देशों में सी-गार्ड के स्थापना की प्रक्रिया के प्रचालनीकरण हेतु कदम उठाए गए है । आगे, एस आई आर डी, केरल और एस आई आर डी, तमिलनाडु में दो सी-गार्ड केन्द्रों की स्थापना हेतु कदम उठाए गए है तथा शेष एस आई आर डी में भी ऐसे केन्द्रों के स्थापना का प्रस्ताव है ।

उपरोक्त के अलावा, वर्ष 2014-15 के दौरान केन्द्र ने निम्नलिखित क्रियाकलापों को निष्पादित किया:

1. जियोहाइड्रोलॉजी मॉडलिंग एवं ई-डी पी आर के लिए वेब आधारित पारंपरिक पैकेज को विकसित करना;
2. केरल राज्य के 5 जिलों के लिए जी आई एस आधारित पी एम जी एस वाई कोर नेटवर्क विकास;
3. जलागम प्रबंधन के लिए वेब जी आई एस आधारित निर्णय समर्थन व्यवस्था का विकास एवं प्रशिक्षण;
4. ओपन सोर्स हिन्दी जी आई एस साफ्टवेयर का विकास।

ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) परियोजना

ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम ओ आर डी) की आरसेटी परियोजना का उद्देश्य सामान्य तौर पर ग्रामीण युवाओं और विशेषकर बी पी एल परिवारों में प्रचलित बेरोजगारी समस्याओं का समाधान करना हैं । परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में युवाओं के कौशल विकास/कौशल उन्नयन हेतु आरसेटी नामक प्रतिबद्ध आधारभूत संरचना की स्थापना का प्रस्ताव है। एन आई आर डी एवं पी आर को विभिन्न प्रायोजित बैंको से आधारभूत संरचना अनुदान प्रस्ताव प्राप्त करने, ग्रा वि मंत्रालय से मंजूरी अनुदान लेने तथा भवन आधारभूत संरचना के लिए निधियों की रिलीज की जिम्मेवारी दी गई है 1 विभिन्न जिला स्तरीय तथा राज्य स्तरीय प्राधिकारियों के साथ भू-आबंटन / भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों का भी एन आई आर डी एवं पी आर समाधान करता है । इसके अलावा एन आई आर डी एवं पी आर आरसेटी भवन के निर्माण में बैंको को सुझाव देने तथा मार्गदर्शन में भी मदद करता है । इसके अलावा एन आई आर डी एवं पी आर बैंको के नोडल अधिकारियों एवं राज्य के संपर्क अधिकारियों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करते हुए विभिन्न स्टेक होल्डरों के क्षमता निर्माण कार्य में भी सम्मिलित है । एन आई आर डी एवं पी आर ने प्रशिक्षण हेतु मानक पाठ्यचर्या माड्यूल तैयार किया है । एन आई आर डी एवं पी आर विभिन्न प्रकाशनों जैसे -एंटरप्राईज, आरसेटी त्रैमासिक समाचार पत्र, सफल कहानियां आदि का प्रकाशन समय समय पर करता है तथा आरसेटी के नेटवर्किंग का निर्माण करता है ।

आज संपूर्ण देश में 585 आरसेटी कार्यरत है जिन्हें विभिन्न बैंको द्वारा प्रायोजित किया गया है । दिनांक 31-3-2015 को 395 आरसेटी को एन आई आर डी एवं पी आर ने 224.65 करोड की राशि जारी की है जिसमें 29 राज्यों एवं 5 संघ शासित प्रदेशों को कवर किया गया है । आज तक 585 आरसेटी में से 395 आरसेटी को आधारभूत संरचना निर्माण के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है तथा 17 आरसेटी को उनके परिसर हेतु किराया/लीज किराया की राशि प्रदान की गई है । 66 जिलों में आरसेटी के भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष जिलों में निर्माण कार्य प्रगति/समाप्ति पर हैं ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) संसाधन कक्ष

स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना का राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन(एस जी एस वाई) के रुप में पुन: सृजन, पुनर्निर्माण एवं पुनर्गठन के पश्चात संस्थान ग्रामीण विकास के कार्यान्वयन में सम्मिलित बैंक पदाधिकारियों एवं स्टेकहोल्डरों, मुख्य अधिकारियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं

की पूर्ति करते हुए एन आर एल एम पर अधिक फोकस करता रहा है । एन आई आर डी एवं पी आर में एन आर एल एम के लिए एक संसाधन कक्ष की स्थापना की गई जिसका उद्देश्य ग्रामीण आजीविका को बढावा देने के लिए क्षमता निर्माण और अनुसंधान क्रियाकलापों को सरल बनाना है ।

वर्ष के दौरान ग्रामीण विकास के कार्यान्वयन में शामिल स्टेकहोल्डरों, मुख्य पदाधिकारियों और बैक अधिकारियों को एन आर एल एम के अंतर्गत क्षमता विकास आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है । जिला, खंड और उप खंड स्तर पर स्टेकहोल्डरों के बीच जागरुकता और जानकारी का सृजन करने हेतु एन आई आर डी एवं पी आर ने संकल्पना, उद्देश्य, रणनीतियां, ढांचा और राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) और अन्य संस्थाओं के द्वारा एन आर एल एम के प्रचालनीकरण पर विचार मंथन कार्यशालाओं और परामर्श का आयोजन किया कृषि और गैर-कृषि आधारित उद्यमों के प्रचालनीकरण के विशेष संदर्भ में क्षमता निर्माण की सुविधा प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर के स्रोत व्यक्तियों और समुदाय स्रोत व्यक्तियों (सी आर पी) पर बल दिया गया । वर्ष के दौरान आयोजित अन्य कार्यक्रमों में स्टार्टअप विलेज उद्यमशीलता कार्यक्रम, ग्रामीण कारीगरों के लिए दिशार्निदेशों को सम्मिलित करना, क्षमता निर्माण पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला, एस एच जी एवं ग्राम संगठन प्रबधन, सततयोग्य स्व-सहायता समूहों एवं संघों का उन्नयन, एल आर एल एम की समीक्षा बैठक आदि शामिल है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी डी यु - जी के वाई)

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी डी यु - जी के वाई) ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम ओ आर डी)का कौशल प्रशिक्षण एवं पदस्थापन कार्यक्रम है तथा कौशल प्रशिक्षण में ग्रामीण गरीब युवाओं पर फोकस देने तथा प्रशिक्षण पश्चात पदस्थापन, लगन और कैरियर उन्नति के द्वारा सततयोग्य रोजगार आदि मदों के कारण अपने क्षेत्र में विशिष्ट स्थान बना हुआ हैं । गरीबी से उत्पन्न अवरोध जैसे - औपचारिक शिक्षा, विपणनयोग्य कौशलों की कमी एवं अन्य कठिनाईयों के चलते आज के जॉब मार्केट में महत्वपूर्ण प्रविष्टि नही हो पा रही है । इसलिए डी डी यू-जी के वाई ने ग्रामीण गरीबों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल प्रशिक्षण अवसर ही प्रदान नहीं किया बल्कि उनके बेहत्तर भविष्य के लिए प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को समर्थन प्रदान करने वाले वातावरण का निर्माण किया है । डी डी यु - जी के वाई को इस तरह तैयार किया गया है कि ग्रामीण भारतीय विकास कहानी में एक मुख्य भागीदार बन सके । डी डी यू - जी के वाई का उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल प्रदान करना एवं उन्हें रोजगार देना तथा उन्हें नियमित मासिक मजदूरी या न्यूनतम मजदूरी से अधिक आय दिलाना ।

डी डी यु - जी के वाई त्रि-स्तरीय कार्यान्वयन मॉडल को अपनाता है । एम ओ आर डी में राष्ट्रीय युनिट एजेंसी जो राष्ट्रीय नीति निर्माता, निधिपोषण, तकनीकी समर्थन एवं सरलीकरण के लिए जिम्मेदार है । राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एस आर एल एम) में राज्य कौशल मिशन सन्निहित है एवं एन आई आर डी एवं पी आर के राज्य के डी डी यु -

जी के वाई के लिए सह-निधिपोषण एवं कार्यान्वयन समर्थन की केन्द्रीकृत भूमिका की जिम्मेदारी दी गई है तथा परियोजना कार्यान्वयन एजेन्सियां (पी आई ए) द्वारा कौशल प्रशिक्षण एवं पदस्थापना परियोजनाओं के माध्यम से कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया जाएगा ।

एन आई आर डी एवं पी आर, डी डी यु - जी के वाई परियोजनाओं के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की समन्वयन एजेन्सी हैं । वर्तमान में एन आई आर डी एवं पी आर 92 परियोजनाओं का अनुश्रवण कर रहा हैं जिसे भारत के 16 राज्यों में 56 पी आई ए द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है । इस अवधि के दौरान, 3863 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण पूरा किया जबकि 7894 प्रशिक्षणाधीन है । सभी 1657 अभ्यर्थियों को पदस्थापित किया जा चुका है ।

एस आर शंकरन चेयर

संस्थान द्वारा वर्ष 2012 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निधिपोषण समर्थन से एस आर शंकरन चेयर को आरंभ किया गया । इस चेयर का मुख्य उद्देश्य ऐसे मुद्दों पर अनुसंधान को बढावा देना है जो ग्रामीण मजदूर की स्थिति के सुधार में मदद करती है तथा बेहतर समझ को बढावा देती है । उसी प्रकार इस चेयर के कार्यो में संगठनों, नीति निर्माताओं एवं समानांतर उद्देश्य वाले अन्य स्टेकहोल्डरों के साथ मिलकर सहयोगी अनुसंधान, सेमिनारों और कार्यशालाओं एवं नीतिगत चर्चा करना है तथा कार्यगत पेपरों, नामी पत्रिकाओं में लेख, पुस्तकों एवं नीति संक्षिप्त रिपोर्ट के माध्यम से इन निष्कर्षो को पब्लिक डोमेन में प्रस्तुत किया जाना सम्मिलित है ।

वर्ष के दौरान चेयर ने श्रमिक बाजार एवं आदिवासियों के मुद्दे पर राष्ट्रीय सेमिनार तथा उभरती ग्रामीण - शहरी विषमता के परिप्रेक्ष्य में श्रमिक और रोजगार मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया । इस चेयर ने एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया जिसका विषय था ''भारत में ग्रामीण श्रमिक बाजारों में, रोजगार संबंधों की बदलती पद्धतियां'' को मानव विकास संस्थान (आई एच डी), नई दिल्ली के सहयोग से इंडियन सोसाईटी ऑफ लेबर एकनॉमिक्स के 56 वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित किया गया ।

एन आई आर डी एवं पी आर का अध्ययन-सह-परिचयात्मक दौरा

अपनी विशेषज्ञता के कारण ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अनुसंधान के शीर्ष संस्थान के रुप में एन आई आर डी एवं पी आर, अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरे के लिए विभिन्न संस्थानों को आमंत्रित करता है । रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए कई अध्ययन - सह -प्रदर्शनी दौरों का आयोजन किया । वर्ष 2014-15 के दौरान आयोजित महत्वपूर्ण दौरो के विवरण इस प्रकार है :

क्रम सं	दौरे की तारीख	अतिथियों / संगठनों के विवरण	अतिथियों की संख्या
1	02.04.2014	मलयाल, वरंगल से किसान	30
2	09.05.2014	प्रकृति- एन जी ओ-बालानगर, हैदराबाद	30
3	09.05.2014	बैंकर्स सी जी एम	5

(जारी ....)

क्रम सं	दौरे की तारीख	अतिथियों / संगठनों के विवरण	अतिथियों की संख्या
4	05.06.2014	आदिवासी विकास अधिकारी- निम्समे	17
5	12.06.2014	अल्बर्टा युनिवर्सिटी-,कैनेडा	14
6	16.06.2014	कॉलेज ऑफ होम साईन्स सेन्ट्रल एग्रिकल्चरल युनिवर्सिटी	31
7	18.06.2014	निम्समे,बिहार राज्य के उद्योग विस्तार अधिकारियों का दौरा	22
8	21.06.2014	कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर	30
9	26.06.2014	सी ई ओ एवं फाऊण्डर श्री पर्सर्स बिलिमोरिया अर्थसोवि इंडिया प्रा. लि.	3
10	02.07.2014	कॉउ प्रतिभागीयों का दौरा, सोमाजीगुडा, हैदराबाद	25
11	07.07.2014	नेपाल से शिष्टमंडल	10
12	09.07.2014	इंजीनियरिंग स्टॉफ कॉलेज ऑफ इडिया, गच्चीबॉली	60
13	09.07.2014	उस्मानिया विश्वविद्यालय के उद्यमीकर्ता	120
14	09.07.2014	लिटिल फ्लॉवर स्कूल के छात्र	10
15	10.07.2014	श्री प्रियरंजन, निदेशक (प्रशि. एवं आई सी) तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी का दौरा	12
16	15.07.2014	कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर बी एस सी तृतीय वर्ष के छात्र	45
17	23.07.2014	उद्योग विस्तार अधिकारियों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण, एम एस एम ई	35
18	03.08.2014	कृषि विश्वविद्यालय, विभाग, महाराष्ट्र	47
19	26.08.2014	स्फूर्ति सिविल इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद	124
20	02.09.2014	लघु उद्योग , खादी के उद्यमीकर्ता	40
21	03.09.2014	कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर के छात्र	30
22	04.09.2014	कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर के छात्र	30
23	09.09.2014	चिलकुर के आरसेटी बैंकर्स	40
24	20.09.2014	जेड पी एच एस स्कूल, शिवरामपल्ली के छात्र	200
25	23.09.2014	निम्से से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी	17

(*जारी ....*)

क्रम सं	दौरे की तारीख	अतिथियों / संगठनों के विवरण	अतिथियों की संख्या
26	24.09.2014	डी एस आर हैदराबाद से प्रतिभागीगण	28
27	24.09.2014	विद्यारण्य स्कूल हैदराबाद के छात्र	44
28	08.10.2014	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचुर गुलबर्गा	39
29	12.11.2014	ई ई आई, राजेन्द्रनगर के प्रशिक्षणार्थी	25
30	18.11.2014	चिराग पब्लिक स्कूल हैदराबाद का दौरा	100
31	19.11.2014	शैक्षणिक भ्रमण, स्नातकोत्तर छात्र, तमिलनाडु	13
32	26.11.2014	निम्समे के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी	20
33	27.11.2014	एफ के एस छात्रो द्वारा आर टी पी दौरा	115
34	27.11.2014	गुजरात से प्रतिभागी	27
35	28.11.2014	भारतीय विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर तमिलनाडु	41
36	28.11.2014	निम्समे से अतिथि	19
37	29.11.2014	एसी एवं एबी सी प्रशिक्षण कार्यक्रम पीआरडी आईएस, हैदराबाद से प्रतिभागी	25
38	10.12.2014	उद्यमशीलता विकास सेल, हैदराबाद	16
39	22.12.2014	बाबा साहेब अम्बेडकर सोशल वर्क, महाराष्ट्र	27
40	23.12.2014	वी ए एस, बैगलोर के छात्र	14
41	24.12.2014	होली फैमली हाई स्कूल, हैदराबाद	286
42	21.01.2015	कॉर्नेल इंडियन स्टुडेन्ट्स, हैदराबाद	18
43	30.01.2015	निम्समें से अतिथि	7
44	17.02.2015	बरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से अतिथि	10
45	19.02.2015	कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर के छात्र	30
46	19.02.2015	कुल्काचेर्ला, रंगारेड्डी जिले से एम एस डब्ल्यू के छात्र	30
47	19.02.2015	ए वी एच एम स्कूल, राजेन्द्रनगर के छात्र	100

(जारी ....)

क्रम सं	दौरे की तारीख	अतिथियों / संगठनों के विवरण	अतिथियों की संख्या
48	19.02.2015	अदिलाबाद से अतिथि	10
49	20.02.2015	कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर से अतिथि	45
50	27.02.2015	सज्जमपल्ली गांव, अनंतपुर से अतिथि	15
51	27.02.2015	वेकटामपल्ली गांव, अनंतपुर से अतिथि	18
52	27.02.2015	मोतुकुपल्ली गांव, अनंतपुर से अतिथि	15
53	03.03.2015	निम्से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागीगण एवं अतिथि	25
54	09.03.2015	ए वी एम स्कूल, राजेन्द्रनगर के छात्र	35
55	14.03.2015	एम एस डब्ल्यू, केरल से अतिथिगण	11
56	16.03.2015	झारखंड राज्य से अतिथिगण	42
57	16.03.2015	उत्तर प्रदेश से अतिथिगण	30
58	16.03.2015	कर्नाटक से अतिथि गण	30
59	16.03.2015	करीमनगर जिला से अतिथि गण	30
60	17.03.2015	ओडिशा से अतिथिगण	11
61	17.03.2015	बिहार से अतिथि गण	30
62	17.03.2015	बिहार से अतिथिगण	35
63	17.03.2015	कर्नाटक किसान से अतिथि गण	22
64	17.03.2015	पुदीमी स्कूल केसरा के अतिथि	30
65	18.03.2015	ब्रिलीएन्ट इंजीनियरिंग कालेज हैदराबाद के छात्र	40
66	18.03.2015	ओडिशा प्मत्स्यपालन के अतिथि	35
67	18.03.2015	कर्नाटक किसान से अतिथि	45
68	19.03.2015	मध्य प्रदेश से कृषकगण	47
69	19.03.2015	हाजीपल्ली गांव के अतिथि	10
70	19.03.2015	एंड्र्यू इंजीनियरिंग कॉलेज के अतिथि	30

प्रशिक्षण गुणवत्ता सुधार उपाय कमेटी (टी-क्यूआईएम)

प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने हेतु एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के गुणवत्ता पहलुओं में सुधार के उपाय करना संस्थान की प्राथमिकता रही है । इस सम्बन्ध में प्रशिक्षण गुणवत्ता सुधार उपाय कमेटी का गठन किया गया जिसमें आंतरिक और बाहरी विषय विशेषज्ञों का सदस्य के रुप में चयन किया गया जो पाठ्यक्रम सामग्री की जांच करेंगे और सुझावपरक उपायों का प्रस्ताव करेंगे । कमेटी की बैठक महीने में एक बार होगी तथा आगामी माह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के सुधार हेतु अपेक्षित उपायों का सुझाव देगी ।

प्रशिक्षण फीडबैक

प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में पांच बिन्दु मान पर ई-मूल्यांकन के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है जिसमें महत्वपूर्ण घटक जैसे- प्रशिक्षण डिजाईन, प्रशिक्षण क्रियाविधि, प्रशिक्षण सामग्री, वक्ताओं की प्रभाविता, रहने और भोजन की सुविधा, पुस्तकॉलय सुविधा इत्यादि होते हैं जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार किया जा सके । वर्ष 2014-15 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संपूर्ण औसतन स्कोर 85 प्रतिशत रहा ।

अध्याय 3

अनुसंधान

ग्रामीण विकास से संबंधित व्यापक विभिन्न आयामों पर एन आई आर डी एवं पी आर अनुसंधान क्रियाकलाप प्रारंभ करता है जिसका उ-ेश्य समय-समय पर उभरते ग्रामीण विकास की प्रवृतियों को भी समझने और उनका विश्लेषणात्मक अंतर्दृष्टि / सुझाव एवं नीति परिप्रेक्ष्य में सहायता करना है । समसामयिक समस्याओं पर ध्यान देने के अलावा अनुसंधान का लक्ष्य ग्रामीण विकास के क्षेत्र में वर्तमान श्रेष्ठ पद्धतियों पर ध्यान देना भी है । इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में परिचर्चा हेतु उचित जानकारी स्पष्ट करना भी अनुसंधान प्रयास का मुख्य लक्ष्य है । अत: संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में, एन आई आर डी एवं पी आर के अनुसंधान क्रियाकलाप ग्रामीण विकास हस्तक्षेपों, सफल हस्तक्षेपों पर डेटा बेस तैयार करने एवं निहित वैकल्पिक उपायों को सुझाते हुए सामाजार्थिक स्थितियों को व्यापक कार्य क्षेत्र पर विश्लेषण करने का समर्थन करते है । अनुसंधान निष्कर्षों का उपयोग प्रशिक्षण निवेश के रुप में बड़े पैमाने पर अनुभव और जानकारी को देखते हुए संस्थान, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों, कार्पोरेट संगठनों की इच्छानुसार ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर परामर्शी अनुसंधान अध्ययन भी आयोजित करता है। अनुसंधान के अंतर्गत संस्थान ने ग्रामीण विकास के व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए एक व्यवस्थित पद्धति को अपना लिया है । एस आई आर डी के संकाय सदस्यों के सहयोग से राज्य संस्थाओं के अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने को भी ध्यान में रखते हुए एन आई आर डी एवं पी आर अनुसंधान कार्यान्वित करता हैं । ख्यातिप्राप्त अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से भी अध्ययन आरंभ किए गए । अनुसंधान क्रियाकलापों के लिए संस्थान ने जो पद्धति और प्रणाली अपनाई है उसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

उद्देश्य

निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ अनुसंधान अध्ययनों का आयोजन किया गया:

- ग्रामीण विकास फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर फोकस देते हुए बदलते हुए ग्रामीण समाजार्थिक परिदृश्य को समझाना ;
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में मुख्य बाधक तत्वों की शिनाख्त करना ;

- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के सर्वांगींण कार्य निष्पादन में सुधार हेतु उपयुक्त नीति एवं कार्यक्रम हस्तक्षेपों का सुझाव देना ;
- अनुसंधान परिणाम आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करना;

अनुसंधान विषय

बदलती हुई सामाजार्थिक स्थितियों एवं विभिन्न विकास हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अनुसंधान के विषयों में बदलाव हुआ है । अनुसंधान का फोकस निम्नलिखित विषयों पर था :

- ग्रामीण आजीविका
- ग्रामीण आधारभूत संरचना
- ग्रामीण ऋण
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंध
- सु-शासन
- भू-संबंधी मुद्दे
- भू-संसूचना एवं ग्रामीण विकास में आई सी टी अनुप्रयोग
- निर्धनता उन्मूलन
- जेंडर
- मानव संसाधन

वर्ष 2014-15 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान अध्ययनो के लिए क्षेत्रो / विषयो पर फोकस किया गया :

- ग्रामीण रोजगार एवं संबंधित मुद्दे
- भूमि सुधार एवं कृषि भूमि संबंधी संबंध
- सामाजिक लेखापरीक्षा
- स्व-रोजगार के अंतर्गत ऋण उपयोगिता
- कौशल प्रशिक्षण एवं स्व-रोजगार
- ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग
- विकास हस्तक्षेपों के द्वारा जेण्डर संबंध
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी को बढावा देना
- स्थानीय स्व-शासन संस्थायें एवं उसमें निहित प्रक्रियाएं
- जलागम प्रबंध एवं संबंधित मुद्दे
- समता एवं सामाजिक विकास मुद्दे
- कमजोर तबको के लिए प्रावधान
- सफल-हस्तक्षेप
- आपदा प्रबंध

एन आई आर डी एवं पी आर, एस आई आर डी एवं अन्य संस्थानों के सहयोग से या सीधे अनुसंधान आयोजित करता है । यह विश्लेषणात्मक मामला अध्ययन भी तैयार करता है।

अनुसंधान साधन एवं तकनीक

प्रतिदर्श सर्वेक्षण, संरचनात्मक, साक्षात्कार मामला अध्ययन, पी आर ए तकनीक सहित सहभागी शिक्षण, दृष्टिकोण, विषय विश्लेषण, गुणात्मक मूल्यांकन एवं प्रभाव विश्लेषण

कुछ अनुसंधान साधन एवं तकनीक है जिन्हें अनुसंधान अध्ययन के लिए अपनाया गया हैं ।

अनुसंधान अध्ययन आयोजित करने की प्रक्रिया

शिनाख्त किए गए विभिन्न विषयों पर अनुसंधान अध्ययन आरंभ करते समय व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया गया । प्रारंभिक चरण में, केन्द्रीय स्तर के संकाय सदस्य संबंधित केन्द्र के अध्यक्षों के मार्गदर्शन में परामर्श में सम्मिलित होंगे । आयोजित आंतरिक परिचर्चा के बाद सुझाव को आंतरिक अध्ययन मंच में प्रस्तुत किया जाता है । अध्ययन फोरम में प्रस्तुतीकरण के उपरांत, टिप्पणी एवं सुझावों को अनुसंधान सलाहकार समिति के समक्ष रखा जाता हैं। संस्थान की शैक्षिक समिति के अनुमोदन हेतु संशोधित प्रस्तावों को भेजा जाता है।

एस आई आर डी / सहयोगी संस्थान अध्ययन की श्रेणी के अंतर्गत अनुसंधान अध्ययनों के संबंध में प्रस्तावों को संकाय सदस्यों सहित आंतरिक या विषय विशेषज्ञों के समक्ष उनकी टिप्पणी एवं अवलोकन हेतु प्रस्तुत करते है । प्रस्तावों को महानिदेशक के अनुमोदन हेतु भेजा जाता हैं ।

गुणवत्ता नियंत्रण उपाय

अनुसंधान निष्कर्षो की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने हेतु अनुसंधान सलाहकार समिति के अलावा कई उपाय किए जाते है । अध्ययन समाप्ति के बाद संबंधित मसौदा रिपोर्ट की व्यापक परिचर्चा हेतु अध्ययन फोरम में प्रस्तुत किया जाएगा। प्राप्त सुझावों के आधार पर अनुसंधान रिपोर्ट तैयार की जाती है । प्रकाशन के समय अनुसंधान रिपोर्ट को बाहरी विषय विशेषज्ञ की टिप्पणियों के लिए प्रस्तुत किया जाता है ताकि गुणवत्तापरक अनुसंधान निष्कर्षों को सुनिश्चित किया जा सके ।

आयोजित अनुसंधान अध्ययन

वर्ष के दौरान कुल मिलाकर दस अनुसंधान अध्ययन पूर्ण किए गए और सारणी-1 में इस सूची को प्रस्तुत किया गया है। अनुसंधान परियोजनाओं / अध्ययनों की कलावधि को वित्तीय वर्ष में कवर किया गया है , आलोच्य अवधि के दौरान संपूरित अनुसंधान परियोजनाओं / अध्ययनों में पिछले वर्ष के साथ-साथ इस वर्ष में प्रारंभ की गई परियोजना / अध्ययन शामिल है । शेष अध्ययन समय सीमा के अनुरुप प्रगति पर है और सारणी-2 में दिए गए है जिसमें पिछले वर्ष में आरंभ किए गए अध्ययन भी शामिल है ।

सारणी 1: वर्ष 2014-15 के दौरान संपूरित अनुसंधान अध्ययन

क्र. सं.	अध्ययन शीर्षक	दल
एनआईआरडी एवं पीआर अनुसंधान परियोजनाएँ / अध्ययन		
1	त्रुटियों को हटाना और श्रेष्ठता को हासिल करना : एस एच जी आंदोलनों का महत्वपूर्ण मूल्यांकन	डॉ. एन. वी. माधुरी डॉ. रवि बाबु श्री के.पी. राव
2	चयनित राज्यों में समुदाय स्तर पर समुदाय अधिकार का प्रबंध एवं पहचान स्थिति का अध्ययन	डॉ. वी. अन्नामलै
3	आपदा व्यवहार्य संपन्न ग्राम पंचायत :एक मॉडल	डॉ. के. सुमन चन्द्रा एवं दल
4	बुंदेलखण्ड क्षेत्र में आत्मनिर्भर गांवों के विकास के लिए एक अभिनव कार्यक्रम	डॉ. वी. माधव राव डॉ.आर.आर.हर्मन पीएसआई दल
5	इप्पेरु गाँव, कोडेरु मण्डल, अनन्तपुर जिला, आन्ध्र प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों का अभिसरण सहित पशुपालन	डॉ. ज्ञानमुद्रा डॉ. आर.पी. आचारी डॉ. एम. सारुमती
एस आई आर डी / सहयोगी अनुसंधान अध्ययन		
1	महिलाएं एवं ग्रामीण विकास : नागालैण्ड में महिला वीडीबीओ का अध्ययन	एस. आई. आर. डी. नागालैण्ड
2	उत्तर प्रदेश में एमजीएनआरईजी में महिलाओं की भागीदारी पर अध्ययन	डीडीयु एस आई आर डी / उत्तरप्रदेश
3	1993 के संविधान संशोधन अधिनियम 73 के संदर्भ में ग्रामसभा की जागरुकता एवं क्षमता पर अध्ययन	एस आई आर डी, उत्तराखण्ड
4	मध्य प्रदेश के छतरपुर जिला के नवगांव ब्लॉक में एसएसए के तहत प्राथमिक शिक्षा का प्रभाव	एस आई आर डी, मध्यप्रदेश
5	छत्तीसगढ़ में ग्रामीण गैर कृषि विविधीकरण की स्थिति	एस आई आर डी, छत्तीसगढ़

सारणी 2: वर्ष 2014-15 के दौरान चालू अनुसंधान अध्ययन

क्र. सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
क.	**एनआईआरडी एवं पी आर अनुसंधान परियोजनाएँ / अध्ययन**	
1	आजीविका क्लस्टर दृष्टिकोण के माध्यम से ग्रामीण उद्यमशीलता एवं उद्यमों को बढ़ावा देने में कार्य अनुसंधान : कार्य अनुसंधान में प्रायोगिक पहल एनईआरसी	डॉ. कनक हलोई डॉ. रत्ना भूइयां
2	पंचायतों में राजकोषीय हस्तांतरण एवं संसाधनों के विकेन्द्रीकरण की स्थिति	के. शिव सुब्रमण्यम, सलाहकार, सीपीआर
3	गोदावरी एवं कावेरी डेल्टा क्षेत्र में काश्तकारी व्यवस्थाओं की सीमा और प्रकृति : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. के. सुमन चन्द्रा और दल
4	सी एस बी में आई.टी.के.एस : फसल की असफलता को उजागर करने के लिए समाधान तंत्र	डॉ. जी. वेलेंटिना डॉ. वी. सुरेश बाबु
5	स्कूल शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लिए लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्कूल विकास दक्षता एवं निगरानी समिति : कर्नाटक में एक अध्ययन	डॉ. एम. सारुमती / डॉ. ज्ञानमुद्रा
6	इंदिरा आवास योजना के लाभार्थी परिवारों की ऋण-ग्रस्तता : चयनित राज्यों में अध्ययन	डॉ. वाई. गंगी रेड्डी / डॉ. पी. शिवराम
7	न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए दक्षता, प्रभावशीलता एवं समुदाय आधारित निगरानी प्रणाली का प्रभाव : विभिन्न मॉडल पर अध्ययन	डॉ. आर. चिन्नादुरै एवं दल
8	वाटरशेड कार्यक्रमों में पोषक तत्वों की सुरक्षा एवं इसकी उपलब्धता में इक्विटी	डॉ. सी.एच. राधिका रानी डॉ. यु.एच. कुमार
9	वर्षाधारित कृषि में छोटे एवं सीमांत किसानों की समाधान रणनीतियाँ एवं जोखिम सहन करने की क्षमताएँ	डॉ. वी. सुरेश बाबु
10	केरल में आम-आदमी के लिए अक्षय टेली सेंटर	डॉ. पी. सतीश चन्द्रा

(*जारी ....*)

सरणी 2 (जारी...)

क्र. सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
11	ग्रामीण लोगों के सामाजिक विकास के लिए समुदाय रेडियो का प्रभाव मूल्यांकन	डॉ. के. पी. कुमारन
12	चुनिदा राज्यों में सेवाओं के प्रभावी सुपुर्दगी के लिए अच्छी पद्धतियां एवं हस्तक्षेप : तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. वाई. भास्कर राव
13	राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में आर एस ई टी आई / आर ई डी पी उद्यमों का लेखापरीक्षा निष्पादन	डॉ. टी. जी. रामय्या
14	लघु एवं सीमांत कृषि संकट में : आन्ध्र प्रदेश में कृषि संबंधी, सार्वजनिक नीति एवं निर्वाह रणनीतियों का एक अध्ययन	डॉ. के. सुमन चन्द्रा
15	ओडीशा में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में ग्राम पंचायतों की भूमिका	डॉ. सुचरिता पुजारी
ख.	**एसआईआडी/सहयोगी संस्था अध्ययन**	
1	स्व सहायता समूहो द्वारा आजीविका परियोजनाएँ / सक्ष्म उद्यम	एस आई आर डी, अरुणाचल प्रदेश
2	"भूले हुए - ग्रामीण कारीगरों - ग्रामीण उद्यमियों में रुपातंरण" पर कार्य अनुसंधान परियोजना	श्री के. प्रताप रेड्डी, सेदयाम एवं डॉ. वाई. गंगी रेड्डी, एनआईआरडी एवं पी आर
3	आई डब्ल्यू एम पी में जागरुकता निर्माण-एक मामला अध्ययन	एस आई आर डी, हिमाचल प्रदेश
4	महात्मागांधी नरेगा में महिलाओं की भागीदारी के सुविधाजनक कारक	एस आई आर डी, हिमाचल प्रदेश
5	एस जी एस वाई के तहत स्वयं सहायता समूह के प्रदर्शन का मूल्यांकन	जी आई आर डी ए, गोवा
6	चेंचु (पी टी जी) के बीच प्रमुख आजीविका स्रोत - आन्ध्र प्रदेश के महबूब नगर जिला का मामला अध्ययन	ए एम आर - अपार्ड, आन्ध्र प्रदेश

(*जारी ....*)

सरणी 2 (जारी...)

क्र. सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
7	सूखा ग्रस्त क्षेत्र के आजीविका पर महात्मागांधी नरेगा का प्रभाव आकलन : आन्ध्र प्रदेश के महबूब नगर जिला का मामला अध्ययन	ए एम आर - अपार्ड, आन्ध्र प्रदेश
8	कूच बिहार में ग्राम पंचायतों का आई एस जी पी हस्तक्षेप	एस्आइआरडी, पश्चिम बंगाल
9	स्वयं सहायता समूहों के विकास और व्यवस्थित गठन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण	एस आई आर डी, मध्यप्रदेश
10	मॉडल गांव के गठन के लिए कार्य अनुसंधान	एस आई आर डी, मध्यप्रदेश
11	स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के कारण एवं संभाव्य समाधान	एस आई आर डी, मध्यप्रदेश

वर्ष 2014-15 के दौरान, विभिन्न श्रेणियों के तहत तीन नये अनुसंधान अध्ययन शुरु किए गए है, जो निम्नानुसार हैं:-

सारणी - 3: वर्ष 2014-15 के दौरान शुरु किए गए नये अनुसंधान अध्ययन

क्र.सं.	अध्ययन की श्रेणी	अध्ययनों की संख्या
1	अनुसंधान परियोजनाएँ /अध्ययन	01
2	मामला अध्ययन	01
3	एसआईआरडी/सहयोग संस्थान अध्ययन	01
	कुल	**03**

विभिन्न श्रेणियॉ जैसे अनुसंधान परियोजनाओं / अध्ययन एवं एस आई आर डी / सहयोगी संस्था अध्ययन के तहत अनुसंधान अध्ययन की सूची सारणी-4 में दर्शाई गई है :-

सारणी- 4: वर्ष 2014-15 के दौरान शुरु किए गए नये अनुसंधान अध्ययन की सूची

क्र. सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
क. एन आई आर डी एवं पी आर अनुसंधान परियोजनाएँ / अध्ययन		
1	पंचायतों पर संसाधनों का विकेन्द्रीकरण एवं राजस्व हस्तांतरण की स्थिति	के.शिव सुब्रमण्यम, सलाहकार,सी पी आर
ख. मामला अध्ययन		
1	ओडिशा में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के प्रबंध में ग्राम पंचायतों की भूमिका	डॉ. सुचारिता पुजारी
ग. एस. आई. आर. डी./ सहयोगी अनुसंधान अध्ययन		
1	स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका परियोजनायें / सूक्ष्म उद्यम	एस आई आर डी, अरुणाचल प्रदेश

अध्याय 4

कार्य अनुसंधान एवं ग्राम अभिग्रहण

ग्रामीण विकास कार्यों को बढावा देते समय अनुसंधानकर्ता को कार्य अनुसंधान, निम्न स्तरीय समस्याओं और संभावनाओं के निकट ले जाता है । ऐसे प्रयास अनुसंधानकर्ताओं की जानकारी को अधिक समृद्ध करती है ताकि वे ग्रामीण विकास प्रक्रिया को सरलीकृत करने वाले मुद्दों को समझ सके। अत: एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा अनुसंधान अध्ययनों की विशेष श्रेणी पर अधिक बल दिया गया है ।

एन आई आर डी एवं पी आर कार्यअनुसंधान का फोकस स्थानीय स्तर पर सुशासन के लिए विकेन्दीकृत विकास प्रक्रिया के परिचालनीकरण की सुविधा पर है। 'सुविधा' प्रक्रिया में सामाजिक संग्रहण, उत्पादकता बढाने हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण, मूल्य आकार इत्यादि, प्रशिक्षण और गैर प्रशिक्षण कार्यो द्वारा क्षमता निर्माण, स्थानीय संस्थाओं की नेटवर्किंग , सामाजिक विकास, सहभागी निर्णय लेना, इत्यादि को समाविष्ट किया गया है । "सामाजिक प्रयोगशालाओं" के रुप में परियोजना गांवों में कार्य अनुसंधान का कार्य किया जाता है । इसे नीति सिफारिशों के क्रियान्वयन का परीक्षण करने एवं ऐसी सिफारिशों के निष्कर्षो का मूल्यांकन करने हेतु किया जाता है । कार्य अनुसंधान परियेजना जन केन्द्रित है और प्रभावी सहभागिता को सुनिश्चित करने हेतु सहभागी साधनों एवं तकनीको का उपयोग किया जाता है ।

मुख्य उद्देश्य

i. एन आई आर डी एवं पी आर अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जांच करना तथा ऐसी सिफारिशों के निष्कर्षो का मूल्यांकन करना ।

ii. ग्रामीण विकास एवं निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अनुभव किये गये महत्पपूर्ण समस्याओं का क्षेत्र स्तर पर समाधान करना ।

iii. छोटे निर्माताओं को उनकी आय और उत्पादकता बढाने हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए प्रभावी नीतियां सुझाना; तथा

iv. वैकल्पिक लागत प्रभावी कार्यक्रम हस्तक्षेपों को प्रस्तावित करने तथा विकास उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु नये विचारों का प्रयोग करना ।

विषय

समकालीन अनुसंधान निष्कर्षो तथा वर्तमान मुद्दों /समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता को देखते हुए कार्य अनुसंधान के लिए कई विषयों पर एन आई आर डी एवं पी आर फोकस करता है। 2014-15 के दौरान फोकस किए गए कुछ विषय निम्नानुसार है :

- क्षमता निर्माण और सशक्तिकरण
- एन टी एफ पी में मूल्य आधार
- डेयरी विकास
- मजदूरी रोजगार
- आपदा प्रबंधन
- सहभागिता योजना
- भू-संसूचना प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग
- जेण्डर
- आजीविका में सुधार

शिनाख्त किये गये व्यापक विषयों में, कार्य अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करने के लिए विशेष रुप से फोकस क्षेत्रों का चयन किया गया ।

- एस एच जी सदस्यो का सशक्तिकरण
- मजदूरी मांगकर्ताओं का संग्रहण एवं सशक्तिकरण
- जन मैत्री प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर सहभागिता योजना में सुधार करना
- सहभागिता आपदा तैयारी एवं प्रबंधन
- एन टी एफ पी के मूल्य जोड पर विकासशील क्षमताओं द्वारा आदिवासी समुदाय का सशक्तिकरण

कार्य अनुसंधान अध्ययनों की श्रेणी

एन आई आर डी एवं पी आर का अनुभव तथा कार्य अनुसंधान के सूक्ष्म और स्थूल स्तर के आधार पर दो प्रकार के कार्यानुसंधान अध्ययनों को निष्पादित किया जाता है । प्रथम श्रेणी में व्यापक क्षेत्र तथा अधिक मुद्दो पर बल देते हुए पारंपरिक कार्य अनुसंधान किया जाता है जिसमें व्यापक श्रेणी में मुद्दों को कवर किया जाता है । द्वितीय श्रेणी में ग्राम अभिग्रहण अध्ययन किया जाता है जिसमें देश के पिछडे ग्राम अभिग्रहण से सूक्ष्म स्तर पर फोकस किया जाता है इस श्रेणी के अन्तर्गत मुद्दों की शिनाख्त करने तथा कार्य अनुसंधान कार्य निष्पादित करने के बजाय संकाय सदस्य सहभागी दृष्टिकोण के माध्यम से गांव का समग्र विकास एवं ग्रामवासियों की क्षमताओं का सुदृढीकरण करते है । इस प्रक्रिया में शिक्षण अनुभावो पर प्रकाश डालने हेतु कार्य अनुसंधान क्रियाविधि तथा संबंधित गांव में प्रचलित विशिष्ट परिस्थितियों के संदर्भ अंतर को कवर किया जाता है ।

कार्य अनुसंधान साधन एवं तकनीक

कार्य अनुसंधान पद्धतियों के भाग के रुप में व्यक्ति विचार विमर्श द्वारा लक्षित समुदाय को जागरुक करने, क्षमता निर्माण एवं जागरुकता सृजन, समुचित कौशल समावेशन एवं उन्नयन, सहभागी कार्यो के लिए समुदाय संग्रहण, सामाजार्थिक डाटा सर्वेक्षण , डाटा संग्रहण के लिए सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन प्रतिभागिता (पी आर आई) तकनीक, समूह चर्चा पर फोकस (एफ जी डी एस) प्रक्रिया प्रलेखन इत्यादि ।

प्रारंभ किए गए कार्य अनुसंधान अध्ययन

वर्ष 2014-15 के अंतर्गत दो औपचारिक कार्य अनुसंधान अध्ययन आरंभ किये गये । चल रहे औपचारिक कार्य अनुसंधान की सूची सारणी- 1 में दी गई है ।

संपूरित कार्य अनुसंधान अध्ययन

वर्ष के दौरान 'आपदा संकट प्रति व्यवहार्य ग्राम पंचायत मॉडल बनाना ' विषयक कार्य अनुसंधान संपूरित किया गया।

ग्राम अभिग्रहण

अनुसंधान तथा कार्य अनुसंधान के आधार पर संस्थान की सिफारिश के अनुरुप मॉडल तथा कार्यान्वयन मैकेनिजम के अनुप्रयोग के प्रदर्शन के उद्देश्य से 2012-13 के दौरान ग्राम अभिग्रहण योजना आरंभ की गई । योजना का उद्देश्य ग्रामीण विकास तथा निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के प्रभावी मूल्यांकन को सुकर बनाने के लिए संकाय सदस्यों की क्षमता को बढाना था । ग्राम अभिग्रहण अध्ययनों द्वारा आरंभ किए गए विशिष्ट कार्य अनुसंधान कार्य का मुख्य बल सामाजिक गतिकी को समझना, सामूहिक कार्य के लिए समुदाय संग्रहण, विकास प्रशासन और गांवों की दूरी कम करना और सतत विकास सुकर बनाना है, जमीनी हकीकतों से स्वयं को अवगत कराने का प्रयास भी संकाय सदस्य का है ।

ग्राम अभिग्रहण अध्ययन प्रक्रिया

संकाय सदस्य को गांवो के आकार, गांव का क्षेत्र , पिछडापन, प्रचलित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए चयन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ।

गांवों के चयन में वांछित संकाय सदस्य को गांवो की रुप-रेखा, विशेष सामाजिक एवं आर्थिक रुप रेखा को समझने के लिए प्रेरित किया जाता हैं। गांवों की स्थिति को समझते हुए स्थानीय सरकारी अभिकर्ता से आन्तरिक जरुरी संसाधनों की पूर्ति को संकाय सदस्य सुविधाजनक बनाते है ।

ग्राम अभिग्रहण अध्ययनों के अंतर्गत नये कार्य

एन आई आर डी एवं पी आर संकाय सदस्यो को ग्राम अभिग्रहण अध्ययन प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित करने के अलावा ग्रामीण प्रौद्योगिक पार्क कार्यो के माध्यम से बैंकरों के सहयोग से ऐसे समान कार्यो पर बल दिया गया है । इस प्रयास के भाग के रुप में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क के प्रभाग ने संबंधित गांवो के समाजार्थिक विकास के लिए बैंकिंग संस्थाओं के सहयोग से ग्राम अभिग्रहण कार्यो को आगे बढाया । यह दृष्टिकोण निश्चित रुप से सफल रहा क्योंकि अधिकांश बैंकिंग संस्थाओं ने क्षमता निर्माण पर बल देते हुए तथा वित्तीय सहायता की सुविधा से गांवो के विकास के लिए अपनी दिलचस्पी जतायी । नाबार्ड भी इस कार्य अभ्यास में सक्रिय रुप से कार्यरत है । वर्ष के दौरान बैंकिंग संस्थाओं तथा नाबार्ड पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श बैठक प्रारंभ-की-गई।

सारणी 1: वर्ष 2014-15 के लिए चालू औपचारिक कार्य अनुसंधान अध्ययन

क्र. सं.	अनुसंधान अययन शीर्षक	दल सदस्य
1	आजीविका समूह दृष्टिकोण के द्वारा ग्रामीण उद्यमशीलता एवं उद्योगों को बढावा देने हेतु कार्य अनुसंधान : कार्य अनुसंधान में एक प्रायोगिक शुरुआात- एन ई आर सी।	डॉ. कनक हलोई डॉ. रत्ना भूइयां
2	छुटा हुआ वर्ग-ग्रामीण कारीगर- ग्रामीण उद्यमशीलता में रुपांतरण ' विषय पर कार्य अनुसंधान परियोजना "।	श्री के प्रताप रेड्डी, सेदयम एवं डॉ. वाई गंगी रेड्डी, एन आई आर डी एवं पी आर
3	पूर्वी घाटी हिंटरलैण्ड में संरक्षण एवं पुन: सृजन नीतियों के द्वारा वन आधारित आजीविकाओं में अभिवृद्धि	डॉ. एम वी राव डॉ. जी रजनी कान्त एवं श्री पी कृष्णा राव, कोवेल फाउण्डेशन वाईजैग
4	महाराष्ट्र के चयनित गांवो में भू-संबंधी सूचना आधारित आजीविका योजना	डॉ. वी माधव राव एवं दल
5	जी आई एस अनुप्रयोग द्वारा सततयोग्य विकास के लिए सहभागी सूक्ष्म स्तर की योजना एवं प्रबंधन ।	सी-गार्ड एवं एस आई आर डी. तमिलनाडू दल

सारणी 2: वर्ष 2014-15 के दौरान चालू ग्राम अभिग्रहण अध्ययन

क्र.सं.	राज्य	जिला	गांव	संकाय सदस्य / दल
1	आन्ध्र प्रदेश	महबूबनगर	अप्पापुर	डॉ. शिवराम डॉ. गंगी रेड्डी मो. खान
2	आन्ध्र प्रदेश	प्रकाशम	गंगावरम, इंकोल्लु मंडल	डॉ. रवि बाबू
3	आन्ध्र प्रदेश	महबूबनगर	हाजिपल्ली	डॉ. पी शिवराम डॉ. वाई गंगी रेड्डी
4	आन्ध्र प्रदेश	प्रकाशम	मोहिउद्दीनपुरम	डॉ. एन कल्पलता डॉ.पदमजा सुश्री जरीना
5	आन्ध्र प्रदेश	चित्तूर	पालागट्टापल्ली	डॉ. पी राज कुमार श्री टी. फनिंद्रा कुमार
6	असम	मोरेगांव	हतीउथा	डॉ. के. हलोई
7	असम	कामरुप	जाजीकोना	डॉ. के हलोई डॉ. के मुकेश कुमार श्रीवास्तव
8	असम	नलवाडी	कठौरा	डॉ. के हलोई श्री ए सिम्हाचलम
9	छत्तीसगढ	धमतरी	सोनझारी	डॉ. वी अन्नमलै
10	छत्तीसगढ	बस्तर	तिरथगढ	डॉ. एस एन राव
11	छत्तीसगढ	धमतरी	तुमराबहार	डॉ. टी जी राम्मया
12	कर्नाटक	कामराजनगर	होसापोडु हिरियमबाला कथाकलपाडु हविनामुला	डॉ.वी. सुरेश बाबू

(जारी ....)

सरणी 2 (जारी...)

क्र.सं.	राज्य	जिला	गांव	संकाय सदस्य / दल
13	कर्नाटक	गुलबर्गा	वंटिचिंता	डॉ. के जयलक्ष्मी डॉ. जी वेलेन्टीना
14	कर्नाटक	बिदर	वीट्ठलपुरा	डॉ. सीएच राधिका रानी
15	कर्नाटक	यादगिर	बेलगेरा	डॉ. सिद्दय्या डॉ. के प्रभाकर
16	मध्य प्रदेश	धार	मुसापूरा कोफिसोंदपुर	डॉ. एन वी माधुरी डॉ. सी धीरजा श्री के पी राव
17	मध्य प्रदेश	छत्तरपुर	पटोरी	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव
18	महाराष्ट्र	चन्द्रपुर	असापुर	डॉ यू. हेमन्त कुमार
19	महाराष्ट्र	चन्द्रपुर	कोटबन	श्री डी. एस. आर. मुर्ति
20	महाराष्ट्र	चन्द्रपुर	पिम्पालकोथा	श्री जी. वी. सत्यनारायण
21	महाराष्ट्र	नांदेड	सोमरला	डॉ. पी. केशव राव डॉ. आर. चिन्नदुरै
22	महाराष्ट्र	अहमद नगर	कोरेगकन गॉव	श्री टी. फनीन्द्र कुमार श्री डी. एस. आर. मुर्ति
23	ओडिशा	कोरापुट	खुदी	डॉ. वाई. भास्कर राव
24	ओडिशा	कोरापुट	मंदीकुटा	डॉ. बी. के. स्वैन
25	ओडिशा	सुन्दरगढ	सासा	डॉ. जी. वी. के. लोहीदास डॉ. ए. देबप्रिय
26	ओडिशा	कटक	नाराज	डॉ. ए. देबप्रिय
27	राजस्थान	उदयपुर	अमरपुर	डॉ. के. प्रभाकर

(जारी ....)

सरणी 2 (जारी...)

क्र.सं.	राज्य	जिला	गांव	संकाय सदस्य / दल
28	राजस्थान	भरतपुर	हन्तरा रेवेन्यु गांव	श्री एच. के. सोलंकी डॉ. पी. केशव राव
29	तमिलनाडु	कुड्डालोर	सिरमंगलम	डॉ. आर मुरुगेसन
30	तमिलनाडु	दिंडिगुल	मनलूर	डॉ. रमेश
31	तमिलनाडु	विलीपुरम	सारम किलमाविलंगई	श्री टी फनींद्र कुमार
32	तेलंगाना	वरंगल	कोटापल्ली	डॉ. पी अनुराधा
33	पश्चिम बंगाल	बांकुरा	सिउलीबोना	डॉ. शंकर चटर्जी

अध्याय 5

परामर्शी अध्ययन

एनआईआरडी एवं पीआर, संकाय सदस्यों की सुविज्ञता देखते हुए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय / विभाग, कार्पोरेट, क्षेत्र संगठन तथा राज्य सरकार, एन.आई.आर.डी. एवं पी.आर. को अनुसंधान अध्ययन, मूल्यांकन अध्ययन इत्यादि आरंभ करने का अनुरोध करता है । इन अध्ययनों को परामर्शी अध्ययनों के रुप में वर्गीकृत किया गया है। इस संबंध में कुछ ग्राहक - पंचायती राज मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, जल संसाधन मंत्रालय, योजना आयोग, केरल सरकार आदि से होते है ।

परामर्शी अध्ययन की प्रक्रिया संस्थान के प्रत्येक केन्द्र की विशेषज्ञता पर आधारित होती है । वर्ष के दौरान 25 परामर्शी अध्ययन आरंभ किए गए । इन अध्ययनों की सूची सारणी-1 में प्रस्तुत की गई है । वर्ष के दौरान 13 परामर्शी अध्ययन संपूरित किए गए तथा इसके विवरण सारणी-2 में प्रस्तुत किए गए है ।

सारणी- 1: वर्ष 2014-15 के दौरान शुरु किए गए परामर्शी अध्ययनों की सूची

क्र. सं.	अध्ययन के शीर्षक	दल सदस्य
1-3	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूहों आन्ध्र प्रदेश और छतीसगढ में सर्व शिक्षा अभियान की निगरानी	डॉ. टी. विजय कुमार
4-6	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूहों आन्ध्र प्रदेश और छतीसगढ में मिड-डे-मील (मध्यान्ह भोजन)की निगरानी	डॉ. टी. विजय कुमार

(जारी ....)

सरणी 1 (जारी...)

क्र. सं.	अध्ययन के शीर्षक	दल सदस्य
7-8	आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएसएम.ए) की निगरानी	डॉ. टी. विजय कुमार डॉ. आर. आर.प्रसाद
9-10	आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में यूडीआईएसई-2014 (5% नमूने की पड़ताल) एसएसए	डॉ. टी. विजय कुमार डॉ. एन. दीपा
11	आदर्श ग्राम पंचायत की तैयारी-जनजातीय उप योजना	डॉ. आर. आर.प्रसाद
12	आईडब्ल्यूएमपी, डीपीएपीएवं डीपीएपी के तहत चार बंद वाटर शेड परियोजनाओं का मूल्यांकन	प्रमुख (सी.डब्ल्यू.एल.आर.)
13	आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडू एवं तेलंगाना राज्य से अनुसूचित जातियों संबंधित देवदासियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन	डॉ. आर. चिन्नादुरै
14	कर्नाटक राज्य के एन.एस.के.एफ.डी.सी. योजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. आर. आर.प्रसाद एवं दल,
15	वर्ष 2010-14 के दौरान संपूरित कार्यो की उत्पादकता एवं समुदाय के लिए उनकी सततयोग्यता - सभी राज्यों में त्रिकोणीय के माध्यम से विश्लेषण - संपत्ति अध्ययन	डॉ. के. प्रभाकर डॉ.जी. रजनी कांत डॉ. वी. सुरेश बाबू (नोडल अधिकारी)
16	आईपीपीई के लिए किया गया प्रशिक्षण मूल्यांकन एवं क्षमता निर्माण सहित आईपीपीई की प्रलेखन प्रक्रिया	डॉ. अरुना जयमनी डॉ. जी.रजनी कान्त डॉ. वी. सुरेश बाबु (नोडल अधिकारी)
17	चयनित भिन्नताओ पर योजना प्रक्रिया का लधु और दीर्घावाधि प्रभाव एवं योजनाओ का प्रभाव अ.जा / अ.ज.जा, महिलायें, 7 राज्यो में पी आर आई की क्षमता एवं शिकायत डाटा में परिवर्तन	डॉ. सी. धीरजा डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबु (नोडल अधिकारी)

(जारी ....)

सरणी 1 (जारी...)

क्र. सं.	अध्ययन के शीर्षक	दल सदस्य
18	एमजीएनआरईजीएस का समाजार्थिक प्रभाव - छह राज्यों में देशांतरीय अध्ययन	डॉ. वी. सुरेश बाबु डॉ. एस.वी. रंगाचार्युलु
19	कमजोर समुदायों के संकट प्रवास पर महात्मागांधी नरेगा का प्रभाव चार राज्यों में मध्यावधि उपाय	डॉ. प्रत्युसना पटनायक डॉ. जी. रजनी कांत डॉ. वी. सुरेश बाबु (नोडल अधिकारी)
20	महात्मागांधी नरेगा के तहत महिला प्रमुख के अंतर्गत 4-7 वर्ष के बच्चों की पोषण एवं शिक्षा की स्थिति तथा महात्मागांधी नरेगा के तहत न आने वाली महिला प्रमुख के घरों के अंतर्गत 4-7 वर्ष के बच्चों के पोषण एवं शिक्षा की स्थिति : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. लखन सिंह डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबु (नोडल अधिकारी)
21	विशेष कमजोर आदिवासी समूहों के लिए सर्वेक्षण एवं जोखिम हस्तक्षेप के सूचकांक	डॉ. आर. आर.प्रसाद
22	तेलंगाना राज्य में स्कूल जा रहे बच्चों में स्वास्थ्य जागरुकता	डॉ. टी. विजय कुमार
23	तेलंगाना राज्य में एस.एस.ए. क्रियाकलापों पर शिक्षकों की अवधारणा	डॉ. टी. विजय कुमार
24-25	आन्ध्रप्रदेश और तेलंगाना के दो जिलों में यू.डी.आई.एस.ई.-2014 का पश्च गणना सर्वेक्षण (5% प्रतिदर्श जांच)	डॉ. टी. विजय कुमार

2013-14 के चालू परामर्शी अध्ययन

26	एसएलएनएएवं डब्ल्यूसीडीएल स्तर पर संस्थागत सेट-अप का प्रदर्शन	डॉ. एस.एस.पी. शर्मा एवं दल
27	उत्तर प्रदेश, (बुंदेलखण्ड क्षेत्र)असम, कर्नाटक (हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र) एवं राजस्थान में महात्मागांधी नरेगा के तहत कम कार्य निष्पादन प्रदर्शन जिले का अभिग्रहण ।	डॉ. जी. रजनीकांत एवं दल
28	बालिका शिक्षा को इनजेंडर करना : भर्ती, वापसी एवं स्कूल छोडने वाले बच्चों का क्रॉस अनुभागीय अध्ययन	डॉ. टी. विजय कुमार

(जारी ....)

सारणी- 2: वर्ष2014-15 के दौरान संपूरित परामर्शी अध्ययन

क्र. सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
1	एस.जी.एस.वाई. एवं इंदिरा आवास योजनाओं के विशेष संदर्भ में अल्पसंख्यकों पर प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम का प्रभाव	डॉ. के.पी. कुमारन डॉ. आर. चिन्नादुरै
2	एकीकृत वाटरशेड प्रबंध कार्यक्रम के तहत प्रारंभिक चरण के कार्यों का मूल्यांकन	डॉ. आर. चिन्नादुरै एवं दल
3	असम, बिहार एवं राजस्थान में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पी.एम.ए.जी.वाई.) के तहत त्वरित मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. आर.आर. प्रसाद एवं दल
4-6	अंडमान एवं निकोबार आंध्र प्रदेश और छतीसगढ द्वीप समूह में सर्व शिक्षा अभियान की निगरानी	डॉ. टी. विजय कुमार
7-9	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह आंध्र प्रदेश और छतीसगढ में मिड-डे-मील योजना (मध्याह्न-भोजन) की निगरानी	डॉ. टी. विजय कुमार
10	आंध्र प्रदेश में समावेशी शिक्षा का मूल्यांकन	डॉ. टी. विजय कुमार
11	आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की निगरानी	डॉ. टी. विजय कुमार
12	राजस्थान में कृषि, निर्धनता, आजीविका एवं विकास पर महात्मागांधी नरेगा का प्रभाव	डॉ. जी. रजनीकांत एवं दल
13	भीलवाड़ा जिले के सततयोग्य अभिसरण के मॉडल का मूल्यांकन -एक प्रायोगिक कार्य	डॉ. वी. सुरेश बाबू डॉ. सी. धीरजा डॉ. जी. रजनीकान्त

अध्याय 6

राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) एवं विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) के साथ नेटवर्किंग

ग्रामीण विकास एवं पंचयती राज के लिए राष्ट्र, राज्य एवं क्षेत्रीय स्तर पर एन आई आर डी एवं पी आर, एस आई आर डी एवं ई टी सी के साथ त्रि-स्तरीय संस्था का गठन किया गया है । एन आई आर डी एवं पी आर के अधिदेश में प्रशिक्षण और पुर्नप्रशिक्षण के द्वारा अधिक संख्या में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण हेतु एस आई आर डी और ई टी सी को सुदृढ़ करना शामिल हैं । इन प्रयासों के फलस्वरुप विकास कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन में सुधार होगा । इस नेटवर्किंग के प्रयास के भाग के रुप में एन आई आर डी एवं पीआर कई योजना और कार्यक्रमों को समन्वित कर रहा हैं जिस पर इस अध्याय में प्रकाश डाला गया है ।

एस आई आर डी की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं एस आई आर डी एवं ई टी सी के साथ क्षेत्रीय बैठकें

एस आई आर डी एवं ई टी सी के साथ नेटवर्किंग के संबंध में एन आई आर डी एवं पी आर के कार्यों में (क) एस आई आर डी एवं ई टी सी की वार्षिक संगोष्ठी आयोजित करना (ख) एस आई आर डी एवं ई टी सी की क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन करना है । यद्यपि सामान्य तौर पर यह संगोष्ठी एस आई आर डी क्रियाकलापों के सिंहावलोकन को सरलीकृत करती है तथा एन आई आर डी एवं पी आर, एस आई आर डी एवं ई टी सी के बीच नेटवर्किंग एवं विस्तार से चर्चा हेतु मंच प्रदान करने में क्षेत्रीय बैठके आयोजित करती है ।

वर्ष 2014 के दौरान एस आई आर डी की राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 11-07-2014 को एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर आयोजित की गई । संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री एस.एम. विजयानंद, अपर सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने की । इस संगोष्ठी में एम.ओ.आर.डी. के वरिष्ठ पदाधिकारी, 22 एस आई आर डी के संकाय सदस्यों एवं प्रमुखों तथा एन आई आर डी एवं पी आर के राज्य संपर्क अधिकारियों ने भाग लिया ।

एस आई आर डी की राष्ट्रीय संगोष्ठी

एस आई आर डी में एन आई आर डी एवं पी आर ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम

एस आई आर डी के संकाय सदस्यों के क्षमता सुदृढीकरण को ध्यान में रखते हुए एन आई आर डी एवं पी आर ने विभिन्न एस आई आर डी में ऑफ कैम्पस कार्यक्रमों के आयोजन की स्कीम तैयार की । प्रचलित प्रणाली के अनुसार वर्ष के आरंभ में प्रत्येक एस आई आर डी को दिए गए कार्यक्रम एन आई आर डी एवं पी आर के मानदंडों और परामर्श के अनुसार होंगे और इन्हें एन आई आर डी एवं पी आर के वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर में शामिल किया गया। विभिन्न एस आई आर डी में रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा 1025 ऑफ कैम्पस तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

ऑफ कैम्पस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु योजना तैयार की गई है । इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य फोकस इन क्षेत्रों पर रहा: जिला योजना, विकेन्द्रीकरण और पंचायती राज, कृषि, बागवानी, पशुधन, मत्स्यपालन, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम विकास, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंध, ग्रामीण विपणन, एम जी नरेगा, पी एम जी एस वाई, टी एस सी, एन आर डी डब्ल्यू पी, आई डब्ल्यू एम पी, आई ए वाई, एम एस ए पी, एन आर एल एम, पूरा, बी पी एल जनगणना, भू-प्रबंध एवं प्रशासन, पारदर्शिता तथा जबावदेहिता, नागरिक चार्टर एवं शिकायत निवारण ई अभिशासन, भूभौतिकी सूचना प्रणाली (जी आई एस), अभिसरण, सूचना का अधिकार अधिनियम -

2005,कार्यालय प्रबंध, वित्त, लेखा और लेखा परीक्षा, नेतृत्व संगठनात्मक स्वरुप और अंर्तव्यक्तिक कौशल (सॉफ्ट स्किल, परियोजना प्रबंध इंजीनियरिंग तथा आकलन, कमजोर वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाएँ, बच्चे और विकलांग ग्रामीण विकास में परिवर्तन , समावेश प्रशिक्षण, पुनश्चर्या प्रशिक्षण, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, आपदा प्रबंध, बी आर जी एफ, भारत निर्माण स्वयं सेवक तथा स्वास्थ्य।

एन आई आर डी एवं पी आर -राज्य संपर्क अधिकारी (एस एल ओ) योजना

यह योजना कुछ वर्षों से प्रचलन में है । योजना के अंतर्गत, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यकर्ताओं को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण देने के संदर्भ में राज्यों, एस आई आर डी और ई टी सी की सहायता करने के लिए राज्य संपर्क अधिकारी (एस एल ओ) के रुप में संकाय सदस्यों को नामित किया गया। नये मार्गनिर्देशों के साथ योजना का संशोधन किया गया और उप राज्य स्तर पर ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थाओं जैसे आर आई आर डी, ई टी सी, पी आर टी सी डी आई आर डी जो अन्य राज्यों में कार्य कर रहे है को इस योजना के अंतर्गत कवर किया गया । योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, अनुसंधान और कार्य अनुसंधान के क्षेत्र में राज्य सरकारों, एस आई आर डी और ई टी सी तथा अन्य आर डी प्रशिक्षण संस्थाओं को एस एल ओ आवश्यक शैक्षणिक सहायता प्रदान करते है ।

एस आई आर डी और ई टी सी के सुदृढीकरण हेतु केन्द्रीय योजना

एस आई आर डी एवं ई टी सी राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थायें है जो क्रमश: जिला, खंड और ग्राम स्तर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं स्व सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं । ये संस्थायें एक कालावधि में विकसित हुई हैं तथा भौतिक आधारभूत संरचना,संकाय, स्टॉफ इत्यादि के संदर्भ में प्रगति के विभिन्न चरणों पर हैं ।

''ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का प्रबंध समर्थन तथा जिला योजना प्रक्रिया के सुदृढीकरण'' की केन्द्रीय योजना के अंतर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय, राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों (एस आई आर डी) तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) को VIवीं योजना से वित्तीय सहायता प्रदान कर ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राज्यों के प्रशिक्षण क्रियाकलापों को समर्थन प्रदान कर रहा है । इस परिप्रेक्ष्य में, एन आई आर डी एवं पी आर को यह अधिदेश दिया गया है कि प्रस्तावों की जांच करते हुए एस आई आर डी एवं ई टी सी की विशिष्ट सिफारिशों को ग्रामीण विकास मंत्रालय को प्रस्तुत करें ताकि मंत्रालय केन्द्रीय योजना के अंतर्गत निधि पोषण समर्थन का अनुमोदन कर सके । योजना की विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है :

क. राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों (एस आई आर डी) का सुदृढ़ीकरण

एस आई आर डी का उद्देश्य राज्य तथा जिला स्तर पर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं और पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों के ज्ञान, कौशल तथा व्यवहार में सुधार लाना है। वर्तमान में प्रत्येक राज्य में एक तथा कुल 28 एस आई आर डी है ।

एस आई आर डी द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम में एम ओ आर डी एवं एम ओ पी आर के फ्लैगशिप कार्यक्रमों, ई टी सी के लिए प्रशिक्षण कौशल और क्रियाविधि ग्रामीण विकास परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन, ग्रामीण ऋण, ग्रामीण विकास के लिए कम्प्यूटर सूचना प्रणाली, बी डी ओ के लिए पाठ्यक्रम स्वैच्छिक संगठन, प्रबंध विकास कार्यक्रम समन्वित जलागम कार्यक्रम आदि शामिल है ।

परिसर विकास कार्यो, शिक्षण सामग्री, कार्यालय उपकरण, फर्नीचर तथा उपस्कर आदि के एकत्रीकरण सहित आधारभूत संरचना विकास के सुदृढ़ीकरण हेतु अनावर्ती व्यय के लिए एस आई आर डी और ई टी सी को ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 100 % केन्द्रीय सहायता प्रदान की गई ।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा गैर उत्तर पूर्वी राज्यों के एस आई आर डी के लिए 50% आवर्ती व्यय तथा उत्तर पूर्वी राज्यों के एस आई आर डी के लिए 90% प्रतिशत आवर्ती व्यय प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा, सभी एस आई आर डी के पांच मुख्य संकाय सदस्यों को ग्रामीण विकास मंत्रालय वर्षानुवर्ष आधार पर 100% वेतन व्यय की क्षतिपूर्ति कर रहा है ।

वर्ष (2014-15) के दौरान 28 में से 10 एस आई आर डी ने अनावर्ती अनुदान प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जिसमें भौतिक और प्रशिक्षण आधारभूत संरचना (परिसर विकास कार्यो, शिक्षण सामग्री तथा कार्यालय उपकरण, फर्नीचर एवं उपस्कर सहित भवन आदि) और प्रशिक्षण- सामग्री के एकत्रीकरण के विकास हेतु निधिपोषण समर्थन की मांग की है । एन आई आर डी एवं पी आर ने एस आई आर डी द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्तावों की संवीक्षा की तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय को रु. 1087.85 लाख के कुल अनावर्ती अनुदान की सिफारिश की जबकि एम ओ आर डी द्वारा रु. 453.26 लाख की राशि एस आई आर डी को मंजूर की गई ।

ख. विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रो (ई टी सी) का सुदृढ़ीकरण

विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र, (ई टी सी) उप राज्य स्तर की प्रशिक्षण संस्थायें है जो खंड और ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं तथा पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान करती हैं । राष्ट्र में 89 ई टी सी है । ये केन्द्र एम ओ आर डी और एम ओ पी आर के फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर बल देते हुए पाठ्यक्रमों का आयोजन करते हैं । इसके अलावा, ई टी सी ग्राम विस्तार अधिकारियों / ग्राम सेवकों /सेविकाओं पंचायतों के सचिवों एवं सहकारिताओं तथा अन्य ग्रामीण विकास विभागों के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए भी पाठ्यक्रमों का आयोजन करते हैं । इसके अलावा, खंड और ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों तथा अन्य समुदाय आधारित संगठनों तथा स्व सहायता समूहों के सदस्यों को भी ये ई टी सी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं ।

विकासपरक कार्यकर्ताओं की संख्या में वृद्धि और पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों, सदस्यों के अधिक

संख्या में प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ई टी सी को अधिक महत्ता प्राप्त हुई है । अत: ई टी सी को अनावर्ती के रुप में एम ओ आर डी द्वारा 100% की दर से निधिपोषण केन्द्रीय सहायता दी जा रही है तथा आवर्ती व्यय के लिए ई टी सी को प्रति वर्ष 20.00 लाख की राशि दी जा रही है ताकि वे ग्रामीण विकास और पंचायती राज कार्यकर्ताओं और पी आर आई सदस्यों के क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण में वृद्धि कर सके ।

वर्ष (2014-15) के दौरान 13 राज्य सरकारों ने अनावर्ती अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत किए है । 37 ई टी सी के संबंध में (जिसमें महाराष्ट्र के हिवारे बाजार एवं चंद्रपुर में नये ई टी सी के प्रस्ताव भी शामिल है) भौतिक और प्रशिक्षण आधारभूत संरचना, (भवन, अध्ययन उपकरण एवं ऑफिस फर्नीचर/ उपस्कर) प्रशिक्षण उपकरणों के प्रापण हेतु निधि पोषण समर्थन प्राप्त कर रहे हैं । ई टी सी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की संवीक्षा एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा की गई तथा पूर्ण रुपेण अनावर्ती अनुदान रु. 4980.50 लाख की राशि संस्तुत की जिसमें से एम ओ आर डी ने रु. 1420.34 लाख की राशि की मंजूरी ई टी सी को दी ।

एस आई आर डी एवं ई टी सी का प्रशिक्षण कार्य निष्पाद

एन आई आर डी एवं पी आर - एस आई आर डी - ई टी सी के ''नेटवर्क'' ने अपने प्रशिक्षण क्रियाकलाप के दायरे को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं सेमिनारों की संख्या में बढोत्तरी कर तथा बडी संख्या में ग्राहक समूहों का कवरेज कर अपने क्षेत्र को बढाया है । एस आई आर डी एवं ई टी सी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की लक्षित संख्या में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के कार्यक्रम के अलावा विभिन्न पद्धतियां जैसे - फेस टू फेस, ऑफ कैम्पस, संपर्क कार्यक्रम सम्मिलित हैं । कुछ एस आई आर डी जैसे - आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, ओडीशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान,पश्चिम बंगाल राज्यों ने सैटकॉम सुविधाओं का उपयोग करते हुए दूरस्थ प्रशिक्षण पद्धति को अपनाया हैं । केन्द्रीय योजना के अतंर्गत एम ओ आर डी के निधि पोषण समर्थन से संस्थायें अधिक संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकी है । एम ओ आर डी द्वारा शुरु किए गए फ्लैगशिप कार्यक्रम जैसे -एम जी नरेगा, एन आर एल एम, पी एम जी एस वाई ग्रामीण आवास, पेयजल एवं स्वच्छता, जलागम विकास एवं भारत सरकार द्वारा अन्य केन्द्रीकृत प्रायोजित कार्यक्रमों पर अधिक बल एवं फोकस देने हेतु एस आई आर डी को निर्देश दिया गया है ।

वर्ष 2014-15 के दौरान एस आई आर डी और ई टी सी ने मिलकर 31,427 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया तथा पी आर आई के निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित 74.06 लाख आर डी एवं पी आर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया । वर्ष 2013 - 14 में उनके निष्पादन की तुलना में वर्ष में एस आई आर डी तथा ई टी सी प्रशिक्षण, ग्रा वि एवं पी आर कार्यकर्ताओं की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, उसमें 58,189 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है तथा कुल 27.41 लाख प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया क्योंकि एस आई आर डी और ई टी सी ने सैटकॉम और दूरस्थ शिक्षा पद्धति को अपनाया हैं ।

एस आई आर डी द्वारा एम ओ आर डी के वेब पोर्टल www.ruraldiksha.nic.in. पर वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को अपलोड़ किए जाने की संभावना हैं तथा एम ओ आर डी वेब साईट पर उपलब्ध सामग्री को अपलोड कर अन्य एस आई आर डी और ई टी सी के साथ प्रशिक्षण सामग्री को शेयर करने की कार्रवाई करेंगे तथा एन आई आर डी एवं पी आर एवं अन्य एस आई आर डी जिनके पास यथापेक्षित उपलब्ध है उनके मार्गदर्शन में "ई-लर्निंग" सामग्री को तैयार करने हेतु पहल करेंगे । एम ओ आर डी की वेबसाईट www.ruraldiksha.nic.in में पंजीकरण द्वारा वेब आधारित आनलाईन रिपोटिंग प्रणाली के माध्यम से एस आई आर डी और ई टी सी को हर माह प्रशिक्षण कार्यनिष्पादन की रिपोर्ट एम ओ आर डी को भेजनी होगी ।

अध्याय 7

प्रलेखन

ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सफलता अन्य मुद्दों के चलते सूचना की पहुँच पर निर्भर करती हैं जो ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण निवेश है । विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्व्यन और अपेक्षित नतीजों को हासिल करने के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डरों को यथासमय और संगत सूचना का प्रावधान अत्यंत महत्वपूर्ण है । संस्थान के अनुसंधान एवं प्रशिक्षण क्रियाकलापों को सूचना समर्थन प्रदान करने की दृष्टि से तथा विकास समुदाय के अन्य सदस्यों के लिए एन आई आर डी एवं पी आर में मीडिया एवं ग्रामीण प्रलेखन केन्द्र (सी एम आर डी) ग्रामीण विकास साहित्य की शिनाख्त और संकलन के कार्य में जुटा हुआ है तथा व्यवस्थित ढंग से इसका अभिलेखन कर रहा है ताकि इसका प्रभावी और व्यापक रुप से प्रचार-प्रसार हो सके । गत वर्षों के दौरान संस्थान ने ग्रामीण विकास एवं विविध पहलूओं पर पुस्तकों/पत्रिकाओं एवं सीडी/वीसीडी का एक बड़ा संकलन तैयार किया है जो एन आई आर डी एवं पी आर का बडा संकलन है तथा सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए सूचना संसाधान आधार का भाग है । स्टेकहोल्डरों को ग्रामीण विकास सूचना का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने हेतु सूचना सेवाओं का भी प्रस्ताव करता है ।

सूचना स्रोत

पुस्तकें

पुस्तकें, रिपोर्ट एवं अन्य संस्थागत प्रकाशन सूचना के प्रमुख - स्त्रोत बनते है । समीक्षा अवधि के दौरान, सी एम आर डी ने कुल 2901 पुस्तकों तथा अन्य प्रलेखनों का संग्रहण किया है ।

पत्र - पत्रिकाएँ

समीक्षा अवधि के दौरान सी एम आर डी ने 142 भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं का अंशदान किया है । कुल 45 पत्र - पत्रिकाएँ विनिमय तथा अनुपूरक आधार पर प्राप्त हुए और लगभग 75 समाचार पत्र विभिन्न ग्रामीण विकास संस्थाओं से प्राप्त हुए । सी एम आर डी ने ऑन लाईन डाटाबेस जैसे indiastat.com, JSTOR और प्रोक्वेस्ट - सामाजिक विज्ञान पत्र - पत्रिकाएँ एवं ईब्रेरी सामाजिक विज्ञान संग्रहण (ई - बुक्स) का भी अंशदान किया ।

सी डी रोम / वीडियो कैसेट

संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दृश्य-श्रव्य सामग्रियॉ महत्वपूर्ण होती हैं । समीक्षा अवधि के दौरान सी एम आर डी ने अपने संग्रहण में कुल 42 सी डी / डी वी डी जोड़े हैं ।

हिन्दी अनुभाग

हिन्दी भाषी राज्यों से आने वाले प्रतिभागियों तथा संस्थान के कर्मचारियों के लिए सी एम आर डी ने अलग से हिन्दी पुस्तकों का संग्रहण किया है । वर्तमान वर्ष में 129 हिन्दी पुस्तकों का संग्रहण हुआ है ।

डाटाबेस को अद्यतन करना

एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा पुस्तकों तथा जर्नल प्रलेखों के कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस को निरंतर आधार पर अद्यतन किया जाता है । इन डाटाबेसों के आधार पर सी एम आर डी विभिन्न सूचना सेवाएँ प्रदान करता है । वर्तमान में पुस्तक डाटाबेस में 12415192985 पुस्तकें और जर्नल प्रलेखों के डाटाबेस में 124151 संदर्भ है ।

सी एम आर डी सूचना उत्पाद / सेवाएँ

सी एम आर डी एलर्टस, सी एम आर डी इन्डेक्स एवं समाचार पत्र क्लिपिंग्स सूचना उत्पाद है जिनके माध्यम से सी एम आर डी सूचना का प्रचार - प्रसार करता है । समीक्षा अवधि के दौरान ये प्रकाशन नियमित रुप से प्रकाशित किए गए । इसके अलावा सी एम आर डी प्रयोक्ताओ के लिए साहित्य फोटोकॉपिइंग, अंतर -पुस्तकालय ऋण आदि सेवाएँ प्रदान करता है ।

संस्थागत सदस्यता

सी एम आर डी, ग्रामीण विकास संगठनों एवं संस्थानों के लिए प्रस्तावित एन आई आर डी एवं पी आर संस्थागत सदस्यता को बनाए रखता है । संस्थागत सदस्यों को जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट, एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र और अन्य निशुल्क प्रकाशनों सहित सशुल्क प्रकाशनों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है ।

अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक पुस्तकालय सांख्यिकी

1.	दिनांक 31-3-2015 तक कुल स्टाक (अंग्रेजी पुस्तकें, हिन्दी पुस्तकें, बच्चों की पुस्तकें, तेलुगु पुस्तकें तथा पत्रिकाओं के जिल्द खंड सहित)	1,19801
2.	दिनांक 31-3-2015 को वर्ष समाप्ति के दौरान कुल खरीदी गई पुस्तकें	2901
3.	दृश्य श्रव्य सामग्री (वीडियो कैसेट्स तथा सी डी)	42
4.	खरीदी गई पत्रिकाएँ	142
	विनिमय पर प्राप्त पत्रिकाएँ	25
	निशुल्क प्राप्त पत्रिकाएँ	20
	समाचार पत्र	75
	कुल खरीदी गई पत्रिकाएँ	262
	खरीदे गई समाचार पत्रों की संख्या	32
5.	सी एम आर डी पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग	
	उधारकर्ता की संख्या	814
	प्रतिभागियों को उधार दिये गए प्रलेखों की संख्या	1896
	पुस्तकालय में आगन्तुकों की संख्या	7188
6.	अंतर - पुस्तकालय ऋण	
	अन्य पुस्तकालय को उधार दिये गये प्रलेखों की संख्या	07
7.	पुस्तकालय में आये अनुसंधान शोधार्थी	28
8.	प्रलेखन सेवाएँ	
	वर्ष के दौरान सूचकांक किये गए प्रलेखों की संख्या	1419
	जारी किये गए सी एम आर डी अलर्ट	12
	जारी किये गए सी एम आर डी संख्या	12
9.	सी एम आर डी डेटाबेस	
	डाटाबेस (पुस्तकों) में प्रविष्टियों की संख्या	92985
	लेखों की संख्या	124151
	डाटाबेस से किये गए साहित्य शोध की संख्या	175

अध्याय 8

सूचना का प्रचार - प्रसार

ग्रामीण विकास सूचना का प्रचार-प्रसार एन आई आर डी एवं पी आर का एक मुख्य क्रियाकलाप हैं । सूचना का प्रभावी ढंग से प्रचार-प्रसार करने की दृष्टि से संस्थान विभिन्न प्रकाशनों के साथ-साथ त्रैमासिक जर्नल ऑफ रुरल डेवलपमेन्ट, प्रगति-मासिक समाचार पत्र, अनुसंधान विशिष्टतायें एवं ग्रामीण विकास सांख्यिकी को प्रकाशित करता हैं । अनुसंधान और कार्यानुसंधान को प्रारंभ करना भी संस्थान का दूसरा मुख्य क्रियाकलाप हैं जिसके निष्कर्षो को अनुसंधान रिपोर्टों की ऋृंखला के द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा हैं । व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रासंगिक विषयों एवं मुद्दों पर महत्वपूर्ण सेमिनारों / कार्यशालाओं / परामर्शो के निष्कर्षो को भी प्रकाशित किया जा रहा हैं । संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों से ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं तथा कार्यरत व्यक्तियों को इस क्षेत्र की नवीनतम जानकारी प्रदान करने में सहायता मिलेगी ।

प्रकाशन

जर्नल एवं पत्र-पत्रिकाएँ

त्रैमासिक जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट, एन आई आर डी का एक फ्लैगशिप प्रकाशन है जो विकेन्द्रीकृत प्रशासन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी शैक्षिक जर्नल है । देश और विदेश में इसका प्रभावी परिचालन है । इस पत्रिका की मांग शिक्षाविद समुदाय, ग्रामीण विकास प्रशासक और योजनाकर्ताओं में अधिक है । गत वर्षों के दौरान, जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट ने अपने उत्कृष्ट लेखों और नियमित प्रकाशन के माध्यम से उच्च ख्याति प्राप्त की है । प्रकाशन हेतु प्राप्त लेखों की विभिन्न स्तरों पर एन आई आर डी एवं पी आर संकाय और बाहरी विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की जाती है ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके ।

वर्ष के दौरान, जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट के चार अंक (खंड 33 सं. 2,3 तथा 4 तथा खंड 34 सं. 1) प्रकाशित किए गए जिसमें 32 लेख और 16 पुस्तक समीक्षाएँ शामिल रही ।

एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र

एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र प्रगति एक मासिक प्रकाशन है जिसमें संस्थान द्वारा नियमित आधार पर आयोजित किए गए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सेमिनार एवं कार्यशालाओं की सिफारिशों की जानकारी उपलब्ध होती है। समाचार पत्र में संकाय विकास की खबर, सफल कहानियां तथा संस्थान में भारत और विदेश से आए अतिथि और शिष्ट मंडल की खबर को भी कवर किया जाता है । इसके माध्यम से एन आई आर डी एवं पी आर अपने एस आई आर डी, डी आर डी ए तथा एन जी ओ से नियमित संपर्क बनाए रखता है। वर्ष के दौरान अप्रैल 2014 से मार्च, 2015 तक समाचार पत्र सं. 227 से 238 तक अंक प्रकाशित किए गए ।

वर्ष 2014-15 के दौरान प्रकाशन

वर्ष 2014-15 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर ने निम्नलिखित प्रकाशनों को प्रकाशित किया।

1. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005

   क. व्यापक माड्यूल

   ख. क्रिस्प माड्यूल

   ग. मुख्य कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा जिम्मेदारी

   घ. एन जी एन आर ई जी एस कार्यकर्ताओं के मानिटरिंग कार्य की जांच सूची

   ड. एम जी नरेगा प्रचालन मार्गनिर्देशों पर अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्न

2. शिक्षा का अधिकार : चुनौतियां एवं नीतियाँ

3. कार्य अनुसंधान : आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में आजीविका को बढाने हेतु एस एच जी अभियान को बढाना

4. ग्रामीण विकास सांख्यिकी - 2013-14

5. ग्रामीण विकास विशेषज्ञों के लिए अनुसंधान पद्धतियॉ

अध्याय 9

ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क

वर्ष 1999 में एन आई आर डी एवं पी आर परिसर में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर. टी. पी.) आरंभ किया गया । सक्रिय दृष्टिकोण के माध्यम से गाँवों को प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं अंतरण करने के साधन के रुप में लगभग 65 एकड़ भूमि के क्षेत्र में आर. टी. पी. की स्थापना की गई । उत्पादकता और जीवन शैली में सुधार के लिए गरीबों को समुचित और किफायती प्रौद्योगिकी पहुँचाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार तेज करने के साधन के रुप में सेवा करने के विजन के साथ आर. टी. पी. कार्य कर रहा है ताकि सत्त विकास की ओर समुदाय को सक्षम बनाया जा सके । राष्ट्रीय ग्रामीण भवन केन्द्र, ग्रामीण भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकियों के साथ निर्मित मॉडल ग्रामीण मकानों और मुख्य स्वच्छता के साथ स्वच्छता पार्क मकानों का प्रदर्शन कर रहा है । प्रत्येक वर्ष ग्रामीण प्रौद्योगिकी मेले का आयोजन किया जाता है देश के विभिन्न भागों से 10000से 12000 लोग मेले में आते है। विभिन्न स्वं सहायता समूह, सरकारी संस्थान, बैंक एस जी एस वाई संगठन आदि प्रदर्शनी में भाग लेते है । कौशल विकास के लिए विभिन्न ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर युवा और महिलाओं के लिए आर टी पी, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। आर. टी. पी. को आई. एस. ओ. 9001-2008 प्रमाण पत्र भी प्राप्त है ।

कौशल विकास कार्यक्रम

वर्ष के दौरान कुल 53 प्रशिक्षण कार्यक्रमों (जिनमें 12 परिचयात्मक दौरा और एक कार्यशाला) का आयोजन किया गया । इसमें 1,245 (928 पुरुष और 317 महिला). अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया । कार्यक्रमों के विवरण नीचे दिए गए हैं :

वर्ष 2014-15 के दौरान आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम

क्र. स.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	पुरुष	महिल	प्रतिभागियों की संख्या
1.	नीम, कृमि खाद, वर्मी वाश द्रव्य बनाने की विधि	9-11अप्रैल, 2014	26	--	26
2.	कुकुर-मुत्ता खेती एवं कुकुर-मुत्ता प्रसंस्करण	14-17 अप्रैल 2014	17	02	19
3.	पत्ता प्लेट और कप बनाना	16-18 अप्रैल 2014	03	07	10
4.	मेघालय टीम के लिए प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	15-16 अप्रैल 2014	09	21	30
5.	ग्रामीण विकास और ग्रामीण प्रौद्योगिकी	19-20 अप्रैल 2014	11	06	17
6.	ग्रामीण विकास और ग्रामीण प्रौद्योगिकी	26-27 अप्रैल 2014	10	12	22
7.	विभिन्न सोया उत्पादों की तैयारी	19-22 मई 2014	08	10	18
8.	मेघालय के किसानों के लिए प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 मई 2014	20	11	31
9.	हस्तनिर्मित साबुन बनाना	03 - 06 जून 2014	18	05	23
10.	सौर लाईट रखरखाव और आर टी पी में प्रदर्शन दौरा	10-14 जून 2014	05	-	05
11.	लागत प्रभावी ग्रामीण आवास, मिट्टी के ब्लॉक बनाना	10-13 जून 2014	11	-	11
12.	पत्ते की प्लेट और कप बनाना	18 - 20 जून 2014	03	05	08
13.	असम टीम की ग्राम अभिग्रहण योजना के तहत सौर उत्पादों को जोडना और स्थापना	13-15 जून 2014	11	-	11
14.	"गृह आधारित उत्पादों, सौर और मधुमक्खी जीविका" पर प्रशिक्षण	18- 25 जून 2014	09	08	17
15.	गृह आधारित उत्पाद	24 - 27 जून 2014	12	09	21
16.	मेघालय टीम के ग्रामीणों के लिए एकीकृत प्रशिक्षण	24 -28 जून 2014	19	01	20

(जारी ....)

क्र. स.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	पुरुष	महिला	प्रतिभागियों की संख्या
17.	पत्ता बनाना , फैशन ज्वेलरी और हस्तनिर्मित साबुन	30 जून-02 जुलाई 2014	14	17	31
18.	हस्तनिर्मित कागज के बैग बनाना	02 - 05 जुलाई 2014	02	06	08
19.	मशरुम की खेती और मशरुम उत्पाद	15 - 18 जुलाई 2014	12	-	12
20.	मेघालय टीम के लिए एकीकृत प्रशिक्षण	21-23 जुलाई,2014	25	04	29
21.	ग्राम अभिग्रहण योजना के तहत नीम पाउडर और नीम तेल बनाना	23-25 जुलाई,2014	10	-	10
22.	मछली संरक्षण और निर्जलीकरण (गोदावरी महासमख्या)	1-3 अगस्त,2014	-	37	37
23.	ग्राम अभिग्रहण योजना के तहत "सौर एसम्बलिंग "	26-28 अगस्त,2014	03	-	03
24.	मेघालय की टीम के लिए एकीकृत प्रशिक्षण	2-5 सितंबर, 2014	23	01	24
25.	"भवन निर्माण में उपयुक्त प्रौद्योगिकी" पर प्रायोजित प्रशिक्षण	1-15 सितंबर, 2014	66	-	66
26.	"मछली संरक्षण और निर्जलीकरण प्रक्रिया"(गोदावरी महासमख्या)	2-3 सितंबर, 2014	-	46	46
27.	गाँव अभिग्रहण योजना के तहत करीमनगर के लिए सौर समाधान/एसम्बलिंग "	4-5 सितंबर, 2014	08	-	08
28.	विभिन्न सोया उत्पादों की तैयारी	16-19 सितंबर, 2014	22	02	24
29.	लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकी	22-26 सितंबर2014	24	0	24
30.	ग्राम अभिग्रहण योजना "सौर एसम्बलिंग " थुरुपु थण्डा	23-24, सितंबर, 2014	03	0	03
31.	भद्राचलम आर टी डी ए टीम के लिए आर. टी. पी. का प्रदर्शन दौरा	8-10 अक्तूबर,2014	35	0	35
32.	ग्राम अभिग्रहण योजना, ओडिशा के तहत "सौर एसम्बलिंग"	27-28,अक्तूबर, 2014	03	0	03

(जारी ....)

क्र. स.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	पुरुष	महिला	प्रतिभागियों की संख्या
33.	ग्राम अभिग्रहण योजना, अदिलाबाद के तहत "सौर एसम्बलिंग"	29-30 अक्तूबर, 2014	03	0	03
34.	बेरहमपुर विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारियों और छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	1-2 नवम्बर, 2014	40	13	53
35.	कृमि खाद, वर्मी वाश और नीम का प्रसंस्करण	7-8 नवम्बर, 2014	09	0	9
36.	"पत्ते की प्लेट और कप बनाना " पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2-4 दिसंबर, 2014	05	18	23
37.	"सौर उत्पाद एसम्बलिंग, रखरखाव" वी. ए. एस. (अनंतपुर)	3-4 दिसंबर, 2014	10	0	10
38.	लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम - मिट्टी के ब्लॉक बनाना	10-13 मार्च -15	27	03	30
39.	कुकुर-मुत्ता की खेती और कुकुर-मुत्ता उत्पादों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	17-19 मार्च -15	21	0	21
40.	गृह आधारित उत्पादों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	23-26 मार्च -15	20	12	32

कार्यशाला

1.	ग्राम विकास योजना पर बैंकरों की कार्यशाला	22 - 24 मई 2014	28	-	28

परिचयात्मक दौरे

1.	ग्राम अभिग्रहण योजना के तहत बिहार के मोतीहारी जिला के लिए परिचयात्मक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-25 नवम्बर, 2014	37	0	37
2.	ग्राम अभिग्रहण योजना के तहत बिहार के जिले दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी और मुज्जफरपुर के लिए प्रदर्शन / सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 नवम्बर, 2 दिसंबर, 2014	45	02	47
3.	झारखण्ड एवं बिहार दल के लिए प्रदर्शन दौरा	2-3 फरवरी, 2015	80	0	80
4.	नलगोंडा के रामाराम नामक गॉव के लिए परिचयात्मक दौरा	13 फरवरी, 2015	25		
5.	गंजम जिला के अंतरबटिया गाँव के लिए परिचयात्मक दौरा	20-21फरवरी, 2015	05	04	09
6.	अनंतपुरम जिला के वेंकटमपल्ली के लिए परिचयात्मक दौरा	26-27 फरवरी, 2015	10	05	15
7.	अनंतपुरम जिला के मोटुकुपल्ली के लिए परिचयात्मक दौरा	26-27 फरवरी, 2015	10	05	15
8.	अनंतपुरम जिला के सजमपल्ली के लिए परिचयात्मक दौरा	26-27 फरवरी, 2015	10	05	15
9.	ओडिशा के गोपालपुर के लिए परिचयात्मक दौरा	10-12 मार्च, 2015	07	30	37
10.	झारखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के मछुआरों की टीम के लिए परिचयात्मक दौरा	16 मार्च, 2015	70	0	70
11.	करीमनगर जिला के पोथिरेड्डी पल्ली के लिए परिचयात्मक दौरा	16 मार्च, 2015	10	10	20
12.	ओडिशा के कुडिग्राम पंचायती का परिचयात्मक दौरा	16-18 मार्च, 20 15	11	0	11

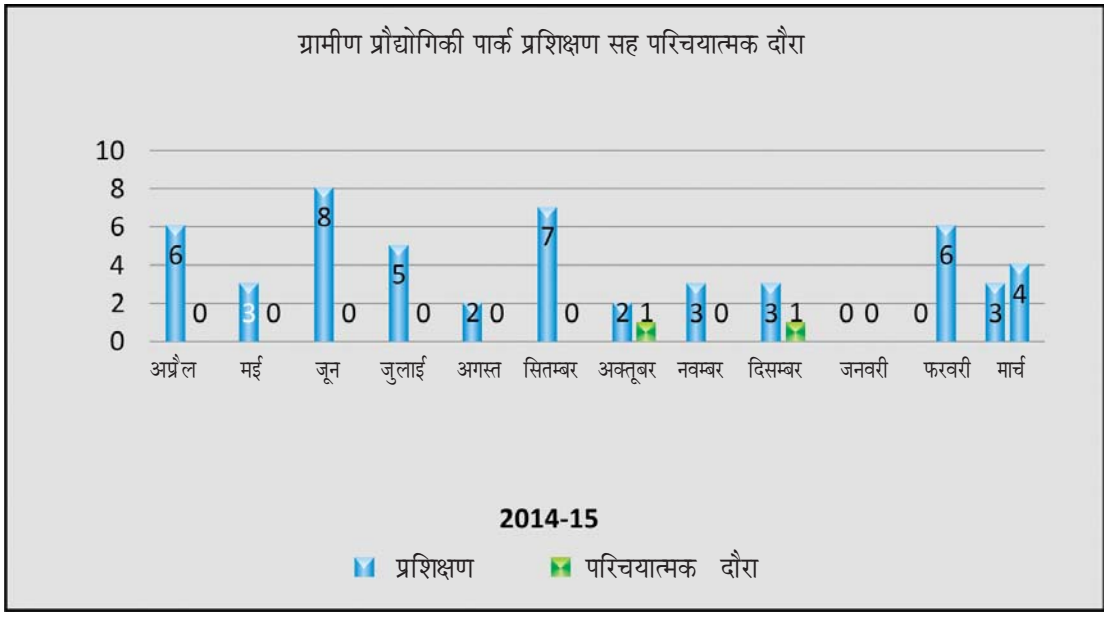

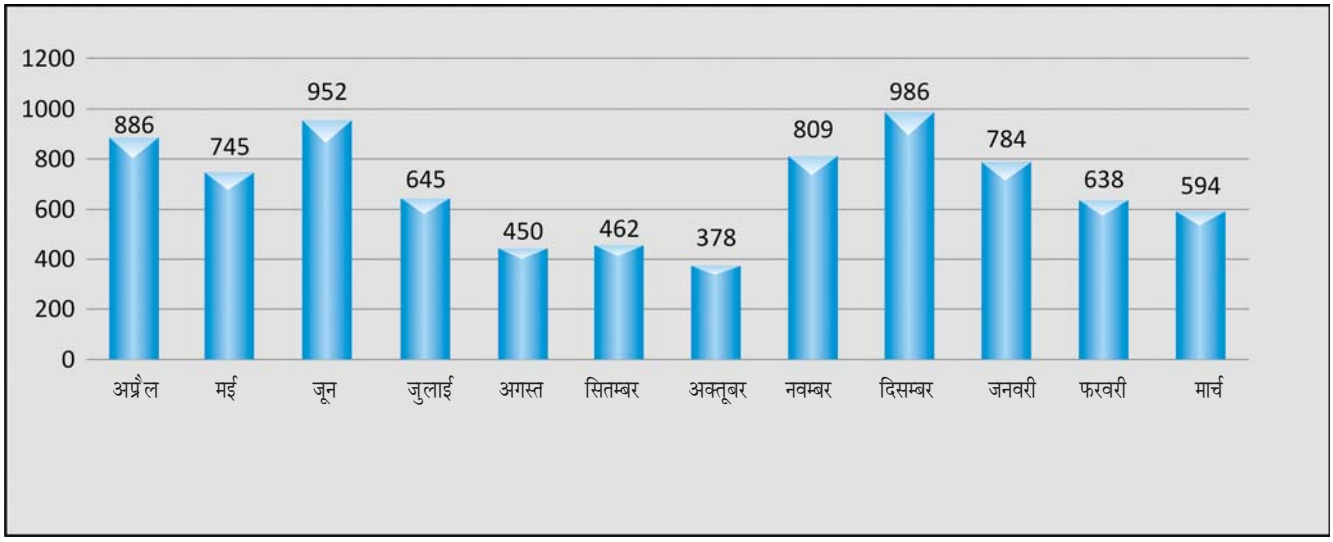

आगन्तुक

वर्ष 2014-15 के दौरान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, आर. टी. पी. ने निम्नानुसार नई पहल की:-

क) ग्रामीण प्रौद्योगिकी और शिल्प मेला का आयोजन

ख) सामान्य रुप से तकनोलॉजी का प्रचार-प्रसार एवं विशेष रुप से नवीनीकरण ऊर्जा

ग) ग्रामीण विकास के लिए सामान्य रुप से और अभिग्रहण/ विशेष रुप से कार्य अनुसंधान गाँवों के लिए एक साथ काम करने के लिए एन. एफ. डी. बी. , एन. ए. एफ. , एस. 3 आई. डी. एफ. , एन. ए. बी. ए. आर. डी. आदि संगठनों से सहयोग

घ) स्वच्छ भारत अभियान के तहत गतिविधियाँ

राष्ट्रीय ग्रामीण भवन केन्द्र

आर टी पी के महत्वपूर्ण भाग के रुप में गामीण आवास का चयन किया गया तथा विभिन्न क्षेत्र विशेषज्ञों के परामर्श और सलाह से इसकी स्थापना की गई । एन आर बी सी, आर टी पी, एन आई आर डी एवं पी आर में दर्शाई गई विभिन्न प्रौद्योगिकी निम्नलिखित है :

फाउण्डेशन (5 प्रौद्योगिकी)

1. आर्क फाउण्डेशन
2. स्टब फुटिंग
3. अन कोर्सड रबल
4. अंडर - रीमड पाईल
5. स्टिलिट्स पिल्लर

वॉलिंग (13 प्रौद्योगिकी)

6. रैट - ट्रैप बांड ब्रिक
7. रैण्डम रबल स्टोन मेजनरी बाल इन एस / एस
8. सीमेट कंक्रीट (सीसी) वालिंग
9. फलाई एश बिक्स
10. एडोब मड ब्लॉक
11. टाईल फेस्ड मड ब्लॉक
12. सीमेट स्टेबिलाईज्ड मड ब्लॉक
13. रैमड अर्थ बालिंग एंड कॉलम्स
14. बंबू क्रीट हाऊज
15. बैटल एंड दोब वालिंग
16. मड वालिंग (सीओबी)
17. सी.आर स्टोन मेसेनरी
18. हॉलो कंक्रीट ब्लॉक्स

रुफिगं (10 तकलोलॉजी)

19. मंगलोर टाईल्ड
20. कोनिकल टाइल आर्चेस
21. फिल्लर स्लैब रुफिंग
22. एम सी आर टाईल्ड रुफिंग
23. फेरों सीमेंट चैनेल्स
24. ब्रिक डोम रुफ
25. फेरों सीमेंट आर्क रुफिंग
26. स्पेस फ्रेम ट्रस
27. बंबू मैट कोरुगेटेडशीट (बीएमसी)
28. प्रि कैस्ट आर सी सा
    पैनेल्स ओवर प्रि कॉस्ट जॉयस्ट
29. ब्रिक पैनेल

प्लास्टरिंग (3 तकनोलॉजी)

30. मड प्लास्टरिंग
31. नॉन इरोडीबल मड प्लास्टर
32. लाईम प्लास्टर

फ्लोरिंग तकनोलॉजी (5 तकनोलॉजी)

33. शाबाद स्टोन्स
34. बेतमचर्ला स्टोन्स
35. तंदूर स्टोन्स
36. टेर्राकोटा टाईल्ड
37. आई पी एस फ्लोरिंग

अन्य प्रौद्योगिकी (4 तकनोलॉजी)

38. आर्क बिंडोज
39. कॉरबेल्ड विंडोप चजास
40. प्रिकॉस्ट आर सी सी डोर एवं विंडोफ्रेम्स
41. बंबू मेड पेनल्ड डोर्स एंड विंडोज

13 वाँ ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं शिल्प मेला

8-12 जनवरी 2015 तक हैदराबाद के एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. के परिसर में 13वाँ ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं शिल्प मेले का आयोजन किया गया। इस मेले के दौरान लगभग पूरे देश से 170 दुकानें लगाई गई थी । जिनमें विस्तृत श्रृंखला के उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शन और बिक्री के लिए रखा गया था । दुकानों के मालिको ने लगभग 20 मिलियन रुपये तक की उत्पाद की बिक्री की। मेले ने ग्रामीण हस्तशिल्प के उत्पादकों के लिए एक विश्वास बढाने का काम किया और यह साबित किया कि नयापन और आधुनिकता से बनाया जाये तो पारंपरिक उत्पाद भी आज के बाजार में अच्छी तरह से बेचा जा सकता है । यह मेला राष्ट्रीय मात्स्यकी विकास बोर्ड, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, एन. ए. बी. ए. आर. डी, सिंडिकेट बैंक और आन्ध्रा बैंक द्वारा सह प्रायोजित था ।

प्रौद्योगिकियों का प्रचार-प्रसार

प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी

26 जनवरी, 2015 को ग्रामीण प्रौद्योगिकियों पर एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. के मुख्य परिसर में एक छोटी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । इस प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए इस प्रदर्शनी को एक और दिन बढ़ाया गया । प्रदर्शनी ने छात्र समुदाय को ज्यादा आकर्षित किया । ग्रामीण विकास के लिए नवीनीकरण ऊर्जा के प्रसार भाग के रुप में सौर आधारित उत्पादों पर एक प्रदर्शनी रखी गयी जिनमें घर में प्रकाश के अलावा आजीविका की अन्य गतिविधियों में भी सौर एप्लीकेशन का उपयोग आदि शामिल है । आजीविका संबंधित गतिविधियों के अलावा, डिहाइड्रेटर, सौर फ्रीजर प्रौद्योगिकी, बुनकरो द्वारा प्रयोग किया जाने वाला सौर उपकरण, दर्जी, मछुआरे, कृषक आदि को भी प्रदर्शित किया गया था । आगे राष्ट्रीय मात्स्यकी विकास बोर्ड के सहयोग से मोबाईल वैन अवधारणा को भी प्रदर्शित किया गया ।

अन्य संगठनों के साथ सहयोग

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)

18 नवंबर, 2014 को आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में एक बैठक का आयोजन हुआ । इस बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. बैंक मॉडल के तहत आर. टी. पी. के द्वारा अभिग्रहित गाँवों और वी. डी. पी. कार्यक्रम के तहत नाबार्ड द्वारा अभिग्रहित गाँवों में काम करेगा । ग्राम विकास में सक्रिय रुप से भाग लेने वाले गैर सरकारी संगठन ' जट्टुके सहयोग से आंध्र प्रदेश के विजयानगर जिले के थोटापल्ली गांव में ऐसी पहल आरंभ की गई । ग्रामीण प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए गाँव के 30 लोगों ने आर. टी. पी. का दौरा किया और कौशल विकास प्रशिक्षण योजना आरम्भ की ।

राष्ट्रीय मात्स्यकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी)

वर्ष के दौरान राष्ट्रीय मात्स्यकी विकास बोर्ड के सहयोग से सौर फ्रिजिंग प्रौद्योगिकी एप्लीकेशन,सौर डिहाइड्रेशन प्रौद्योगिकी आदि पर कार्यक्रम द्वारा मछुआरों के लिए जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । आंध्र-प्रदेश, तेलंगाना, झारखण्ड और बिहार के मछुआरों को प्रौद्योगिकियों के बारे में आर. टी. पी. में प्रदर्शन दिखाया गया जिसकी उन्होंने काफी सराहना की।

राष्ट्रीय मात्स्यकी विकास बोर्ड (एन. एफ. डी. बी.) के सहयोग से देश में मछुआरों और कृषकों को प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरुकता के लिए एक मोबाइल वैन परियोजना की कल्पना की गई है ।

राष्ट्रीय एग्रोफाऊंडेशन (एन ए एफ),चेन्नई

ग्रामीण समुदाय के लाभ के लिए एस ए एफ के साथ समझौता किया गया है जिसका उद्देश्य दोनों संस्थान में उपलब्ध विशेषज्ञता के आदान-प्रदान कर एक साथ काम करना था । एन ए एफ सर्वप्रथम कृषि रेंज में और एन आई आर डी एवं पी आर के द्वारा अभिग्रहित गाँवों में विकास कार्य और जानकारी का प्रसार शुरु करेंगे । एन ए एफ के आवश्यकतानुसार आर टी पी में उपलब्ध विभिन्न ग्रामीण प्रौद्योगिकियों के बारे में एन आई आर डी एवं पी आर कौशल विकास कार्यक्रम शुरु करेगा ।

लघु सततयोग्य आधारभूत संरचना विकास निधि (एस 3 आई डी एफ)

वर्ष के दौरान, आर टी पी और एस 3 आई डी एफ (अनुभाग 25 कम्पनी) ग्रामीण क्षेत्रों में नवीकरण ऊर्जा के अनुप्रयोगों के प्रचार के लिए एक साथ काम करना शुरु किया । एस 3 आई डी एफ एन आई आर डी एवं पी आर के अभिग्रहित गाँव में सौर स्ट्रीट लाइट प्रदान करने में अपनी प्रौद्योगिकी भागीदारों से मिल कर सहायता प्रदान करता है ।

अप्पापुर, चेंचु आदिवासी (अभिग्रहित क्रियाकलाप अनुसंधान कार्यक्रम के तहत) के विकास के लिए संयुक्त रुप से एक विशेष परियोजना शुरु की गई । अब तक 58 घरों में सौर प्रकाश की व्यवस्था की गई और कौशल विकास कार्यक्रम भी शुरु किया गया । जिन क्षेत्रों में इसकी कमी देखी गई उन क्षेत्रों की पहचान की गई और सुधार के लिए उपयुक्त अधिकारियों के द्वारा कार्रवाई की जा रही है ।

बेरहमपुर विश्वविद्यालय

बेरहमपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजो द्वारा शिनाख्त किए गए ओडिशा के 10 गाँवों को विकास हेतु ग्रामीण अभिग्रहण स्कीम के तहत बेरहमपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, संकाय और एन एस एस स्वयं सेवकों के लिए एन आई आर डी एवं पी आर तथा बेरहमपुर विश्वविद्यालय के समझौते के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला के मुख्य पहलुओं के अंतर्गत सर्वेक्षण , आवश्यक पद्धति की पहचान और कार्रवाई की रणनीति आदि शामिल है।

अफ्रीकी देशों में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना

वर्ष के दौरान, भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन -।। की घोषणा के तहत जिम्बाबे और मलावी में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के बीच मसौदा समझौता को अंतिम रुप देने के लिए परामर्श बैठक आयोजित की गई । विदेश मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श के अलावा, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने आइवोरी तट पर ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना की रुपरेखा का मुद्दा उठाया ।

ग्राम अभिग्रहण और कार्यअनुसंधान

एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. - बैंकट मॉडल के तहत 22 - 24 अगस्त, 2014 तक तीन दिन का ग्राम अभिग्रहण योजना के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में बैंकों के शाखा प्रबंधक और उनके नियंत्रण अधिकारी भी शामिल हुए । इस कार्यशाला में योजना के तहत अभिग्रहित गांवों के एकीकृत विकास के लिए व्यवहारिक रणनीति और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विषय पर चर्चा की गई। जिसे गाँवों के विकास के लिए लागू किया जा सकता है इसके अलावा प्रतिभागियों को ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की इकाईयों का विवरण भी दिया । कार्यशाला के भाग के रुप में, कर्मचारियों का परिचय कराने और सतत् ग्रामीण विकास में जलागम के लाभ के लिए , मेदक जिला के शिवम-वेंकटापुरम नामक गाँव में भारत-जर्मन जलागम परियोजना के लिए क्षेत्र दौरे की व्यवस्था की गई ।

कार्यशाला के परिणाम के अंतर्गत बैंकरों ने आर टी पी के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए लोगों की शिनाख्त शुरु की और नई इकाईयों प्रारंभ करने के लिए उन्हें आर्थिक सहायता भी दी । उन गाँवो ने जिन्होंने आत्म विकास दृष्टिकोण में गहरी रुचि दिखाई है उन्हें एन आई आर डी एवं पी आर सहायता करता है । इस सहायता के अंतर्गत जिन गाँवों में बिजली की समस्या है उन्हें सौर स्ट्रीट प्रकाश की व्यवस्था करता हैं ।

ग्राम अभिग्रहण योजना के तहत आर टी पी के द्वारा चल रहे ग्राम अभिग्रहण अध्ययन

राज्य के नाम	क्र. सं.	गाँव	जिला	संयुक्त रुप से/सहयोग से
आन्ध्र-प्रदेश	1.	वेंकटमपल्ली	अनंतपुर	आन्ध्र प्रगति ग्रामीण बैंक (ए. पी. जी. बी.)
	2.	मोथुकुपल्ली थांडा	अनंतपुर	ए पी जी बी
	3.	साज्जमपल्ली	अनंतपुर	ए पी जी बी
	4.	जी. एर्रागुडी	कर्नूल	ए पी जी बी

(जारी ....)

राज्य के नाम	क्र. सं.	गाँव	जिला	संयुक्त रुप से/सहयोग से
	5.	बोनुमुक्कमा	कर्नूल	ए पी जी बी
	6.	जी. सिंगवरम	कर्नूल	ए पी जी बी
	7.	पेडुरु एस. टी. कॉलोनी	कडप्पा	ए पी जी बी
	8.	मद्दुमाडुगु थांडा	कडप्पा	ए पी जी बी
	9.	वेगुरु रामापुरम	नेल्लोर	ए पी जी बी
	10.	पेनुबल्ली	नेल्लोर	ए पी जी बी
	11.	कोठावरुवलीपलेम	प्रकाशम	ए पी जी बी
	12.	चोड़ा वरम	प्रकाशम	ए पी जी बी
	13.	बीमिनामपडु	कृष्णा	सप्तगिरी ग्रामीण बैंक (एस जी बी)
	14.	ए. कोंडुरु	कृष्णा	एस जी बी
	15.	कोटावुरु	चित्तूर	एस जी बी
	16.	पापासामुड्रम	चित्तूर	एस जी बी
	17.	येर्रागोंडापकाडा	पूर्वी गोदावरी	आई टी डी ए
	18.	कोडुरु	विशाखापट्टनम	अम्मा समाज कल्याण संघ (अम्मा वेलफेयर एशोसिएसन)
	19.	थोटापल्ली	विजयनगरम	एन ए बी ए आर डी
	20.	बुक्कापटनम	अनन्तपुर	एस 3 आई डी एफ
	21.	ब्रह्मानापल्ली	अनन्तपुर	एस 3 आई डी एफ.
तेलंगाना	22.	अमरागिरी	महबूबनगर	
	23.	निप्पानी	अदिलाबाद	तेलंगाना ग्रामीण बैंक (टी. जी. बी.)
	24.	कुचालपुर	अदिलाबाद	टी जी बी
	25.	सालवेडु	रंगा रेड्डी	टी जी बी
	26.	रामाराम	नलगोंडा	ग्रामीण माल फाउण्डेशन

(जारी ....)

राज्य के नाम	क्र. सं.	गाँव	जिला	संयुक्त रुप से/सहयोग से
	27.	विंजापल्ली	करीमनगर	
	28.	समरलापल्ली	करीमनगर	
	29.	येर्रागुंतापल्ली	करीमनगर	
	30.	पोथुरेड्डी पल्ली	करीमनगर	
	31.	थूरुपु थांडा	वारंगल	
	32.	लक्ष्मीपुरम	मेदक	लक्ष्मीनगर वेलफेयर सोसाईटी
	33.	चिंनचोड	महबूबनगर	अम्मा सोशल वेलफेयर एसोसिएशन
	34.	संगम	महबूबनगर	अम्मा सोशल वेलफेयर एसोसिएशन
	35.	अंथैपल्ली	रंगा रेड्डी	
ओड़िशा	36.	ब्रह्ममीणसितापुर	गजपति	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	37.	खरिधेपा	गजपति	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	38.	लक्ष्मीपुर	गंजम	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	39.	अंथारबाटिया	गंजम	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	40.	गेरुपेट	कोरापुट	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	41.	गंडियागुडा	मल्कानगिरी	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	42.	जातुगुडा	नवरंगापुर	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	43.	अंथारीगुडा	रायगढ़	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	44.	चालकंबा	रायगढ़	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	45.	पिकारेड्डी	कंधामाला	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
	46.	संमुद्र के ऊपर गोपालपुर	गंजाम	बेरहमपुर विश्वविद्यालय
बिहार	47	कीरामाल	मोतीहारी	
	48	नराहा	मोतीहारी	

स्वच्छ भारत अभियान

ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क में हर शनिवार को 'स्वच्छ भारत अभियान दिवस' मनाया जाता था इसमें आर. टी. पी. के युनिट पार्टनर भी उत्साहपूर्वक भाग लेते थे । 13वें ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं शिल्प मेले के दौरान स्वच्छ भारत अभियान को बहुत ही महत्व दिया गया और मेले में परिसर की सफाई को बहुत महत्व दिया गया था । इस संबंध में निम्नलिखित कदम उठाए गए थे:

1. सभी जगहों पर स्वच्छ भारत चिह्न और संदेश की प्रदर्शनी की गई ।
2. विद्यार्थियो के स्वयं सेवक दल ने हर घंटे सफाई का कार्य किया उन्होंने अतिथियों द्वारा फेंके गए पेपर प्लेट, चाय के कप भी उठाए ।
3. कचरा फेंकने वाले हर व्यक्ति को विद्यार्थी के स्वंय सेवको से 5 मिनट का स्वच्छ भारत पर भाषण सुनना पडा जिससे मेले के तीसरे और चौथे दिन मेले में अतिथियों ने कचरे को इधर-उधर नहींका ।
4. स्वच्छ भारत के समय दो पैनल चर्चा का आयोजन किया गया - एक मेले के दौरान परिसर में और दूसरा मेले के बाद । इसमें एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. के संकाय सदस्य और सहायक रजिस्ट्रार पैनल सदस्य बने और पीजीडीआरडीएम के छात्रों द्वारा उठाए गए प्रश्न / शंकाओं को दूर किया ।
5. आर. टी. पी. द्वारा संचालित प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वच्छ भारत का आधे घंटे का सत्र जरुर रखा जाता है।

आर टी पी में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

क्र. सं.	दिनांक	गणमान्य व्यक्तियों के नाम
1.	12.06.2014	अलबर्टा विश्वविद्यालय, कनाड़ा से 14 सदस्यीय का शिष्टमंडल
2.	07.07.2014	नेपाल के 10 अधिकारियों का शिष्टमंडल
3.	30.07.2014	श्री अमृतलुगुन, अमन में भारतीय राजदूत
4.	12.08.2014	श्री रोपटेलिगारे, स्थायी सचिव कृषि के तत्वावधान में उनके दल सदस्यों का फिजी शिष्टमंडल
5.	16.08.2014	श्री के. तारकरामाराव, माननीय पंचायतीराज और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, तेलंगाना सरकार
6.	13.10.2014	श्री फ्रांससिस गजोपा, माननीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, मणिपुर सरकार ।
7.	28.11.2014	डॉ. बी. डी. चकमा, माननीय मात्स्यकी और रेशम कीट पालन राज्य मंत्री, मिजोरम सरकार।

अध्याय 10

शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातकोत्तर अध्ययन केन्द्र

देश में युवा ग्रामीण विकास प्रबंध विशेषज्ञों का एक समर्पित और सक्षम कैडर तैयार करने के उद्देश्य से संस्थान ने वर्ष 2008 में ग्रामीण विकास प्रबंध में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीआरडीएम) आरंभ किया । पी जी डी आर डी एम द्वारा युवा और प्रतिभाशाली ग्रामीण विकास प्रबंधको का निर्माण करता है जो ग्रामीण क्षेत्रों और उसकी जनता के लिए कार्य करने वाले संगठनों में चुनौती भरी जिम्मेदारियों का निर्वाह कर सकेंगे । अब तक समाप्त सभी पी जी डी आर डी एम बैच के छात्रों को विभिन्न संगठनों में पद स्थापित किया जा चुका है ।

दिनांक 26-09-2013 को संपन्न IX वीं शैक्षणिक समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ग्रामीण विकास प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी जी डी आर डी एम) कार्यक्रम में प्रवेश वर्ष 2013-14 से दो बार किया गया अर्थात् प्रथम बैच को अगस्त से जुलाई तक एवं दूसरे बैच को जनवरी से दिसम्बर के लिए प्रवेश दिया गया ।

वर्ष 2014-15 के दौरान केन्द्र ने ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी जी डी आर डी एम) पर दो कार्यक्रमों को आयोजित किया । 1 अगस्त, 2014 से पी जी डी आर डी एम बैच - 8 प्रारंभ हुआ और 31 जुलाई, 2015 को समाप्त हुआ । 1 जनवरी 2015 से बैच - 9 प्रारंभ हुआ और 31 दिसम्बर, 2015 को पूर्ण हुआ ।

1. पी जी डी आर डी एम : 2014-15 (बैच-8) में 51 छात्रों को प्रवेश दिया गया जो देश के विभिन्न भागों - मध्य भारत, दक्षिणी भारत, उत्तर - पूर्व, उत्तरी भारत, पूर्वी भारत एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे - आरडो, सिर्डाप द्वारा प्रायोजित सेवाकालीन छात्रों को प्रवेश दिया गया । इनमें 14 लडकियां और शेष लडके थे जिनकी शैक्षणिक योग्यतायें अलग-अलग हैं । अंतरराष्ट्रीय छात्र श्रीलंका, इंडोनेशिया, फिजी, घाना, बंगलादेश और वियतनाम से है ।

2. पी जी डी आर डी एम : 2015 (बैच - 9) में 35 छात्रों को प्रवेश दिया गया जो देश के विभिन्न भागों - मध्य भारत, दक्षिणी भारत, उत्तर-पूर्व उत्तरी भारत, पूर्वी भारत से आए है । इनमें से 14 लडकियां और शेष लडके है जिनकी शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग है ।

दोनों ही बैच में लगभग 21 प्रतिशत छात्र कृषि विज्ञान से संबंधित थे जैसे - कृषि, बागवानी एवं पशुचिकित्सा विज्ञान जबकि 79 प्रतिशत छात्र कला वाणिज्य एवं इंजीनियरिंग समूह से थे । प्रवेश प्रक्रिया अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा, समूह परिचर्चा एवं वैयक्तिक साक्षात्कार के आधार पर किया गया ।

पाठ्यचर्या

तीन ट्राईमेस्टर कार्यक्रम में क्लासरुम घटक, क्षेत्र सम्बद्धता (एफ ए) घटक एवं ट्राईमेस्टर अंतिम परीक्षा के साथ -साथ आवधिक परीक्षायें, कार्य आबंटन , परियोजना रिपोर्ट्स आदि सम्मिलित है । क्लासरुम घटक में तीन ट्राईमेस्टर होते है । एफ ए घटक ट्राईमेस्टर - II के अंत में तथा ट्राईमेस्टर - III के प्रारंभ में छह हफ्तों में समवर्ती रुप में आयोजित होता हैं । कार्यक्रम में कुल 44 क्रेडिट्स है ।

क्षेत्र सम्बद्धता (एफ ए)/ ग्रामीण संगठनात्मक इंटर्नशिप

पी जी डी आर डी एम बैच के छात्रों के लिए छह सप्ताह का क्षेत्र संबद्धता या ग्रामीण संगठनात्मक इंटर्नशिप : बैच 8 के छात्रो के लिए 1 मार्च से 15 अप्रैल, 2015 तक संचालित किया गया ताकि छात्रों को ग्रामीण समाज की गहन समस्याओं और उसकी सक्रियता से अवगत कराया जा सके । इंटर्नशिप घटक में संस्थाओं, संगठनात्मक संरचना, संगठनात्मक संस्कृति, प्रबंध सिस्टम, एच आर डी, वित्त, उत्पादन प्रक्रिया, विपणन, मूल्य आधार इत्यादि सम्मिलित है । क्षेत्र कार्य के आयोजन में शामिल है : (i) सिर्डाप, बंगलादेश (ii) मैराडा (iii) आई टी डी ए, भद्राचलम (iv) ए एल सी इंडिया (v) अरोह फाऊण्डेशन (vi) आई सी आई सी आई फाऊण्डेशन (vi) केयर इंडिया (vii) कुटुम्बश्री (viii)सी एस वी वर्धा (ix) आई आई आर डी (x) बी ए आई एफ (xi) दिशा फाऊण्डेशन (xii)एम एस स्वामिनाथन फाऊण्डेशन (xiii) एम एस आर एल एम (xiv) राजस्थान एस आर एल एम एवं (xv) एस ई आर पी, तेलंगाना ।

क्षेत्र सम्बद्धता के दौरान ग्रामवासियों के साथ चर्चा करते हुए छात्रगण

फोरम प्रस्तुतीकरण

शिक्षण अभ्यास के भाग के रुप में पी जी डी आर डी एम के 8 वें और 9 वें बैच के छात्रों के लिए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में विशेषज्ञों का फोरम प्रस्तुतीकरण किया गया जिसकी विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है :

1. डॉ. आर.एच. ख्वाजा, आई ए एस सेवानिवृत्त, पूर्व सचिव, पर्यावरणात्मक वन मंत्रालय, भारत सरकार, 22 अक्तूबर, 2014
2. श्री एम.एन. रॉय, आई ए एस, पूर्व मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार, 16 फरवरी, 2015
3. ब्रिगेडियर पी. गणेशम, प्रेसिडेंट पल्ले सृजना ऑर्गनाईजेशन, हनी बी नेटवर्क, 18 फरवरी, 2015

पदस्थापन

पी जी डी आर डी एम के सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात् एन आई आर डी एवं पी आर पदस्थापन का प्रयास करता है । पी जी डी आर डी एम के बैच के सभी योग्य और इच्छुक विद्यार्थियों को राज्य तथा केन्द्र सरकार की एजेंसियों, पब्लिक सेक्टर बैंक, सी एस आर संगठन तथा गैर सरकारी संगठनों में पदस्थापित किया गया । भारतीय सेवा कालीन विद्यार्थियों के लिए पदस्थापना सेवा उपलब्ध नही है ।

बैच-7 के लिए पदस्थापन को 10 से 15 नवम्बर, 2014 के दौरान आयोजित किया गया । कैम्पस पदस्थापन कार्यक्रम में नामी संगठनों ने सहभाग किया । पी जी डी आर डी एम : बैच - 7 के 49 छात्रों में से 46 छात्रों को पदस्थापित किया गया ।

सम्पूरित बैचों का क्षेत्रवार पदस्थापना वर्गीकरण इस प्रकार है :

पदस्थापना की स्थिति (बैच - 7 तक)

क्रम सं.	श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	सरकारी	96	41.4
2	पी एस यू बैंक	35	15.1
3	सी एस आर तथा एन जी ओ	101	43.5
	कुल	**232**	**100**

पीजीडीआर डी एम 2014-15 : बैच-7 के लिए डिप्लोमा अवार्ड समारोह

27 दिसम्बर, 2014 को पी जी डी आर डी एम 2014 : बैच - 7 के लिए डिप्लोमा अवार्ड समारोह संपन्न हुआ । श्री टी. एल. शंकर आई ए एस (से.नि.) संस्थान के पूर्व महानिदेशक मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुए तथा छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किया । सुश्री अंजली तेरेसा जॉन बैच के सर्वश्रेष्ठ छात्र का स्वर्ण पदक प्रदान किया गया । डॉ. एम. वी. राव, महानिदेशक ने समारोह की अध्यक्षता की ।

डिप्लोमा अवार्ड समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित श्री टी.एल. शंकर-सुश्री अंजली तेरेसा जॉन, पी जी डी आर डी एम बैच - 7 की सर्वश्रेष्ठ छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए

दूरस्थ शिक्षा सेल

दूरस्थ शिक्षा सेल (डी ई सी) को संस्थान में वर्ष 2009 में आरंभ किया गया जिसका उद्देश्य उन लोगों के लिए व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना हैं जिन्होंने नियमित व्यवस्था से कोई लाभ या व्यावसायिक ज्ञान अर्जित नहीं किया ।

वर्तमान में डी ई सी द्वारा निम्नलिखित कोर्स प्रस्तावित है

दूरस्थ कोर्स

- सततयोग्य ग्रामीण विकास एक में वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- आदिवासी विकास प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- ग्रामीण विकास में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में छमाही स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र

नियमित कोर्स

- एन आई टी, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से नियमित पद्धति के द्वारा एम.टेक (समुचित प्रौद्योगिकी एवं उद्यमशीलता
- बरहमपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से पी जी छात्रों के लिए एड-ऑन-कोर्स
  - बेसिक कम्प्यूटर एप्लिकेशन में प्रमाणपत्र
  - संप्रेषणपरक इंग्लिश में प्रमाणपत्र
  - वैयक्तिक विकास में प्रमाणपत्र

कार्यक्रम-वार छात्र भर्ती (2014-15)

क्र.सं.	कार्यक्रम	प्रकार	अंतरराष्ट्रीय छात्र	भारतीय छात्र	कुल
1	पी जी डी - एस आर डी	दूरस्थ	12	128	140
2	पी जी डी - टी डी एम	दूरस्थ	0	33	33
3	एम.टेक	नियमित	0	9	9
4	पी जी सी -गार्ड	दूरस्थ	0	250	250
बेहरमपुर विश्वविद्यालय में पी जी छात्रों के लिए एड-ऑन-पाठ्यक्रम					
5	बेसिक कम्प्यूटर एप्लिकेशन	नियमित	0	22	22
6	संप्रेषणपरक इंग्लिश	नियमित	0	24	24
7	वैयक्तिक विकास	नियमित	0	23	23

ई-माड्यूल्स का विकास

बडी संख्या में स्टेकहोल्डरों के प्रशिक्षण हेतु निम्नलिखित ई-माड्यूल्स का विकास किया गया ताकि स्थानीय समुदाय समूहों, ग्रामीण युवा एवं सततयोग्य उपयोग के लिए आदिवासियों की क्षमताओं में सुधार किया जा सके :

- लैक
- नीम
- मछली पालन

नये कार्य

- ई-मेल के माध्यम से तथा डाक द्वारा पाठ्यक्रम सामग्री भेजी गई । मेल द्वारा भेजी गई पाठ्यक्रम सामग्री को छात्र डाऊनलोड करने में समर्थ रहे हैं । पी डी एफ फार्मेट में स्थित पाठ्यक्रम सामग्री आसानी से उपयोग में लाई जा सकती है क्योंकि इस सामग्री की विषयवस्तु को डाऊनलोड किया जा सकता है तथा विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे - स्मार्ट फोन्स, आई-पैड, टैबलेट, लैपटॉप इत्यादि के द्वारा सुसाध्य होता है । यह डी ई सी की पहल है जिसे अत्यधिक सक्रिय शिक्षण वातावरण सृजित किया गया है तथा वर्तमान वातावरण के चलते नौसीखिए भी सक्षम ई-शिक्षार्थी बन सकते है ।

- उपयुक्त प्रौद्योगिकी में एम.टेक, पाठ्यक्रम एन आई टी, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से एक विशिष्ट पाठ्यक्रम है । दूसरे बैच में इन छात्रों को प्रवेश दिया गया जो एन आई टी में उनका पाठ्यक्रम पढ रहे है ।

- निम्नलिखत छह पाठ्यक्रमों के लिए पी जी सी - गार्ड के लिए पाठ्यक्रम पुस्तकों को तैयार किया गया है और छात्रों में वितरण हेतु मुद्रित किया गया :

- गार्ड - 401भौगौलिक सूचना व्यवस्था (जी आई एस)
- गार्ड - 402 - उपग्रह दूर संवेदी (एस आर एस)
- गार्ड - 403 -ग्लोबल पोशिनिंग सिस्टम (जी पी एस)
- गार्ड -404 -ग्रामीण विकास : संकल्पना, पद्धति नीतियां और कार्यक्रम (आर डी)
- गार्ड -405-परियोजना योजना एवं प्रबंध (पी पी एम)
- गार्ड - 406 - भू- संसूचना लैब अभ्यास (जी एल पी)
- ग्रामीण विकास में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में एक वर्षीय पी जी डिप्लोमा कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया है । कार्यक्रम को जुलाई, 2015 में आरंभ किए जाने की आशा है ।

- पंचायती राज अधिकारियों के लिए मॉड्यूलर शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करने हेतु प्रयास शुरु किए गए है । इस कार्यक्रम को 2 अक्तूबर, 2015 से शुरु किए जाने की संभावना है ।

छात्र समर्थन सेवा : छात्रों को पूर्व में ही आपूर्ति की गई पाठ्यक्रम सामग्री के संबंध में शिक्षण और संगत मुद्दों पर समर्थन प्रदान करने के लिए शैक्षणिक सत्र के दौरान एक

संपर्क सत्र तथा सेमिस्टर अंतिम परीक्षा आयोजित की गई । वर्ष 2014-15 के दौरान आयोजित संपर्क सत्र निम्नलिखित है :

क्रम सं.	कार्यक्रम	बैच	सेमिस्टर	दिनांक
1	**पी जी डी-एस आर डी**	V	I	23 जून से 2 जुलाई, 2014
			II	22 से 31 दिसम्बर, 2014
		VI	I	20-29 सितम्बर, 2014
			II	23-30 मार्च, 2015
2	**पीजीडी-टीडीएम**	II	I	23 जून से 2 जुलाई, 2014
			II	22 से 31 दिसम्बर, 2014
		III	I	20-29 सितम्बर, 2014
			II	23-30 मार्च, 2015
3	**पी जी सी-गार्ड**	I	I	16 फरवरी से 2 मार्च, 2015

दूरस्थ शिक्षा सेल द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें : 2014-15

क्र.सं.	क्रियाकलाप	दिनांक	स्थान
1	प्रभावी जवाबदेहिता एवं तकनोलॉजी प्रबंधन के द्वारा खाद्य एवं पौषणिक सुरक्षा आश्वासन पर सिर्डाप एन आई आर डी एवं पी आर - अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला - सह - प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-25 मई, 2014	एन आई आर डी एवं पी आर
2	कौशल विकास पर पी जी प्रमाण पत्र - सह - डिप्लोमा पाठ्यक्रम पर पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला	23 सितम्बर 2014	एन आई आर डी एवं पी आर
3	ग्रामीण विकास में भू-स्थानिक अनुप्रयोग में एक वर्षीय पी जी डिप्लोमा हेतु डिजाईन (पी जी डी जी ए आर डी) के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हेतु विशेषज्ञों की बैठक	23 फरवरी, 2015	एन आई आर डी एवं पी आर

एम.टेक छात्रों के लिए प्रेरक अभ्यास

दिनांक 8 जनवरी, 2015 से 12 जनवरी, 2015 के दौरान एम.टेक के छात्रों ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क मेला में शाकाहारी के साथ-साथ मांसाहारी स्वादिष्ट और जायकेदार डिशेश के स्टॉल लगाए । आगन्तुको के लिए यह स्टॉल आकर्षण का केन्द्र रहा । इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य लोगों को तेल रहित पौष्टिक खाद्य पदार्थो के बारे में जागरुक करना था । भविष्य में उनके द्वारा बिजिनेस खोलने की संभावना है ।

एम. टेक (ए टी ई) : 2013-15 बैच - 1 : सलाहकार समिति के साथ छात्र

पी जी डी एस - आर डी छात्रों का संपर्क सत्र

पी जी डी - टी डी एम सेमिस्टर अंतिम परीक्षा लिखते हुए

अध्याय 11

एन आई आर डी एवं पी आर - उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान का उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र (एन आई आर डी एवं पी आर -एन ई आर सी) की स्थापना जुलाई, 1983 में गुवाहाटी, असम में हुई जिसका उदेश्य उत्तर-पूर्वी राज्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरुप प्रशिक्षण और अनुसंधान क्रियाकलापों को पूरा करना था ।

एन आई आर डी एवं पी आर -एन ई आर सी गुवाहाटी के प्रशासनिक एवं प्रशिक्षण ब्लॉक का दृश्य

अधिदेश

- वरिष्ठ विकास कार्यपालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों, सेमिनार एवं कार्यशालाओ का आयोजन करना।
- स्वयं या अन्य एजेन्सियों के द्वारा अनुसंधान प्रारंभ करना, बढावा देना और समन्वय करना ।
- ग्रामीण विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंध, आई टी अनुप्रयोग, विकेन्द्रीकृत अभिशासन, पंचायती राज तथा संबद्ध मुद्दों के कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन में अनुभव की गई समस्याओं का विश्लेषण कर समाधान ढूंढना ।
- संस्थान के मूल उद्देश्यों को बढावा देने में आवधिक पत्रिकाओं, प्रतिवेदनों और अन्य प्रकाशनों के द्वारा सूचना का प्रचार-प्रसार करना ।

प्रशिक्षण

मुख्य ग्राहक समूह

- राज्य, जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी
- एन जी ओ कार्यपालक
- निर्वाचित प्रतिनिधि
- शिक्षाविद्

प्रशिक्षण के क्षेत्र

- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की योजना, कार्यान्वयन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन
- एकीकृत जिला योजना
- सहभागी जलागम प्रबंधन
- ग्रामीण विकास में कम्प्यूटर एप्लिकेशन/एम आई एस
- ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग, जलागम प्रबंधन एवं ग्रामीण आधारभूत संरचना सुविधा मानचित्रण
- सततयोग्य आजीविकाओं के लिए पशुधन पालन / बागवानी का उन्नयन
- असम के बील मत्स्यपालन का सततयोग्य प्रबंधन
- उत्तर-पूर्व में एन आर एल एम के अंतर्गत ग्रामीण आजीविकाओं को बढावा देने हेतु क्षमता निर्माण
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए दोहरी प्रविष्टि लेखाकरण प्रणाली
- आई डब्ल्यू एम जी परियोजना प्रबंधन पर व्यापक प्रशिक्षण
- सूक्ष्म उद्यम का उन्नयन
- जेंडर बजटिंग

प्रशिक्षण विशिष्टतायें: 2014-15

दो कार्यशालाओं सहित सभी 86 कार्यक्रमों में 2212 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा हर कार्यक्रम में प्रतिभागियों की औसत संख्या 25 रही । उसी प्रकार से हर कार्यक्रम में महिलाओं की संख्या 6 रही । इस प्रांत में स्थित विभिन्न एस आई आर डी और ई टी सी में 10 ऑफ कैम्पस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । आयोजित 86 कार्यक्रमों में से 29 कार्यक्रमों को राज्य सरकारों एवं विकास संगठनों द्वारा प्रायोजित किया गया । इसके अंतर्गत मेघालय सरकार, एस एल एन ए, (आई डब्ल्यू एम पी) असम सरकार, एन ई सी, शिलांग एवं राष्ट्रीय मात्स्की विकास बोर्ड, (एन बीडी बी) आदि सम्मिलित है ।

आई ए वाई प्रशिक्षण में ग्रामीण लोगों के साथ विचार - विमर्श करते हुए प्रतिभागी

प्रतिभागियों की रुपरेखा: 2014-15

2014-15 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों के विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	प्रतिभागियों की श्रेणी	प्रत्येक श्रेणी में प्रतिभागियों की संख्या
1.	सरकारी अधिकारी	1464
2.	जेड पी / पी आर आई / वी डी बी / वी सी कार्यकर्ता	107
3.	स्वैच्छिक संगठनो के प्रतिनिधि	149
4.	राष्ट्र एवं राज्य स्तर के संस्थानों के शोधार्थी	35
5.	विश्वविद्यालय / कॉलेज के संकाय सदस्य / अधिकारी	24
6.	अन्य	433
	कुल	**2212**

क्रम सं.	कार्यक्रम की श्रेणी	आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या
1.	एन आई आर डी एवं पी आर	57	1325
2.	प्रायोजित	29	887
	कुल	**86**	**2212**

प्रतिभागियों की श्रेणियां 2014-15

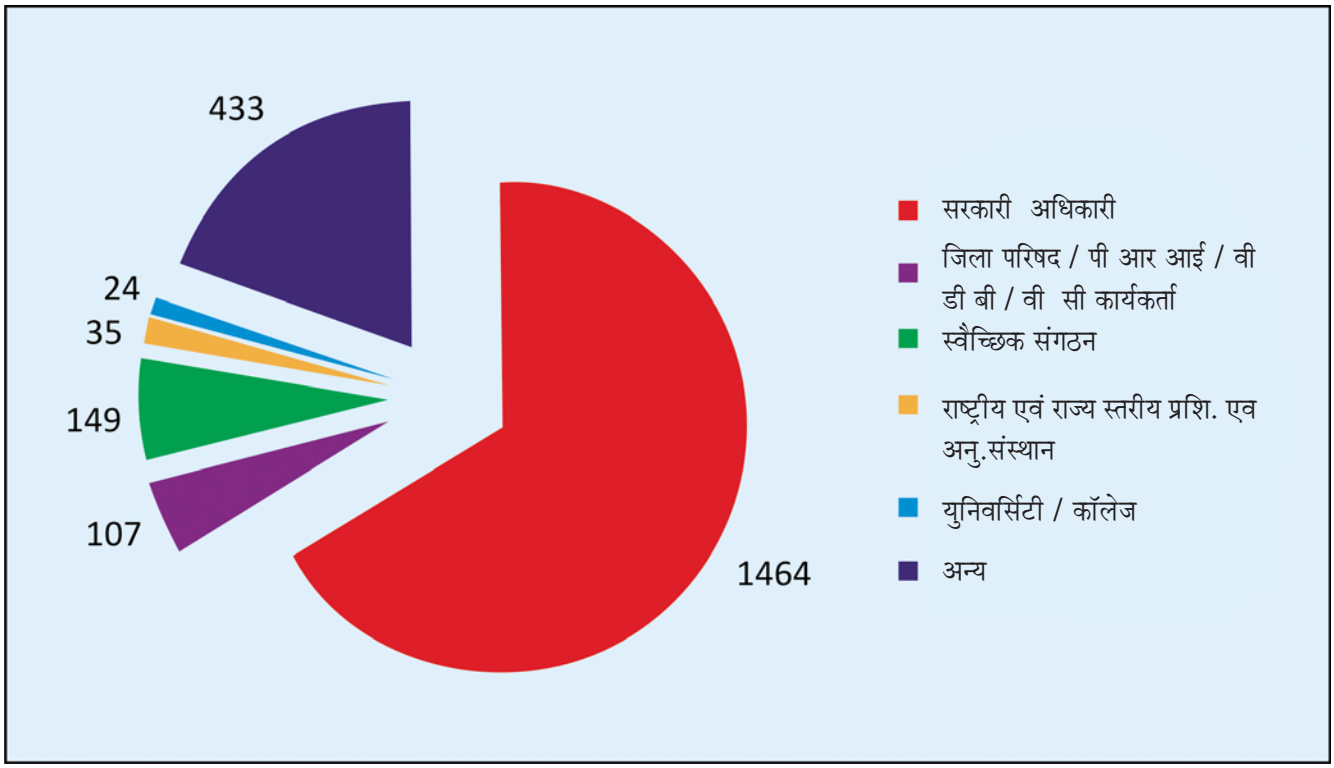

एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी एवं एस आई आर डी सभा

दिनांक 2 मार्च, 2015 को एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी एवं एस आई आर डी में एक दिवसीय संगोष्ठी को एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी द्वारा उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए आयोजित किया गया । इस संगोष्ठी की पहल डॉ. आर एम पंत, निदेशक ने की। संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. बी पी मैथानी, संस्थापक निदेशक, एन ई आर सी एवं सह-अध्यक्ष में डॉ. एन उपाध्याय, पूर्व निदेशक, एन ई आर सी ने की । डॉ. आर पी आचारी, एसोसिएट प्रोफेसर (आर टी डी) एवं डॉ. वी.के. रेड्डी, सह-संकाय सदस्य (आर टी डी) एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद ने भी इस संगोष्ठी में भाग लिया । परिचर्चा में एन ई आर सी के संकाय सदस्यों ने सक्रिय सहभाग किया। संगोष्ठी की कार्यसूची में नेटवर्किंग, निधिपोषण में सुधार करना तथा सहयोगी अनुसंधान कार्य को प्रारंभ करना था । कार्यसूची में एस आई आर डी स्तर पर अनुसंधान कार्य को सुदृढ़ करना भी था ।

संगोष्ठी में एक परिचर्चा सत्र प्रगति पर

चीन और मलेशिया में सूक्ष्म और छोटे उद्यमों के उन्नयन हेतु प्रशिक्षण -सह-परिचयात्मक दौरा

दिनांक 19 दिसम्बर, 2014 को प्रो.सी.एस. सिंघल एवं डॉ. डी.के. हलोई, एन आई आर डी एवं पी आर के नेतृत्व में योजना और विकास विभाग असम सरकार के 15 सदस्यीय दल के वरिष्ठ अधिकारियों को चीन और मलेशिया का परिचयात्मक दौरा करवाया गया । इस परिचयात्मक दौरे का मूल उद्देश्य चीन की अभिवृद्धि के मुख्य कारक एस एम ई कार्य पद्धति को समझना था । इस दल ने बीजिंग, पिंगक्वान और शांगाई में स्थित एस एम ई स्थानों का दौरा किया ।

शांघाई से 80 कि.मी. की दूरी पर स्थित जियाक्सिंग में जियाक्सिपेटा कम्प्रेसर लिमिटेड के सामने दल की फोटो

वापसी में मलेशिया का परिचयात्मक दौरा करते हुए भारत लौटे ।

वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान में आए विशिष्ट अतिथि

- श्री एम.पी. बेजबरुआ, आई ए एस (से.नि.) सदस्य, उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग
- श्री एस.एस. गांवकोटर्‌, आई ए एस सचिव, औद्योगिक विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार
- श्री भास्कर बरुआ, आई ए एस, (से.नि.)
- श्री के.डी. विजो, आई टी एस, सचिव, नागालैण्ड सरकार
- प्रो. एस. नंदी, उप निदेशक, आई आई टी गुवाहाटी
- डॉ. बी.पी. मैथानी, संस्थापक निदेशक, एन ई आर सी

परामर्श सहित अनुसंधान

एन ई आर सी एवं पी आर, उत्तर -पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्र-विशिष्ट समस्याओं पर अनुसंधान कार्य करता है । इस क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में निदानपरक एवं कार्यक्रम उन्मुख अनुसंधान अध्ययनों को एन ई आर सी द्वारा प्रारंभ किया गया ।

अनुसंधान क्षेत्र

- स्थानीय स्व सरकार / संस्थायें
- विकेन्द्रीकृत योजना / जिला योजना
- पर्यावरण प्रबंध योजना
- जलागम विकास
- अनुश्रवण एवं मूल्यांकन
- प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन
- पर्वतीय क्षेत्र में समुदाय संसाधन प्रबंध
- पारंपरिक संस्था एवं उनके कार्यगत मॉडल
- स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए डिजिटल डाटाबेस का सृजन
- ग्राम अभिग्रहण अध्ययन
- ग्रामीण उद्यमशीलता

अनुसंधान विशिष्टताएँ:2014-15

कुल मिलाकर 20 अनुसंधान एवं परामर्शी अध्ययन प्रारंभ किए गए जिसमें 7 अध्ययन वर्ष 2014 - 15 के दौरान संपूरित हुए और 13 पूर्णता के विभिन्न चरणों में है । इन अनुसंधान परियोजनाओं की स्थिति निम्नलिखित है :

संपूरित अनुसंधान अध्ययन

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजना निदेशक/दल	प्रायोजक एजेंसी
1.	नौगांव एवं मोरिगांव जिला, असम के 100 गांवों के लिए पी एम ए जी वाई की योजना हेतु तकनीकी समर्थन संस्थान	जनवरी 2011	संपूरित (अप्रैल 2014)	डॉ. के हलोई एवं दल	डब्ल्यू पी टी एवं असम सरकार
2.	सिक्किम में विस्तार सुधार स्कीम 2010 के लिए राज्य विस्तार कार्यक्रमों के समर्थन के अंतर्गत आशोधित विस्तार सुधार कार्यक्रम का कार्य निष्पादन	अगस्त 2012	संपूरित (अगस्त 2014)	डॉ. के हलोई	समेती, सिक्किम सरकार
3.	कोकराझार जिला असम के अंतर्गत दो आई डब्ल्यू एम पी परियोजनाओं के लिए डाटा बेस एवं मानचित्रों की तैयारी हेतु जी आई एस समर्थन	फरवरी 2014	संपूरित (अगस्त 2014)	डॉ. के हलोई	डब्ल्यू सी डी सी कोकराझार मृदा संरक्षण प्रभाग कोकराझार असम
4.	उदालगुडी जिला असम के अंतर्गत चार आई डब्ल्यू एम पी परियोजनाओं के लिए डाटाबेस एवं मानचित्रों के निर्माण में जी आई एस समर्थन	जून 2014	संपूरित (नवंबर 2014)	डॉ. के हलोई	डब्ल्यू सी डी सी उदालगुडी मृदा संरक्षण प्रभाग उदालगुडी असम

कार्यानुसंधान : 2014-15

क्र. सं	परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजना निदेशक/दल	प्रायोजक एजेन्सी
1.	हथिउता राजस्व गांव पर एक रिपोर्ट: ग्राम अभिग्रहण अध्ययन के अंतर्गत एक पहल	मार्च 2014	संपूरित (दिसम्बर 2014)	डॉ. के हलोई	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद
2.	कथोरा राजस्व गांव पर एक रिपोर्ट : ग्राम अभिग्रहण अध्ययन के अंतर्गत एक पहल	मार्च 2014	संपूरित (दिसम्बर 2014)	डॉ. के हलोई	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद
3.	जजीकोना राजस्व ग्राम पर एक रिपोर्ट: अभिग्रहण अध्ययन के अंतर्गत एक पहल	मार्च 2014	संपूरित (दिसम्बर 2014)	डॉ. के हलोई	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद

एन आर एल एम प्रशिक्षण क्षेत्र दौरे के समय एस एच जी सदस्यों के साथ सहभागियों की परिचर्चा

अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर

क्र. सं.	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजना निदेशक /दल
1.	ग्राम अभिग्रहण अध्ययन (हथिउथा राजस्व गांव मोरीगांव जिला)	अप्रैल 2013	प्रगति पर	डॉ. के. हलोई
2.	ग्राम अभिग्रहण अध्ययन (कथोरा राजस्व गांव नलबरी जिला)	नवम्बर 2013	प्रगति पर	डॉ. के. हलोई श्री ए. सिम्हाचलम
3.	ग्राम अभिग्रहण अध्ययन जजिकोना राजस्व ग्राम, कामरुप ग्रामीण जिला)	अक्तूबर 2013	प्रगति पर	डॉ. के. हलोई डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
4.	एशिया के स्वच्छतम गांव की सफल कहानी : मेघालय में मावलीनाँग गांव का अध्ययन	मार्च 2015	प्रगति पर	डॉ. आर.एम. पंत डॉ. एम. के. श्रीवास्तव

परामर्शी अध्ययन प्रगति पर: 2014-15

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजन निदेशक /दल	प्रायोजक एजेन्सी
1.	मेघालय के तीन बी आर जी एफ जिलों के लिए टी एस आई (2011-16 से 2016-17)	अक्तूबर 2011	प्रगति पर	डॉ. के हलोई	डी सी री-बोई, डी सी, डब्ल्यू जी हिल्स एवं डी सी,एस जी हिल्स, जिला
2.	22 बैच - 1 आई डब्ल्यू एम पी परियोजना, नागालैण्ड का समेकित चरण मूल्यांकन	नवम्बर 2014	प्रगति पर	डॉ. के हलोई डॉ. एनएसआर प्रसाद एवं ए. सिम्हाचलम	एसएलएनए, आईडब्ल्यूएमपी, नागालैण्ड

(जारी ....)

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजना निदेशक /दल	प्रायोजक एजेन्सी
3.	बसाका जिला असम के अंतर्गत दो आई डब्ल्यू एम पी परियोजनाओं के लिए डाटाबेस एवं मानचित्रण के निर्माण हेतु जी आई एस समर्थन	फरवरी 2015	प्रगति पर	डॉ. के हलोई	डब्ल्यूसीडीसी, बक्सा मृदा संरक्षण प्रभाग, बक्सा असम
4.	आई डब्ल्यू एम पी, असम के अंतर्गत डी पी आर एवं पी पी आर का मूल्यांकन	मार्च 2015	प्रगति पर	डॉ. के हलोई डॉ. एनएसआर प्रसाद एवं ए. सिम्हाचलम	एसएलएनए, आईडब्ल्यूएमपी, असम

कार्यानुसंधान प्रगति पर: 2014-15

क्र. सं.	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजना निदेशक / दल
1.	हतिउथा ग्राम विकास योजना का सरलीकरण : ग्राम अभिग्रहण अध्ययन के अंतर्गत एक पहल	सितम्बर 2014	प्रगति पर	डॉ. के. हलोई
2.	कथोरा गाम विकास योजना का सरलीकरण : अभिग्रहण अध्ययन के अंतर्गत एक पहल	सितम्बर 2014	प्रगति पर	डॉ. के हलोई
3.	नलबरी जिला, असम के कथोरा राजस्व ग्राम में उन्नत मछलीपालन पद्धतियों को अपनाते हुए जल संसाधन के प्रभावी उपयोग द्वारा ग्रामीण आजीविकाओं का उन्नयन'' नामक परियोजना का कार्यान्वय	जुलाई 2014	प्रगति पर	डॉ. के. हलोई एवं सिम्हाचलम

(जारी ....)

क्र. सं.	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक दिनांक	संपूरित दिनांक	परियोजना निदेशक / दल
4.	आजीविका समूह दृष्टिकोण के द्वारा ग्रामीण उद्यमशीलता एवं उद्यमों का उन्नयन : कार्यानुसंधान में प्रायोगिक कार्य	सितम्बर, 2014	प्रगति पर	डॉ. हलोई, डॉ. रत्ना भूइयां डॉ. एन एस आर प्रसाद

एम जी एन आर ई जी एस जॉब कार्ड धारको के साथ परिचर्चा

के वी के नलबरी में एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी द्वारा उन्नत मछलीपालन पद्धतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करते प्रतिभागीगण

ग्राम अभिग्रहण अध्ययन

ग्राम अभिग्रहण कार्य की तरह क्षेत्रीय केन्द्र के संकाय सदस्यों ने असम राज्य के राजस्व गॉवों में तीन अध्ययन आरंभ किए। इन गांवों को मोरीगांव जिला से हतिउथा ग्राम कामरुप (ग्रामीण) जिला से जजिकोना एवं नलबारी जिले से कथोरा में प्रारंभ किए । इन प्रत्येक गांव के अध्ययन में निम्नलिखित मुद्दों पर विश्लेषण कार्य पर प्रकाश डाला गया ।

- विकास के समाजार्थिक एवं पर्यावरणात्मक स्थिति का विश्लेषण एवं परीक्षण करना ।
- ग्रामीण जीवन यापन में सामाजिक संस्थाओं की प्रकार्यात्मक स्थिति का विश्लेषण एवं परीक्षण करना ।
- सर्वांगीण विकास के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं में प्रचलित अंतरालों और प्रभावित करने वाले कारकों की शिनाख्त करना ।
- सर्वांगीण सामाजिक, भौतिक, पर्यावरणात्मक, आर्थिक एवं संस्थागत विकास हेतु सहभागी विकास कार्यो का प्रतिपादन करना । आर्थिक विकास के द्वारा क्षेत्र कृषि, बागवानी, पशुधनपालन एवं मछलीपालन/ जलकृषि के साथ-साथ सूक्ष्म उद्यमों से संबंधित श्रम बचत प्रौद्योगिकी पर प्रकाश डालना है ।
- विकास कार्यो का सरलीकरण और समर्थन प्रदान करना।

कथोरा गांव के लाभभोगियों को फिंगरलिग्ज का संवितरण

एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी द्वारा प्रारंभ किए गए कथोरा ग्राम, नलबारी जिला, असम में ग्राम अभिग्रहण अध्ययन कार्यक्रम के उद्घाटन का दृश्य

विकास कार्यो के भाग के रुप में, एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी ने इन तीन गांवों में 15 सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाईटों को संस्थापित किया । इन सोलार स्ट्रीट लाईटों को एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद द्वारा एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी के ग्राम अभिग्रहण अध्ययन के अंतर्गत निशुल्क प्रदान किया गया है । यद्यपि, आजीविका क्रियाकलाप के रुप में जल कृषि को बढावा देने के उद्देश्य से कथोरा गांव के 152 लाभभोगियों में मछली फिंगरलिंग्ज (मागुर टेबल मछली प्रजाति) प्रदान की गई। इसे राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी) द्वारा प्रायोजित किया गया ।

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें: 2014-15

क्र सं	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम/ आई एस बी एन सं.	लेखक
1.	भू-संसूचना लैब पद्धति (जी एल पी)	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद नवम्बर, 2014	डॉ. एन एस आर प्रसाद श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. पी. केशव राव डॉ. एन. भास्कर राव

प्रकाशित पेपर / लेख : 2014-15

क्र. सं	पेपर / लेख का नाम	पत्र-पत्रिका / समाचार पत्र / पुस्तक / आई एस बी एन सं.	लेखक
1.	जलागम में भू-जल रीचार्ज हेतु भू-स्थानिक समाधान : तेपासिया जलागम का एक मामला अध्ययन, कामरुप जिला, असम	ग्रामीण विकास के लिए भू-संसूचना प्रोफेशनल बुक्स पब्लिशर्स आई एस बी एम सं. 978-81-909728-9-5	डॉ. एन एस आर प्रसाद श्री ए. सिम्हाचलम डॉ. के. हलोई
2	भू-संसूचना का उपयोग करते हुए ग्राम सूचना व्यवस्था : हतिउथा राजस्व ग्राम का एक मामला अध्ययन	ग्रामीण विकास के लिए भू-संसूचना प्रोफेशनल बुक्स पब्लिशर्स,आई एस बी एम सं. 978-81-909728-9-5	श्री ए. सिम्हाचलम डॉ. के. हलोई डॉ. एन एस आर प्रसाद

(जारी ....)

क्र. सं	पेपर / लेख का नाम	पत्र-पत्रिका / समाचार पत्र / पुस्तक / आई एस बी एन सं.	लेखक
3	छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को बढावा देने में सरकार की भूमिका	उद्यमशीलता विकास : उत्तर पूर्वी भारत के संदर्भ में आई एस बी एन सं. 978-81-910812-4-4	डॉ. के. हलोई
4	मोईनाबाद मंडल के लिए वेब समर्थित बहु-लेयर भू-संसूचना डाटा बेस, रंगा रेड्डी जिला, तेलंगाना	भौगोलिक सूचना व्यवस्था की पत्रिका खंड-6 सं. 6 पृ. 690, 705, दिसंबर, 2014 आई एस एस एन सं. 2151-1950	डॉ. एन एस आर प्रसाद श्री ए. सिम्हाचलम
5	मोईनाबाद ब्लॉक के लिए वेब समर्थित जी आई एस	ग्रामीण विकास के लिए भू-संसूचना प्रोफेशनल बुक्स पब्लिशर्स, आई एस बी एन सं. 978-81-909728-9-5	डॉ. एन एस आर प्रसाद श्री ए. सिम्हाचलम
6	एम जी एन आर ई जी एस उत्तर-पूर्वी क्षेत्र द्वारा ग्रामीण लोगों के लिए सततयोग्य आजीविका	जर्नल ऑफ कॉन कॉनटेम्पोरी रीसर्च - वार्षिक संदर्भित अनुसंधान (खंड-02 अंक 01, 2014) आई एस एस एन : 2320 - 9542	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
7	मुंदरी कुंतकट्टी : काश्तकारी नियमों और पद्धतियों में जनजातियों के पारंपरिक नियम के समक्ष उभरती चुनौतियां	एल बी एस राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी - ग्रामीण अध्ययन केन्द्र मसूली, मनक पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, आई एस बी एन - 97893-7831-384-4	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव डॉ. आमिर अफाख फैजी डॉ. के. गोपाल द्वारा संपादित
8	असम में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों के विकास पर उत्पाद विविधिकरण नीति की भूमिका : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	उत्तर पूर्वी भारत में ग्रामीण विकास का प्रबंधन : परिप्रेक्ष्य नीतियां और अनुभव आई एस बी एन सं. 978-81563-57-	डॉ. रतना भूइयां श्री एस.एम. डेका

11 अगस्त, 2014 को एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी में आयोजित एक दिवसीय एन एफ डी बी - कार्यान्वयन एजेन्सी बैठक के समय डॉ. एम.वी.राव, आई ए एस महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर (सीधे दाई ओर) प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए ।

एन ई आर सी के अधिकारियों एवं संकाय द्वारा सेमिनारों / कार्यशालाओं / सम्मेलनों में सहभाग एवं पेपर प्रस्तुतीकरण : 2014-15

क्र. सं.	सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक का नाम	संस्थान / स्थान / आयोजक	संकाय / अधिकारी
1	भू- संबंधी पारंपरिक नियमों का संवर्गीकरण : चुनौतियां एवं संभावनायें ''गुवाहाटी में एल बी एस एन ए ए द्वारा आयोजित (फरवरी 19-20, 2015)	असम प्रशासनिक स्टॉफ कॉलेज गुवाहाटी	डॉ. आर.एम. पंत
2	आदिवासी पारंपरिक नियम का जेंडर निहितार्थ पर राष्ट्रीय सेमिनार'' एन ई एस एस आर गुवाहाटी द्वारा प्रायोजित (20 मार्च, 2015)	एन ई एस एस आर, गुवाहाटी	डॉ. आर.एम. पंत
3	उत्तर पूर्वी भारत में ग्रामीण विकास का प्रबंधन पर यू जी सी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार'' बिजिनेस प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर द्वारा आयोजित	तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर	डॉ. आर.एम. पंत

(जारी ....)

क्र. सं.	सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक का नाम	संस्थान / स्थान / आयोजक	संकाय / अधिकारी
4	गोरेश्वर कॉलेज में यू जी सी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार (8-9 अगस्त, 2014)	गोरेश्वर कॉलेज कॉमर्स विभाग, बक्सा, असम	डॉ. के. हलोई
5	"उत्तर - पूर्वी क्षेत्र पर विशेष बल देते हुए संकट की पूर्व सूचना" हेतु भू-संसूचना पर राष्ट्रीय सेमिनार दिनांक 18-19 सितम्बर, 2014 भू-संसूचना का उपयोग करते हुए ग्रामीण विकास के लिए ग्राम सूचना व्यवस्था : हथिउथा गांव, मयांग ब्लॉक, मोरिगांव जिला असम के मामला अध्ययन पर प्रपत्र प्रस्तुत	उत्तर पूर्वी विश्वविद्यालय (नेहू) शिलांग, मेघालय	डॉ. के. हलोई डॉ. एन एस आर प्रसाद श्री ए. सिम्हाचलम
6	वर्षा जल संचयन पर क्षेत्रीय सेमिनार 16-17 दिसंबर, 2014 '' वर्षा जल संचयन द्वारा जलागम में भूजल रीचार्ज : भू-स्थानिक दृष्टिकोण'' पर प्रपत्र प्रस्तुत	नेरीवाल्म तेजपुर, असम	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव डॉ. एन एस आर प्रसाद
7	आदिवासी पारंपरिक नियम का जेंडर निहितार्थ पर राष्ट्रीय सेमिनार'' टिस एवं कॉटन कॉलेज स्टेट यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी के साथ उत्तर-पूर्वी सामाजिक अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित (20-21 मार्च, 2015)	एन आई पी सी सी डी, गुवाहाटी	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
8	उत्तर - पूर्वी राज्यों में भूमि संबंधित पारंपरिक नियम का संवर्गीकरण : चुनौतियां एवं संभावनायें पर कार्यशाला एल बी एस, राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी द्वारा आयोजित 19-20 फरवरी, 2015 जाति समूह एवं उनके भूमि संबंधित पारंपरिक नियम एवं स्वायत्त जिला परिषद : स्थिति, मुद्दों एवं चुनौतियां विषय'' पर प्रपत्र प्रस्तुत	असम प्रशासनिक स्टॉफ कॉलेज गुवाहाटी	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव

(जारी ....)

क्र. सं.	सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक का नाम	संस्थान / स्थान / आयोजक	संकाय / अधिकारी
9	फोकस एरियास एग्रो बॉयों टेक्कनॉलोजी अंतरण पर सेमिनार सह एन आर डी सी उद्योग परिचर्चा बैठक (12 फरवरी, 2015)	एन आर डी सी द्वारा प्रायोजित उत्तर-पूर्व औद्योगिक एवं तकनीकी परामर्शी संगठन लिमिटेड (निटको) - वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग उद्यम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार होटल लैंडमार्क, गुवाहाटी	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव डॉ. एस.के. घोष श्री ए. सिम्हाचलम
10	नेशनल सेमिनार ऑन होमस्टेड लैण्ड राईट्स, पॉलिसी एंड प्रैक्टिस इन इंडिया :स्टेटस इंश्यूज एवं चैलेंजेस'' नीति आयोग के सहयोग से देशकल सोसाईटी द्वारा आयोजित (पूर्व में योजना आयोग) दिनांक 7-8 फरवरी, 2015 । कस्टमरी प्रैक्टिस एवं स्टैच्युटरी प्रॉविजन्स फॉर होमस्टेड लैन्दीन, नार्थ ईस्ट इंडिया : स्टेटस, इश्यूज एंड चैलेंजेस पर पेपर प्रस्तुत	ए.एन. सिन्हा इंस्टिस्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
11	वेरियर एल्विन : कंट्रीब्यूशन टू कॉनटेम्पोररी एंथ्रोपॉलोजी'' पर राष्ट्रीय सेमिनार । उत्तर पूर्वी संस्कृति अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित । दिनांक 15-16 नवम्बर, 2014 ''एल्विन फिलॉसोफी ऑफ ट्रायबल फॉर ट्रायबल : ए क्रिटिकल एक्जामिनेशन''	संस्कृति उत्तर पूर्वी संस्कृति अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
12	असम के विशेष संदर्भ में उत्तर पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण उद्यमशीलता'' पर यू जी सी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार 8-9 अगस्त, 2014 ''आजीविका समूह दृष्टिकोण द्वारा ग्रामीण उद्यमशीलता हेतु योजना : असम के तिनसुखिया जिले में ऐतिहासिक अध्ययन	कॉमर्स विभाग, गोरेश्वर कॉलेज, गोरेश्वर, बक्सा (बी टी ए डी) असम	डॉ. रत्ना भूइया

(जारी ....)

क्र. सं.	सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक का नाम	संस्थान / स्थान / आयोजक	संकाय / अधिकारी
13	असम के विशेष संदर्भ में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण उद्यमशीलता'' पर यू जी सी प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला दिनांक 8-9 अगस्त, 2014''असम में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों के विकास पर उत्पाद विविधिकरण नीति की भूमिका : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''पर पेपर प्रस्तुत ।	बिजिनेस प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर असम	डॉ. रत्ना भूइयां
14	विकास चुनौतियां, शिनाख्त, अभिलाषाऐं एव शासन मुद्दे'' पर यू जी सी डी आर एस -एस ए पी सेमिनार । 27-28 मार्च, 2014 असम में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की कार्य निष्पादन स्थिति के विश्लेषण पर पेपर प्रस्तुत किया ।	अर्थशास्त्र विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम	डॉ. रत्ना भूइयां
15	जल कृषि विविधिकरण हेतु स्वदेशी फिन मछली प्रजातियां: उत्तर पूर्वी क्षेत्र में वर्तमान स्थिति एवं संभावनायें पर राष्ट्रीय कार्यशाला (27 सितम्बर, 2014)		डॉ. आर.एम. पंत
16	एम जी एन आर ई जी एस के अंतर्गत सामाजिक लेखा परीक्षा पर राज्य संसाधन दल हेतु संवेदी ग्राही कार्यशाला (19-21 जून, 2014)	एस आई आर डी नागालैण्ड, कोहिमा	डॉ. के. हलोई
17	उत्तर पूर्वी भारत में उद्यमशीलता विकास में उभरती प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (22-23 अगस्त, 2014)	असम डॉन बास्को युनिवर्सिटी एवं कॉमर्स विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय	डॉ. के. हलोई
18	उद्यमशीलता विकास पर कार्यशाला (28-29 जनवरी, 2015)	बरभाग कॉलेज कलग, नलबारी, असम	डॉ. के. हलोई
19	ग्राम मास्टर योजना पर कार्यशाला (17 फरवरी, 2015)	असम राज्य संकट प्रबंधन प्राधिकरण दिसपुर, गुवाहाटी	डॉ. के. हलोई

(जारी ....)

क्र. सं.	सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक का नाम	संस्थान / स्थान / आयोजक	संकाय / अधिकारी
20	उत्तर-पूर्वी राज्यों में भूमि संबंधी पारंपरिक नियमों का संवर्गीकरण : चुनौतियां 19-20 फरवरी, 2015 ''पारंपरिक भूमि व्यवस्था : मेजिफेमा गांव के अंगामी नागा, नागालैण्ड का मामला अध्ययन	लाल बहापुर शास्त्री, राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एल वी एस एन ए ए) उत्तराखंड मसूरी, 79	डॉ. के. हलोई
21	ग्रामीण विकास के लिए सूक्ष्म ऋण सुपुर्दगी शासन'' पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभाग एवं पेपर प्रस्तुतीकरण (22 फरवरी से 5 मार्च, 2014)	बांगलादेश ग्रामीण विकास अकादमी (बी ए आर डी) कोमिला, बांगलादेश	डॉ. रत्ना भूइयां
22	राज्यों के एस आई आर डी / पी आर टी आई के साथ दो दिवसीय सम्मेलन (19-21 नवम्बर, 2014)	पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	डॉ. के. हलोई
23	अंतरराष्ट्रीय सामाजिक कार्य दिवस (17 मार्च, 2015)	विज्ञान एवं तकनोलॉजी विश्वविद्यालय, मेघालय, रीबोई जिला, मेघालय	डॉ. के. हलोई
24	आई आई एम शिलांग द्वारा आयोजित सततयोग्यता "ससकॉन" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	आई आई एम शिलांग	डॉ. आर. एम. पंत
25	आई ई ई ई सम्मेलन (10 जनवरी, 2014)	नेरीस्ट निरजुली, अरुणाचल प्रदेश	डॉ. आर. एम. पंत
26	जी बी पंत हिमालयन पर्यावरण एवं विकास संस्थान,ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र सल्वीन लैण्डस्केप परामर्शी बैठक (17-18 नवम्बर, 2014)	ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	डॉ. आर. एम. पंत
27	कौशल विकास के संबंध में क्षेत्रीय योजना पर बैठक (24 जून, 2014)	एन ई सी, सचिवालय, शिलंग	डॉ. के. हलोई

(जारी ....)

क्र. सं.	सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक का नाम	संस्थान / स्थान / आयोजक	संकाय / अधिकारी
28	आर जी पी एस ए स्कीम के अंतर्गत राज्य जांच समिति पर बैठक (27 जून, 2014)	पंचायत एवं ग्रामीण विकास आयुक्त कार्यालय पंजाबरी गुवाहाटी - 37	डॉ. के. हलोई
29	"हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम 2013'' के कार्यान्वयन पर पुनरीक्षण बैठक (3 जुलाई, 2014)	डब्ल्यू पी टी एवं बी सी विभाग, दिसपुर, गुवाहाटी	डॉ. के. हलोई
30	शासकीय निकाय-सह-सलाहकारी समिति की बैठक (2 अगस्त, 2014)	एस आई आर डी असम, खानापारा, गुवाहाटी	डॉ. के. हलोई
31	राज्य पंचायत कार्य निष्पादन मूल्यांकन समिति की बैठक (एस जी पी ए सी) (24 अक्तूबर, 2014)	पंचायत एवं ग्रामीण विकास आयुक्त कार्यालय, पंजाबरी, गुवाहाटी-37	डॉ. के. हलोई
32	एस आई आर डी के महापरिषद की बैठक 20 मार्च, 2015, "पारंपरिक नियम एवं राज्य नियम : अंतरामुख एवं जेंडर अधिकार" पर पेपर प्रस्तुतीकरण	राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, मेघालय	डॉ. के. हलोई
33	ओ के डी सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान, आई सी एस एस आर एवं असम सरकार जयंती समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ एवं उद्घाटन भाषण	एन ई डी एफ आई, गुवाहाटी	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
34	उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के लिए "तकनोलॉजी समर्थनकर्ता के रुप में राउण्ड टेबल" (28 मई, 2014)	एफ आई सी सी आई, गुवाहाटी	श्री एस. के. घोष
35	एफ आई सी सी आई इंडिया नवोन्मेषण विकास कार्यक्रम, (16 जनवरी, 2015)	एफ आई सी सी आई, गुवाहाटी एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद	श्री एस.के. घोष

(जारी ....)

पाठ्यक्रम के दौरान समूह प्रस्तुतीकरण

एन ई आर सी के कम्प्यूटर लैब में आवाससॉफ्ट पर प्रदर्शनी सत्र

नेटवर्किंग

एन ई आर सी की मजबूत नेटवर्किंग नामी संस्थाओं से बनी हुई है जैसे - शैक्षणिक / अनुसंधान संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों / संकाय सदस्य / अनुसंधान शोधार्थियों को स्रोत व्यक्तियों के रुप में शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया जाता है ।संस्थानों की सूची इस प्रकार है:

- उत्तर पूर्वी परिषद (एन ई सी)
- एशिया एवं पैसिफिक के लिए समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र (सिर्डाप)
- भारतीय उद्यमशीलता संस्थान (आई आई ई)
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए आर-एन ई एच क्षेत्र)
- उत्तर -पूर्वी जल एवं भूमि प्रबंध क्षेत्रीय संस्थान (एन ई आर आई डब्ल्यू ए एल एम)
- उत्तर -पूर्वी विकास वित्त निगम लिमिटेड (एन ई डी एफ आई)
- उत्तर -पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान एक तकनॉलोजी संस्थान (एन ई आर आई एस टी)
- उत्तर -पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (एन ई एस ए सी)
- राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (8 एस आई आर डी, उ पू क्षेत्र)
- भारतीय प्रबंध संस्थान (आई आई एम) , शिलांग
- राष्ट्रीय संसूचना केन्द्र (एन आई सी)
- उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय (नेहू)
- भारतीय बैंक प्रबंध संस्थान (आई आई बी एम)
- राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
- उत्तर -पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड (एन ई आर ए एम ए सी)
- राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी)
- लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी (एल बी एस एन ए ए)

- तेजपुर केन्द्रीय विश्वविद्यालय (टी यु), असम
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश
- राजीव गांधी विश्वविद्यालय
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यु एस टी एम)
- उत्तर - पूर्वी-क्षेत्रीय प्रबंध संस्थान (एन ई आर आई एम)
- मिजोरम विश्वविद्यालय
- असम प्रबंधन संस्थान (ए आई एम)
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) गुवाहाटी
- भारतीय सूचना प्रौद्यागिकी संस्थान (आई आई आई टी), गुवाहाटी
- राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
- बंगलादेश ग्रामीण विकास अकादमी (बार्ड)
- असम इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम लिमिटेड (ए एम टी आर ओ एन)
- राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई ई आई टी)
- असम दूरसंवेदी अनुप्रयोग केन्द्र (ए आर एस ए सी)

एन ई आर सी की मुख्य आधारभूत संरचना सुविधाएँ

- अतिथि गृह (वातानुकूलित) : दो

  ब्रह्मपुत्र में क्षमता : 44

  डिकरंग में क्षमता : 48
- सम्मेलन कक्ष (वातानुकूलित) : तीन

  सम्मेलन कक्ष- I : क्षमता - 25

  सम्मेलन कक्ष- II : क्षमता - 35

  सम्मेलन कक्ष- III : क्षमता - 77
- कंप्यूटर लैब (वातानुकूलित) : 35 पी सी टर्मिनल
- सी-गार्ड - जी आई एस लैब (वातानुकूलित) : 22 पी सी टर्मिनल
- केन्द्रीकृत यु पी एस सिस्टम
- वाई फाई की सुविधा के साथ संपूर्ण परिसर कवर करने वाला स्थानीय एरिया नेटवर्क
- 4 एम बी पी एस फाईबर ऑप्टिक लीज लाईन कनेक्शन
- पुस्तकालय (वातानुकूलित)10000 से अधिक संकलन
- अबाधित बिजली आपूर्ति के लिए उच्च क्षमता वाला जनरेटर
- परामर्शी चिकित्सक
- स्टॉफ कैन्टीन
- कैम्पस में स्टॉफ क्वार्टर्स

- फिटनेस केन्द्र (व्यायामशाला)एवं अन्य स्पोर्टस सुविधायें
- गार्डन एवं बाल उद्यान
- आंतरिक जलापूर्ति एवं जल शुद्धिकरण संयंत्र
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (विस्तार केन्द्र)
- 100 के डब्ल्यू पी सौर पी वी ऊर्जा संयंत्र
- वर्षा जल संरक्षण प्रणाली

एन ई आर सी के संकाय सदस्य, अधिकारी एवं स्टॉफ के लिए विकास कार्यक्रम

सरकारी संगठन, कार्पोरेट जगत के साथ स्पर्धा की होड में अपनी क्षमता स्तर को तेजी से बढाने में प्रयासरत हैं । स्पर्धा का नया नियम "करो या मरो" है । बदलते परिदृश्य में सरकारी अधिकारियों को बदलती विश्व व्यवस्था के अनुसार सरकार द्वारा सौंपी गई नई चुनौतियों के लिए कमर कसने की आवश्यकता है । बदलती कार्य संस्कृति को ध्यान में रखते हुए अपेक्षित कौशलों को उन्नत और कार्योन्मुख बनाने के लिए 30 जनवरी से 2 फरवरी, 2015 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी कर्मचारियों के सभी स्तरों को कवर करते हुए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित थे-

- बदलते नीति पर्यावरण में प्रतिभागियों को कार्योन्मुख बनाना ।
- सॉफ्ट एवं तकनीकी कौशलों का विकास करना ।
- लेखा, प्रशासन एवं आई टी से संबंधित मुद्दों पर परिचलनात्मक सक्षमताओं का विकास करना

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रबंधन गेम्स

महात्मा गांधी की प्रतिमा के सम्मुख ''स्वच्छता शपथ'' लेते हुए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

स्वच्छ भारत अभियान

संपूर्ण भारत में स्वच्छ भारत अभियान को बनाए रखने हेतु एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी ने दि. 2 अक्तूबर, 2014 को अपने प्रांगण में स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया । इस कार्यक्रम में ऑफिस स्टॉफ एवं कैम्पस वासियों के साथ-साथ महिलाओं एवं बच्चों ने बडे उत्साह के साथ सहभाग किया । संपूर्ण ऑफिस और आवासीय कैम्पस को स्वच्छ किया गया । इसके अलावा, ऑफिस कैम्पस से जुडने वाली सभी संपर्क सड़को को भी साफ किया गया ।

महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी के भाईचारे का सुदीर्घ सपना तब पूर्ण हुआ जब परिसर में ''राष्ट्रपिता'' महात्मा गांधी की सफेद प्रतिमा का अनावरण 2 मार्च, 2015 को श्री एम.पी. बेजबरुआ, आई ए एस (से.नि) एवं एन ई सी सदस्य एवं डॉ. बी.पी. मैथानी संस्थापक निदेशक, एन आई आर डी - एन ई आर सी द्वारा किया गया । पूर्व निदेशक डॉ. एन. उपाध्याय तथा वर्तमान निदेशक डॉ. आर.एम. पंत के साथ-साथ एन आई आर डी एवं पी आर परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे सभी ने ''राष्ट्रपिता'' को श्रद्धांजली अर्पित की । इसके अलावा, उत्तर - पूर्वी राज्यों के एस आई आर डी के निदेशकगण के साथ अन्य प्रतिनिधियों ने भी इसमें भाग लिया । मूर्ति की स्थापना और स्थल को हरा-भरा बनाने के कार्य का समन्वय श्री पी. श्रीनिवासुलु, जे.ई. एन ई आर सी, असम ने किया ।

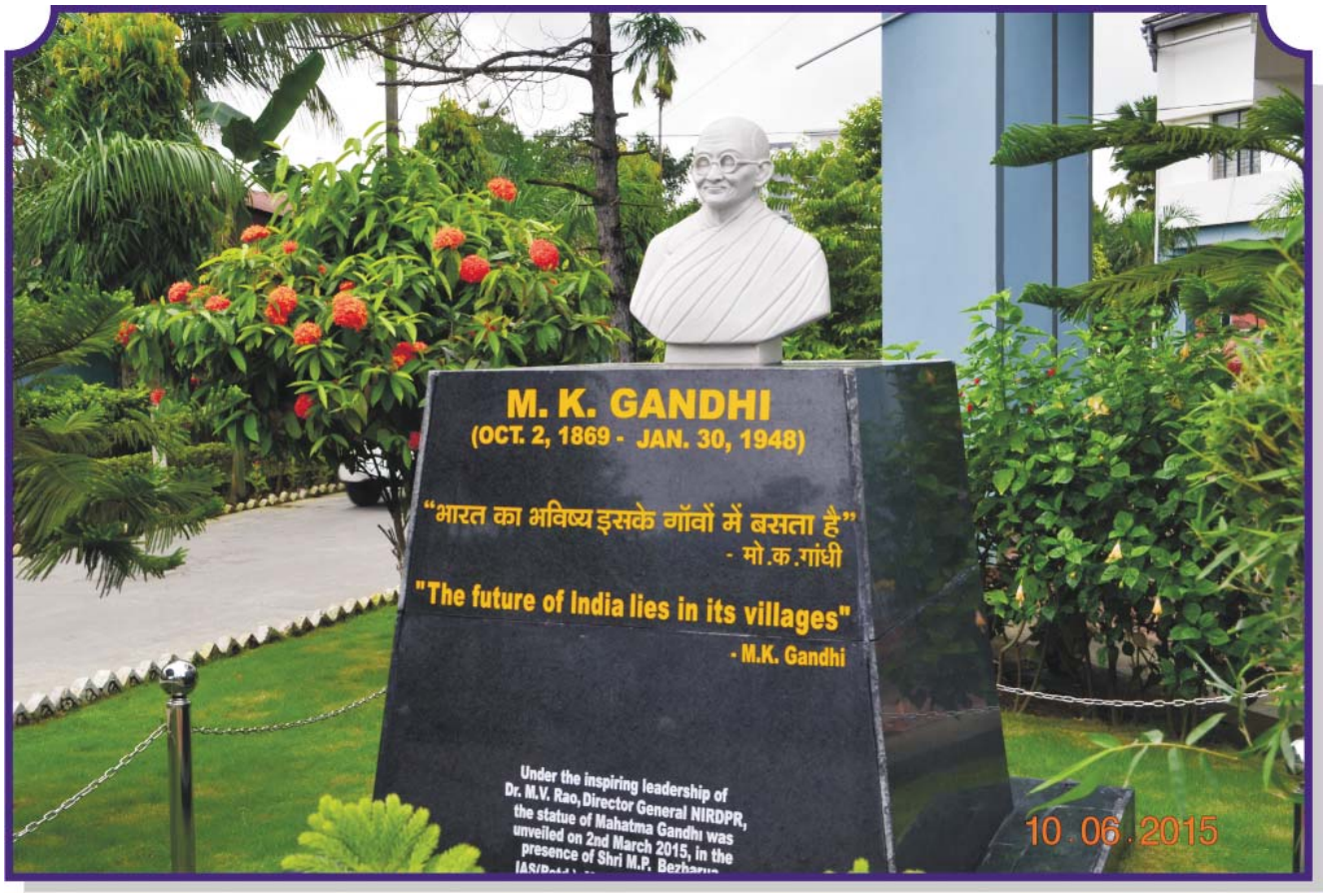

एन ई आर सी कैम्पस में महात्मा गांधी की प्रतिमा

महिला उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की पहल

संस्थान ने पांच होम मेकर्स (गृहणियों) को प्रोत्साहित करने का एक विशेष कार्य प्रारंभ किया है । इन गृहणियों को गुवाहाटी में खाद्य प्रक्रमण पर कौशल विकास में एक माह के प्रशिक्षण पर भेजा गया । श्रीमती रुपा बर्मन, श्रीमती रीना पाटिर, श्रीमती पिंकीदास एवं श्रीमती करबी दास, महिला मंडल सदस्यों तथा एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी के कर्मचारियों की गृहणियों ने प्रशिक्षण में सहभाग किया । महीने भर के प्रशिक्षण के दौरान, विभिन्न संसाधित उत्पाद जैसे - अचार बनाना, स्ववैश, जाम इत्यादि के निर्माण में कौशल प्रदान किया गया। इसके अलावा उनके उद्यमशीलता के विभिन्न पहलुओं पर सत्रों को आयोजित किया गया । एक माह लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय उद्यमशीलता संस्थान (आई आई ई), गुवाहाटी द्वारा किया गया जो केन्द्रीय लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का एक संस्थान है ।

उल्लेखनीय बात यह है कि सभी पांच प्रशिक्षणार्थियों ने अचार बनाना, स्क्वैश इत्यादि के निर्माण की अच्छी शुरुआत की है तथा एन आई आर डी एवं पी आर कैम्पस वासियों के अलावा बाहरी लोग भी इन चीजों को खरीद कर रहे हैं । एक प्रशिक्षणार्थी ने उद्यमशीलकर्ता ज्ञापन में सफलतापूर्वक अपना नाम पंजीकृत करवाया है । (ई एम - I)

अध्याय 12

प्रशासन

संस्थान प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्शी क्रियाकलाप करता है और इसमें संस्थान के प्रशासन का पूर्ण समर्थन प्राप्त है । संस्थान के विभिन्न क्रियाकलापों को निष्पादित करने तथा अनुकूल स्थितियां प्रदान करने के लिए संस्थान भी वर्तमान अधारभूत संरचना को विस्तृत एवं उन्नत करने के कार्य की पहल की गई । संस्थान में महापरिषद, कार्यकारी परिषद एवं शैक्षणिक समिति है जो नीति, निष्पादन एवं शैक्षणिक विषयों पर मार्ग निर्देश करती है ।

महापरिषद

महापरिषद की अध्यक्षता माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार करते है। संस्थान का प्रबंध और सामान्य नियंत्रण महापरिषद की जिम्मेदारी होती है । महापरिषद का गठन निम्नानुसार है :

महापरिषद के सदस्य

क्र.सं	नाम	क्र.सं	नाम
1	श्री बीरेन्द्र सिंह चौधरी माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001	2	श्री सुदर्शन भगत माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001.

(जारी ....)

क्र.सं	नाम	क्र.सं	नाम
3	सचिव ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001	8	अपर सचिव ग्रामीण विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग कृषि भवन नई दिल्ली - 110001
4	मुख्य कार्यपालक भारतीय राष्ट्रीय सहकारिता संघ 3 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया अगस्त क्रांति मार्ग (खेल गांव मार्ग) नई दिल्ली - 110 001	9	संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001
5	अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यू जी सी बिल्डिंग, बहादुर शाह जफर मार्ग नई दिल्ली - 110 001	10	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001
6	अध्यक्ष भारतीय विश्वविद्यालय संघ ए आई यू हाऊस 16 कॉमरेड इन्द्रजीत गुप्ता मार्ग (कोटला मार्ग) नई दिल्ली -110 002	11	सचिव कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय भारत सरकार, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001
7	सचिव पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय कमरा नं. 247 'ए' विंग, निर्माण भवन नई दिल्ली - 110 001	12	सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्चतर शिक्षा विभाग भारत सरकार, शास्त्री भवन नई दिल्ली - 110 00

क्र.सं	नाम	क्र.सं	नाम
13	संयुक्त सचिव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग कमरा नं. 304, 3 तल , ब्लॉक IV पुराना जे एन यु कैम्पस, नई मेहरौली रोड नई दिल्ली - 110 067	18	सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज महाराष्ट्र सरकार मंत्रालय मुम्बई - 400 032
14	सलाहकार (ग्रामीण विकास) योजना आयोग कमरा नं. 232 योजना भवन, संसद मार्ग नई दिल्ली - 110 001	19	सचिव ग्रामीण विकास विभाग बिहार सरकार, मुख्य सचिवालय पटना - 800 015
15	प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग असम सरकार, दिसपुर, गुवाहाटी असम - 781 037	20	उप कुलपति मोहन लाल सुखादिया विश्वविद्यालय उदयपुर 313 001, राजस्थान
16	प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास विभाग केरल सरकार तिरुवंतापुरम - 695001, केरल	21	उप कुलपति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नो) मैदान गढी, नई दिल्ली - 110 067
17	सचिव पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार जेसोप भवन, पहला तल, 63, एन एस रोड कोलकता- 700 001	22	उप कुलपति भारतीयार विश्वविद्यालय कोयम्बतूर - 641046, (तमिल नाडू)
		23	श्री एस.एम. विजयानंद, आई ए एस महानिदेशक, प्रभारी एन आई आर डी एवं पी आर राजेन्द्रनगर हैदराबाद - 500 030

कार्यकारी परिषद

सचिव, भारत सरकार कार्यकारी परिषद की अध्यक्षता करते है। महापरिषद के सामान्य नियंत्रण एवं निर्देशों के अनुसार कार्यकारी परिषद संस्थान के प्रबंध और प्रशासन के लिए जिम्मेदार होती हैं। कार्यकारी परिषद का गठन निम्नानुसार है:

कार्यकारी परिषद के सदस्य

क्र.सं	नाम	क्र.सं	नाम
1	श्रीमती वंदना कुमारी जेना, आई ए एस सचिव ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001	5	संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तृतीय तल, ब्लॉक - IV पुराना जे एन यू कैम्पस, न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली - 110 067
2	श्री ए.के. अंगुराना सचिव पंचायती राज विभाग, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001.	6	श्री एस.एम. विजयानंद, आई ए एस विशेष सचिव ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001
3	सचिव भूमि संसाधन विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार, 12 जी निर्माण भवन नई दिल्ली - 110 011	7	श्रीमती सीमा बहुगुणा, आई ए एस अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली - 110 001
4	सचिव पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय कमरा नं. 247 'ए' विंग, निर्माण भवन नई दिल्ली - 110 011.	8	श्री एस.एम. विजयानंद, आई ए एस महानिदेशक प्रभारी एन आई आर डी एवं पी आर राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030

शैक्षणिक समिति

महानिदेशक की अध्यक्षता में शैक्षणिक समिति की बैठक संपन्न होती है जो संस्थान के अनुसंधान एवं प्रशिक्षण से संबंधित सभी मामलों का निपटान करती है । यह समिति संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान क्रियाकलापों के लिए वार्षिक कैलेण्डर को अंतिम रुप देती है संस्थान के महानिदेशक, शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष होते है।

शैक्षणिक समिति के सदस्य

क्रम सं.	नाम	
1	श्री एस.एम. विजयानंद आई ए एस महानिदेशक, प्रभारी एन आई आर डी एवं पी आर हैदराबाद	पदेन
2	संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली	पदेन
3	श्री राजीव सदानंद, आई ए एस उप महानिदेशक, प्रभारी एन आई आर डी एवं पी आर राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500030	पदेन
4	वित्तीय सलाहकार एन आई आर डी एवं पी आर राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500030	पदेन

एन आई आर डी एवं पी आर हेतु एम ओ आर डी द्वारा डॉ. अलग समिति के सिफारिशों पर गठित शैक्षणिक समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है ।

31-03-2015 को एन आई आर डी एवं पी आर के संकाय एवं अधिकारीगण

श्री एस.एम. विजयानंद, आई ए एस, महानिदेशक, प्रभारी

श्री राजीव सदानंद, आई ए एस, उप महानिदेशक, प्रभारी

श्रीमती चंदा पंडित, आई ए एवं आई एस, रजिस्ट्रार एवं निदेशक (प्रशासन) प्रभारी

(सी ए एस एवं डी एम)
भू-संबंधी अध्ययन एवं संकट प्रबंध केन्द्र

डॉ. के. सुमन चन्द्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. ई.वी. प्रकाश राव एसोसिएट प्रोफेसर

(सीईएसडी)
समता एवं सामाजिक विकास केन्द्र

डॉ. आर. आर. प्रसाद, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. वी. अन्नामलै, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. टी. विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) जी. वैलेन्टीना, सहायक प्रोफेसर

(सी-गार्ड)
ग्रामीण विकास में भू संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र

डॉ. वी. माधव राव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. पी. केशव राव, सहायक प्रोफेसर
श्री डी एस आर मूर्ति, सहायक प्रोफेसर
डॉ. टी. फनीन्द्र कुमार, सहायक प्रोफेसर
डॉ. राज कुमार पम्मी, सहायक प्रोफेसर
श्री के. राजेश्वर, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एसोसिएट

(सी एच आर डी)
मानव संसाधन विकास केन्द्र

डॉ (श्रीमती) ज्ञानमुद्रा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ (श्रीमती) एम सारुमति, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) सुचरिता पुजारी, सहायक प्रोफेसर

(सी आई टी एवं क्यू टी)
सूचना प्रौद्योगिकी एवं मात्रात्मक तकनीक केन्द्र

डॉ. पी. सतीश चन्द्रा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. जी. वी. सत्यनारायण, सहायक प्रोफेसर

(सी एम आर डी)
मीडिया एवं ग्रामीण प्रलेखन केन्द्र

डॉ. अनिल टाकलकर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) के पापम्मा, सहायक निदेशव
डॉ. (श्रीमती) वासंति राजेन्द्रन, सहायक निदेशक
(सिर्डाप पर प्रतिनियुक्त पर)
डॉ. (श्रीमती) टी रमा देवी, प्रलेखन अधिकारी
डॉ. (श्रीमती) एम पदमजा, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष

(सी पी जी एस)
स्नातकोत्तर अध्ययन केन्द्र

डॉ. एस.एम. इल्यास, परियोजना निदेशक
डॉ. ए देबप्रिय, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) पी. अनुराधा, सहायक प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती)सोनल मोबर, सहायक प्रोफेसर

(सी पी एम ई)
योजना, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन केन्द्र

डॉ. के. पी. कुमारन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. जी. वी. राजू, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. शंकर चटर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. आर. चिन्नदुरै, सहायक प्रोफेसर
डॉ. जी. कृष्णा लोही दास, सहायक प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) अरुणा जय मणि, सहायक प्रोफेसर

(सी पी आर)
पंचायती राज केन्द्र

डॉ. [श्रीमती] के. जयलक्ष्मी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. वाई. भास्कर राव, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. अजीत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. [श्रीमती] प्रत्युष्ना पटनायक, सहायक प्रोफेसर

(सी आर सी एवं डी बी)
ग्रामीण ऋण एवं विकास बैंकिंग केन्द्र

डॉ. बी. के. स्वैन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

(सी आर आई)
ग्रामीण आधारभूत संरचना केन्द्र

डॉ. पी. शिवराम, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. वाई . गंगी रेड्डी, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. एस. एन. राव, सहायक प्रोफेसर
डॉ. आर. रमेश, सहायक प्रोफेसर

(सी एस ई आर ई)
स्व-रोजगार एवं ग्रामीण उद्यम केन्द्र

श्री के.पी. राव, अध्यक्ष
डॉ. टी. जी. रामय्या, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. आर. मुरुगेसन, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. एन. वी. माधुरी, सहायक प्रोफेसर

(सी डब्ल्यू डी जी एस)
मजदूरी रोजगार एवं निर्धनता उन्मूलन केन्द्र

डॉ. सी. एस. सिंघल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
डॉ. लखन सिंह, सहायक प्रोफेसर

(सी डब्ल्यू ई पी ए)
मजदूरी रोजगार एवं निर्धनता उन्मूलन केन्द्र

डॉ. जी. रजनीकांत, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. वी. सुरेश बाबू, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. [श्रीमती] सी. धीरजा, सहायक प्रोफेसर

(सीडब्ल्यूएलआर)
जल एवं भूमि संसाधन केन्द्र

डॉ. सिद्दय्या, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रभारी
डॉ. यु. हेमंत कुमार उम्मिति, सहायक प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) सी. एच. राधिका रानी, सहायक प्रोफेसर
डॉ. के. प्रभाकर, सहायक प्रोफेसर

(आर टी डी)
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग

डॉ. आर. पी. आचारी, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. जी. रजनीकांत, एसोसिएट प्रोफेसर

(आर टी पी)
ग्रामीण शिल्प विज्ञान पार्क

डॉ. पी. शिवराम, परियोजना निदेशक
डॉ. वाई. गंगी रेड्डी, सहायक परियोजना निदेशक

(डी ई सी)
दूरस्थ शिक्षा सेल

डॉ. एस. एम. इल्यास, परियोजना निदेशक

परियोजना निदेशक

डॉ. एम. रवि बाबू, आई आर टी एस, कार्यपालक निदेशक, डीडीयूजीकेवाई
श्री आर. विनील कृष्णा, आई ए एस., सी ओ ओ, डीडीयूजीकेवाई
श्री के.पी. राव, पीडी, एन आर एल एम सेल
श्री ओ.एन. बंसल, पीडी, आरसेटी

प्रशासन

डॉ. ए. देबप्रिय, सहायक रजिस्ट्रार (ई) प्रभारी
श्री एन. एम. नायक, सहायक रजिस्ट्रार (टी) प्रभारी
श्रीमती पी. धनलक्ष्मी, अनुभाग अधिकारी (सी)
श्री के. एस. वेकटरमणा, अनुभाग अधिकारी (ए)
श्री सी. रामास्वामी, अनुभाग अधिकारी (ओल्ड रिकार्ड)
श्री एस. सत्यनारायण, अनुभाग अधिकारी (बी)
श्रीमती कल्पलता, मानचित्रकार
श्री के. सी. बेहरा, जन संपर्क अधिकारी
श्री असरारुल हक, छात्रावास प्रबंधक

लेखा

श्रीमती चंदा पंडित, आई ए एवं आई एस, वित्तीय सलाहकार (एफ एम)
श्री पी. जनार्धन राव, सहायक वित्तीय सलाहकार एवं वेतन अधिकारी, प्रभारी
श्री जी. वी. श्रीधर गौड, लेखा अधिकारी (टी)

स्वास्थ्य केन्द्र

डॉ (श्रीमती) सारा मैथ्यू , महिला चिकित्सा अधिकारी

हिन्दी अनुभाग

श्रीमती अनिता पांडे, सहायक निदेशक (रा.भा)
श्री ई. रमेश, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

रख-रखाव एकक

श्री पी. वी. दयानंद, कार्यकारी इंजीनियर
श्री बी. वी. हीरेमट, बागवानी अधिकारी

एन आई आर डी एवं पी आर -उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी, असम

डॉ. आर.एम. पंत, निदेशक
डॉ. के. हलोई, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) रत्ना भुयान, सहायक प्रोफेसर
डॉ. एन. एस. आर. प्रसाद, सहायक प्रोफेसर
डॉ. मुकेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर
श्री अरुप ज्योति शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी
श्री बी. एन. शर्मा, लेखा अधिकारी

एन आई आर डी एवं पी आर - पूर्वीक्षेत्रीय केन्द्र पटना, बिहार

डॉ. आर.एम. पंत, निदेशक, प्रभारी

एन आई आर डी एवं पी आर जयपुर केन्द्र राजस्थान

श्री विजय कुमार चौधरी , विशेष कार्य अधिकारी
डॉ. हरीश कुमार सोलंकी, सहायक प्रोफेसर

स्टाफः स्टाफ का श्रेणी-वार विवरण (एन आई आर डी एवं पी आर -एन ई आर सी, गुवाहाटी सहित) इस प्रकार है :

शैक्षणिक स्टाफ

1	2	3	4	5	6	7
श्रेणी	**अ.जा.**	**अ.ज.जा**	**अन्य**	**कुल**	**पूर्व सैनिक, पुरुष**	**कॉलम 5 को छोडकर महिलाएं**
ग्रूप - क	08	02	37	47	--	13
ग्रूप - ख	-	-	08	08	--	--
कुल	**08**	**2**	**45**	**55**	**--**	**13**

गैर-शैक्षणिक स्टाफ

1	2	3	4	5	6	7
श्रेणी	**अ.जा.**	**अ.ज.जा**	**अन्य**	**कुल**	**पूर्व सैनिक**	**कॉलम पाँच को छोडकर महिलाएं**
ग्रूप - क	01	-	03	04	--	02
ग्रूप - ख	10	01	21	32	--	11
ग्रूप - ग	18	04	100	122	04	27
ग्रूप - डी (पुनवर्गीकृत)	44	09	45	98	01	15
कुल	**73**	**14**	**169**	**256**	**05**	**55**

सामान्य प्रशासन

संस्थान के महानिदेशक ही प्रमुख कार्यपालक अधिकारी है जो संस्थान के प्रशासन के लिए उत्तरदायी है तथा कार्यकारी परिषद् के मार्गदर्शन और अनुदेशों के अंतर्गत अपने अधिकारों का प्रयोग करते है ।

संस्थान के प्रशासन में मुख्यत: समन्वयन, सांविधिक बैठकों का आयोजन, स्थापना एवं कार्मिक प्रबंध, सुरक्षा, कैम्पस समर्थन सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं और कर्मचारियों का कल्याण आदि शामिल है ।

सांविधिक बैठकें

वर्ष 2013-14 के दौरान निम्नलिखित सांविधिक बैठके आयोजित की गई :

बैठक	दिनांक	स्थान
113 वीं कार्यकारी परिषद	09-07-2014	ग्रा.वि. मं. कृषि भवन, नई दिल्ली
114 वीं कार्यकारी परिषद	23-12-2014	ग्रा.वि. मं. कृषि भवन, नई दिल्ली
115 वीं कार्यकारी परिषद	17-02-2015	ग्रा.वि. मं. कृषि भवन, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

10 मार्च, 2015 को एन आई आर डी एवं पी आर में उन ग्रामीण महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आमंत्रित किया गया जिन्होने ऊंचाईयों को छुआ है । डॉ. एम. लक्ष्मीकान्तम, निदेशक, सी एस आई आर भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान सुश्री गीता वर्दन, निदेशक, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, (आई एस आर ओ) उच्च डाटा अनुसंधान, ग्रामीण स्वयं रोजगार शिक्षण संस्थानों (आरसेटी) में प्रशिक्षित 6 महिला उद्यमी, समुदाय स्रोत व्यक्ति एवं मछुआरिनों ने अपने अनुभवो को शेयर किया ।

डॉ. एम. लक्ष्मी कान्तम ने अपना परिचय देते हुए उच्च वैज्ञानिक बनने की अपनी कहानी बताई । उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए निर्णायक, नित्य प्रयास एवं कठोर परिश्रम करना पडता है । डॉ. गीता वर्दन ने अपने अनुभवों को प्रकट करते हुए कहा कि उनके संस्थान में लिंग भेद नहीं है एवं वे अपनी सफलता के लिए अपने कठोर परिश्रम को श्रेय देती है । एन आई आर डी एवं पी आर के महानिदेशक, डॉ. एम.वी. राव ने स्वागत भाषण में सुश्री लक्ष्मी कान्तम, सुश्री गीता वर्दन दोनों वैज्ञानिको के कार्यो की सराहना की और महिलाओं की सफलता की कहानियों पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आप, सभी महिलाओं के लिए आदर्श हो । आन्ध्र प्रदेश के राजमंड्री जिला दौलेश्वरम की सफल उद्यमी सुश्री एन. अन्नपुर्नेश्वरी ने अपनी सफलता

के अनुभवों को उजागर करते हुए कहा कि ड्रेस डिजाईनिंग एवं फैशन प्रौद्योगिकी में महिला प्रशिक्षओं को प्रशिक्षण दे रही है एवं बहुत सी महिलाओं को गार्मेट इकाई में रोजगार उपलब्ध करा रही है । इनके अलावा सुश्री चिंतला वरलक्ष्मी, संगारेड्डी मंडल, सुश्री टी. उमा देवी निजामाबाद, तेलंगाना राज्य के मेदक जिला, जिला सामख्या के सुश्री मुताबाई, अहमदाबाद, धंधुका के सुश्री आर श्रीमल सोनल एवं सुश्री एम.एस. पार्वतम्मा, उडीसा, गोपालपुर मछुआरिन है । इन महिलाओं की सफल कहानियों ने सभी को प्रभावित किया। एन आई आर डी एवं पी आर के महानिदेशक, डॉ. एम.वी. राव, एवं सुश्री पदमश्री, अध्यक्ष हरिता महिला मंडली ने अतिथियों का स्वागत किया । एन आई आर डी एवं पी आर के संकाय एवं स्टाफ, हरित महिला मंडल के सदस्यों एवं एन एफ डी बी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया । एन एन आर डी एवं पी आर के डॉ. एस. सिंघल, डॉ. लखन सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष एवं सहायक प्रोफेसर, महिला विकास एवं जेंडर अध्ययन केन्द्र एवं सी पी एम ई की डॉ. अरुणा जयामणी, सहायक प्रोफेसर ने कार्यक्रम में सहयोग किया ।

डॉ. एम वी राव, महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाषण देते हुए

आधारभूत संरचना

संस्थान 174.21 एकड के क्षेत्र में फैला हुआ है । सुविधाओं में संकाय भवन, प्रशासनिक भवन, सुसज्जित पुस्तकालय, 152 कमरे वाले तीन वातानुकूलित अतिथि गृह, सुसज्जित छात्रावास, 11 सम्मेलन कक्ष के साथ आधुनिक दृश्य - श्रव्य उपकरण, 300लोगों के बैठने की क्षमता वाला प्रेक्षागृह, समुदाय भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, स्पोर्टस कॉमप्लेक्स, 219 आवासीय क्वाटर्स, स्टाफ कैंटीन, शिशु सदन, महिला मंडली, युवा क्लब, योगा एवं व्यायामशाला की सुविधाएँ हैं। अत्याधुनिक सुविधा वाले एक नये सम्मेलन कक्ष का निर्माण कार्य भी आरंभ किया गया है ।

आई टी आधारभूत संरचना

संस्थान आई टी आधारभूत संरचना से सुसज्जित है जिसमें उपयोगकर्ताओं द्वारा सूचना ऑनलाईन सुविधा सहित 400 से अधिक कंप्यूटरों को लैन से जोड़ा गया है । वे फाईबर ऑप्टिक बैकबोन एवं वाईफाई के अंतर्गत संरचनात्मक केबलिंग के द्वारा लगभग 800 नोड्स का नेटवर्क किया गया है । जो डेडिकेटेड सर्वरों एवं स्वीचों से जुड़े हुए हैं।

कंप्यूटर लैब

संस्थान में सुसज्जित कंप्यूटर लैब है जिसमें नवीनतम कनफिगुरेशन के साथ 35 कंप्यूटर्स उपलब्ध है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों से प्रशिक्षणार्थियों को तत्काल अनुदेश देने हेतु इसका उपयोग किया जाता है । प्रशिक्षार्थी को सत्र के समय एक विशेष प्रकार के सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध रहती है ।

कर्मचारी कल्याण

संस्थान ने पूर्व की भांति कल्याण क्रियाकलाप के भाग के रुप में कैम्पस में भारतीय विद्या भवन को अपनी सहायता का समर्थन जारी रखा है । आलोच्य वर्ष के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर कर्मचारियों के अधिकांश बच्चो ने स्कूली सुविधाओं का उपयोग किया । संस्थान, स्कूल के आधारभूत संरचना के सुधार एवं विस्तार के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान कर रहा है ।

संस्थान हितकारी निधि से अनुदान को मंजूरी द्वारा कल्याण क्रियाकलापों में स्वैच्छिक प्रयासो को बढावा देता रहा है । उसी प्रकार से संस्थान के स्टॉफ सदस्यों के लाभ हेतु कैम्पस में एन आई आर डी एवं पी आर शिशु सदन को संचालित करने हेतु समर्थन प्रदान कर रहा है । वर्ष के दौरान कल्याण कार्यो के लिए स्वीकृत अनुदानो की विस्तृत जानकारी निम्न प्रकार है :

क्र.सं.	के लिए निधि पोषण	राशि
1	एन आई आर डी एवं पी आर , खेलकूद एवं मनोरंजन क्लब	67,709.00
2.	एन आई आर डी एवं पी आर, शिशुसदन	48,600.00
3.	एन आई आर डी एवं पी आर, स्टाफ कैंटीन	1,50,000.00
4.	एन आई आर डी एवं पी आर, महिला मंडली	----------
5.	एन आई आर डी एवं पी आर बी वी बी वी स्कूल	12,32,745.00
5.	कैम्पस बच्चों एवं प्रतिभागियों के लिए कराटे कोच	61,100.00
6.	मृत स्टॉफ के असंतुष्ट परिवारो को सहायता	25,000.00
	कुल	**15,85,154.00**

ग्रूप ' सी ' एवं 'डी' कर्मचारी को कई अन्य लाभ भी दिए गए है जैसे - स्टॉफ के बच्चों के विवाह हेतु पुनर्देय ऋण, बच्चों के लिए उच्च शिक्षा हेतु संस्थान की हितकारी निधि से कम ब्याज पर ऋण । एन आई आर डी एवं पी आर कैन्टीन का प्रबंधन स्व-सहायता समूह को सौंपा गया है।

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग - 2014 -15

संस्थान द्वारा भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु समय -समय पर दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार संपूर्ण कार्यान्वयन हेतु कदम उठाए गए । राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किये गये व्यार्थ उल्लेखनीय है । वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए किये गये कार्यो का विववरण निम्नलिखित है :

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

वर्ष 2014-15 की वार्षिक कार्य योजना के निदेशानुसार संस्थान ने एन आई आर डी एवं पी आर स्टॉफ एवं अधिकारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला आयोजित की । 12 सितम्बर, 2014 को प्रतिभागियों को ''यूनिकोड'' सॉफ्टवेयर के उपयोग के विषय पर प्रशिक्षित किया गया ।

हिन्दी पखवाड़ा / हिन्दी दिवस का आयोजन

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 10 सितम्बर से 26 सितम्बर, 2014 तक मनाया गया । पखवाड़े के अंतिम दिन 26 सितम्बर, 2014 को डॉ. एम.वी. राव, महानिदेशक की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस आयोजित किया गया । उन्होंने हिन्दी दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी और हिन्दी प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए ।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान निम्नलिखित हिन्दी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई :

1. सुलेख प्रतियोगिता (ग्रूप सी - एम टी एस कर्मचारियों के लिए)
2. हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
3. हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता (पी जी डिप्लोमा छात्रो के लिए)
4. हिन्दी प्रश्न मंच प्रतियोगिता
5. हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता
6. हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता (पी जी डिप्लोमा छात्रों में लिए)
7. प्रतिदिन हिन्दी शब्द सीखिए प्रतियोगिता

इसके अलावा एन आई आर डी एवं पी आर के परिसर में स्थित भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम विद्यालय में निबंध, कविता पठन एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । श्रीमती पद्मश्री राव, अध्यक्ष, एन आई आर डी एवं पी आर महिला मंडल एवं बी वी बी वी स्कूल के प्राचार्य द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। उपरोक्त सभी प्रतियोगितायें हिन्दी और अहिन्दी भाषियों के लिए आयोजित की गई ।

इस अवसर पर डॉ. एम वी राव, महानिदेशक ने महिला राजनीति नेतृत्व एवं लिंग जेंडर सेसिटिव गवर्नेस के प्रशिक्षण के मापदंड के बारे में, महिला सशक्तिकरण एवं लिंग अध्ययन केन्द्र के माड्यूल का विमोचन किया ।

भारत के राजपत्र में अधिसूचना

कार्यरत कर्मचारियों में 80% सदस्यों को हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है । इसीलिए राजभाषा नियम 1976 के 10 (4) के अनुसरण एन आई आर डी एवं पी आर भारत के राजपत्र में अधिसूचित है ।

सभी कंप्यूटरों में द्विभाषी की सुविधा

सभी 415 कंप्यूटरों को द्विभाषी बनाया गया । यूनिकोड एवं ए पी एस सॉफ्टवेयर को लोड किया गया ।

संस्थान के हिन्दी प्रकाशन :

संस्थान ने 2014-15 के दौरान निम्नलिखित प्रकाशनों को निकाला गया :

1. एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र (संख्या 12)
2. वार्षिक रिपोर्ट - 2013 - 2014
3. वार्षिक लेखा - 2013 - 14
4. ग्रामीण विकास समीक्षा (द्विवार्षिक) (1) जनवरी - जून, 2014 (2) जुलाई - दिसम्बर, 2014
5. एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण कैलेण्डर - 2014 -15
6. आरसेटी समाचार पत्र - 4 द्विभाषी संख्या (दी एंटरप्राइजेस)

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अनुपालन में सभी नामपट्ट , सूचनापट्ट एवं संकेत पट्ट एवं संस्थान के नाम संकाय, सरकारी अनुभागों इत्यादि के नाम को द्विभाषी (हिन्दी +अंग्रेजी) में तैयार किया गया है । सभी सरकारी दस्तावेज एवं रपोर्ट, राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रुप में तैयार की गई एवं संदर्भ हेतु जारी की गई । आलोच्य वर्ष के दौरान लगभग 1400 पृष्ठों का हिन्दी अनुवाद संपूरित किया गया ।

तिमाही प्रगति रिपोर्ट

दि. 31-06-2014, 30.09.2014, 31.12.2014 एवं 31.03.2015 की अवधि के लिए समाप्त तिमाही प्रगति को विधिवत रुप से भरकर ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली एवं क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बैंगलोर को भेजा गया ।

वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट

2014-15 की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट को विधिवत रुप से भर कर ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली एवं राजभाषा विभाग, नई दिल्ली को प्रेषित किया गया।

प्रतिदिन एक हिन्दी शब्द सीखिए योजना

संस्थान के अधिकारियों / कर्मचारियों में हिन्दी के कार्यसाधक ज्ञान को बढ़ाने हेतु संस्थान में " प्रतिदिन एक हिन्दी शब्द सीखिए " योजना को कार्यान्वित किया जा रहा है । उसी प्रकार संस्थान के अधिकारियो/कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति रुचि जागृत करने हेतु हिन्दी उद्धरणों को भी प्रदर्शित किया जा रहा है ।

संकाय विकास

संकाय विकास एवं समृद्धि प्रक्रिया के भाग के रुप में भारत और विदेशों में संस्थान के संकाय और गैर-संकाय सदस्यों को विभिन्न सेमिनारों , सम्मेलनों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियमित आधार पर प्रतिनियुक्ति किया जा रहा है । 2014 - 15 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में संकाय और गैर संकाय सदस्यों की सहभागिता इस प्रकार है :

अंतरराष्ट्रीय (शैक्षणिक) :

क्र.सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार / सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम के नाम
1	डॉ. एम. सारुमति, एसोसिएट प्रोफेसर (सी एच आर डी)	19-30 जून, 2014 को इजराईल के गलिली अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान (जी आई एम आई) में समसामयिक लोक प्रशासन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी संगोष्ठी ।
2	डॉ. पी. शिवराम, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सी आर आई)	22-24 अगस्त, 2014 को श्रीलंका के केनेडी मे समुदाय एवं जल सेवाओं पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।
3	.डॉ. शंकर चटर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर (सी पी एम ई)	26-28 अगस्त, 2014 को जोहोर बहरु, जोहोर दारुल ताजिम, मलेशिया की यूनिवर्सिटी टेक्नॉलोजी में पांचवा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं ग्रामीण अनुसंधान एवं योजना समूह का क्षेत्रीय अध्ययन ।

(Contd...)

क्र.सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार / सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम के नाम
4	डॉ . ए. देबप्रिय एसोसिएट प्रोफेसर (सी पी जी एस)	21 सितम्बर से 3 अक्तूबर, 2014 तक मलेशिया के कोलालम्पुर में मलेशियन तकनीकी सहकारिता कार्यक्रम, एम टी सी पी के अधीन ग्रामीण रुपांतरण कार्यक्रम (एम टी सी पी)मलेशियन अनुभव पर अध्ययन ।
5	डॉ. के. सुमनचन्द्र प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सी ए एस एवं डी एम)	24 से 28 नवम्बर, 2014 तक इंडोनेशिया के सोलो समुदाय विकास के लिए रुपांतरित उर्जा एवं बायों गैस ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम ।
6	डॉ. बी.के. स्वैन प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सी आर सी डीबी)	8 से 11 दिसम्बर, 2014 तक श्रीलंका के पोलगोला में व्यवसाय में सहयोग पर परिचयात्मक दौरा
7	डॉ. ई.वी. प्रकाश राव एसोसिएट प्रोफेसर (सी ए एस एवं डी एम)	8 से 11 दिसम्बर, 2014 तक श्रीलंका के पोलगोला में व्यवसाय में सहयोग पर परिचयात्मक दौरा
8	डॉ. राजकुमार पम्पी सहायक प्रोफेसर (सी एस ई आर ई)	22 फरवरी से 5 मार्च, 2015 तक बी आई आर डी, कोमिल्ला बंगलादेश में न्यूनतम ऋण अनुदान वितरण प्रणाली कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम
9.	डॉ. रत्ना भूइयां सहायक प्रोफेसर (एन ई आर सी)	22 फरवरी से 5 मार्च, 2015 तक बी आई आर डी, कोमिल्ला, बंगलादेश में न्यूनतम ऋण अनुदान वितरण प्रणाली कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम
10.	डॉ. ई.वी. प्रकाश राव एसोसिएट प्रोफेसर (सी ए एस एवं डी एम)	7 से 16 मार्च, 2015 नेदरलैण्ड के उच्च कृषि, फलो की खेती, कृषि विधि दुग्धशाला एवं फिलान्थ्रोपिक नीति पर प्रशिक्षण एवं पर परिचयात्मक दौरा

(*जारी ....*)

क्र.सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार / सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम के नाम
11	डॉ. सुमन चन्द्रा प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सी ए एस एवं डी एम)	7 से 16 मार्च, 2015 नेदरलैण्ड के उच्च कृषि, फलो की खेती, कृषि विधि दुग्धशाला एवं फिलान्थ्रोपिक नीति पर प्रशिक्षण एवं सह परिचयात्मक दौरा
12	डॉ. जी. वैलेन्टिना सहायक प्रोफेसर (सी ए एस एवं डी एम)	7 से 16 मार्च, 2015 नेदरलैण्ड के उच्च कृषि, फलो की खेती, कृषि विधि दुग्धशाला एवं फिलान्थ्रोपिक नीति पर प्रशिक्षण एवं सह-परिचयात्मक दौरा
13	डॉ. सिद्दय्या एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष प्रभारी (सी डब्ल्यू एल आर)	8 से 12 फरवरी, 2015 तक बंगलादेश के ढाका के सी आई सी टी ए बी द्वारा कृषि वित्तीय एवं ग्रामीण विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय (शैक्षणिक)

क्र.सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार / सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम के नाम
1	डॉ. लखन सिंह, सहायक प्रोफेसर (सी डब्ल्यू डी एवं पी एस)	17 से 22 अगस्त, 2014 तक हैदराबाद युनिवर्सिटी में 12 वें महिला दिवस के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय अंतर अनुशासनिक महिला सम्मेलन
2	डॉ. टी. विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर (सी ई एस डी)	16 से 20 फरवरी, 2015 तक जामिया मिलिया इस्लामिया "नई दिल्ली में" विश्व लोक स्वास्थ्य एवं आधारभूत संरचना : चुनौतियां एवं भावी दिशायें पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं समर स्कूल

राष्ट्रीय (गैर-शैक्षणिक)

क्र.सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार / सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम के नाम
1	डॉ. (श्रीमती)सारा मैथ्यू, महिला चिकित्सा अधिकारी	21 से 23 नवम्बर, 2014 तक वाइटफिल्ड बेंगलोर के के टी पी ओ ट्रेड सेन्टर में भारतीय समाज मधुमेह के अनुसंधान पर 42 वाँ वार्षिक सम्मेलन

संकाय प्रकाशन

संकाय सदस्यों के प्रपत्र और प्रकाशनों के विवरण निम्नलिखित है:-

भूमि संबंधी-अध्ययन और आपदा न्यूनीकरण केन्द्र

डॉ. के. सुमन चन्द्रा

- दलित सीमान्तीकरण का सामना करने के लिए रणनीतियां हैदराबाद,2014 (आई एस बी एन : 978-93-84503-06-01)
- कृषि जोखिम प्रबंध, हैदराबाद, बी एस प्रकाशन, 2014

डॉ. ई. वी. प्रकाश राव

- दलित सीमान्तीकरण का सामना करने के लिए रणनीतियां हैदराबाद,2014 (आई एस बी एन : 978-93-84503-00-0)

समता एवं सामाजिक विकास केन्द्र

डॉ. आर.आर. प्रसाद

- समुदाय संग्रहण : पद्धतियां एवं मॉडल्स, नई दिल्ली डिस्कवरी पब्लिशिंग हाऊस, 2015
- स्थानिक संकेन्द्रित निर्धनता के लिए स्थान आधारित एवं स्थान लक्षित हस्तक्षेप दी इंडियन इकोनॉमिक्स, 12 जुलाई, 2014
- लघु वन उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) को फिक्स करने मे क्रियाविधि पर समस्याएँ (एम एफ पी) दी इंडियन इकोनोमिस्ट, जुलाई 23, 2014
- ग्रामीण क्षेत्रों को पुन: परिभाषित करना, गोवेर्नेन्स नाऊ 1-51 अगस्त, 2014
- आदर्श गांव का स्वरुप, दी इंडियन इकोनॉमिक्स, 31 अगस्त, 2014
- ग्रामीण विकास यदि जन संबंधित हो तो : समुदाय उन्मुख विकास के लिए स्थानीय लोगों का सशक्तिकरण, गोवेर्नेन्स नाऊ 1-15 सितम्बर, 2014

डॉ. टी.विजय कुमार

- ग्रामीण सेकेडरी स्कूलों में एच आई वी/ एड्स शैक्षणिक हस्तक्षेप की प्रभाविता टी. विजयकुमार एंड डॉ. ए. वनजा इन लॉइफ स्किलस एजुकेशन : स्किल डेवलेपमेंट एंड कम्पीटंसी बिल्डिंग ऑफ यूथ थ्रू लाईफ स्किलस एज कटिंग एज टूल; एक्सल इंडिया पब्लिशर 2015, पृ.सं. 81-87 (आई एस बी एन : 978-93-84869-19-9)

- स्कूल किशोरो में एच आई वी / एड्स निवारण के लिए जीवन कौशल-टी.विजयकुमार,वनजा एंड सोनल मोबार इन लाईफ स्किलस एजुकेशन : स्किल डेवलेपमेंट एण्ड कम्पीटंसी बिल्डिंग ऑफ यूथ थ्रू लाईफ स्किलस एज ए कटिंग एज टूल. एक्सल इंडिया पब्लिशर्स 2015, पृ.सं. 115122 (आई एस बी एन : 978-93-84869-19-9)

ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र

डॉ. वी. माधव राव

- कृषि क्रियाकलाप : करंजा जलागम के साथ-साथ भू-गर्भजल की गुणवत्ता का प्रभाव, तेलंगाना स्टेट, इंडिया 2015, पृ 106 (आई एस बी एन : 978-81-909728-9-5)
- भू-संसूचना आधारित ग्राम सूचना व्यवस्था-ए केस स्टडी ऑफ रालेगांव सिद्धी,अहमदनगर जिला, महाराष्ट्र-पी. केशव राव, वी. माधव राव एंड रवि शंकर, 2015 पी-224(आई एस बी एन : 978-81-9097 28-9-5)
- ग्रामीण ग्राम स्तरीय योजना में भू-संसूचना की भूमिका-वी. माधव राव, डी. एस. आर. मूर्ति एंड टी. फनिंद्र कुमार, 2015, पी -239 (आई एस बी एन, 978-81,28-9-5)
- ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में शहरी स्थल का स्थानिक-टेम्पेरल विश्लेषण एवं भू-संसूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए ग्रामीण-शहरी फ्रिंज क्षेत्रों पर प्रभाव टैक्नोलॉजी, वी माधव राव, टी फनीन्द्र कुमार एंड के. वाई. किशोर, 2015, पृ-287 (आई एस बी एन 978-81-909726-9-5)
- भूमि उपयोग एवं भूमि कवर मे प्रभाव एवं टेम्पोरल बदलाव के अध्ययन हेतु भू-संसूचना- मंडल जलागम, विलवाडा जिला, राजस्थान का मामला अध्ययन, गोगीनेनी अन्नपूर्णा, टी. फनिन्द्र कुमार एंड वी. माधव राव, 2015, पृ- 411 (आई एस बी एन: 978-81-909728-9-5)
- भू-संसूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए काकिनाडा तट पर मानवनिर्मित पर्यावरण व्यवस्था मे टेम्पोरल बदलाव का अनुश्रवण, टैकनोलॉजी, टी. फनीन्द्र कुमार, वी. माधव राव एंड पी. रमेश, 2015, पृ.483,(आई एस बी एन : 978-81-909728-9-5)
- ग्रामीण ऊर्जा संतुलन का भू-स्थानिक विश्लेषण : कोल्लापरु गांव का एक मामला अध्ययन , इंडिया, वी. माधव राव, एन. भास्कर राव, आर. आर. हर्मन एंड आरिफ अहमद काजी, 2015, पृ-511, (आई एस बी एन : 978-81-909728-9-5)
- मल्टी टेम्पोरल रिमोट सेन्सिंग डाटा का उपयोग करते हुए प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन- टी. फनीन्द्र कुमार, पी. केशव राव एंड वी. माधव राव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च वोल्यूम 3 सं 1,2014

पी. केशव राव

- क्रॉ डोमिनेंस मैपिंग विथ आई आर एस- पी6 एंड मॉडिस 250-एम टाइम सिरीज डाटा, इंटरनेशलन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चार (एम डी पी आई, बैसेल, स्वीटजरलैंड) आई एस एस एन 2077-0472 पृ सं. 113-131
- भू संसूचना आधारित ग्राम सूचना प्रणाली : रालेगांव सिद्धी, अहमदनगर, जिला महाराष्ट्र का मामला अध्ययन, पी. केशव राव , वी. माधव राव एंड रवि शंकर, 2015 पृ 224 (आई एस बी एन 978-81-9007 28-9-5)

- मल्टी टैम्पोरल रिमोट सेंसिंग डाटा- टी. फनीन्द्र कुमार, पी. केशव राव एंड वी. माधव राव, इंटरनेशलन जर्नल ऑफ रिसर्च । खंड-3 सं 1,2014

टी.फनिन्द्र कुमार

- ग्रामीण ग्राम स्तरीय योजना में भू-संसूचना की भूमिका- वी. माधव राव, डी. एस. आर. मूर्ति तथा टी. फनीन्द्र कुमार, 2015, पृ-239 (आई एस बी एन : 978-81-9097 28-9-5) ।
- ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में शहरी स्थल का स्थानिक-टेम्पेरल विश्लेषण एवं भू-संसूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए ग्रामीण-शहरी फ्रिंज क्षेत्रों पर प्रभाव टैक्नोलॉजी, वी. माधव राव, टी. फनीन्द्र कुमार तथा के. वाई. किशोर, 2015 पृ-287-(आई एस बी एन: 978-81-9097 28-9-5) ।
- भूमि उपयोग में भूमि कवर ए केस स्टडी ऑफ मंडल वाटरशेड, भीलवाडा डिस्ट्रीक्ट राजस्थान, गोगीनेनी अन्नपूर्णा , टी.फनीन्द्र कुमार एंड वी. माधव राव, 2015 पृ-411-(आई एस बी एन : 978-81-9097 28-9-5)।
- मानव निर्मित इकोसिस्टम, काकीनाडा कोस्ट यूजिंग जिओइन्फारमैटिक्स टेकनोलॉजी- टी. फनीन्द्र कुमार, वी. माधव राव एंड पी. रमेश , प्रकाशन का स्थान, प्रकाशक, 2015 पृ-483-(आई एस बी एन : 978-81-9097 28-9-5) ।
- ग्रामीण उर्जा संतुलन के भू-स्थानिक विश्लेशण कोल्लापरु : ए केस स्टडी ऑफ कोलापरु विलेज, अकीविडू मंडल ऑफ वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश स्टेट, इंडिया- वी. माधव राव, एन. भास्कर राव आर. आर. हर्मन एंड आरिफ मोहम्मद काजी, प्रकाशन का स्थान, प्रकाशक 2015 पृ-511 (आई एस बी एन : 978-81-9097 28-9-5) ।
- मल्टी टेम्पोरल रिमोट सेन्सिंग डाटा का उपयोग करते हुए प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन- टी फनीन्द्र कुमार, पी केशव राव तथा वी माधव राव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, खंड-3 सं 1,2014

डी. एस. आर. मूर्ति

- ग्रामीण ग्राम स्तरीय योजना में भू-संसूचना की भूमिका- वी माधव राव, डी. एस. आर. मूर्ति एवं टी. फनीन्द्र कुमार, 2015 पृ-239 (आई एस बी एन : 978-81-9097 28-9-5)

मानव संसाधन विकास केन्द्र

डॉ. ज्ञानमुद्रा

- ग्रामीण विकास विशेषज्ञों, हैदराबाद के लिए अनुसंधान पद्धतियां, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान मार्च,2015 (आई एस बी एन : 978-93-84503-1) डॉ. ज्ञानमुद्रा ।
- कार्य अनुसंधान : आन्ध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में आजीविका बढ़ाने हेतु एस एच जी आंदोलन को बढ़ाना, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान,हैदराबाद, डॉ.ज्ञानमुद्रा डॉ.सारुमति एवं डॉ. आर.पी. आचारी (आई एस बी एन : 978-93-84503-01-7) ।
- शिक्षा का अधिकार : चुनौतियां एवं रणनीतियां, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद, 2014 डॉ. सारुमति एवं डॉ ज्ञानमुद्रा, नवंबर, 2014,(आईएसबीएन : 978-81-85542-99-7)।

डॉ. एम. सारुमति

- कार्य अनुसंधान :आन्ध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में आजीविका को बढाने हेतु एस एच जी आंदोलन को बढाना, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, 2015- डॉ. ज्ञानमुद्रा, डॉ. सारुमति एवं डॉ. आर. पी. आचारी,(आई एस बी एन : 978-93-84503-01-7) ।
- शिक्षा का अधिकार : चुनौतियां और रणनीतियां राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद, 2014, डॉ. सारुमति एवं डॉ. ज्ञानमुद्रा , नवंबर, 2014 (97-81-855-42-99-7)

डॉ. आर. पी. आचारी

- आन्ध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में आजीविका को बढाने हेतु एस एच जी आंदोलन को बढावा, राष्ट्रीस ग्रारमीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान , हैदराबाद, 2014 - डॉ. ज्ञानमुद्रा, डॉ. सारुमति एवं डॉ. आर.पी. आचारी (978-93-85542-99-7) ।

पंचायती राज केन्द्र

डॉ. के जयलक्ष्मी

- पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (बी आर जी एफ) : पुनावलोकन किला- जर्नल ऑफ लोकल गर्वेनेन्स खंड : 2 सं. 1,2014

डॉ. वाई भास्कर राव

- विकेन्द्रीकृत ढ़ांचे के अंतर्गत निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा प्रभावी प्रबंध के लिए ग्रामीण स्थानीय शासन में सशक्तिकरण एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया, जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी एड्युकेशनल रिसर्च, खंड 3, अप्रैल, 2014, पृ.सं. 1-29
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम के साथ ग्रामीण विकास का अभिसरण : पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका, जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी एड्यूकेशन रिसर्च, खंड 3 जुलाई, 2014 पृ. सं. 23-26

डॉ. अजीत कुमार

- विदर्भ की अर्थव्यवस्था के लिए नीति पैनी दृष्टि, एकनॉमिक एंड पोलिटिकल वीकली, खंड, एल सं. 6, फरवरी 7, 2015 प-.सं. 73-74

डॉ. प्रत्युस्ना पटनायक

- संस्थागत बहिगर्मन एवं आदिवासी स्वार्थ : भारत में विकास पर संघर्ष के संदर्भ में विकेन्द्रीकृत शासन, जर्नल ऑफ डेवलपिंग सोसाईटीज खंड. 30 सं. 2, जून, 2014, पृ.सं. 115-143

योजना, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन केन्द्र

डॉ. शंकर चटर्जी

- उपद्रवी विश्व में ग्रामीण बदलाव का प्रबंधन : व्यवहार्य एवं सततयोग्य ग्रामीण सोसाईटी की दिशा में अनुसंधान को मलेशिया में आयोजित 5 वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन एवं क्षेत्र अध्ययन में दि. 26-28 अगस्त, 2014 को पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. आर चिन्नादुरै

- ग्रामीण क्षेत्रों में अति गरीब लोगों की खाद्य सुरक्षा पर अंत्योदय अन्न योजना (ए ए वाई) का प्रभाव- महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं झारखंड का एक अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल सायंन्स- सितंबर, 2014

- एम जी एन आर ई जी के कार्य-निष्पादन पर सामाजिक लेखा परीक्षा का प्रभाव एवं लाभभोगियों के जागरुकता स्तर में सुधार करना- तमिलनाडु एवं कर्नाटक में एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ स्कॉलरली रिसर्च, खंड-III सं.IX सितम्बर, 2014
- सूक्ष्म ऋण सुपुर्दगी के लिए गरीबोन्मुख नीति : तमिलनाडु, कर्नाटक एवं ओडिशा से एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट का एक अध्ययन, खंड 2 सं. 3 सितम्बर- अक्तूबर, 2014
- ग्रामीण विकास की सहभागी योजना, कार्यन्वयन एवं अनुश्रवण पर पिछडा वर्ग कार्यो का प्रभाव-तमिलनाडु का एक मामला अध्ययन, रिसर्च एनालाईसिस फॉर ग्लोबल जर्नल, खंड 3 सं. 9, सितंबर,2014
- सर्वांगीण विकास को हासिल करने की दिशा में जन सहभागिता एवं प्रभावी नेतृत्व पद्धति- तमिलनाडु में ओडन्तुराई ग्राम पंचायत का एक मामला, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साईटिफिक रिसर्च सितंबर, 2014
- स्थानीय संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु प्रभावी अगला और पिछला संयोजन एवं सततयोग्य आजीविकाओं का सृजन : चल्लमपत्ती खंड, तमिलनाडु, इंडिया में एक मामला, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च खंड 4, सं. 8 सितंबर, 2014

ग्रामीण ऋण एवं विकास बैंकिंग केन्द्र :

डॉ. बी.के.स्वैन

- भारतीय अर्थव्यवस्था पर विभिन्न बैंकिंग का दीर्घावधि निहितार्थ पेपर को 20वें थिंकर्स एवं राईटर्स फोरम, स्कोच फाऊण्डेशन, में जून, 2014 प्रस्तुत किया ।
- होमस्टीड भूमि पर मार्केट गार्डेनिंग के द्वारा आजीविका कार्य, पेपर को नेशनल वर्कशॉप ऑफ सेंटर फॉर रुरल स्टडी, एल बी एस एन ए ए , मसूरी, जुलाई 2014 में प्रस्तुत किया ।
- ग्रामीण स्थानांतरण पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पेपर को इंटरनेशनल, सेमिनार ऑन माइग्रेशन एट सेंटर फॉर डेवलपमेंट, त्रिवेन्द्रम, सितंबर, 2014 में प्रस्तुत किया ।
- नो फ्रिल्स एकाउन्ट के द्वारा वित्तीय समावेशन : क्या सफल है ? पेपर को 21 वें थिंकर्स एवं राईटर्स फोरम, स्कोच फाऊण्डेशन में मार्च, 2014 में प्रस्तुत किया ।

ग्रामीण आधारभूत संरचना

डॉ. आर. रमेश

- अभिन्न ग्रामीण विकास ।
- विकास कैसे होता है ? सामाजिक रुपांतरण प्रयोग का अध्ययन-श्री अरविंद सोसाईटी, पांडिचेरी, जर्नल ऑफ डेवलपमेंट मैनेजमेंट एण्ड कम्युनिकेशन ।
- इथियोंपिया में मानव विकास के लिए क्या आर्थिक विकास ने योगदान दिया है ? जर्नल ऑफ एशियन एण्ड अफ्रीकन स्टडीज् ।

स्व-रोजगार एवं ग्रामीण उद्यम केन्द्र

डॉ. टी. जी. रामय्या

- पर्यावरण पर्यटन के द्वारा ग्रामीण सशक्तिकरण : सिक्किम में दरप गांव में एक मामला अध्ययन, साउथ एशियन जर्नल ऑफ सोशियो-पोलिटिकल स्टडीज्, खंड. XV सं. 2 जनवरी- जून, 2015

डॉ. एन. वी. माधुरी

- समुदाय आधारित संगठनों के द्वारा सततयोग्य कृषि : सी एम एस ए कार्य, जर्नल ऑफ कॉनटेम्पोररी इंडियन पॉलिटी एंड एकॉनोमी, 2014
- समुदाय प्रबंधित सततयोग्य कृषि : आन्ध्र प्रदेश में कार्य, इंटरनेशल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च, 2014
- स्वास्थ्य विकास के लिए साझेंदारी : चुनौतियां और कार्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साईन्स एण्ड इंटर डिसीप्लीनरी रिसर्च, 2014

जल एवं भूमि संसाधन केन्द्र

डॉ. सिद्धय्या

- ग्रीन हाऊज के लिए छत पर वर्षाजल संचयन प्रणाली की तकनो-आर्थिक व्यवहार्यता, 18-21 दिसम्बर, 2014, हैदराबाद
- नेक (एन ई के) क्षेत्र में कृषि विपणन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार तकनोलॉजी (ई सी टी) के उपयोग पर अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ एकनोमिक्स एंड डेवलपमेंट, खंड 3 सं. 2, फरवरी, 2015 पृ.सं. 155-160

डॉ. सी. एच. राधिका रानी

- भारतीय कृषि में उत्पादकर्ता संगठन : सेवाओं एवं मध्यस्थताओं के सुधार में उनकी भूमिका- राधिका रानी सी. एच. एवं अमरेन्दर रेड्डी ए, साउथ एशिया रिसर्च, खंड 34 सं. 3 नवंबर, 2014
- श्रमिक कमी एवं कृषि यांत्रिकीकरण : राज्यों के बीच तुलनात्मक अध्ययन- राधिका रानी सी.एच. एवं अन्य, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकलचरल एकनॉमिकस, खंड 69 सं. 3 जुलाई.सितंबर, 2014
- समग्र ग्रामीण विकास के लिए संस्थान और सहायता प्रणाली- राधिका रानी सीएच तथा अमरेन्दर रेड्डी ए, इन एग्रीकल्चर रिस्क मैनेजमैंट बॉय जे देवी प्रसाद, बी जंगय्या तथा के सुमन चन्द्रा, हैदराबाद सेन्टर फॉर गुड गर्वेनेंस, 2015

डॉ. यु. हेमन्त कुमार

- जलागम क्षेत्रों में संस्थाओं की प्रभाविता : राज्य स्तर नोडल एजेन्सी / एकीकृत जलागम प्रबंध कार्यक्रम में जलागम सेल-सह-डाटा केन्द्र का विश्लेषण, आई ए एस एस आई त्रैमासिक-कंट्रीब्यूशन टू इंडियन सोशल सायन्स, खंड 33 सं. 1 आई एस एस एन 0970-9061 पृ.सं. 73-108

डॉ. के. प्रभाकर

- कर्नाटक में प्रारंभिक शिक्षा का समग्र विकास-गुण-दोष एवं कर्नाटक में एस एस ए के लिए चिंता के क्षेत्र, जर्नल ऑफ गर्वेनेन्स एंड पब्लिक पॉलिसी, खंड-5, सं. 1जनवरी-जून, 2015 पृ.सं. 11-18

अध्याय 13

एन आई आर डी एवं पी आर का पुनर्गठन

ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के बेहतर कार्यान्वयन के लिए ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में पंचायती राज संस्थानों के चयनित प्रतिनिधि महत्वपूर्ण है । इस क्षेत्र की बढती चुनौतियों का सामना करने के लिए एक समिति के गठन का निर्णय लिया गया जिसका कार्य राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) के सुधार और पुर्नगठन के लिए उपाय सुझाना था, ये सभी राष्ट्र, राज्य और जिला स्तर पर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण से जुडे नोडल संस्थान है ।

1. डॉ. वाई के अलघ कमेटी का गठन

तदनुसार ग्रामीण विकास मंत्रालय ने अपने आदेश सं. एल-11019/2/2009-ट्रेनिंग दिनांक 30 मार्च, 2010 के अनुसरण में निम्नानुसार कमेटी का गठन किया :

1. डॉ. योगिन्दर के अलघ, अध्यक्ष, इरमा - अध्यक्ष	3. श्री ए.एन.पी. सिन्हा, सचिव, पंचायती राज मंत्रालय - सदस्य
2. श्री बी.के. सिंहा, सचिव, ग्रा.वि. विभाग - सदस्य	4. श्री मो.हलीम खान, महानिदेशक, कपार्ट - सदस्य

5. डॉ. अरविंद मायाराम,
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
ग्रा.वि. मंत्रालय - सदस्य

6. डॉ. एस. परशुरामन,
निदेशक टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साईसेंस, मुम्बई - सदस्य

7. श्री के.एन. जर्नादन,
रुडसेटी, उजरेई, मैसूर
(डीमेट का प्रतिनिधित्व) - सदस्य

8. डॉ. एम.एन. रॉय,
प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास विभाग,
पश्चिम बंगाल सरकार - सदस्य

9. श्री एस. एम. विजयानंद,
प्रमुख सचिव, स्थानीय स्व शासन
और ग्रामीण विकास,
केरल सरकार - सदस्य

10. श्री परमथेस अम्बास्ता,
समाज प्रगति सहयोग,
बागली तहसील,
दिवस जिला, मध्य प्रदेश - सदस्य

11. श्री आदित्य प्रकाश,
सलाहकार (सांख्यिकी)
ग्रामीण विकास मंत्रालय - सदस्य सचिव

समिति के कार्य निम्न रुप में इस प्रकार है :

i. ग्रा वि प्रशिक्षण संस्थानों अर्थात् राष्ट्रीय स्तर पर एन आई आर डी एवं पी आर राज्य स्तर पर एस आई आर डी तथा उप राज्य स्तर पर ई टी सी की वर्तमान क्षमता और सीमाओं का मूल्यांकन करना । इसके सुदृढीकरण के लिए उपाय सुझाना ;

ii. राज्य जिला और ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायती राज एवं ग्रा वि कार्यकर्ताओं तथा चयनित प्रतिभोगियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मूल्यांकन करना ;

iii. एन आई आर डी एवं पी आर की संरचना की जांच करना ताकि इसकी क्षमता और कार्य पद्धति को सुदृढ किया जा सके ।

iv. संकाय और अन्य स्टॉफ की नियुक्ति उनकी सेवा शर्ते आदि सहित एन आई आर डी एवं पी आर के कर्मचारी प्रबंध से संबंधित मुद्दो की जांच करना ;

v. एन आई आर डी एवं पी आर का अन्य संस्थान जैसे एस आई आर डी, ए टी आई, सी बी ओ, आई आई टी, आई आई एम, विश्वविद्यालय आदि के साथ संयोजन को सुदृढ करने के उपाय सुज्ञाना।

vi. प्रशिक्षण के तरीको से संबंधित सिफारिशे करना जिसमें शैक्षणिक पद्धति, ई लर्निंग, कौशल आधारित कार्यक्रम सैटकाम आरम्भ करना, ई पी आर आई के लिए , प्रशिक्षण दूरस्थ मोड डिप्लोमा, प्रमाणपत्र देना शामिल है ।

vii. ग्रा वि और पं रा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने, उप राज्य स्तर तथा निम्न स्तर पर ई जी आर आई के लिए आरसेटी की शिनाख्त करना ।

viii. विभिन्न स्तरो पर ग्रा वि मंत्रालय के फ्लैगशिप ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के अभिसरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रशिक्षण नीति का सुझाव देना।

समिति ने बैठके आयोजित की तथा एन आई आर डी एवं पी आर में विभाग के अध्यक्षों तथा अन्य संकाय तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियो से चर्चा की । भूतपूर्व महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर सहित विशेषज्ञों से भी चर्चा की गई ।

2. समिति की सिफारिशों का सार

1. हालांकि निर्धनता असमानता तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंध पर फोकस रखते हुए एन आई आर डी एवं पी आर के विजन के संबंध में शहरीकरण के विशेष संदर्भ में बदलता ग्रामीण परिवेश, रोजगार संरचना में परिवर्तन, कृषि में परिवर्तन आदि में सिफारिशें की गई । एस एच जी नेटवर्क तथा पी आर आई के गठन के बदलते संस्थागत संदर्भ और ग्रामीण क्षेत्रों में नई प्रौद्योगिकी के प्रवेश का प्रभाव, विजन पर होना चाहिए। इसके अलावा अधिकार आधारित कार्य को प्रचालनात्मक सिद्धांत पर होना चाहिए ।

2. एन आई आर डी एवं पी आर को क्षमता निर्माण, अनुसंधान, जानकारी सृजन और नीति निर्णयों पर संबद्ध संस्थानों के राष्ट्रीय नेटवर्क का हब होना चाहिए।

3. समिति ने एन आई आर डी एवं पी आर के प्रशिक्षण और अनुसंधान से संबंधित निम्नलिखित उद्देश्यों की सिफारिश की है ।

i. ज्ञान सम्बद्धता के लिए क्षेत्रीय मंचों के सेट की नेटवर्किंग करते हुए ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय ज्ञान सम्बद्धता हब के रुप में कार्य करना ।

ii. अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनी के द्वारा ग्रामीण विकास के लिए योजनाओं और नीतियों को सम्मिलित करने में मदद करना एवं कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए आर्थिक रणनीतियां एवं सामाजिक प्रौद्योगिकियो, भौतिक प्रौद्योगिकियों के पैकेजों का सृजन करना ।

iii. देश में ग्रामीण विकास के लिए टैकनो-प्रबंधकीय संवर्ग की आवश्यकताओं के विकास को सरलीकृत करना एवं नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों का सृजन करना। उसी प्रकार से प्रत्येक क्षेत्र के विकास के लिए उपयुक्त एच आर डी-पैकेज को सम्मिलित करना ।

iv. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप माड्यूल्स को तैयार करना विशेषकर पिछडा क्षेत्र के विकास अंतराल का विकास अर्थात यू जी सी आई सी ए आर, सी एस आई आर, उद्योग, इसरो, एन जी ओ एवं प्राईवेट संस्थाओं आदि विभिन्न स्टेकहोल्डरों के पास उपलब्ध संसाधनों को संग्रहित कर पिछडे क्षेत्र का विकास ।

v. अति पिछडे क्षेत्रों में विशेष फोकस देते हुए क्षेत्रीय विकास, उद्यमशीलता में नेतृत्व पद्धति को बढाते हुए विशेष संस्थागत संरचनाओं एवं स्कीमो के सृजन में सहायता करना ।

vi. वर्तमान में अपेक्षित आधारभूत संरचना एवं कौशल उपलब्ध न होने के कारण जहां संस्थागत

संयोजन नेटवर्क की व्यवहार्यता नही है वहां विशेष रुप से नये क्षेत्रीय विकास ज्ञान केन्द्रो की स्थापना करना ।

4. एन आई आर डी एवं पी आर को छह स्कूलो में पुनर्गठित किया जाएगा जिसमें कई केन्द्र होगे । प्रत्येक स्कूल के प्रमुख डीन होगे तथ प्रत्येक केन्द्र में एक अध्यक्ष होगा। दोनो ही पद दो वर्ष के लिए फिक्स किया जाएगा और यदि संभव हुआ तो एक और वर्ष के लिए बढाया जा सकता है । एक केन्द्र में कम से कम तीन संकाय सदस्य होगे जिसमें एक प्रोफेसर / एसोसिएट प्रोफेसर / सहायक प्रोफोसर होगे । इसके अतिरिक्त केन्द्र में अनुसंधान एसोसिएट्स / परामशर्दाता, आगन्तुक संकाय, इंटर्नस , शोधार्थी,पोस्ट डॉक्टरल अधिसदस्य भी होगे । प्रोफेसरो के मध्य वरिष्ठता के आधार पर अध्यक्ष पद चक्रावर्तन पर होगा। मुख्यत: केन्द्र मूल विषयों एवं अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में होंगे । यह भी सिफारिश की गई है कि स्कूलों और केन्द्रों की कार्यपद्धति को धीरे-धीरे आगे बढाया जाना जाएगा न कि ध्रुतगामी गति से ।इसके लिए मेटरिगं प्रक्रिया की आवश्यकता है । स्कूलो की व्यापक सूची नीचे दी गई है :

1. विकास अध्ययन एवं सामाजिक न्याय स्कूल
2. ग्रामीण प्रबंधन एवं आजीविका अध्ययन स्कूल
3. पब्लिक नीति एवं आवास अध्ययन स्कूल
4. ग्रामीण विकास में विश्व अध्ययन स्कूल
5. विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं सूचना अध्ययन स्कूल
6. मीडिया एवं सांस्कृतिक अध्ययन स्कूल

प्रत्येक स्कूल में समुचित केन्द्र होंगे जिसे स्टॉफ की उपलब्धता एवं उनके विशिष्टीकरण के आधार पर बनाए जाने की आवश्यकता है । प्रत्येक स्कूल में डीन, केन्द्र अध्यक्ष तथा महानिदेशक द्वारा मनोनीत तीन बाहरी विशेषज्ञों का समर्थन होगा । स्कूल बोर्ड की बैठक वर्ष में दो बार होगी जिसमें प्रशिक्षण कैलेण्डर एवं अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों का अनुमोदन होगा । सचिवीय एवं युक्तिसंगत समर्थन के लिए प्रत्येक स्कूल में पुनर्नियुक्ति समर्थन देते हुए एक सचिवालय होगा।

5. महापरिषद् को पुनर्गठित किए जाने की आवश्यकता हैं । कमेटी ने महापरिषद के गठन में बदलाव की सिफारिश की तथा उन प्रतिनिधियों की संख्या को बढाने का सुझाव दिया जो ग्रामीण विकास के क्षेत्र वाले संस्थान में कार्य कर रहे है तथा केन्द्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के प्रख्यात व्यक्ति है, जिन्होंने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

6. कमेटी ने एक कार्यकारी परिषद के गठन में भी बदलाव की सिफारिश की तथा कार्यकारी परिषद की संख्या को बढाने का भी सुझाव दिया और उन संस्थाओं और संगठनों को सूचित किया जहां से अतिरिक्त सदस्यों का प्रतिनिधित्व किया जा सकता है ।

7. कमेटी ने एक निदेश कमेटी की सिफारिश की जो कमेटी द्वारा संस्तुत परिवर्तन का अनुश्रवण करेगी ।

8. कमेटी ने तीन सदस्य वाली विवाद, निपटान उप समिति के साथ सुविधा कमेटी की सिफारिश की ।

9. सिफारिशों के विचारों को ध्यान में रखते हुए कमेटी ने नियमों एवं उप नियमों में संशोधन की सिफारिश की ।

3. सिफारिशों का प्रचालनीकरण : परिवर्तन प्रबंधन कमेटी का गठन (टी एम सी)

मंत्रालय ने राज्यों, एन आई आर डी एवं पी आर तथा एस आई आर डी के साथ परामर्श कर कमेटी के रिपोर्ट की जाँच की और उसे स्वीकृत किया । मंत्री महोदय (आर डी, पी आर एवं डी डब्ल्यू एस) के अनुमोदन के बाद रिपोर्ट पर निर्णय लिए गए । कमेटी ने यह भी निर्णय लिया कि परिवर्तन प्रबंधन कमेटी (टी एम सी) नामक एक कमेटी को गठित किया जाए जो भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन हेतु किए गए परिवर्तनों का अनुश्रवण करेगी । तद्नुसार 7 अगस्त, 2014 को टी एम सी का गठन किया गया जिनमें निम्नलिखित सदस्य होंगे है :

i) अपर सचिव (ग्रामीण विकास) - अध्यक्ष
ii) महानिदेशक (एन आई आर डी एवं पी आर) - सदस्य
iii) संयुक्त सचिव (एम ओ पी आर) आर जी पी एस ए के प्रभारी - सदस्य
iv) संयुक्त सचिव (ए एवं सी), डी ओ आर डी - सदस्य
v) एन आई आर डी एवं पी आर से दो वरिष्ठ संकाय सदस्य - सदस्य

अब तक कमेटी की तीन बैठके हुई जिसमें सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु मोडालिटिज पर चर्चा की गई । प्रचालनीकरण के भाग के रुप में एवं परिवर्तन प्रबंधन कमेटी (टी एम सी) के निर्णयों के अनुसार एन आई आर डी एवं पीआर के पुनर्गठन एवं सुधार की सिफारिशों पर मंत्रालय के निर्णयों पर आधारित उपयुक्त प्रस्तावों से निम्नलिखित कार्य समूहों को गठित किया है:

i) एन आई आर डी एवं पी आर स्वरुप का आलेखन
ii) ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट संस्थानों के साथ नेटवर्किंग विकसित करना
iii) प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए कार्य योजना तैयार करना
iv) विशिष्ट अधिदेश, संकाय की स्थिति एवं समर्थन स्टॉफ सहित स्कूलों एवं केन्द्रों का निर्माण करना
v) एन आई आर डी एवं पी आर की नियमावली और उप नियमों का संशोधन
vi) एस आई आर डी एवं ई टी सी का सुधार एवं एस एल ओ पद्धति का सुदृढीकरण

कार्य समूहों ने परिवर्तन प्रबंधन कमेटी को आलेख रिपोर्ट प्रस्तुत की । महापरिषद, कार्यकारी परिषद एवं एन आई आर डी एवं पी आर की शैक्षणिक परिषद के पुनर्गठन के संबंध में परिवर्तन प्रबंधन कमेटी ने निर्णय लिया कि एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा एम ओ आर डी के निर्णय के अनुसार प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जाएगा । तद्नसार 23-12-2014 को आयोजित 114 वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में उपरोक्त परिषद की पुनर्गठन की मंजूरी दी और उसके अनुमोदन हेतु कुछ सुझावों के साथ महापरिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा ।

अध्याय 14

वित्त और लेखा

संस्थान के वित्त और लेखा अनुभाग के अन्य कार्यों के साथ-साथ बजटिंग, विधि का आहरण, लेखाकरण, प्राप्ति एवं भुगतान वर्गीकरण करना है । वार्षिक लेखा तैयार और संकलित करना, प्रबंध द्वारा निर्णय लेने के लिए प्रशासन/प्रशिक्षण / परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर वित्तीय सलाह देने के अलावा मंत्रालय को परीक्षित लेखा प्रस्तुत करना है ।

- संस्थान ने योजना के अंतर्गत 2822.62 लाख रुपये और योजनेतर के तहत 1570.00 लाख रुपये की राशि प्राप्त की ।
- योजना (सामान्य) के अन्तर्गत व्यय 3598.68 लाख रुपये और योजनेतर के अन्तर्गत 2181.11 लाख रुपये था ।
- परामर्शी परियोजनाओं के तहत वर्ष के दौरान संस्थान को 124.52 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई।

क) सामान्य निधि : संस्थान पूर्ण रुप से भारत सरकार द्वारा निधि पोषित हैं जो संस्थान के कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदिन बजट के अनुसार योजना और योजनेतर के अन्तर्गत निधियों को जारी करता हैं । वर्ष के दौरान ग्रामीण विकास मंत्रालय ने अनुदान सहायता के रुप में योजना (सामान्य) के अन्तर्गत रु. 2822.62 लाख रुपये तथा अनुदान सहायता के रुप में योजनेतर के अन्तर्गत रु. 1570.00 लाख की राशि का आबंटन किया हैं । इसके अलावा संस्थान प्रकाशनों की बिक्री, पत्र-पत्रिकाओं का चंदा , स्टॉफ बस प्रभार , प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्राप्त शुल्क , पी.जी.डी.आर.डी एम., पी.डी.डी.एस.आर.डी. एवं पी.जी.डी.टी.डी.एम की कोर्स फीस , शुल्क निवेशों पर ब्याज,स्थल कार्यक्रम, विविध प्रक्रिया आदि से रु. 2921.85 लाख रुपये की राशि अर्जित की है । इन बजट आबंटन की तुलना में संस्थान ने योजना (सामान्य) के अन्तर्गत रु. 3598.68 लाख तथा योजनेतर के अन्तर्गत रु. 2181.11 लाख का व्यय किया है । योजना के अन्तर्गत व्यय में उपयोग की गई राशि संकाय वेतन, यात्रा भत्ता, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, संपर्क कार्यक्रम, कार्यानुसंधान सहित अनुसंधान अध्ययनों

का आयोजन प्रशासनिक तथा स्थापना व्यय, प्रकाशन, आर.टी.पी.,पी.डी.डी.आर.डी.एम., पी. डी. डी. एस. आर. डी., स्वर्गीय एस.आर. शंकरन चेयर ऑन रुरल डेवलपमेन्ट की स्थापना, आधारभूत सुविधाओं में सुधार कार्यालय उपस्कर, कम्प्यूटर, दृश्य श्रव्य उपकरण, फर्नीचर तथा फीटिंग, पुस्तकालय में पुस्तके, पत्रिकाओं की खरीद, स्वास्थ्य केन्द्र में व्यय आदि शामिल है ।

योजनेतर व्यय के अन्तर्गत मुख्यत: गैर संकाय अधिकारियों और कर्मचारियों तथा समर्थन सेवा का वेतन, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन, प्रशासनिक तथा स्थापना व्यय, लीन सैलेरी, पेंशन अंशदान, सी पी एफ पर प्रबंधन अंशदान, आकस्मिक एवं रखरखाव व्यय आदि शामिल है

ख) परामर्शी निधि : इस निधि का संबंध विभिन्न एजेन्सियों / संगठनों से प्राप्त परामर्शी शुल्क एवं उस पर हुए व्यय से है । वर्ष के दौरान इस निधि से प्राप्तियाँ रु. 124.52 लाख तथा व्यय रु. 174.69 लाख रु. थे जिसमें पूर्व वर्ष से आगे लाया गया परियोजना व्यय भी शामिल है । 31.03.2015 को इस निधि में रु. 482.09 लाख रुपये निधि में शेष थे ।

ग) विकास विधि : विकास निधि मुख्यत: परामर्शी शुल्कों की बचत तथा परामर्शी निधि के निवेश से प्राप्त ब्याज की आय से होती है । इस निधि का उपयोग आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों के लिए किया जाता है। वर्ष के दौरान रु. 38.67 लाख रुपये की राशि जमा की गई तथा एन. आई.आर.डी. कैम्पस स्टाफ के लिए केबल टी वी प्रभार और उपदान हेतु रु. 14.27 लाख रुपये की राशि व्यय की गई । 31.03.2015 को रु. 538.24 लाख रुपये निधि में शेष थे ।

घ) हितकारी निधि: इस निधि का संपोषण मुख्यत: परामर्श-शुल्क की बचत, निवेश तथा संस्थान के कर्मचारियों के अंशदान से होता हैं । इस निधि का उपयोग कल्याण क्रियाकलापों की व्यय पूर्ति, ग्रूप-'सी' तथा ग्रूप-'डी' के स्टाफ पर आश्रित लोगों के शिक्षण मृतक कर्मचारी की पत्नी को आर्थिक सहायता आदि के लिए किया जाता हैं । वर्ष के दौरान रु. 48.21 लाख रुपये की राशि इस निधि में जमा की गई और रु. 1.18 लाख रुपये राशि का व्यय हुआ । दिनांक 31.03.2015 को इस निधि में रु. 354.68 लाख रुपये शेष थे।

ड़) भवन निधि: इस निधि का उपयोग आधारभूत संरचना के सृजन, मुख्य मरम्मत कार्य के लिए किया जाता है । वर्ष के दौरान रु. 321.40 लाख रुपये की राशि को इस निधि में जमा किया गया और इस पर रु. 175.52 लाख रुपये की राशि व्यय की गई । निर्माण कार्य के अन्तर्गत रु. 41.00 रु. की राशि व्यय की गई तथा प्लांट एवं मशीनरी में रु. 0.00 रुपये खर्च की गई । 31.03.2015 को इस निधि में 2408.69 लाख रुपये की राशि शेष थी ।

च) भविष्य निधि: इस निधि का पोषण संस्थान के कर्मचारियों के जी पी एफ., सी पी एफ और ए पी एस अंशदान से होता है । निधि का उपयोग अंशदान , ब्याज ग्रहण, अग्रिम आहरण , कर्मचारियों के भविष्य

निधि बकाया के लिए होता है । वर्ष के दौरान रु. 576.70 लाख रुपये की राशि निधि में जमा की गई और रु. 120.16 लाख रुपये व्यय किए गए 1 दिनांक 31.03.2015 को 1738.25 लाख रुपये राशि निधि में शेष थी ।

छ) एन आई आर डी एवं पी आर संचित निधि : इस निधि का पोषण मुख्यत: परामर्शी शुल्क , सामान्य खातों में प्रायोजित परियोजनाएं , सामान्य खातों में विदेशों से ब्याज आय एवं सामान्य खातों में संचित विविध प्राप्तियों की बचत से होता है । इस निधि का उपयोग कल्याण क्रियाकलापों, विकास कार्यों इत्यादि पर किए जाने वाले व्यय की पूर्ति के लिए जमा किया जाता है । वर्ष के दौरान रु. 6053.49 लाख रुपये राशि नीधि में जमा की गई और 31.03.2015 को इसमें रु. 119.97 लाख रुपये की राशि शेष थी ।

ज) एन आई आर डी एवं पी आर चिकित्सा संचित निधि: इस निधि का पोषण मुख्यत: सेवानिवृत पेंशनकर्ताओं के अंशदान तथा सेवारत कर्मचारियों के अंशदान से होता है। इस निधि का उपयोग सेवा निवृत्त पेंशनकर्ताओं/परिवार पेंशनकर्ताओं के चिकित्सा संबंधी सुविधाओं के लिए किया जाता है जिन्होंने इस स्कीम में अपना नाम लिखाया है। वर्ष के दौरान रु. 16.65 लाख रुपये की राशि को निधि में जमा किया गया तथा रु. 1.18लाख रुपये व्यय किए गए। 31.03.2015 को रु. 52.73 लाख रुपये की राशि इस निधि में शेष थी।

झ) स्टाफ कल्याण के लिए अनुदान

संस्थान, कल्याणकारी क्रियाकलापों के अन्तर्गत स्वैच्छिक प्रयास को हमेशा से ही बढाता रहा हैं, इसमें संस्थान के परिसर में शिक्षु-गृह चलाना, विभिन्न खेल, मनोरंजन क्लब तथा महिला मण्डली आदि शामिल है, इन क्रियाकलापों के लिए संस्थान विभिन्न निधियों द्वारा अनुदान की मंजूरी देता है । वर्ष के दौरान स्टाफ के कल्याण के क्रियाकलापों के लिए 15,85,154 रुपये की राशि की मंजूरी दी गई ।

अध्याय 15

सूचना का अधिकार (आर टी आई) अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन

पारदर्शिता और सांविधिक दायित्व की भावना को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने देश के नागरिकों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के कार्यान्वयन हेतु संस्थान ने कदम उठाए है । एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. वेबसाइट में आर. टी. आई. अधिनियम 2005 की अनिवार्य सूचना दी गई है । संस्थान के अपीलीय प्राधिकारी, जन सूचना अधिकारी तथा एक पारदर्शी अधिकारी को आर टी आई आवेदको को सूचना देने के लिए मनोनीत किया है । इनके नाम एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. वेबसाइट में दर्शाए गए है । संस्थान के उत्तर-पूर्वी केन्द्र (एन. ई. आर. सी.) गुवाहाटी के लिए अलग अपीलीय और जन सूचना अधिकारी नामित है । वर्ष के दौरान प्राप्त सभी आर. टी. आई. आवेदन पर प्रक्रियानुसार कार्रवाई की गई तथा उपलब्ध सूचना एवं एन. आई. आर. डी. एवं पी. आर. रिकार्ड की सूचना आर. टी. आई. आवेदको को उपलब्ध कराई गई । संस्थान ने प्रक्रियानुसार अनिवार्य ऑन लाईन तिमाही रिटर्न भी प्रस्तुत किया।

परिशिष्ट - I

वर्ष 2014-15 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर कार्यक्रम में प्रतिभागियों की उपस्थिति का वर्गवार संवितरण

माह	सरकारी अधिकारी	वित्तीय संस्थान	जेडपीसी/ पीआरआई	एनजीओ/ एसएचजी	राष्ट्र/ राज्य संस्थान में अनु. एवं प्रशिक्षण	विश्वविद्यालय/ कालेज	अंतर्राष्ट्रीय	अन्य (व्यक्तिक) बेरोजगार युवा	कुल	महिलाएं	आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षण दिवस की संख्या	प्रशिक्षण व्यक्तियो की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ए) हैदराबाद													
अप्रैल	104	40	1	11	26	2	0	30	214	72	7	37	1194
मई	396	57	0	49	0	0	13	35	550	33	18	86	2703
जून	294	153	16	12	0	12	25	0	512	66	18	95	2750
जुलाई	556	32	8	23	2	6	59	1	687	79	24	149	3881
अगस्त	446	0	67	36	23	3	53	28	656	84	27	173	3884
सितम्बर	534	96	74	75	0	29	40	3	851	116	29	177	4711
अक्तूबर	285	37	94	18	0	12	71	2	519	35	20	173	3545
नवम्बर	612	83	150	69	0	1	33	2	950	68	31	202	4853
दिसम्बर	296	51	68	28	0	6	0	0	449	54	15	71	1853
जनवरी	292	67	3	13	25	1	67	1	469	64	18	129	3326
फरवरी	312	25	0	5	0	8	0	5	355	66	13	64	1753
मार्च	243	0	28	61	8	53	51	20	464	13	17	120	2811
कुल	**4370**	**641**	**509**	**400**	**84**	**133**	**412**	**127**	**6676**	**750**	**237**	**1476**	**37264**
नेटवर्किंग	4810		1603	810	810				8033	1202	211	1055	8474815
एसएजीवाई	3360		1120	1120					5600	840	200	1000	5600000
परियोजना								325	325		13	390	126750
एनआरएलएम	2358								2358	353	54	270	636660
आई ए वाई	1257								1257	200	90	450	565650
एमजीएनआरईजीए	1455								1455		22	66	96030
डीडीयु-जीकेवाई	997							3863	4860	1944	189	426	2070360
आरटीपी								906	906	270	151	453	410418
कुल	**18607**	**641**	**3232**	**2330**	**894**	**133**	**412**	**5221**	**31470**	**5559**	**1167**	**5586**	**18017947**

(जारी.....)

परिशिष्ट - I (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
बी) एनईआरसी													
मई	50	0	14	0	3	0	0	77	144	49	5	25	762
जून	287	0	7	9	4	1	0	27	335	61	10	50	1679
जुलाई	116	0	4	9	0	0	0	148	277	27	11	41	972
अगस्त	122	0	1	2	2	0	0	35	162	43	7	41	986
सितम्बर	216	0	3	52	0	4	0	43	318	46	12	48	1167
अक्तूबर	114	0	4	6	2	6	0	4	136	27	7	53	1087
नवम्बर	117	0	2	13	1	7	0	0	140	36	6	33	786
दिसम्बर	127	0	38	30	3	0	0	28	226	88	8	42	985
जनवरी	101	0	6	7	0	0	0	28	142	34	6	29	690
फरवरी	130	0	14	15	10	4	0	0	173	40	8	41	886
मार्च	84	0	14	6	10	2	0	43	159	25	6	34	695
कुल	1464	0	107	149	35	24	0	433	2212	476	86	437	10695

(जारी.....)

परिशिष्ट - I (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
सी) ईआरसी									0				
अप्रैल	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
मई	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
जून	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
जुलाई	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
अगस्त	122	0	1	2	2	0	0	35	162	43	7	41	986
सितम्बर	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
नवम्बर	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
दिसम्बर	0	0	0	49	0	0	0	0	49	0	1	5	245
फरवरी	0	0	0	56	0	0	0	0	56	0	1	5	280
कुल	**0**	**0**	**0**	**399**	**0**	**0**	**0**	**0**	**399**	**0**	**8**	**40**	**1995**

(जारी.....)

परिशिष्ट - I (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
डी) एनआईआरडी-जेसी													
अप्रैल	32	12	0	15	2	11	0	0	72	11	3	12	296
मई	29	15	0	9	1	8	0	0	62	17	2	8	210
जून	38	10	0	9	0	0	0	0	57	5	2	8	242
जुलाई	23	12	0	8	0	0	0	0	43	7	2	8	185
अगस्त	48	11	1	19	1	35	0	0	115	22	4	17	535
सितम्बर	71	0	0	5	0	19	0	0	95	18	3	17	545
अक्तूबर	29	10	0	11	1	0	0	0	51	6	2	8	225
नवम्बर	32	0	0	9	0	6	0	0	47	3	2	10	235
दिसम्बर	27	0	0	5	0	4	0	0	36	2	2	10	180
जनवरी	38	0	0	3	0	1	0	0	42	5	2	10	210
फरवरी	21	0	0	0	0	0	0	0	21	1	1	5	105
कुल	**388**	**70**	**1**	**93**	**5**	**84**	**0**	**0**	**641**	**97**	**25**	**113**	**2968**
कुल योग (ए+बी+सी+डी)	**20459**	**711**	**3340**	**2971**	**934**	**241**	**412**	**5654**	**34722**	**6132**	**1286**	**6176**	**18033605**
सहभागिता प्रतिशत में	**58.92**	**2.05**	**9.62**	**8.56**	**2.69**	**0.69**	**1.19**	**16.28**	**100.00**	**17.66**			

परिशिष्ट - II

वर्ष 2014-15 के लिए एन आई आर डी एवं पी आर का प्रशिक्षण कार्य निष्पादन

क्र. सं.	कोड	प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	संकाय	स्थान	सरकारी अधिकारी	बैंकर्स एवं सामान्य संगठन	जिला परिषद एवं पं रा संस्था	स्वैच्छिक संगठन एवं एनजीओ	रा./राज्य अनु.एवं प्रशि. संस्थान	विश्वविद्यालय /कालेज	अंतर्राष्ट्रीय	अन्य (सरकारी उपक्रम/व्यक्तिक)	कुल	महिलाएं	सर्वांगिन प्रभाविता प्रतिसप्ता मे	प्रशिक्षण दिवस की संख्या	प्रशिक्षण व्यक्तियों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
अप्रैल : 2014																			
1	एनआरएलएम	टीओटी	छत्तीसगढ राज्य ग्रामीण विकास आजीविका मिशन की एस एच जी संकल्पना तथा प्रबंध	3-7 अप्रैल	एनआरएलएम	एनआईआरडी एवं पीआर	28								28		एनए	5	140
2	सीआआई141501	प्रदर्शन दौरा	सूक्ष्म उद्यमक पहलू	13-22 अप्रैल	एस एन राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर								30	30	18	एनए	10	300
3	सीआरसीडीबी141502	प्रशिक्षण	उच्च मूल्य डेयरी एवं मूर्गीपालन	21 - 24 अप्रैल	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		20							20	2	74	4	80
4	सीआरआई141503	क्षेत्रीय	सिंचाई प्रबंध के सहभागी पहलू	21-25 अप्रैल"	एस एन राव एवं दल	एसआईआरडी कोलासिब मिजोरम	34								34	8	90	5	170
5	सीपीआर141501	क्षेत्रीय	पंचायती राज संस्थाना में वित्तीय प्रबंध	21-25 अप्रैल"	वाई भाष्कर राव एवं दल	आईएमपीएएवंआरडी श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर	2				26				28	1	84	5	140
6	सीडब्ल्यूडीजीएस141501	क्षेत्रीय	विकासात्मक कार्यमा में जेंडर बजटिंग	21-26 अप्रैल	श्रीधरसीतारामन	सिपार्ड इम्फाल मनिपुर	40		1	11		2			54	38	85	6	324
7	सीआरसीडीबी	कार्यशाला	बेंकर्स कार्यशाला	28-29 अप्रैल	वी आर एम राव आर के राव	एनआईआरडी एवं पीआर		20							20		एनए	2	40
			कुल				**104**	**40**	**1**	**11**	**26**	**2**	**0**	**30**	**214**	**67**	**333**	**37**	**1194**

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
मई : 2014																			
8	सीएसईआरई	टीओटी	छत्तीसगढ राज्य ग्रामीण विकास आजीविका मिशन की एस एच जी संकल्पना तथा प्रबंध	5-9 मई	एनआरएलएम	छत्तीसगढ	28								28		एनए	5	140
9	सीडब्ल्यूएलआर141501	क्षेत्रीय	आईडब्ल्यू एम पी में प्राकृतिक संसाधनो में सहभागी प्रबंध	5-9 मई	यु एच कुमार एस एस पी शर्मा	टीपीआईपीएवं आरडी रायपुर, छत्तीसगढ	55								55	5	88	5	275
10	सीआरसीडीबी141504	क्षेत्रीय	ग्रामीण ऋण पर प्रभावी सुपुर्दगी	5-9 मई	बी क स्वैन	एसआईआरडी रांची झारखंड		30							30		एनए	5	150
11	सीआरआई141504	प्रशिक्षण	आई ईसी पर फोकस देते हुए ग्रामीण पेय जल तथा स्वच्छता कार्यक्रमों का प्रबंधन	5-10 मई	पी शिवराम एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	32			4					36	3	80	6	216
12	सीएचआरडी141501	क्षेत्रीय कार्यशाला	एस डी एम सी प्रशिक्षण मॉड्यूल के सुदृढीकरण हेतु तीति तैयार करना	7-8 मई	एम सारुमती ज्ञानमुद्रा	बैंगलोर कर्नाटका				20					20		एनए	2	40
13	आरटीडी	अध्ययन सह प्रदर्शन दौरा	मिजोरम स्टाफ का अध्ययन एवं प्रदर्शन दौरा	12-14 मई	आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	7								7		एनए	3	21
14	सीजीएआरडी141501	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकाश मे वेब प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग	12-16 मई	के राजेश्वर	एचआईपीए शिमला एच पी	33								33	5	94	5	165
15	सीआरआई141505	क्षेत्रीय	सिंचाई प्रबंध के सहभागी पहलू	19-23 मई	एस एन राव एवं दल	एसआईआरडी कोहिमा नागालैण्ड	30			19					49		94	5	245
16	सीआईटा 141501	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास काय्रक्रमो के प्रबंध हेतु आईसी टी अनुप्रयोग	19-23 मई	जी वी सत्यनारायणा पी सतीश	एनआईआरडी एवं पीआर	17								17	2	88	5	85
17	सीडब्ल्यूएलआर141503	क्षेत्रीय	आई डब्ल्यू एम पी में आजीविका को बढावा देने के लिए नीतियाँ	19-23 मई	यु एच कुमार एस एस पी शर्मा	एसआईआरडी रांची झारखंड	32								32	9	90	5	160
18	सीडब्ल्यूडीजीएस141502	क्षेत्रीय	विकासात्मक कार्यक्रम में जेंडर बजटिंग	19-24 मई	श्रीधर शीतारामण	एचआईपीए शिमला एच पी	40								40	11	एनए	6	240
19	डीईसी	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनआईआरडी-सिर्डाप टेरी)	खाद्य और पौषणिक सुरक्षा	19-25 मई	एस एम ईयास वी सुरेश	एनआईआरडी एवं पीआर							13		13		एनए	7	91

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
20	आरटीडी	अध्ययन सह प्रदर्शन दौरा	मेघालय के ग्रामीण कारीगर और किसानो का प्रदर्शन एवं अध्ययन दौरा	24-31 मई	जी वी के लोहिदास आरपी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर								35	35		एनए	8	280
21	सीआरसीडीबी141506	प्रशिक्षण	कृषि क्षेत्र में ऋण निवेश	26 - 30 मई	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव"	एनआईआरडी एवं पीआर		27							27	5	84	5	135
22	सीएमआरडी 141501	क्षेत्रीय	सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए वेबसाईट डिजाईन और विषय वस्तु विकास	26-30 मई	अनिल टॉकलकर टी रमादेवी	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान"	29								29		एनए	5	145
23	सीपीएमई141504	क्षेत्रीय	स्व रोजगार परियोजनाओं का योजना एवं कार्यान्वयन	26-30 मई "	शंकर चटर्जी एन. वी. माधुरी	डीडीयू एसआईआरडी लखनऊ उ.प्र.	33			6					39	5	94	5	195
24	सापीआर	क्षेत्रीय कार्यशाला	आरजीपीएसए के आधार पर राष्ट्रीय क्षमता वृद्धि के लिए ढांचा	27-28 मई	के. जयलक्ष्मी	एनआईआरडी& पीआर	30								30		एनए	2	60
25	सापीआर	क्षेत्रीय कार्यशाला	आरजीपीएसए के आधार पर राष्ट्रीय क्षमता वृद्धि के लिए ढांचा	29-30 मई	के. जयलक्ष्मी	एनईआरसी गुवाहाटी असम	30								30		एनए	2	60
			कुल				**396**	**57**	**0**	**49**	**0**	**0**	**13**	**35**	**550**	**45**	**712**	**86**	**2703**
जून : 2014																			
26	सीडब्ल्यईपीए 141505	प्रशिक्षण	उ. प्र. के डी डी ओ का एमजी एन आर ईजी एस में सामाजिक लेखा परीक्षा	2-6 जून	सी. धीरजा जी. रजनी कांत	एनआईआरडी एवं पीआर	28								28	1	90	5	140
27	सीडब्ल्यूएलआर141504	क्षेत्रीय	सतत आय बढाने क लिए सह भागी वाटरसेड प्रबंधन	2-6 जून	एसएसपी शर्मा यू. एच. कमार	आईएमपी एवं आरडी श्रीनगर जे. एवं के.	25								25		86	5	125
28	सीईएसडी14152	टीओटी	अनुसूचित क्षेत्र धारा 1996(पेसा) को पंचायत विस्तार का कार्यान्वयन (पेसा)	9-13 जून	वी.अनामलै आर.आर. प्रसाद	एनआईआरडी एवं पीआर	19								19	1	86	5	95
29	सीपीएमई14152	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यमो का विकास	9-13 जून	टी.जी. रमैह एवं दल	पीजेएन एसआईआरडी मोहाली, पंजाब	31								31	5	82	5	155
30	सीपीएमई141505	क्षेत्रीय	ग्रामीण निर्धनों क लिए सामाजिक सुरक्षा	9-13 जून"	पी सी सिकलीगर	सिपार्ड अगरतला त्रिपुरा	10		9	8					27			5	135

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
31	सीआरसीडीबी141507	प्रशिक्षण	एग्री बिजनेस विकास	9 - 14 जून	आर.कोटेश्वर राव वी आर. एम. राव	एनआईआरडी एवं पीआर		30							30	7	86	6	180
32	सीएचआरडी41503	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास व्यावसायिकों के विकास लिए अनुसंधान कार्य प्रणाली	9-18 जून	ज्ञानमुदा पी. सतीश चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	15		3			12			30	7	84	10	300
33	सीजीएआरडी141501	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	14-19 जुलाई	पी केशव राव आर. आर. हेरमोन	एनआईआरडी एवं पीआर	49								49	3	82	6	294
34	सीआरसीडीबी141508	प्रशिक्षण	कषि व्यवसाय का प्रबंधन	16 - 20 जून	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		29							29	13	82	5	145
35	सीजीएआरडी141502	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास में डाटाबेस प्रबंध के लिए आई सी टी टूल्स	16-20 जून	क. राजेश्वर	डीडीयू एसआईआरडी लखनऊ, यूपी	26								26	2	90	5	130
36	सीडाब्लूईपीए 141509	प्रशिक्षण	उ. प्र. के डी डी ओ का एमजी एन आर ईजी एस में सामाजिक लेखा परीक्षा	16-20 जून	सी. धीरजा जी.रजनी कांत	एनआईआरडी एवं पीआर	41								41	8	86	5	205
37	सीपीएमई 41507	क्षेत्रीय	ग्रमीण निर्धनों के लिए सामाजिक सुरक्षा	16-20 जून	पी. सी. सिकलीगर	एनईआरसी गुवाहाटी असम	9		1	1					11	3	82	5	55
38	सीआरसीडीबी141509	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यमो का विकास	23-27 जून	बी. के. स्वैन	एचआईपीए शिमला, एच.पी.		30							30		86	5	150
39	सीपीएमई 141506	प्रशिक्षण	ग्रमीण आजिविका क विकास के लिए योजना	23-27 जून	आर.च्निनादुरई के. नाथ	एनआईआरडी एवं पीआर	20	2		3					25	7	84	5	125
40	सीआरसीडीबी	प्रशिक्षण	विजया बैक के अधिकारियो के लिए अनावरण कार्यक्रम	23-28 जून	आर. के. राव वी. आर. एम. राव	एनआईआरडी एवं पीआर		30							30		एनए	6	180
41	सीगार्ड 141505	क्षेत्रीय	एम जी एन आर ई जी एस के योजना एवं प्रबंधन के लिए जिओ आईसीटी अपलिकशन	23-28 जून	डीएसआर मुर्ती माधव राव	टीपीआईपी एवं आरडी रायपुर छत्तीसगढ	21		3						24	3	90	6	144
42	सीगार्ड	अंतर्राष्ट्रीय सिर्डाप	भू .सूचना प्रणाली का स्थानांतरण एवं ग्रहण एवं विघन एवं जोखिम कम करना प्रबंध के लिए उपयोग	30 जुन-09 जुलाई	वी. माधव राव	इंडोनेशिया							25		25		एनए		0

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
43	सीआरसीडीबी	प्रशिक्षण	निगम बैंको के अधिकारियो का ऋण निवेश	30 जुन - 5 जुलाई	आर.कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		32							32		एनए	6	192
			कुल				**294**	**153**	**16**	**12**	**0**	**12**	**25**	**0**	**512**	**60**	**1196**	**95**	**2750**
जूलाई : 2014																			
44	सीपीएमई 141508	क्षेत्रीय	प्रभावी अनुवीक्षण के लिए उपस्कर एवं प्रौद्योगिक का सामाजिक प्रभाव	1-5 जुलाई	पी के नाथ	एसआईआरडी भुवनेश्वर, उडीसा	23			1		4			28	2	98	5	140
45	सीआरआई 141508	प्रशिक्षण	आई ई सी पर फोकस देते हुए ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता परियोजनाओं का प्रबंधन	1-5 जुलाई	आर. रमेश एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	46			2					48	9	76	5	240
46	सीआरआइ141509	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी / एससीएएपी	ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता परियोजनाओं का प्रबंधन	1-28 जुलाई	पी.शिवाराम वाई. गंगी रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर							18		18		92	28	504
47	सीपीएमई 141509	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी / एससीएएपी	ग्रामीण विकास कायो के लिए योजना एवं प्रबंधन	1-28 जुलाई	के. पी. कमारन आर.चिन्नादुरई	एनआईआरडी एवं पीआर													
48	आरटीडी	बैठक	टीक्यूआईएमसी बैठक	4-जून	आर. पी. आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	25								25			1	25
49	सीडाब्लूडीजीएस 141505	क्षेत्रीय	विकासात्मक कार्यों मे लिंग सुलभ निधि	4-9 जुलाई	श्रीधर सीतारमन	एसआईआरडी कोहिमा नागालैंड	38				2				40	15		6	240
50	आरटीडी	प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन दौरा	एनआईआरडी मे नेपाल डेलिगेशन का दौरा	6-10 जुलाई	आर. पी. आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर							8		8			5	40
51	सीजीएआरडी	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए एपीआईबी मे जियो स्पासियल पौद्योगिक	7-9 जुलाई	डीएसआर मुर्ति टी फनीन्द्रा कुमार	देहरादुन उत्तराखण्ड	29								29	3	88	3	87
52	सीडाब्लूडीजीएस141504	क्षेत्रीय	ग्रामीण महीलाओ का सशक्तिकरण	7-11 जुलाई	सी. एस. सिंघल एवं दल	एचआईआरडी निलोखेरी हरियाणा	23	2		2		1			28	12	88	5	140
53	सीपीआर 141503	प्रशिक्षण	पंचायती राज संस्था द्वारा सुव्यवस्था का प्रसार	7-11 जुलाई	प्रत्युसना पटनायक के. जयलक्ष्मी	एनआईआरडी एवं पीआर	35		8						43		84	5	215
54	सीडाब्लूएलआर 141506	क्षेत्रीय	अनावष्ठि वाले क्षेत्रो के स्थायी विकास हेतु वाटरसेड परियोजना	7-11 जुलाई	एसएसपी शर्मा सीएच राधीका रानी"	एएनएस-एसआई आरडी मैसूर कर्नाटक	36			1					37	2	86	5	185

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
55	सीएसईआरई	2प्रशिक्षण	स्थायी एसएचजी एवं एसएचजी संघ विचार का प्रसार	7-11 जुलाई	टी.जी. रमैहा एवं दल	एचआईपी शिमला एचपी	20								20	10	90	5	100
56	सीएसईआरई	क्षेत्रीय टोट	हरियाणा रज्य के ग्राम आजीविका मिशन का एसएचजी,वीओ कनशेप्ट एवं प्रबंधन	9-13 जुलाई	के. पी. राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	32								32			5	160
57	आरटीडी141503	कोलाक्वीयम	एसआईआरडी का राष्ट्रीय कोलोक्यूम	11-07 जुलाई	आर. पी. आचारी वी. के. रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर	33								33		एनए	1	33
58	सीएएसडीएम 141503	सिमपोजियम	दलित प्रतिरोधक का पहचान एवं उनक विकास सह भविष्य की योजनाएं	11-12 जुलाई	के.सुमन चन्द्रा वाई. गंगी रेड्डी ई. वी. प्रकाश राव	एनआईआरडी एवं पीआर	53								53		एनए	2	106
59	सीएसईआरई 141503	क्षेत्रीय	ग्रामीण आजीविका का विकास एवं पहचान योजना	14-18 जुलाई	टी. जी रमैहा एवं दल	आरआईआरडी ग्वालियर,एमपी	28								28	5	84	5	140
60	सीआरसीडीबा	प्रशिक्षण	एलियड गतिविधियों एवं कृषक के लिए पंजाब बैंक का ऋण एवं वित्त परियोजना	14-18 जुलाई	आर. कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		30							30	2	84	5	150
61	आरटीडी	अध्ययन सह परिचयात्मक दौरा	बंग्लादेश क डेलिगेशन का एनआईआरडी एवं पीआर का अध्ययन एवं अनावरण दौरा	19-24 मई	आर. पी. आचारी वी. क. रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर							10		10		एनए	6	60
63	सीपीएमई 141511	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यम का योजना,कार्यान्वयन,अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन	21-25 जुलाई	शंकर चटर्जी	एसआईआरडी कल्यानी पश्चिम बंगाल	17			11		1			29		88	5	145
64	सीडाब्लूईपीए 141513	क्षेत्रीय	एम जी एन आर ई जी एस मे रुपातंरण के लिए सहभगी योजना	21-25 जुलाई	वी. सुरेश बाबु सी.धीरजा"	एसआईआरडी कल्यानी पश्चिम बंगाल	25								25	2	84	5	125
65	सीएसईआरई141504	प्रशिक्षण	सूक्ष्म उद्यमो के बढावा के लिए योजनाएं	21-25 जुलाई	एन. वी. माधुरी	एनआईआरडी एवं पीआर	20			4				1	25	2	80	5	125
66	सीडाब्लूएलआर141508	प्रशिक्षण	आईडाब्लुएमपी में जल संसाधन प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिक एवं संस्थागत व्यवस्था	21-25 जुलाई	यु. एच. कमार सीएच राधीका रानी	एनआईआरडी एवं पीआर	29			2					31	4	80	5	155
66	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए एपीआईबी मे जियो स्पासियल पौद्योगिक	28-30 जुलाई	टी.फनीन्द्रा कमार डीएसआर मुर्ती	देहरादुन उत्तराखण्ड	39								39	3	92	3	117

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
67	आरटीडी	प्रदर्शन दौरा	यमेन डेलिगेशन का अनावरण दौरा	30-07 जुलाई	आर. पी. आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	5								5			1	5
			कुल				**556**	**32**	**8**	**23**	**2**	**6**	**59**	**1**	**687**	**78**	**1376**	**149**	**3881**
अगस्त : 2014																			
68	सीडाब्लूईपीए141515	प्रशिक्षण	ग्रमीण महिलाओ के आजीविका के लिए संवर्द्धन	4-8 अगस्त	सी.धीरजा एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	32		2						34	4	86	5	170
69	सीडाब्लूडीजीएस141506	टोट	ग्रमीण महिलाओ के आजीविका के लिए संवर्द्धन	4-8 अगस्त	प्रत्युषना पटनायक सी. एस. सिंघल"	एनआईआरडी एवं पीआर	31		2	1					34	9	82	5	170
70	सीआईटी141502	प्रशिक्षण	ग्रमीण विकास कायक्रमो के लिए सूचना प्रौद्योगिक का प्रभावी प्रबंध	4-8 अगस्त	पी.सतीश चन्द्रा जी.वी सत्या नारायण	एनआईआरडी एवं पीआर	26			11				1	38	8	88	5	190
71	सीपीएमई 141513	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यमों का योजना एवं प्रबंधन	4-8 अगस्त	शंकर चटर्जी एन. वी. माधुरी	आईजीपीआरएस जयपुर राजस्थान"	22			2					24		88	5	120
72	सीपीएमई 141514	क्षेत्रीय	ग्रमीण विकास कार्यक्रमों के लिए सहभागी योजना, कार्यान्वयन एवं अनुवीक्षण	4-8 अगस्त	आर चीना दुराई एन कल्पलता	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	11		1	4					16	1	96	5	80
73	सीआरआई 141510	प्रशिक्षण	सिंचाई प्रबंध के सहभागी पहलू	4-8 अगस्त	एस. एन. राव एवं दल	एनआईआरडी 27 एवं पीआर			13						40	9	72	5	200
74	सीपीआर	अध्ययन के साथ - साथ प्रदर्शन दौरा	श्रीलंका क कालमुनी नगर परिषद के सदस्यगण	4-17 अगस्त	के. जयलक्ष्मी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर							10		10			13	130
75	सीडाब्लूईपीए	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी/ एससीएएपी	निर्धनता उन्नूलन के लिए ग्रमीण रोजगार योजना का प्रबंध	4-31 अगस्त"	जी. रजनी कांत सी. धीरजा एस. वी. रंगाचार्युलु	एनआईआरडी एवं पीआर							20		20	5	88	28	560
76	सीएएसडीएम	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी/ एससीएएपी	समुदायो पर आधारित विघटन प्रबंधन	4-31 अगस्त	के सुमन चंद्रा	एनआईआरडी एवं पीआर							18		18	4	76	28	504
77	आरटीडी	अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरा	नये प्रशिक्षुओं का ग्राम संलग्न ग्रमीण विकास एवं ओएमपीएस के गतिविधियों का अध्ययन	6-12 अगस्त	आरपी आचारी	ओएपीलआइएस कर्नूल आंध्र प्रदेश	6								6			7	42

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
78	सीआरआई141511	कार्यशाला	हस्त निर्मित पेपर उद्योग के पहुँच की कडी का मूल्य	11-12 अगस्त	वाई गंगी रेड्डी आर रमेश	एनआईआरडी एवं पीआर	7			8				26	41			2	82
79	सीपीआर141505	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास क्षेत्रों में पंचायती राज का सुशासन	19-23 जनवरी	वाई भास्कर राव	एनआईआरडी एवं पीआर			36						36			5	180
80	आरटीडी	अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरा	एनआईआरडी एवं पीआर में फिजी क डेलिगेशन का दौरा	12-08 अगस्त	वी के रेड्डी आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर							5		5			1	5
81	आरटीडी	अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरा	मनीपुर राज्य मे ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सम्मानीय मंत्री का दौरा	13-08 अगस्त	आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	5								5			1	5
82	सीएचआरडी	कार्यशाला	एसडीएमसी के टोट के लिए ओरिएनटेशन	18-08 अगस्त	एम सारुमति	यादगिर डीटी कर्नाटका					22				22			1	22
83	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	18-22 अगस्त"	पी कशव राव एन एस आर प्रसाद	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	32								32	6	90	5	160
84	सीपीएमई141515	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए सहभागी योजना, कार्यान्वयन एवं अनुवीक्षण	18-22 अगस्त	आर चिन्नदुरै पी के नाथ	एनआईआरडी एवं पीआर	11		13	2				1	27	7	90	5	135
85	सीडब्ल्यूएलआर141510	प्रशिक्षण	अति उत्पादन प्रणाली प्रौद्योगिको की योजनाएं	18-22 अगस्त	सीएच राधिका रानी एस एस पी शर्मा	एनआईआरडी एवं पीआर	6			3					9		86	5	45
86	सीएमआरडी141502	क्षेत्रीय	सूचना सामाग्रियों का वेब पर आधारित अभिकल्पना एवं विकास एवं सूचनाओं के विस्तार के विकास की सेवाएं	18-22 अगस्त"	अनिल टाकल्कर टी रामा देवी	एचआईआरडी निलोखेरी हरियाणा	14								14			5	70
87	सीडब्ल्यूईपीए141517	क्षेत्रीय	एमजीआरईजीएस के अंतर्गत निधि सहयोग	18-22 अगस्त	वी सुरेश बाबू एवं दल	एएनएक-एसआई आरडी मैसूर कर्नाटका	33								33	2	86	5	165
88	सीगार्ड141508	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास मे वेब प्रौद्योगिक एवं अपलिकशन	18-22 अगस्त	के राजेश्वर	टीपीआईपीएवं आरडी रायपुर छत्तीसगढ	34								34	5	80	5	170
89	सीआईटी141503	प्रशिक्षण	सूचना प्रौद्योगिक एवं परियोजना प्रबंधन	18-22 अगस्त	जी वी सत्यनारायण पी सतीशचन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	21								21	3	84	5	105

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
90	सीपीएमए141516	क्षेत्रीय	प्रभावी अनुवीक्षण के लिए उपस्कर एवं प्रौद्योगिक का सामाजिक प्रभाव	19-23 अगस्त	पी के नाथ	एसआईआरडी अहमदाबाद गुजरात	12			3		3			18			5	90
91	सीडब्ल्यूएलआर141509	क्षेत्रीय	आईडाब्लूपीएम मे वर्षा जल संग्रहण का सथायी योजना	19-22 अगस्त	एस एस पी शर्मा सीएच राधिका रानी	बीआईपीएआरडी पटना, बिहार	37								37		84	4	148
92	सीडब्ल्यडीजीएस141507	क्षेत्रीय टीओटी	गामीण विकास के लिए लिंग सुलभ बजट	20-22 अगस्त	सी एस सिंघल एवं टीम	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	34			2	1				37	12		3	111
93	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	निर्धनता एवं असमानता आकलन "आईएसएस"	25-29 अगस्त	रंगाचार्युलु वी सुरेश बाबू	एनआईआरडी एवं पीआर	21								21	9	80	5	105
94	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	25-29 अगस्त	वी माधव राव आर आर हर्मोन	एसआईआरडी केरल	24								24	8	92	5	120
			कुल				**446**	**0**	**67**	**36**	**23**	**3**	**53**	**28**	**656**	**92**	**1448**	**173**	**3884**
सितंबर : 2014																			
95	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स् पासियल प्रौद्योगिक	1-5 सितंबर	पी कशव राव एन एस आर प्रसाद"	एनईआरसी गुवाहाटी असम	36			1		1			38	8	92	5	190
96	एनआरएलएम	प्रशिक्षण	टीओटी मे "एमसीपी	1-5 सितंबर	के पी राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	21								21	2	94	5	105
97	सीएसईआरई	टोओटी	लघु ऋण योजना "एमसीपी	1-5 सितंबर	के पी राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	21								21	2	94	5	105
98	सीआरआई1415	क्षेत्रीय	वाटर सेड परियोजना "आईडाब्लूएमपा"" में स्थायी आजीविका	3-6 सितंबर	एस एन राव	एसआईआरडी सिविकम	34					2			36	10		4	144
99	आरटीडी	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	व्यवसाय बढावा के लिए प्रशिक्षण प्रणाली	3-30 सितंबर	वी के रेड्डी आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर							24		24			28	672
100	सीआरआई	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	ग्रमीण आवास एवं निवासी परियोजना प्रबंधन	3-30 सितंबर	वाई गंगी रेड्डी पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर							16		16	4	86	28	448
101	आरटीडी	प्रदर्शन दौरा	एनआईआरडी एवं पीआर में आंध्रप्रदेश के आईए एस प्रशिक्षु अधिकारी बैच - 2013 के साथ मुलाकात	04-09 सितंबर	आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	11								11			1	11

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
102	आरएसईटीओई	कार्यशाला	विभिन्न बैंको क नोडल अधिकारियों के लिए रसेती का प्रबंधन	8-10 सितंबर	ओम बंसल एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर		37							37	2	एनए	3	111
103	सीआरसीडीबी141515	क्षेत्रीय	कृषि व्यवसाय प्रबंधन	8-12 सितंबर	बी के स्वैन	सिपार्ड कल्याणी वेस्टबेंगाल		29							29		86	5	145
104	सीएसईआरई141505	क्षेत्रीय टीओटी	एनआरएलएम का ओरिएनटेशन	8-12 सितंबर	टी जी रामैया एवं दल	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	3	20	1	4					28		80	5	140
105	सीपीएमई141518	प्रशिक्षण	स्थायी आजीविका के परियोजना का सूत्रीकरण एवं मूल्यांकन	8-12 सितंबर	जी वी राजु एन कल्पलता"	एनआईआरडी एवं पीआर	13			5					18		94	5	90
106	आरटीडी	बैठक	टीक्यूआईएमसी बैठक	12-09 सितंबर	आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	55								55			1	55
107	सीगार्ड	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियोआईसीटी का उपयोग	15-19 सितंबर	"पी केशव राव एन एस आर प्रसाद	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	33					2			35	7	88	5	175
108	सीपीआर	क्षेत्रीय	पेसा धारा 1996 का प्रावधान एवं कार्यान्वयन	15-19 सितंबर	वाई भास्कर राव	एसआईआरडी रांची झारखंड	34								34	6		5	170
109	सीआईटी141504	प्रशिक्षण	आईसीटी उपयोग एवं ई-शासन	15 - 19 सितंबर	पी सतीश चन्द्र जी वी सत्यनारायण"	एनआईआरडी एवं पीआर	20			4		8			32	3	92	5	160
110	सीपीएमई	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास कार्यकमो का सहभागी योजना, कार्यान्वयन एवं अनुवीक्षण	15-19 सितंबर	आर चिन्नदुरै	ईआरसी पटना"			4	27					31	4	90	5	155
111	सीपीएमई141519	प्रशिक्षण	सूक्ष्म उद्यम का योजना,कार्यान्वयन,अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन	15-19 सितंबर	शंकर चटर्जी एन कल्पलता	एनआईआरडी एवं पीआर	25	10		1		2		1	39	10	80	5	195
112	सीडब्ल्यएलआर141512	क्षेत्रीय	आईडाब्लूपीएम में प्राकृतिक संसाधनो का सहयोगी प्रबंधन	15-19 सितंबर	"यु एच कमार एसएसपीशर्मा	सिपार्ड अगरतला त्रिपुरा	29								29	11	82	5	145
113	सीपीआर	प्रशिक्षण	पीआरआई मे चयनित महिलाओं का सशक्तिकरण	17-20 सितंबर	प्रत्युष्णा पटनायक अरुणाजयमनी"	एनआईआरडी एवं पीआर			40						40	13	92	4	160
114	सीएसईआरई	प्रशिक्षण	एसजीएच बैक से संबंध एवं वित्तीय निष्कर्ष	20-23 अगस्त	के पी राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	22								22	3	76	4	88

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
115	सीआरआई1415	क्षेत्रीय	वाटर सेड परियोजना "आईडाब्लूएमपी"" में स्थायी आजीविका	20-25 सितंबर	एस एन राव	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	20								20			6	120
116	सीपीआर	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रम में पंचायती राज एवं सुशासन	22-25 सितंबर	प्रत्युष्णा पटनायक अरुणाजयमनी"	एनआईआरडी एवं पीआर			25						25	11	90	4	100
117	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरशेड कार्यक्रम के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल प्रौद्योगिकी	22-26 सितंबर	पी केशव राव एन एस आर प्रसाद	पटना बिहार	22								22	2	90	5	110
118	सीपीएमई	क्षेत्रीय	स्थायी ग्रामीण आजीविका की योजना	22-26 सितंबर	"आर चिन्नदुरै	ईआरसी,पटना	1		3	28		3			35	3	88	5	175
119	सीडब्ल्यूईपीए141519	"टिओटी	अनुसंधान प्रणाली	22-26 सितंबर	वी सुरेश बाबू एस वी रंगाचार्युलु	एनआईआरडी एवं पीआर	12					8			20			5	100
120	सीईएसडी141507	प्रशिक्षण	विशिष्ट रुप से खतरे में पडने वाले अनुसूचित जनजातियों के समूह का विकास विकास "पीवीटीजी"	22-26 सितंबर	आर आर प्रसाद आर के श्रीवास्तव"	एनआईआरडी एवं पीआर	40			5		3		1	49	11	78	5	245
121	सीएसईआरई141506	प्रशिक्षण	एनआरएलएम का ओरिएनटेशन	22-26 सितंबर	एन वी माधुरी के पी राव	एनआईआरडी एवं पीआर	41		1					1	43	16	76	5	215
122	सीआरआई	प्रशिक्षण	ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता हेतु योजना एवं प्रबंधन	23-27 सितंबर	आर रमेश एवं दल	एनआईआरडी-जेसी जयपुर राजस्थान	18								18	6	88	5	90
123	सीगार्ड	प्रशिक्षण	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	29 Sep - 2 अक्तूबर	डी एस आर मुर्ती टी फनिद्र कुमार	पटना बिहार	23								23	4	92	4	92
			कुल				**534**	**96**	**74**	**75**	**0**	**29**	**40**	**3**	**851**	**138**	**1828**	**177**	**4711**

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
अक्तूबर : 2014																			
124	सीगार्ड	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	नवीन सर्वोत्तम अभ्यासो के अनुभवों का आदान - प्रदान द्वारा ग्रामीण विकास के लिए भू संबंधी सूचनाओ का उपयोग	01-10 अक्तूबर	वी माधव राव पी कशव राव डी एस आर मुर्ती	एनआईआरडी एवं पीआर							9		9		84	51	459
125	सीपीआर	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी एससीएएपी	ग्रामीण विकास कार्यकमो का सुव्यवस्था एवं प्रबंधन	1-28 अक्तूबर	के जयलक्ष्मी	एनआईआरडी एवं पीआर							21		21	7	78	28	588
126	सीआरआइ1415	क्षेत्रीय	वाटर शेड परियोजना "आईडाब्लूएमपी"" में स्थायी आजीविका	7-10 अक्तूबर	एस एन राव	एनआईआरडी- जेसी जयपुर राजस्थान	19			2					21	1		4	84
127	सीपाएमई	क्षेत्रीय	निर्धनता उन्मूलन एवं स्थायी विकास के लिए सहभागी योजनाएं	7-11 अक्तूबर	आर चिन्नदुरै	एनईआरसी गुवाहाटी असम	1		2	10		4			17	5	98	5	85
128	सीडब्ल्यूईपीए	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम सीडार्प	ग्रामीण पारिश्रमिक रोजगार पर विशिष्ट फोकस के लिए निष्पादन सूचना ,अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन का परिणाम	9-18 अक्तूबर	वी सुरेश बाबू जी रजनिकांत	एनआईआरडी एवं पीआर							19		19	5	88	10	190
129	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए एपीआईबी में जियो स्पासियल पौद्योगिक	13-16 अक्तूबर	टी फनिन्द्रा कुमार डी एस आर मुर्ति"	चम्पावत	30								30	2	90	4	120
130	सीगार्ड141512	प्रशिक्षण	वाटरशेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	13-17 अक्तूबर	के केशव राव वी माधव राव	ईआरसी पटना	33			4					37	4	92	5	185
131	सीडब्ल्यूईपीए141522	प्रशिक्षण	एमजीआरईजीएस के लिए ओपारेशनल मार्गदर्शन -2013 "नवीन अनुसूचियो क संग"	13-17 अक्तूबर	जी रजनिकांत एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	22								22	1	86	5	110
132	सीपीआर141509	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास काय्रक्रमों हेतु पंचायीती राज एवं सुशासन	13-17 अक्तूबर"	वाई भास्कर राव एवे दल	टीपीआईपी एवंआरडी रायपुर छततीसगढ	55						55			5	275		
133	सीआरआई	प्रशिक्षण	ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता हेतु योजना एवं प्रबंधन	13-17 अक्तूबर	आर रमेश एवं दल	एसआईआरडी गुजरात	13								13	5		5	65
134	सीपीएमई1415	क्षेत्रीय	सोसल इमपैकट एसेसमेट "एस आईए"साधन एवं प्रौद्योगिक	13-18 अक्तूबर	के प्रभाकर पी के नाथ	यूआईआरडी रुद्रपुर उत्तराखण्ड	44								44		86	6	264

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
135	सीडब्ल्यूएलआर	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आरडो"	स्थयी विकास के लिए जल संसाधन प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशाला	13-26 अवतूबर	एसएसपी शर्मा यू एच कमार सीएच राधिका रानी	एनआईआरडी एवं पीआर							22		22			13	286
136	सीएएस	अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरा	निर्धनता उन्मूलन के लिए चयनित प्रतिनिधियो का अध्ययन एवं अवलोकन	20-24 अवतूबर	के सुमन चन्द्र	एनआईआरडी एवं पीआर	15								15			5	75
137	सीएमआरडी141503	सेमिनार	ग्रामीण विकास का सूचना अवसर एवं चुनौतियां के लिए समुदायो का आकाशवाणी की भांति उपयोग	20-21 अवतूबर	अनिल टाकलकर टी रमा देवी"	एनआईआरडी एवं पीआर	17								17			2	34
138	सीडब्ल्यूईपीए141523	प्रशिक्षण	निर्धनता एवं असमानता आकलन "आईएसएस"	22-26 दिसंबर	एस वी रंगाचार्युलु सी धीरजा जी रजनिकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	20								20	12	76	5	100
139	सीपीएमए141503	क्षेत्रीय कार्यशाला	राष्ट्रीय अल्पसंख्यको के लिए कार्यशाला	27-28 अवतूबर	के पी कमारन के प्रभाकर	चण्डीगढ	30								30			2	60
140	सीपीआर	क्षेत्रीय	पंचायती राज का वित्त प्रबंधन	27-30 अवतूबर	शिवा सुब्रहमण्यम	एसआईआरडी ओडिशा			35						35			3	105
141	सीआईटी141505	प्रशिक्षण	आकडा प्रबंधन एवं विश्लेषण के लिए सूचना प्रौद्योगिक	27-31 अवतूबर	जी वी सत्यनारायण पी सतीश चन्द्र	एनआईआरडी एवं पीआर	27		2	2		8		2	41	6	86	5	205
142	सीआरसीडीपी141518	क्षेत्रीय	ऋण एवं वसूली प्रबंधन	27-31 अवतूबर	बी के स्वैन	डीडीयु एसआईआरडी लखनऊ उ.प्र		37							37			5	185
143	सीपीएमआर	क्षेत्रीय	स्थायी ग्रामीण आजिविका योजना	27-31 अवतूबर	आर चिन्नदुरै	एनआईआरडी-जेसी रायपुर राजस्थान	14								14	1	98	5	70
			कुल				**285**	**37**	**94**	**18**	**0**	**12**	**71**	**2**	**519**	**49**	**962**	**173**	**3545**

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
नवम्बर : 2014																			
144	सीईएसडी	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी एससीएएपी	अप्रवासी ग्रामवासी समुदायो का विकास	3 नवंबर - 12 दिसंबर	आर आर प्रसाद टी.विजय कमार	एनआईआरडी एवं पीआर							16		16	3	92	51	816
145	सीपीएमई	कार्यशाला	एनएलएम कार्यशाला	4-5 नवंबर	शंकर चटजा प्रभाकर"	एएनएस एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक	70								70			2	140
146	सीपीआर	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास कार्यकम की सुव्यवस्था	5-9 नवंबर	अजित कुमार	एसआईआरडी एमएम नगर तमिलनाडु			30						30				0
147	सीडब्ल्यूईपीए	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी एससीएएपी	ग्रामीण विकास के लिए सहभगिता	5 नवंबर - 02 दिसंबर	जी रजनी कांत वी सुरेश बाबु सी धीरजा	एनआईआरडी एवं पीआर													
148	सीडब्ल्यूडीजीएस141508	कार्यशाला	गामीण विकास के लिए लिंग सुलभ बजट	10-12 नवंबर	सी एस सिंघल एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	26								26	10		3	78
149	सीपाआर	क्षेत्रीय	पंचायती राज के लिए निधि	10-13 नवंबर	शिव सुब्रमान्यम	एसआईआरडी इंफाल मणिपुर			30						30			4	120
150	सीपीएमई141521	क्षेत्रीय	एनजीओ के लिए सहभगी योजनाए	10-14 नवंबर	आर चिन्नदुरै	एसआईआरडी एम एम नगर तमिलनाडू				30					30	4	98	5	150
151	सीडब्ल्यूईपीए141525	क्षेत्रीय	एमजीएनआरईजीएस में परिवर्तन के लिए सहभागी योजनाएं	10-14 नवंबर	वी सुरेश बाबु एस पी रे	एस आई आर डी अहमदाबाद गुजरात	27		26						53	1	94	5	265
152	सीडब्ल्यएलआर141515	क्षेत्रीय	आईडाब्लूपीएम सूक्ष्म उद्यमो के आंशिक शेयर धारको के संवर्द्धन की योजना	10-14 नवंबर	यु एच कुमार	एस आई आर डी रांची झारखंड	39			7					46	6	82	5	230
153	सीआईटी 141506	प्रशिक्षण	ग्रामीण कार्यकमों के प्रबंधन के लिए आईसीटी का प्रयोग	10 - 14 नवंबर	जी वी सत्यनारायाणा पी शतीश चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	47								47	7	84	5	235
154	सीपाआर141512	प्रशिक्षण	पंचायती राज संस्थानों का फलैगशिप कार्यक्रम के प्रबंधन मे अच्छी व्यवस्था का प्रयास	10-14 नवंबर	वाई भास्कर राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	4		3	3					10	1	82	5	50

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
155	सीपीओर141512	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास कार्यकम में पंचायती राज एवं सुशासन	10-14 नवंबर	अजित कमार	एएनएस एसआईआरडी मैसूर कर्नाटका	1		15						16	2	74	5	80
156	आरटीडी	कार्यशाला	संसद आदर्श ग्राम योजना क लिए "सेजी" कार्यशाला का संचालन	13-11 नवंबर	जी रजनीकान्त आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	75								75			1	75
157	सीपीएमई141505	क्षेत्रीय कार्यशाला	राष्ट्रीय अल्प संख्यको के लिए "एनएलएम" आत्मसात कार्यशाला	14-15 नवंबर	के प्रभाकर	कोलकत्ता	45								45			2	90
158	सीपीएमई141522	सेमिनार	फलैगशिप कार्यक्रम : प्रभव एवं चुनौतियां	17-19 नवंबर"	केपी कुमारन के प्रभाकर पी के नाथ	एनआईआरडी एवं पीआर	45								45			3	135
159	सीडब्ल्यईपीए	प्रशिक्षण	एमजीआरईजीएस के लिए ओपारेशनल मार्गदर्शन -2013 "नवीन अनुसूचियो के संग"	17-20 नवंबर	सी धीरजा जी वी के लोहिदास	एनआईआरडी एवं पीआर	14								14		86	4	56
160	अपर सीपीआर	प्रशिक्षण	अनुसूचित पांच के क्षेत्रो में पंचायत विस्तार	17-21 नवंबर	अरुणाजयमनी	एनआईआरडी एवं पीआर	11						11	1	78	5	55		
161	सीआरडीबी 141521	क्षेत्रीय	कषि व्यवसाय प्रबंधन	17-21 नवंबर	बी के स्वैन	युआईआरडी रुद्रपुर उत्तरा खण्ड	33							33			5	165	
162	सीपीएमई141523	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यमो का योजना एवं प्रबंधन	17-21 नवंबर	शंकर चटर्जी	एमजीएसआईआरडी जबलपुर म.प्र	22			2					24	1	88	5	120
163	सीपीएमई141524	प्रशिक्षण	ग्रमीण विकास कार्यकमो का मूल्यांकन	17-21 नवंबर	जी वी राजू	एनआईआरडी एवं पीआर	15								15	1	94	5	75
164	सीईएसआरडी141512	प्रशिक्षण	अनुसूचित जनजातियो एवं दूसरे आदिवासी निवासी के लिए धारा 2006 "जंगल का अधिकार"का कार्यन्वयन	17-21 नवंबर"	वी अन्नमलाई आर आर प्रसाद	एनआईआरडी एवं पीआर	19					1			20		82	5	100
165	सीआरडीबी	प्रशिक्षण	देना बैंक के अधिकारियो द्वारा कषि के लिए ऋण एवं वित्त परियोजना	17-21 नवंबर	आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर	27							27	1	86	5	135	
166	सीआरआई141516	क्षेत्रीय	जल एवं स्वच्छता अभियान के लिए सहभगी विधि एवं पौद्योगिक	17-21 नवंबर	आर रमेश एवं दल	एनईआरसी गुवाहाटी असम	27								27	1		5	135

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
167	सीपीआर	प्रशिक्षण सह प्रदर्शन दौरा	केरला के चयनित पंचायतीराज संस्थान के प्रतिनिधि एवं सरकारी अधिकारीगण "किला द्वारा आयोजित " करला	19-21 नवंबर	के जयलक्ष्मी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर			35						35			3	105
168	सीआरआई141515	क्षेत्रीय	ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता के प्रबंधन के लिए कार्यक्रम	23-27 सितंबर	पी शिवराम एवं दल	एसआईपीआरडी अहमदाबाद गुजरात	18								18	6		5	90
169	सीएएसडीएम141508	क्षेत्रीय	ग्रामीण महिलाओ के विकास के लिए कृषि योजनाएं	24-28 नवंबर	जी वेलेनटीनी	एनआईआरडी एवं पीआर				23				1	24	3		5	120
170	सीडब्ल्यएलआर141514	क्षेत्रीय	आई डाब्लूपीएम के अंतर्गत सामान्य पुल के लिए संसाधन	24-28 नवंबर	सीएच राधिका रानी	एसआईपीआरडी गुजरात	26			2					28		76	5	140
171	सीआरडीबी141522	प्रशिक्षण	देना बैंक के अधिकारियों द्वारा कृषक संबंधि ऋण के लिए प्रस्ताव का वित्तीय परियोजना एवं मूल्यांकन	24 - 28 नवंबर	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव"	एनआईआरडी एवं पीआर		23							23	1	80	5	115
172	सीएसईआरई141508	प्रशिक्षण	ग्राम के सामाग्रियो का विपण्णन के लिए नवीन योजनाएं	24-28 नवंबर	एन वी माधुरी शंकर चटर्जी	एनआईआरडी एवं पीआर	22			2				1	25	9	82	5	125
173	सीडब्ल्यूएलआर141516	क्षेत्रीय	आई डाब्लूपीएम मे जल संसाधन के लिए प्रौद्योगिक एवं संस्थागत व्यवस्थाएं	24-28 नवंबर	युएच कुमार	डीडीयूएसआईआरडी लखनऊ	43								43		86	5	215
174	सीआरआई141517	प्रशिक्षण	प्रधान मंत्री सडक योजना के लिए योजना एवं प्रबंधन	24-29 नवंबर	वाई गंगी रेड्डी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	27								27	3	84	6	162
			कुल				**612**	**83**	**150**	**69**	**0**	**1**	**33**	**2**	**950**	**67**	**1620**	**202**	**4853**

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
दिसम्बर : 2014																			
175	सीपीआर	प्रशिक्षण	उत्तर कचर हिल एवं कराबि अंगलोग स्व परिषदों के नेतृत्व एवं प्रबंधन कार्यकम की शुरुआत	1-4 दिसंबर	अजित कमार	असम			16						16		74	4	64
176	सीआरआई	प्रशिक्षण	एस बी ए के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता अभियान को व्यवहार परिवर्तन संवाद द्वारा बढावा देना	1-5 दिसंबर	आर रमेश एवं दल	एसआईआरडी तमिलनाडू	16								16	4		5	80
177	सीआरसीडीबी141523	प्रशिक्षण	देना बैंक में नये नियुक्त अधिकारियो के लिए पदारोहण प्रक्षिण कार्यक्रम	1 -13 दिसंबर	आर कोटेश्वर राव वी एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		17							17	6	84	13	221
178	सीडब्ल्यूडीजीएस141509	क्षेत्रीय टीओटी	चयनित महिला प्रतिनिधियो के नेतृत्व गुणों में वृद्धि	8-12 दिसंबर	प्रत्युम्ना पटनायक सी एस सिंघल	एसआईआरडी भुबनेश्वर ओडिशा	5		22	23					50	37	86	5	250
179	सीडब्ल्यूईपीए141531	प्रशिक्षण	एमजीआरईजीएस का सामाजिक लेखा परीक्षा	8-12 दिसंबर	सी धीरजा जी रजनी कान्त	एनआईआरडी एवं पीआर	19								19	7	88	5	95
180	सीएसईआरई141510	प्रशिक्षण	स्थयी ग्रामीण आजिविका को बढावा	8-12 दिसंबर	टी जी रामैया एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	32	14		4					50	4	80	5	250
181	सीआरआई141518	क्षेत्रीय	सिंचाई प्रबंध के सहभागी पहलू	8-12 दिसंबर	एस एन राव एवं दल	गिर्डा ईलाफर्म गोआ	17								17	1		5	85
182	सीगार्ड	प्रशिक्षण	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	10-15 नवम्बर	पी कशव राव वी माधव राव	एनआईआरडी एवं पीआर	13					1			14	1	92	6	84
183	सीडब्ल्यूएलआर141517	कार्यशाला	आई डाब्लू पी एम मे कृषि बढावा का संवर्द्धन	11-12 दिसंबर	सिदैया यू एच कमार	एनआईआरडी एवं पीआर	28								28			2	56
184	आरटीडी	परामर्श	ग्रमीण प्रबंधन संस्थान के लिए ब्रेन स्टोरमिंग सत्र	12-12 दिसंबर	आर पी आचारी	एनआईआरडी एवं पीआर	15								15			1	15
185	आरटीडी	कार्यशाला	संसद ग्रम योजना के लिए "सेजी" कार्यशाला का संचालन	13-12 दिसंबर	जी रजनी कान्त वी सुरेशबाबु	एनआईआरडी एवं पीआर	73								73			1	73
186	सीआरसीबी141524	क्षेत्रीय	निर्धनता उन्मूलन के लिए ग्रम ऋण प्रबंध	15-19 दिसंबर	बी के स्वैन	एएनएस-एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक	20								20		86	5	100

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
187	सीपीआर141515	क्षेत्रीय	अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम 1996 को पंचायत विस्तार का कार्यान्वयन (पेसा)	15-19 दिसंबर	वाई भास्कर राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर			30						30			5	150
188	सीगार्ड141513	प्रशिक्षण	वाटरशेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	15-20 दिसंबर	पी केसव राव वी माधव राव	एनआईआरडी एवं पीआर	20			1		5			26	2	92	6	156
189	एसआरएसचेयर	सेमिनार	रोजगार नियोजन हेतु भारत का ग्रमीण श्रम क लिए बाजार से संबंध	18-20 दिसंबर	कैलाश सराप	राँची झारखण्ड	58								58			3	174
			कुल				**296**	**51**	**68**	**28**	**0**	**6**	**0**	**0**	**449**	**62**	**682**	**71**	**1853**
जनवरी : 2015																			
190	सीएसईआरई141507	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यमो का संवर्द्धन	5-9 जनवरी	टी जी रामैया एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	18			1					19		80	5	95
191	सीआरसीडीबी141526	प्रशिक्षण	एलियड कृषक गतिविधियों के लिए ऋण एवं वित्त परियोजना	5-9 जनवरी	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		40							40	2	78	5	200
192	सीआईटी141508	प्रशिक्षण	डीआरडीएएस एवं पीआरआई के लिए बही का कमप्यूटराइजेशन	5 -9 जनवरी	पी सतीश चन्द्र एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	42				2				44	5	88	5	220
193	सीडब्ल्यूएलआर141518	प्रशिक्षण	आई डाब्लू पी एम के अंतगर्त आजिविका विकास के लिए संस्थाओ एवं उनका समर्थन	5-9 जनवरी	सीएच राधिका रानी यु एच कुमार"	एनआईआरडी एवं पीआर	26								26			5	130
194	सीआरआई	प्रशिक्षण	एसबीएम के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता अभियान के कर्मियों के लिए सद्भाव विकास	5-9 जनवरी	आर रमेश एवं दल	एसआईआरडी कल्याणी पश्चिम बंगाल	13		1	5	1				20			5	100
195	सीएसईआरई	अंतर्राष्ट्रीय सिर्डाप	स्थयी ग्रामीण आजिविका	5-14 जनवरी	के पी राव एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	2						14		16	7	88	10	160
196	सीडब्ल्यूडीजीएस141510	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	ग्रामीण विकास के लिए महिला सशक्तिकरण एमईए,जीओआई	5-1 जनवरी	सी एस सिंघल एवं दल	एनआईआरडी							28		28	22	90	28	784
197	सीएएसडीएम	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	ग्रामीण विकास के लिए स्थायी कृषक योजनाएं	5 - 1 फरवरी	के सुमन चन्द्र ई वी प्रकाश राव जी वी सत्यनारायण	एनआईआरडी एवं पीआर							25		25	7	84	28	700

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
198	सीईएसडी141515	प्रशिक्षण कार्यक्रम	अनुसूचित जनजाति विकास	12-16 जनवरी"	आर आर प्रसाद आर के श्रीवास्तव	एनआईआरडी एवं पीआर	17			3		1		1	22	1	82	5	110
199	सीआरआई141517	प्रशिक्षण	प्रधानमंत्री सडक योजना का प्रबंध एवं योजना	13-17 जनवरी	वाई गंगी रेड्डी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	20								20		82	5	100
200	सीडब्ल्यूएलआर1415	प्रशिक्षण	आई डाब्लू पी एम मे वर्षा क जल संग्रहण के लिए योजनाएं	19-23 जनवरी	सिद्दय्या यु एच कुमार	एसआईआरडी मेघालय	10								10	2	88	5	50
201	सीआईटी141509	प्रशिक्षण	ग्रमीण विकास कार्यकम के प्रबंधन के लिए आईसीटी का उपयोग	19-23 जनवरी	जी वी सत्यनारायण पी सतीश चन्द्र	एनआईआरडी	28		2	3					33	5	86	5	165
202	सीआरसीडीपी141527	क्षेत्रीय	सूक्ष्म उद्यम का विकास एवं प्रबंधन	19-23 जनवरी	बी क स्वैन	सिपार्ड अगरतला त्रिपुरा		27							27		80	5	135
203	सीपीआर1415	क्षेत्रीय	ग्रमीण विकास कार्यक्रम के लिए सु शासन एवं पंचायती राज	19-23 जनवरी	के जयलक्ष्मी अजित कमार	एसआईआरडी एम एम नगर तमिलनाडू	31			1					32	8	78	5	160
204	एस आर एस चेयर	सेमिनार	भारत मे आदिवासी के लिए श्रम एवं समस्या	22-23 जनवरी	कैलाश सराप	एनआईआरडी एवं पीआर	35								35			2	70
205	सीगार्ड	क्षेत्रीय	वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन एवं एपीआईबी के लिए जियो स् पासियल पौद्योगिक	27-28 जनवरी	टी फनिन्द्रा कुमार डी एस आर मुर्ति	देहरादुन उत्तराखंड	25								25	1		2	50
206	सीएचआरडी	कार्यशाला	एसडीएम के टोट के लिए ओरिएनटेशन	29-01 जनवरी	एम सारुमति	उडिपी जिला कर्नाटक					22				22			1	22
207	सीएचआरडी	क्षेत्रीय	एपीआईबी में वाटरसेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधनं के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	29-31 जनवरी	टी फनिन्द्रा कुमार डी एस आर मुर्ति"	देहरादून उत्तराखण्ड	25								25	5		3	75
			कुल				**292**	**67**	**3**	**13**	**25**	**1**	**67**	**1**	**469**	**65**	**1004**	**129**	**3326**

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
फरवरी : 2015																			
208	सीडब्ल्यूएलआर	क्षेत्रीय	आईडाब्लुएमपी मे प्राकतिक संपदा के लिए योजना एवं पटिसीपेटरी वाटरसेड	2-6 फरवरी	यु एच कुमार सीएच राधिका रानी	एएनएस एसआईआरडी मैसूर कर्नाटका	29			5					34	4	74	5	170
209	सीडब्ल्यूअडी141504	क्षेत्रीय	संचार प्रसारण के लिए वेबसाइटो का अभिकल्पना एवं विकास	9-13 फरवरी	अनिल टाकलकर टी रामा देवी	एनईआरसी गुवाहाटी असम	17								17		82	5	85
210	सीआरआई141523	क्षेत्रीय	सिंचाई प्रबंधन के लिए सहयोगी समाधान	9-13 फरवरी	एस एन राव एवं दल	एनईआरसी गुवाहाटी असम	17								17	1	98	5	85
211	सीगार्ड	क्षेत्रीय	एम जी एन आर ई जी एस के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियोआईसीटी का उपयोग	9-13 फरवरी	डी एस आर मूर्ती टी फनिन्द्र कुमार	एसआरआरडी केरल	28								28	9	92	5	140
212	सीएसईआरई141512	प्रशिक्षण	एनआरएलएम का ओरिएनटेशन	9-13 फरवरी	एन वी माधुरी के पी राव	एनआईआरडी एवं पीआर	18	1						5	24	7	80	5	120
213	सीजीएआरडी141517	प्रशिक्षण	वाटरशेड परियोजना के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक	9-14 फरवरी	पी केशव राव वी माधव राव	एनआईआरडी एवं पीआर	28					4			32	6	88	6	192
214	सीजीएआरडी 141518	क्षेत्रीय	ग्रमीण के लिए आकडा प्रबंधन हेतु आई सी टी साधन	16-20 फरवरी	के राजेश्वर	युआईआरडी रुद्रपुर उत्तरा खण्ड	30								30	3	90	5	150
215	सीआरसीडीबी141529	क्षेत्रीय	एम जी एन आर ई जी एस के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियोआईसीटी का उपयोग	16-20 फरवरी"	बी के स्वैन	ईटीसी रायगंज पं बं	24							24		82	5	120	
216	सीएसईआरई141511	प्रशिक्षण	एनआरएलएम का ओरिएनटेशन	16-20 फरवरी	टी जी रामय्या एवं दल	एसआईआरडी मेघालय	25								25	7	83	5	125
217	सीएचआरडी141509	प्रशिक्षण	शासन विकास के लिए होरिजेनटल लरनिंग अभ्यास	23-27 फरवरी	एम सारुमती ज्ञानमुद्रा	एनआईआरडी	25								25	8	97	5	125
218	सीडब्ल्यूएलआर	प्रशिक्षण	आईडाब्लुएमपी मे स्थायी आय के लिए योजना एवं पटिसीपेटरी वाटरसेड	23-27 फरवरी	सिदैया सी एच राधिकारानी	एनआईआरडी एवं पीआर	23								23	2	80	5	115
219	सीडब्ल्यूईपीए141534	क्षेत्रीय	एम जी एन आर ई जी एस के अंतर्गत वित्त सहयोग	24-28 फरवरी	वी सुरेश बाबू एवं दल	टीपीआईपीएवं आरडी रायपुर, छत्तीसगढ	49								49			5	245

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
220	सीडब्ल्यूडीजीएस141511	कार्यशाला	ग्रामीण विकास के लिए लिंग के आधार पर बजट	25-27 फरवरी"	सी एस सिंघल एवं दल	एनईआरसी गुवाहाटी असम	23					4			27	12		3	81
			कुल				**312**	**25**	**0**	**5**	**0**	**8**	**0**	**5**	**355**	**59**	**946**	**64**	**1753**
मार्च : 2015																			
221	सीजीएआरडी141520	क्षेत्रीय	एम जी एन आर ई जी एस के योजना एवं प्रबंधन के लिए जियोआईसीटी का उपयोग	2-7 मार्च	डीएसआर मूर्ति वी माधव राव	एसआरआरडी करफेवटर सिविकम	20					5			25	5	94	6	150
222	सीपीएमई	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	गरीबी उन्मूलन एवं स्थायी विकास के लिए सहयोगी योजना	2-29 मार्च	के पी कुमारन आर चिन्नदुराई	एनआईआरडी एवं पीआर							19		19	5	86	28	532
223	सीआरसीडीबी	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आईटीईसी/ एससीएएपी	निर्धनता उन्मूलन के लिए ग्राम ऋण प्रबंध	2-29 मार्च	बी के स्वैन	एनआईआरडी एवं पीआर							17		17	8		28	476
224	सीपीआर	प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन दौरा	केरला के चयनित पंचायतीराज संस्थान के प्रतिनिधि एवं सरकारी अधिकारीगण "किला द्वारा आयोजित" करला	3-5 मार्च	के जयलक्ष्मी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर			27						27			3	81
225	सीआरआई	प्रशिक्षण	आई ए वाई के लिए बही रखना एवं जवाब देना	9-11 मार्च	पी शिवराम एस वेकटाद्री	एनआईआरडी एवं पीआर	12		1					1	14	1	80	3	42
226	सीआरआई	प्रशिक्षण	एस बी ए के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता अभियान को व्यवहार परिवर्तन संवाद द्वारा बढावा देना	9-13 मार्च	आर रमेश एवं टीम	एनआईआरडी एवं पीआर	4			27					31	12	80	5	155
227	सीपीआर1415	क्षेत्रीय	अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम 1996 को पंचायत विस्तार का कार्यान्वयन (पेसा)	9-13 मार्च	वाई भाष्कर राव	एनआईआरडी एवं पीआर	12			17	1				30	3	86	5	150
228	सीआईटी	अंतर्राष्ट्रीय सीडीएआरपी	ग्रामीण विकास के लिए आईसीटी का उपयोग	9-18 मार्च	पी सतीश चन्द्र एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	3						15		18	7	86	9	162
229	सीआरआई	प्रशिक्षण	आईए वाई के लिए बही रखना एवं जवाब देना	12-14 मार्च	पी शिवराम एस वेकटाद्री	एनआईआरडी एवं पीआर	8								8		84	3	24
230	एस आर एस चेयर	सम्मेलन	नित्य उभरते हुए ग्रामीणो - शहरो क लिए श्रम एवं रोजगार तथ्य	12-14 मार्च	कलाश शरफ	एनआईआरडी एवं पीआर	70								70			3	210

(जारी.....)

परिशिष्ट - II (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
231	सीआरआई	प्रशिक्षण	आईएवाई के लिए बही रखना एवं जवाब देना	16-18 मार्च	एस वेकटाद्री	एनआईआरडी एवं पीआर	6								6		82	3	18
232	सीजीएआडी141519	क्षेत्रीय	योजना एवं प्रबंधन के लिए जियो स्पासियल पौद्योगिक ग्रामिण विकास कार्यक्रम ।	16-20 मार्च"	वी माधव राव के प्रकाश राव	एमजीएसआईआरडी जबलपुर म.प्र	16				5	10			31	13	88	5	155
233	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीए के अर्न्तगत राज्य संपदा दल के लिए प्रौद्योगिक कार्यक्रम - सामथ्य ।	23-26 मार्च	जी रजनी कान्त वी सुरेशबाबु	एनआईआरडी एवं पीआर	37								37	6	86	4	148
234	सीडब्ल्यूएलआर	प्रशिक्षण	सर्वोत्तम अभ्यास का रिप्लीकशन के लिए विभिनन हाईड्रोकोलिक क्षेत्रो में पर्टिसिपेटरी इरीगेशन मेनेजमेट "पीआईएम"	23-27 मार्च	यु एच कुमार सिद्धैय्या"	एनआईआरडी एवं पीआर	16			2					18	5	82	5	90
235	सीईएसडी141518	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास के लिए कॉरपोरेट का सामाजिक उत्तरदायित्व	23-27 मार्च"	आर आर पसाद आर मुरुगेशन	एनआईआरडी एवं पीआर	14			15	2	5		11	47	6	80	5	235
236	सीजीएआरडी141514	सेमिनार	ग्रामीण विकास के लिए भू -संबंधी सूचनाआ का उपयोग एनआईआरडी एवं पीआर	26-27 मार्च	वी माधव राव एवं टीम	एनआईआरडी एवं पीआर	25					33		8	66	15		2	132
237	सीआरआई	प्रशिक्षण	आई ए वाई के लिए बही रखना एवं जवाब देना	26-28 मार्च	एस एस वेकटाद्री	एनआईआरडी एवं पीआर	17								17	3	86	3	51
			कुल				**243**	**0**	**28**	**61**	**8**	**53**	**51**	**20**	**464**	**89**	**1100**	**120**	**2811**

परिशिष्ट-III

वर्ष 2014-15 के लिए एनआईआरडी एवं पीआर - एनईआरसी, गुवाहाटी का प्रशिक्षण कार्य निष्पादन

क्र. सं.	कोड	प्रकार	कार्यक्रम शीर्षक	अवधि	स्थान	कोर्स निदेशक / दल	सरकारी अधिकारी	बैंकर्स	जिला परिषदों/ पंचायत संस्थान	स्वैच्छिक संगठन	रा./राज्य अनु.एवं प्रशिक्षण संस्थान	महाविद्यालय/कॉलेज	अंतर्राष्ट्रिय	अन्य/सरकारी उपक्रम/व्यक्तिक	कुल	महिलाएं	सर्वांगिन प्रभाविता प्रतिसप्ता मे	प्रशिक्षण दिवसों की संख्या	प्रशिक्षण व्यक्तियों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
मई : 2014																			
1	एनईआरसी141505टी	प्रशिक्षण	लाभप्रद मुर्गीपालन तथा प्रबंध	5-10 मई	एनईआरसी	के के भट्टाचार्जी	1	0	0	0	0	0	0	39	40	22	92	6	240
2	एनईआरसी141504टी	प्रशिक्षण	लाभप्रद सुअर पालन तथा मीट प्रसंस्करण	12-17 मई	एनईआरसी	के के भट्टाचार्जी	1	0	0	0	0	0	0	38	39	13	88	6	234
3	एनईआरसी141506टी	प्रशिक्षण	समन्वित जिला योजना	19-22 मई	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	0	0	14	0	0	0	0	0	14	5	88	4	56
4	एनईआरसी141507टी	प्रशिक्षण	कार्यालय ऑटोमेशन क लिए आईसी ओ अनुप्रयोग	19-23 मई	एनईआरसी	श्री एस के घोष	28	0	0	0	0	0	0	0	28	2	96	5	140
5	एनईआरसी141501टी	प्रशिक्षण	एनजीएनआरईजीएस प्रचालन मार्गनिर्देशों पर ओरिएंटेशन-2013	26-29 मई	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	20	0	0	0	3	0	0	0	23	7	84	4	92
						कुल	**50**	**0**	**14**	**0**	**3**	**0**	**0**	**77**	**144**	**49**		**25**	**762**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
जून, 2014																			
6	एनईआरसी141502 टी	प्रशिक्षण	समन्वित खेती पद्धति द्वारा सतत आजीविका	2-5 जून	एनईआरसी	के के भट्टाचार्जी	37	0	0	0	0	0	0	0	37	2	82	4	148
7	एनईआरसी141503 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण आजीविका बढाने क लिए बैंकिग कार्य	2-6 जून	एनईआरसी	पी जे खौंड	13	0	0	4	0	0	0	0	17	7	86	5	85
8	एनईआरसी141510 टी	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीएस की योजना और प्रबंध के लिए भू- स्थानिक प्रोद्योगिकी का अनुप्रयोग	9-13 जून	एनईआरसी	के हलोइ ए सिम्हाचलम	23	0	0	0	0	1	0	0	24	1	92	5	120
9	एनईआरसी141511 टी	प्रशिक्षण	लाभप्रद मुर्गीपालन तथा प्रबंध	9-14 जून	एनईआरसी	के के भट्टाचार्जी	1	0			0	0	0	27	28	12	90	6	168
10	एनईआरसी141512 टी	प्रशिक्षण	सतत ग्रामीण आजीविका के लिए मूल्य चेन विश्लेषण	9-13 जून	एनईआरसी	डॉ. रतन भूईयां	41	0	0	0	0	0	0	0	41	10	84	5	205
11	एनईआरसी141513टी	प्रशिक्षण	ग्रा वि कार्यक्रमों में ऑनलाईन एन आई एस का अनुप्रयोग	16-20 जून	एनईआरसी	श्री एस के घोष	35	0	0	0	0	0	0	0	35	5	88	5	175
12	एनईआरसी141514टी	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एन आरएलएम के तहत उत्तर-पुर्वी क्षेत्र के ग्रामीण आजीविका विकास के लिए पी आर आई/स्थानीय निकायों तथा विकास कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण	16-21 जून	एनईआरसी	डॉ. के. हलोई	39	0	0	5	0	0	0	0	44	6	72	6	264
13	एनईआरसी141509 टी	प्रशिक्षण	अन्य विकासात्मक कार्यक्रम सहित एनजीएनआरईजीएस का अभिसरण	23-27 जून	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	26	0	4	0	1	0	0	0	31	5	88	5	155
14	एनईआरसी141516टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए डबल एंट्री लेखाकरण पद्धति	23-27 जून	एनईआरसी	सी एस सिघल बी एन शर्मा	44	0	0	0	3	0	0	0	47	10	88	5	235
15	एनईआरसी141517टी	प्रशिक्षण	आईए वाई के तहत कम लागत ग्रामीण आवास की योजना और प्रबंध	23-26 जून	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	28	0	3	0	0	0	0	0	31	3	90	4	124
						कुल	**287**	**0**	**7**	**9**	**4**	**1**	**0**	**27**	**335**	**61**		**50**	**1679**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
जुलाई, 2014																			
16	एनईआरसी141501 सी	प्रशिक्षण	असम क बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	4-5 जुलाई	एनईआरसी	डॉ. के. हलोई	0	0	0	0	0	0	0	38	38	0	NA	2	76
17	एनईआरसी141518 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण आजीविका बढाने क लिए बैंकिग कार्य	7-11 जुलाई	एनईआरसी	पी जे खौंड	15	0	0	0	0	0	0	0	15	5	90	5	75
18	एनईआरसी141519टी	प्रशिक्षण	जलागम परियोजनाओं की योजना के लिए भू- स्थानिक प्रोद्योगिकी अनुप्रयोग	7-11 जुलाई	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	21	0	0	0	0	0	0	0	21	1	84	5	105
19	एनईआरसी141520टी	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए उत्तर-पुर्वी क्षेत्र में ग्रामीण आजीविका के विकास हेतु विकास कार्यकर्ताओं तथा पी आर आई/स्थानीय निकायों का क्षमता निर्माण)	7-12 जुलाई	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	31	0	0	0	0	0	0	0	31	3	82	6	186
20	एनईआरसी141521 टी	प्रशिक्षण	सतत आजीविका के लिए पशुपालन को पढावा	14-18 जुलाई	एनईआरसी	के के भट्टाचार्जी	15	0	3	9	0	0	0	0	27	6	84	5	135
21	एनईआरसी141502 सी	प्रशिक्षण	असम में बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	14-15 जुलाई	एनईआरसी	डॉ. के. हलोई	0	0	0	0	0	0	0	23	23	0	NA	2	46
22	एनईआरसी141502 सी	क्षेत्रीय	असम में बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	18-19 जुलाई	धुबरी	डॉ. के. हलोई	0	0	0	0	0	0	0	28	28		NA	2	56
23	एनईआरसी141503 सी	क्षेत्रीय	असम में बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	20-21 जुलाई	अभयपुरी	डॉ. के. हलोई	0	0	0	0	0	0	0	31	31		NA	2	62
24	एनईआरसी141523टी	प्रशिक्षण	सूक्ष्म उद्यम को बढावा : पहलू और नीतियां	21-25 जुलाइ	एनईआरसी	डॉ. रतन भूईयां	24	0	0	0	0	0	0	0	24	9	82	5	120
25	एनईआरसी141523 टी	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीएस में सामाजिक लेखा परीक्षा	21-25 जुलाइ	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	10	0	1	0	0	0	0	0	11	3	90	5	55
26	एनईआरसी141504 सी	क्षेत्रीय	असम में बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	24-25 जुलाइ	राहा	डॉ. के. हलोई	0	0	0	0	0	0	0	28	28	0	NA	2	56
						कुल	**116**	**0**	**4**	**9**	**0**	**0**	**0**	**148**	**277**	**27**		**41**	**972**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
अगस्त, 2014																			
27	एनईआरसी141525 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण आधारभूत सुविधा मैपिंग के लिए भू- स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	4-8 अगस्त	एनईआरसी	ए सिम्हाचलम डॉ. के. हलोई	27	0	0	2	0	0	0	0	29	0	86	5	145
28	एनईआरसी141528 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास तथा संबद्ध क्षेणी में आई सी टी तथा ई अभिशासन	4-8 अगस्त	एनईआरसी	श्री एस के घोष	16	0	1	0	0	0	0	0	17	4	94	5	85
29	एनईआरसी141529 टी	प्रशिक्षण	समूह आधारित परियोजना प्रतिपादन	18-22 अगस्त	एनईआरसी	डॉ. रतन भूईयां	15	0	0	0	2	0	0	0	17	4	80	5	85
30	एनईआरसी141530 टी	प्रशिक्षण	लाभप्रद सुअर पालन तथा मीट प्रोसेसिंग	18-23 अगस्त	एनईआरसी	के के भट्टाचर्जी	1	0	0	0	0	0	0	35	36	25	88	6	216
31	एनईआरसी141524 टी	प्रशिक्षण	एनआरएलएम के तहत सामाजिक तथा वित्तीय समावेश	25-29 अगस्त	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव एवं दल	20	0	0	0	0	0	0	0	20	7	86	5	100
32	एनईआरसी141531 टी	प्रशिक्षण	स्त्रोत मैपिंग के लिए भू- स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	25-29 अगस्त	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	15	0	0	0	0	0	0	0	15	0	88	5	75
33	एनईआरसीएसएलएनए 01टी	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी लेखा का रख-रखाव	25अगस्त, - 05 सितंबर	एनईआरसी	डॉ. के. हलोई बी.एन. शर्मा	28	0	0	0	0	0	0	0	28	3	88	10	280
						कुल	**122**	**0**	**1**	**2**	**2**	**0**	**0**	**35**	**162**	**43**		**41**	**986**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
सितम्बर : 2014																			
34	एनईआरसी141532 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए बकिग कार्य	1-5 सितम्बर	एनईआरसी	डॉ. के. हलोई	9	0	0	4	0	4	0	0	17	9	82	5	153
35	एनईआरसी141533टी	प्रशिक्षण	आई ए वाई की योजना तथा प्रबंध के लिए भू-गतिकी प्रौद्योगिकी के लिए अनुप्रयोग	8-12 सितम्बर	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	19	0	0	0	0	0	0	0	19	5	88	5	95
36	एनईआरसी141534टी	प्रशिक्षण	ग्रा वि कार्यक्रमों के प्रबंध के लिए नेटवकिग तथा वेब प्रौद्योगिकी	8-12 सितम्बर	एनईआरसी	श्री एस के घोष	22	0	0	0	0	0	0	0	22	3	90	5	66
37	एनईआरसी141535 टी	क्षेत्रीय	आजीविका विकास के समूह दृष्टिकोण	8-12 सितम्बर	एसआईआरडी ईटानगर आंध्रप्रदेश	डॉ. रतन भूईयां	14	0	0	13	0	0	0	0	27	5	94	5	135
38	एनईआरसीएसएलएनए 02 टी	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी में अभिसरण पर सुविज्ञता कार्यक्रम	8-9 सितम्बर	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	24	0	0	0	0	0	0	0	24	1	NA	2	24
39	एनईआरसीएसएलएनए03 टी	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी में अभिसरण पर सुविज्ञता कार्यक्रम	11-12 सितम्बर	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	26	0	0	0	0	0	0	0	26	0	NA	2	0
40	एनईआरसी141536 डाब्लू	प्रशिक्षण	विकेन्द्रीकृत जिला योजना	15-17 सितम्बर	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव एवं दल	12	0	0	15	0	0	0	0	27	2	NA	3	54
41	एनईआरसी141537टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस के तहत पशुधन विकास के लिए अभिसरण योजना	15-19सितम्बर	एनईआरसी	के के भट्टाचार्जी	18	0	0	5	0	0	0	0	23	2	92	5	46
42	एनईआरसी141507 सी	क्षेत्रीय	असम में बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	20-21 सितम्बर	सिलचर	डॉ. के. हलोई	0	0	0	0	0	0	0	43	43		NA	2	0
43	एनईआरसी141527टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस प्रचालय मार्गनिर्देशों पर ओरिएंटेशन 2013 (संशोधित अनुसूची सहित)	22-25 सितम्बर	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	13	0	0	14	0	0	0	0	27	2	92	4	54
44	एनईआरसी141538 टी	प्रशिक्षण	आजीविका मूल्यांकन कौशल	22-26 सितम्बर	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	29	0	3	1	0	0	0	0	33	10	88	5	330
45	एनईआरसीएसएलएनए04टी	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी एम आई एस / डाटा एंटी का अनुप्रयोग	22-26 सितम्बर	एनईआरसी	श्री एस के घोष ए सिम्हाचलम	30	0	0	0	0	0	0	0	30	7	84	5	210
						कुल	**216**	**0**	**3**	**52**	**0**	**4**	**0**	**43**	**318**	**46**		**48**	**1167**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
अक्तूबर : 2014																			
46	एनईआरसी141541 टी	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं में भू- स्थानिक प्राद्योगिकी का अनुप्रयोग	7-11 अक्तूबर	एनईआरसी	श्री ए सिम्हाचलम डॉ. के. हलोई	33	0	0	0	0	0	0	0	33	1	92	5	165
47	एनईआरसी141542टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस में सामाजिक लेखापरीक्षा	13-17 अक्तूबर	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	8	0	0	0	0	0	0	2	10	2	88	5	50
48	एनईआरसी141543 टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस की योजना और कार्यान्वयन	13-17 अक्तूबर	एनईआरसी	डॉ . के हलोई ए सिम्हाचलम	12	0	2	0	0	0	0	2	16	3	86	5	80
49	एनईआरसीएसएलएनए16टी	प्रशिक्षण	आई डब्लयू एम पी परियोजना प्रबंध पर प्यापक प्रशिक्षण	13-30 अक्तूबर	एनईआरसी	डॉ . के हलोई ए सिम्हाचलम	24	0	0	0	0	0	0	0	24	6	82	18	432
50	एनईआरसी141544 टी	प्रशिक्षण	सतत आजीविका के लिए पशुपालन को पढावा	27-31 अक्तूबर	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचर्जी	9	0	2	6	0	0	0	0	17	6	78	5	85
51	एनईआरसीएसएलएनए08टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास मे अनुसंधान क्रियाविधि	27-31 अक्तूबर	एनईआरसी	के हलोई ए सिम्हाचलम	17	0	0	0	0	0	0	0	17	1	80	5	85
52	एनईआरसी141545टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास मे अनुसंधान क्रियाविधि	27 अक्तूबर 5 नवम्बर	एनईआरसी	डॉ. के. हलोई एम के श्रीवास्तव	11	0	0	0	2	6	0	0	19	8	88	10	190
							114	**0**	**4**	**6**	**2**	**6**	**0**	**4**	**136**	**27**	**594**	**53**	**1087**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
नवम्बर : 2014																			
53	एनईआरसी141547 टी	प्रशिक्षण	जलागम कार्यकमों की योजना के लिएभू- स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	10-14 नवम्बर	एनईआरसी	श्री ए सिम्हाचलम डॉ. के. हलोई	12	0	0	4	0	2	0	0	18	1	88	5	90
54	एनईआरसी141549 टी	प्रशिक्षण	उत्तर-पूर्वी राज्यों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों के चारागही के लिए आजीविका सुअवसर	17-21 नवम्बर	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्जी	1	0	2	9	0	0	0	0	12	6	94	5	60
55	एनईआरसी141550 टी	प्रशिक्षण	ग्रा वि कार्यकमों के लिए आंन लाईन एम आई एस अनुप्रयोग	17-21 नवम्बर	एनईआरसी	श्री एस के घोष	34	0	0	0	0	0	0	0	34	5	86	5	170
56	अतिरिक्त	प्रशिक्षण	उत्तर-पूर्वी भारत में विकास परिदृश्य पर भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारी प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का व्यावसायिक प्रशिक्षण	22-28 नवम्बर	एनईआरसी	डॉ आर. एम. पन्त डॉ. एम के श्रीवास्तव	24	0	0	0	0	0	0	0	24	8	NA	7	168
57	एनईआरसी141551 टी	प्रशिक्षण	स्त्रोत मैपिंग के लिए भू- स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	24-28 नवम्बर	एनईआरसी	श्री ए सिम्हाचलम डॉ. के. हलोई	9	0	0	0	0	5	0	0	14	3	92	5	70
58	एनईआरसी1415139 टी	क्षेत्रीय	राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन एन आर एल एम के तहत उत्तर पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए पी आर आई / स्थानीय निकायों तथा विकास कार्यकताओं का क्षमता निर्माण	24-29 नवम्बर	एसआईआरडी सिक्किम	डॉ. के के भट्टाचार्जी	37	0	0	0	1	0	0	0	38	13	NA	6	228
							117	**0**	**2**	**13**	**1**	**7**	**0**	**0**	**140**	**36**	**360**	**33**	**786**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
दिसम्बर : 2014																			
59	एनईआरसी141555 टी	प्रशिक्षण	विकास कार्यकमों के प्रबंध में आई टी अनुप्रयोग	1-5 दिसम्बर	एनईआरसी	श्री एस के घोष	17	0	0	0	0	0	0	0	17	4	96	5	85
60	एनईआरसी141556 टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस की योजना और कार्यान्वयन	8-12 दिसम्बर	एनईआरसी	श्री ए सिम्हाचलम डॉ .एनएसआर प्रसाद	4	0	15	0	0	0	0	0	19	5	88	5	95
61	एनईआरसी141557	प्रशिक्षण	पुष्पोदन तकनीक इसका महत्व और मूल्य	8-13 दिसम्बर	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्जी	1	0	0	0	0	0	0	28	29	17	88	6	174
62	एनईआरसी141554 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास में सहभागी सीख और कार्य	9-12 दिसम्बर	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	14	0	6	3	0	0	0	0	23	5	90	4	92
63	एनईआरसी141558टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यकमों के लिए डबल एंट्री लेखाकरण पद्धति	15-19 दिसम्बर	एनईआरसी	बी.एन. शर्मा	29	0	0	0	0	0	0	0	29	6	88	5	145
64	नईआरसी141559 टी	प्रशिक्षण	आजीविकास विकास क समूह दृष्टिकोण	15-19 दिसम्बर	एनईआरसी	डॉ. रतन भूईयां	31	0	7	0	0	0	0	0	38	14	86	5	190
65	एनईआरसी141561 टी	प्रशिक्षण	राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) के तहत उत्तर पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए पी आर आई /स्थानीय निकायों तथा विकास कार्यकताओं का क्षमता निर्माण (असम)	22-27 दिसम्बर	एनईआरसी	डॉ. सोनल मोबर डॉ .एनएसआर प्रसाद श्री ए सिम्हाचलम	31	0	0	0	3	0	0	0	34	13	84	6	204
66	एनईआरसी141508 टी	प्रशिक्षण	राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) के तहत उत्तर पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए पी आर आई /स्थानीय निकायों तथा विकास कार्यकताओं का क्षमता निर्माण (अरुणाचल प्रदेश)	29-दिसम्बर - 3 जनवरा	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्जी	0	0	10	27	0	0	0	0	37	24	88	6	222
							127	**0**	**38**	**30**	**3**	**0**	**0**	**28**	**226**	**88**	**708**	**42**	**985**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
जनवरी : 2015																			
67	एनईआरसी141562 टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस क तहत पशुधन विकास क लिए अभिसरण योजना	5-9 जनवरी	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्जी	4	0	6	5	0	0	0	0	15	5	86	5	75
68	एनईआरसी141563 डाब्लू	प्रशिक्षण	उत्तर-पूर्वी के आदिवासी समूहों के लिए आजीविका के विकास हेतु नीतियां	19-21 जनवरी	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	23	0	0	2	0	0	0	0	25	10	NA	3	75
69	एनईआरसी141564टी	प्रशिक्षण	बागवानी फसलो पर नर्सरी प्रबंध तकनीक	19-24 जनवरी	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्जी	2	0	0	0	0	0	0	28	30	7	88	6	180
70	एनईआरसीएसएलएनए15टी	प्रशिक्षण	जी पी एस पर विशेष बल सहित जी आई एस अनुप्रयोग	19-23 जनवरी	एनईआरसी	डॉ . के हलोई ए सिम्हाचलम	20	0	0	0	0	0	0	0	20	5	88	5	100
71	एनईआरसीएसएलएनए 16 टी	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी प्रबंध	27-31 जनवरी	एनईआरसी	डॉ . के हलोई ए सिम्हाचलम	22	0	0	0	0	0	0	0	22	1	86	5	110
72	अतिरिक्त	प्रशिक्षण	संगठनात्मक मुद्दों पर कौशल विकास कार्यकम	30 जनवरी-3 फरवरी	एनईआरसी	डॉ . आर.एम. पन्त श्री बी.एन. शर्मा	30	0	0	0	0	0	0	0	30	6	NA	5	150
							101	**0**	**6**	**7**	**0**	**0**	**0**	**28**	**142**	**34**		**29**	**690**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
फरवरी :2015																			
73	एनईआरसी141567 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास क लिए डज़टाबेस प्रबंध पद्धति अनुप्रयोग	2-6 फरवरी	एनईआरसी	श्री एस के घोष	14	0	0	2	0	0	0	0	16	1	94	5	80
74	एनईआरसी141526 टी	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास आजीविका मिशन एन आर एल एम के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए विकास कार्यकर्ता तथा पी आर आई । स्थानीय निकायों का क्षमता विकास	2-7 फरवरी	एसआईआरडी मनीपुर	डॉ. एम के श्रीवास्तव	20	0	0	4	4	0	0	0	28	4	88	6	168
75	एनईआरसी141568 टी	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आरएलएम)के तहत उत्तर-पुर्वी क्षेत्र के ग्रामीण आजीविका विकास के लिए पी आर आई/स्थानीय निकायों तथा विकास कार्यकर्ताओं का क्षमता	9-14 फरवरी	एसआईआरडी	डॉ .एनएसआर प्रसाद त्रिपुरी	12	0	4	6	0	0	0	0	22	4	88	6	132
76	एनईआरसी141540 टी	क्षेत्रीय I	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आरएलएम)के तहत उत्तर-पुर्वी क्षेत्र के ग्रामीण आजीविका विकास के लिए पी आर आई/स्थानीय निकायों तथा विकास कार्यकर्ताओं का क्षमता	9-14 फरवरी	एसआईआरडी नागालैंड	के हलोई डॉ ए सिम्हाचलम	21	0	4	0	0	0	0	0	25	7	88	6	150
77	एनईआरसी141560 टी	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं के लिए भू-गतिकी प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	16-20 फरवरी	एनईआरसी	डॉ . के हलोई ए सिम्हाचलम	19	0	0	0	0	0	0	0	19	2	94	5	95
78	एनईआरसी141570 टी	प्रशिक्षण	एन आर एल एम के तहत आजीविका विकास के लिए ग्रामीण निर्धन क संस्थानों को बढावा	16-20 फरवरी	एनईआरसी	डॉ . के हलोइ ए सिम्हाचलम	11	0	0	3	0	0	0	0	14	6	86	5	70
79	एनईआरसी141569 टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस में सामाजिक लेखा परीक्षा	23-27 फरवरी	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	10	0	6	0	6	0	0	0	22	4	86	5	110
80	अतिरिक्त	प्रशिक्षण	उत्तर पूर्व राज्यों में ग्रामीण विकास अधिकारियों की जेडर बजटिंग (डब्ल्यू सी डी मंत्रालय, भारत सरकार)	25-27 फरवरी	एनईआरसी	डॉ. सी.एस. सिंघल डॉ. के के भट्टाचर्जी	23	0	0	0	0	4	0	0	27	12	NA	3	81
							130	**0**	**14**	**15**	**10**	**4**	**0**	**0**	**173**	**40**		**41**	**886**

(जारी.....)

परिशिष्ट - III (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
मार्च : 2015																			
81	एनईआरसी141571 टी	प्रशिक्षण	एम जी एन आर ई जी एस की योजना और प्रबंध के लिए भू- स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	2-6 मार्च	एनईआरसी	ए सिम्हाचलम डॉ . के हलोई	10	0	0	0	0	2	0	0	12	2	96	5	60
82	एनईआरसी141508 सी	क्षेत्रीय	असम में बील मत्स्यपालन का सतत प्रबंध	12-13 मार्च	जयसागर	डॉ . के हलोई	0	0	0	0	0	0	0	43	43		NA	2	0
83	एनईआरसीएसएलएनए 19 टी	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी परियोजना प्रबंध पर व्यापकर प्रशिक्षण	16- 31 मार्च	एनईआरसी	"डॉ . के हलोई ए सिम्हाचलम"	21	0	0	0	0	0	0	0	21	7	88	16	336
84	एनईआरसाआईएवाई 1 टी	प्रशिक्षण	आई ए वाई के लिए बही खाता और लेखाकरण पर टी ओ टी	17-19 मार्च	एनईआरसी	श्री बि.एन. षर्मा श्री एस के घोष	22	0	0	0	0	0	0	0	22	2	88	3	66
85	नईआरसी141546 टी	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास परियोजनाओं की प्रभावी योजना और कार्यान्वयन पर उतर्रापृष्ठ कार्यक्रम	23-27 मार्च	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	5	0	14	6	0	0	0	0	25	9	90	5	125
86	एनईआरसआईएवाइ2 टी	प्रशिक्षण	आई ए वाई के लिए बही खाता तथा लेखा करण पर टी ओ टी	23-26 मार्च	एनईआरसी	श्री बि.एन. षर्मा श्री एस के घोष	26	0	0	0	10	0	0	0	36	5	88	3	108
							84	**0**	**14**	**6**	**10**	**2**	**0**	**43**	**159**	**25**		**34**	**695**
				कुल			**1464**	**0**	**107**	**149**	**35**	**24**	**0**	**433**	**2212**	**476**		**437**	**8424**

परिशिष्ट - IV

वर्ष 2014-15 के लिए एन आई आर डी एवं पी आर जयपुर केन्द्र जयपुर का प्रशिक्षण कार्य निष्पादन

क्र. सं.	कोड	प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	संकाय	स्थान	सरकारी अधिकारी	बैंकिंग एवं सामान्य संगठन	जिला एवं पं.रा.संस्थान	स्वैच्छिक संगठन एवं एनजीओ	राष्ट्र/राज्य अनु एवं प्र.संस्थान	महाविद्यालय/कॉलेज	अंतर्राष्ट्रीय	अन्य सरकारी उपक्रम/व्यक्तिक	कुल	महिलाएं	प्रशिक्षण दिवस की संख्या	प्रशिक्षण व्यक्ति की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
1	एनआईआरडीजेसी141502	प्रशिक्षण	ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए एस एच जी बैंक लिंकेज	9-11 अप्रैल	श्री ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	3	12	6	1					22	5	3	63
2	एनआईआरडीजेसी141503	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास के लिए भू-संसूचना	21-24 अप्रैल	मनु शर्मा	एनआईआरडीजेसी	7			4	1	5			17	3	4	68
3	एनआईआरडीजेसी141501	प्रशिक्षण	प्राकृतिक स्रोत प्रबंध के लिए खुला स्रोत क्यू जी आई एस अनुप्रयोग	07-11 अप्रैल	एच के सोलंकी	एनआईआरडीजेसी	22			5		6			33	3	5	165
							32	**12**	**0**	**15**	**2**	**11**	**0**	**0**	**72**	**11**	**12**	**296**
4	एनआईआरडीजेसी141505	क्षेत्रीय	प्राकृतिक स्रोत प्रबंध के लिए खुला स्रोत क्यू जी आई एस अनुप्रयोग	19-23 मई,	एच के सोलंकी	एमजी एसआईआरडी जबलपुर म.प्र	14			2		8			24	9	5	120
5	एनआईआरडीजेसी141506	क्षेत्रीय	ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए एस एच जी बैंक लिंकेज	21-23 मई,	ए के माथुर	हिपा शिमला	15	15		7	1				38	8	3	90
							29	**15**	**0**	**9**	**1**	**8**	**0**	**0**	**62**	**17**	**8**	**210**
6	एनआईआरडीजेसी141507	क्षेत्रीय	आई डब्ल्यू एम पी के लिए जी पी एस तथा खुला स्रोत क्यू जी आई एस	02-06 जून,	एच के सोलंकी मनु शर्मा	एचआईआरडी निलोखेरी हरियाणा	31								31		5	155
7	एनआईआरडीजेसी141509	प्रशिक्षण	ग्रामीण आजीविका का विकास और बढावा	18-20 जून,	ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	7	10		9					26	5	3	87
							38	**10**	**0**	**9**	**0**	**0**	**0**	**0**	**57**	**5**	**8**	**242**

(जारी.....)

परिशिष्ट - IV (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
8	एनआईआरडीजेसी141510	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी के प्रबंध के लिए भू-गतिकी प्रौद्योगिकी	07-11 जुलाई,	मनु शर्मा	एनआईआरडीजेसी	19			-		-			19	5	5	95
9	एनआईआरडीजेसा141512	प्रशिक्षण	सूक्ष्म ऋण प्रबंध	23-25 जुलाई,	ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	4	12		8					24	2	3	90
							23	**12**	**0**	**8**	**0**	**0**	**0**	**0**	**43**	**7**	**8**	**185**
10	अतिरिक्त	क्षेत्रीय	वन्यजीव प्रबंध मे जी पी एस तथा खुला स्त्रोत क्यू जी आई एस का उपयोग	04-09 अगस्त,	एच के सोलंकी मनु शर्मा	कोटा म.वि, राजस्थान	7			1		28			36	10	6	216
11	एनआईआरडीजेसी141514	प्रशिक्षण	ग्रामीण आजीविका का विकास और बढावा	12-14 अगस्त,	ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	6	11		6	1				24	3	3	90
12	अतिरिक्त	प्रशिक्षण	जलागम परियोजनाओ के लिए योजना और प्रबंध के लिए भू-गतिकी प्रौद्योगिकी	18-22 अगस्त,	एच के सोलंकी	एनआईआरडीजेसी	22		1	3		6			32	5	5	160
13	एनआईआरडीजेसी141515	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी के लिए योजना टूल्स तथा तकनीक	26-28 अगस्त,	एच के सोलंकी	एनआईआरडीजेसी	13			9		1			23	4	3	69
							48	**11**	**1**	**19**	**1**	**35**	**0**	**0**	**115**	**22**	**17**	**535**
14	एनआईआरडीजेसी141516	प्रशिक्षण	जलागम परियोजनाओ के लिए योजना और प्रबंध के लिए भू-गतिकी प्रौद्योगिकी	08-12 सितंबर	मनु शर्मा	एनआईआरडीजेसी	11			5		9			25	6	5	125
15	अतिरिक्त	प्रशिक्षण	जलागम परियोजनाओ एवं एमजीएनआरईजीएस के लिए योजना और प्रबंध के लिए भू-गतिकी प्रौद्योगिकी	15-20 सितंबर	एच के सोलंकी	एनआईआरडीजेसी	30					5			35	6	6	210
16	अतिरिक्त	प्रशिक्षण	प्रभावी ग्रामीण ऋण प्रबंध	15-20 सितंबर	श्री ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	30					5			35	6	6	210
							71	0	0	5	0	19	0	0	95	18	17	545

(जारी.....)

परिशिष्ट - IV (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
17	एनआईआरडीजेसी141518	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनाओ के लिए जीपीएस तथा खुला स्त्रोत क्यू जी आई एस अनुप्रयोग	27-31 अवतूबर	एच के सोलंकी	डी डी यु एस आई आर डी लखनऊ	27								27	4	5	135
18	एनआईआरडीजेसी141519	क्षेत्रीय	प्रभावी ग्रामीण ऋण प्रबंध	15-17 अवतूबर	ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	2	10		11	1				24	2	3	90
							29	**10**	**0**	**11**	**1**	**0**	**0**	**0**	**51**	**6**	**8**	**225**
19	एनआईआरडीजेसी 141520	क्षेत्रीय	आई डब्ल्यू एम पी के लिए जी पी एस तथा खुला स्त्रोत क्यू पी आई एस अनुप्रयोग	17-21 नवम्बर,	एच के सोलंकी मनु शर्मा	एसपीआईपीए अहम्दाबाद	21	-	-	-	-	-			21	0	5	105
20	एनआईआरडीजेसी141521	प्रशिक्षणा	ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिए योजना तथा प्रबंध के भू गतिकी प्रौद्योगिकी	24-28 नवम्बर,	मनु शर्मा	एनआईआरडीजेसी	11			9		6			26	3	5	130
							32	**0**	**0**	**9**	**0**	**6**	**0**	**0**	**47**	**3**	**10**	**235**
21	एनआईआरडीजेसी141522	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास के लिए आई सी टी तथा आई ईसी	02-05 दिसम्बर,	मनु शर्मा	एनआईआरडीजेसी	6			5		0			11	1	5	55
22	एनआईआरडीजेसी141522	प्रशिक्षण	प्राकृतिक संसाधन प्रबंध के लिए जी पी एस तथा खुला स्त्रोत क्यू जी आई एस अनुप्रयोग	08-12 दिसम्बर,	एच के सोलंकी	एनआईआरडीजेसी	21					4			25	1	5	125
							27	**0**	**0**	**5**	**0**	**4**	**0**	**0**	**36**	**2**	**10**	**180**
23	एनआईआरडीजेसी141523	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिए योजना तथा प्रबंध के भू गतिकी प्रौद्योगिकी	05-09 जनवरी,	मनु शर्मा	एनआईआरडीजेसी	11			3		1			15	1	5	75
24	एनआईआरडीजेसी	क्षेत्रीय	प्रभावी ग्रामीण ऋण प्रबंध	05-09 जनवरी,	ए के माथुर	एनआईआरडीजेसी	27								27	4	5	135
							38	**0**	**0**	**3**	**0**	**1**	**0**	**0**	**42**	**5**	**10**	**210**
25	एनआईआरडीजेसी141520	क्षेत्रीय	ग्रामीण आजीविका का विकास और बढावा	5-10 फरवरी	ए के माथुर	एसआईआरडी एसपीआईपीए गुजरात	21								21	1	5	105
							21	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**21**	**1**	**5**	**105**
					कुल		**388**	**70**	**1**	**93**	**5**	**84**	**0**	**0**	**641**	**97**	**113**	**2968**

परिशिष्ट - V

वर्ष 2014-15 के लिए ई आर सी, पटना, बिहार का प्रशिक्षण कार्य निष्पादन

क्र. सं.	कोड	प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	संकाय	स्थान	सरकारी अधिकारी	बैंकर्स एवं सामान्य संगठन	जिला परिषद एवं पं रा संस्था	स्वैच्छिक संगठन एवं एनजीओ	रा./राज्य अनु एवं प्रशि. संस्थान	विश्वविद्यालय /कालेज	अंतराष्ट्रीय	अन्य (सरकारी उपक्रम/व्यक्तिक)	कुल	महिलाएं	सर्वांगिन प्रभाविता प्रतिसप्ता मे	प्रशिक्षण दिवस की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
1	ईआरसी141501	प्रशिक्षण कार्यक्रम	आपदा पूर्व तैयारी के लिए समुदाय पहल	7-12अप्रैल	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245
2	ईआरसी141502	प्रशिक्षण कार्यक्रम	ग्रामीण विकास फ्लैगशिप कार्यक्रम तथा सी बी डी एम सहित समन्वयन	12-17 मई	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245
3	ईआरसी141503	प्रशिक्षण कार्यक्रम	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों द्वारा आपदा जोखिम को कम करना	23-28 जून	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245
4	ईआरसी141504	प्रशिक्षण कार्यक्रम	सी बी डी एम पूर्व तैयारी तथा नीतियां	21-26 जुलाई	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245
5	ईआरसी141505	प्रशिक्षण कार्यक्रम	ग्रामीण आजीविका तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष संदर्भ सहित आपदा प्रवृत क्षेत्रों में पी आर आई तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का प्रबंध	22-27 सितम्बर	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245
6	ईआरसी141506	प्रशिक्षण कार्यक्रम	सी बी डी एम में एन जी ओ, सी बी ओ एन सी सी तथा सिविल डिफेस स्वयंसेवको की भूमिका	3-8 नवम्बर	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245

(जारी.....)

परिशिष्ट - V (जारी.....)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
7	ईआरसी141507	प्रशिक्षण कार्यक्रम	सूरक्षा प्रवृत क्षेत्रों में रोजगार सृजन तथा निर्धनता उन्मूलन के लिए ग्रामीण प्रौद्योगिकी कौशल विकास तथा ग्रामीण उद्यमशीलता	2-6 दिसंबर	ई वी पी राव	ईआरसी				49					49		5	245
8	ईआरसी141508	प्रशिक्षण कार्यक्रम	सूखा प्रवृत क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंध	9-14 फरवरी	ई वी पी राव	ईआरसी				56					56		5	280
							0	**0**	**0**	**399**	**0**	**0**	**0**	**0**	**399**	**0**	**40**	**1995**

स्वरुप

- एन आई आर डी एवं पी आर का स्वरुप आने वाले वर्षों में उन नीतियों और कार्यक्रमों पर प्रकाश डालना है जो ग्रामीण निर्धनों को लाभ पहुँचाये, लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया में उन्हें बल प्रदान करें, ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं की क्षमता और परिचालन को सुधारे, अपने सामाजिक प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी अंतरण को बढ़ावा दे तथा पर्यावरणीय चेतना जगाए ।

- ग्रामीण विकास मंत्रालय के "विचार भंडार " के रुप में कार्य करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास पर सूचना एकत्रीकरण के माध्यम से मंत्रालय को नीति प्रतिपादन और प्रवेशकों को ग्रामीण विकास के विकल्पों का चयन करने में सहायता प्रदान करता है ।

www.nird.org.in